

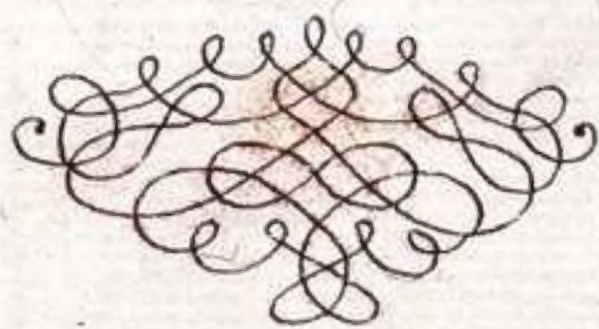
SYNOPSIS
Historiarum

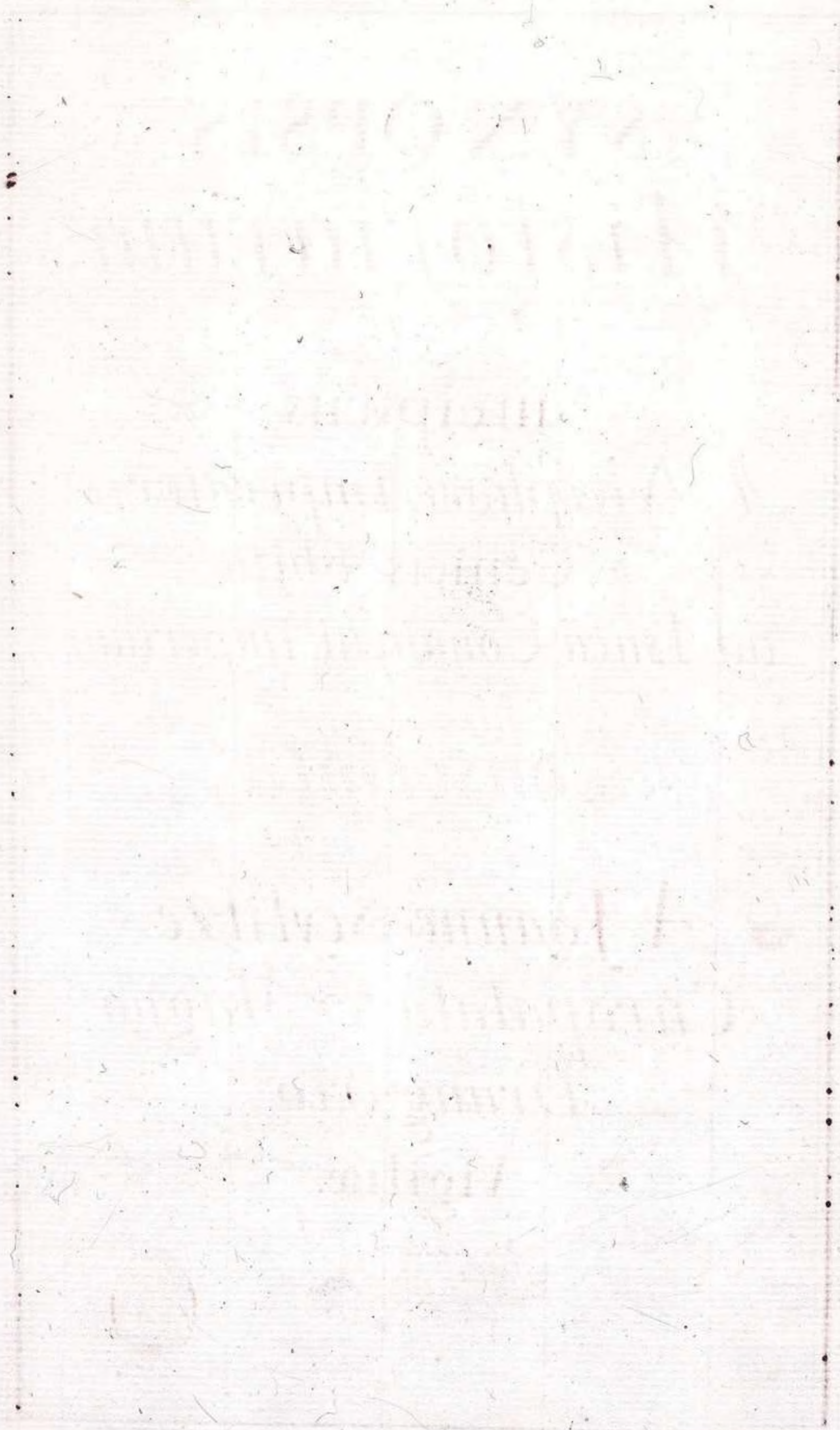
incipiens

*A Nicephori Imperatoris
à Genicis obitu
ad Isacii Comneni imperium*

conscripta

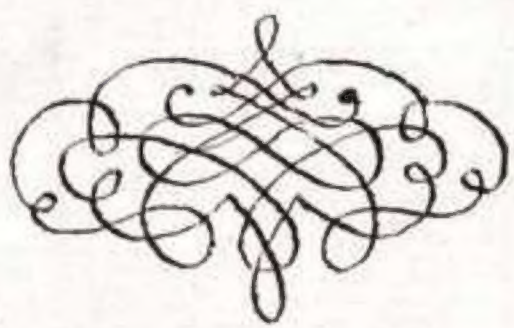
*A Joanne Scylitze
Curopalata & Magno
Drungario
Vigiliæ*

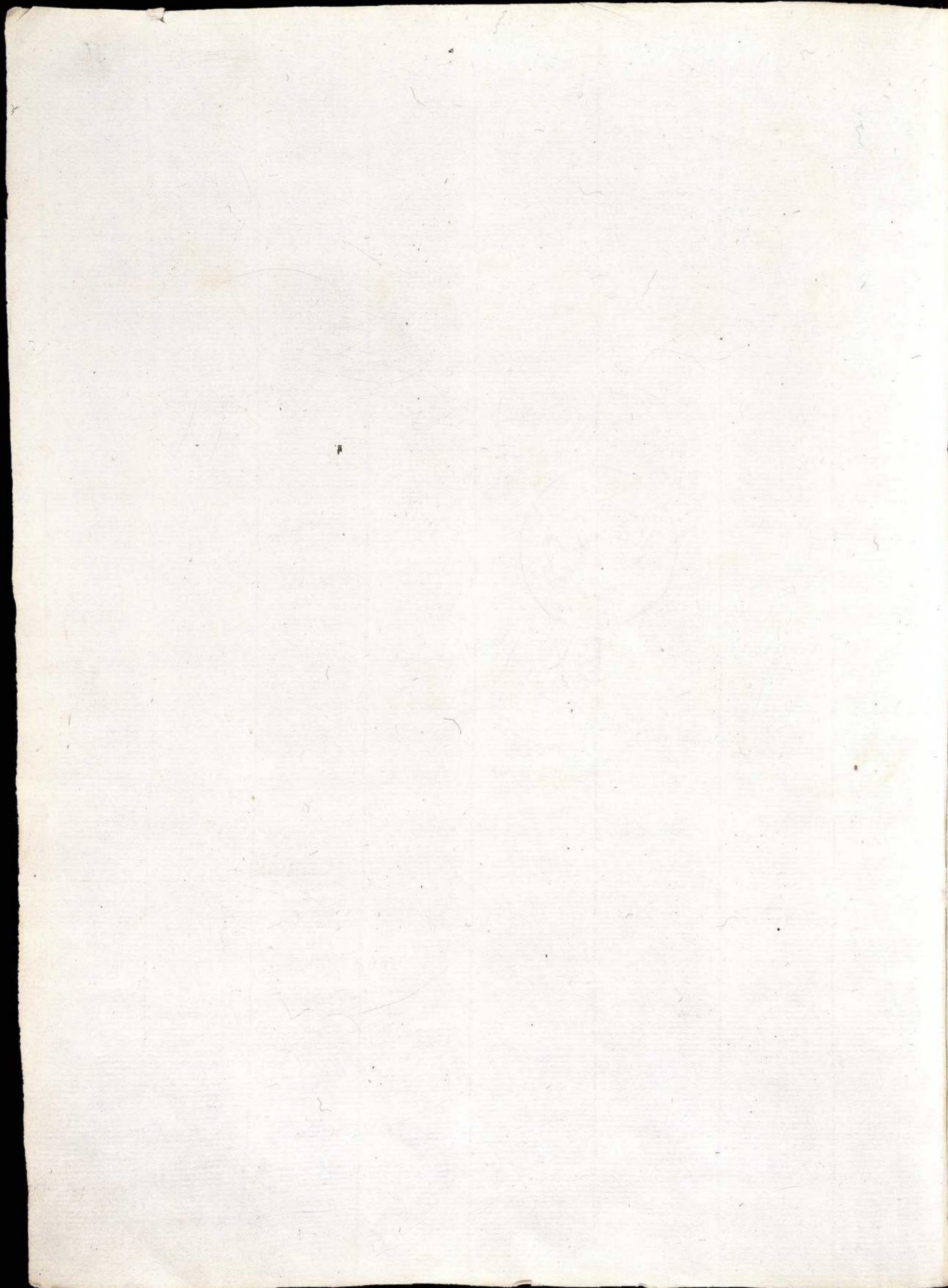




Nota

*Hæc Historia græcè nondum vidit Lucem, sed
extat latinè ex versione Jo. Bapt. Gabii fol. Venetus
1570 apud Nicolinum editio, rarius obvia. Fabric. Bi-
blioth. Græcæ vol VI. Lib. 5. cap. 5 pag. 387.*







EUROPA

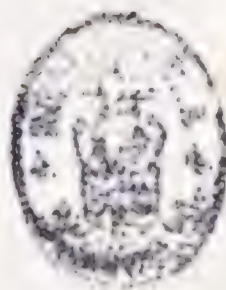
palatē

Istoria.

desde la muerte de Nicphoro

*Rey de los Límicos hasta el Ymperio
de Vsaco Commeno, con figuras.*

tiene 234. folios



20th Nov 1823

Chorley

2nd Nov 1823

ταύτην πωθέντα σιχρο
καθίσματα· ἐκμαθεὶν τὴν ἀ
δελφότητα· μαρτυροῦ
μεν αὐτοῖς ἐπὶ προσόντων
σοὶ ἐν πολλῇ ταπεινότητι
πληθύνων τὸ πάλαι τὸν ὅτι
ραυτοῖς κεχάριται· ἡμεῖς
σὺ τῆς ἀλογισμῶν ἐκείνης
φρονῆς· εὐδουλεῖσθε
ἐπὶ σέ· ὅτι ὀλίγων ἐπὶ σέ· ἐ
πὶ πολλῶν σε καταστήσω· ἀλ
λὰ καὶ σὺ καρδὴν λαοῖς· πε
ρίφορος ἐσὶ καὶ ἐπιμελὴς
τῆς δοθείσης σοὶ διακονίας·
ἐκ τῆς γὰρ καὶ θεῖκῃ· τήρει
τὴν φῆμιν τοῦ ἁγίου, ὡς τοῖς
δαίμοσι φθάλμους· φῶτα
καὶ εἰς καταπόρσο πομπῇ
γινόμεθα· καὶ εἰ πρόσβα
σι λέω τίς κήρυξ ἐξάπαρ·
ὅλος μου μεχέσας ὅτι ἐπα
ρεσμία γινέσθαι τῆς ἐκεί
νου θέας, πόσο γε μαμυτέ
κρον μου σὺ τὰς παμβασιλῆ
ας· καὶ ὑποπα
σης τῆς κτίσεως

δορυφορουμένω· ὁ φεί
λις ἐκ πόθου καὶ τρόμου
καὶ τὰς ἐξάφεις ποιείσθ·
ἵνα πορμύσειν· κατα
ροτὸν βεῖν· σὺ μὲν ὁ
φῶς· κατὰ μῆκος οὐτοῦ
πεποιημένου τῆς καρδίας
λαοῦ τοῦ ἀπείρου· ἡμεῖς
ἐν τῇ ἑερομύρια, παρὰ
χρησὶς γίνονται· καὶ τὰ
ἀποκαρδὴν λελαῖος· χρῶ
εὐσεμῶς· καὶ εἰδὼν
τὸν· αὐτὰ καὶ αὐτὸ· ἡμεῖς
ἐν τῇ αὐτῇ ἀφῇ προσαρ
λίσκεται· εἰ δεμνείκῃ
ἐν ἀλλοῖς καθάρσις πράμα
σιν· ὑπὲρ πάντων τῶν
κοίμητον· αὐτὴ γὰρ εἰς
τὴν πορ τοῦ ἀσβεστοῦ λήγῃ
τοῦ παλαιού μου τιρεῖ
ται· ὅς ἡμεῖς ἐν τῷ θύσας
ρίω εἰς πᾶσι τῶν ὁρίων·
ἀείφωτος· τὴν φιλοκλ
λίαν τῆς ἐκκλησίας· δα
τέρει· ἐν τῇ ἐβδωμάδι πάντων
ἀποκομιῶν τοῦ φειδόμεν

τῆς ἐπιγραφῆς· μηδὲ οὐκ
προσαμαρτωλῶν καὶ τυχῶν
διδοῦν τυλὸν ἀποτίον·
ὅτι ἡ ἀληθεία τοῦ μοναχῆ
ἐν ἅπασιν· τρίτος σὺ
Μοῖσῳ λόγου τέλει οὐκ ὀνομα-
ζόμε· κατὰ τὰς ἀπεταγμέ-
νους ποταμούς· οὐ μὲν ὁ
σεφάρων εἰς ἄγιος· ἐν τῇ
κοπῇ δὲ ταῦτα ταῦτα καὶ ἅ-
παντα διακονίαι· γινώσ-
κε ὅτι μου τοῖς μου μέρος
τοῦ ὁλοῦ σώματος μου με-
ζώσε ἀμαρτανάζειν καὶ
ἐν τοῖς δόξιοις μου πα-
ρισταῖται· σεμνὰ μαρτυ-
ρῶν καὶ ἀποκρίνεται καὶ τῶ
ὑψιλὸν θεία· κληρονομία
δοῦν ἡμῶν· ἀποπευξεῖ
γὰρ τῆς ἐκείθεν· εἰδὲ γε
ὡς ἐξαμύσειας τὸν ὅ-
πον· ἀρβύλλας δὲ τῶν τευ-
ξεῖ ἐκείθεν τῆς ἀμαρταν-
σεως· ἄλλοι ἀμαρταν-
κείσασιν· ἕτεροι προσ-
χεύουσιν· ἄλλοι ἡ σιχα-
αἰτῶσαν· ἡ ἄλλα τι τῶν

παρμένων· σὺ ἰσοδρόμῳ
καὶ ποταμῶν· ἀνισχού-
σιν οὐκ ἔστιν ἡμέρας, περι-
έρχου ἐν καὶ ἐν τῶν ἁρ-
ρωτων· ἀμαρτανάζειν
ἐκείθεν τὸ νόσιμα· πρὸς
ἅπαντας τῶν αὐτοῖς τὰς
φίλια· καὶ ἡλικίαν καὶ
ἐξελ· καὶ ἀπὸ τῆς ἐπιθε-
ωρῶν· καὶ πρὸς πάντας τῶν
προσφορῶν ποιούμενος·
διδοῦν τὸ γὰρ φησιν· οὐκ ἔ-
στιν ἐξίσου· ἀλλὰ καθότι ἂν
τῶν χρεῖαν εἶχον· ἐν τού-
τοις δὲ μέγαν· σεφάρων
φορῶν εἰς ἐλάση ἐς τὴν βα-
σιλείαν τῶν οὐρανῶν· ἡμεῖς
Αὐτὸ τέκνον μου οἶμοσι λαομέ-
μοι· ἀχαρίστος τὰς ἡμεῶν
μορτὰς δὲ χεῖρας· ἀρκούμε-
μοι τοῖς δόξιοις ἡμῶν·
εἰδὲ καὶ ἐπὶ τῇ τε, μέχρις
ὑπομνήσεως· ὡς ἂν ὅτι
πῶς ἡμεῖς τὸν φροντί-
δου ποίησιν· περὶ τῆς ἀχα-
ρίστοις ἡμῶν· κληρονομία
κληρονομία· ἀρκετὸν ὅτι
ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν· δουλοῖται

Μὰ τὴν αἰὲν πύλιν τοῦ θύ· ἡ
παρισταῖ κατὰ τὴν ἐνδύ
χομένην δαίναμιν τοῦ μο
ματρίου, τὰ ἐπιτίθειαι
ἐκάτω· ἔαν οὐκ ἔμιν
Μείνητε ταῦτα πάντα ταπῶν
θάροντες· τί μωροὶ ὄντε
σὲ μαρμαρῶν ἄξιοι· ἀλλὰ μω
μοιγενοί το, ὅτι τίς ἡμῶν
ἐξ ἀφολεκτίσει· ἡ μωρο
λογίσει· ἡ κακοπραγίσει·
ἡ ἀπογογίσει· ἡ ἐρεσχ
λιάσει· ἡ τὸ καταδύναμι
μὴ ἐργολάβισι· πᾶσι
δυσάχομαι τὰ κράτιστα·
λαβὼν δέ μοι τούτο πάλιν
προσθήρησθαι μοσοκο
μέ· καὶ πάντες οἱ μοσοῦν
τες πέωσιν ὑποδύχμε
μοι τὰ δὲ δόμους· αὐτὸς
ὁ μωρὸς μὴ προσπαθεῖσθαι κλι
μῆσ τὴν ψυχὴν σου· καὶ πα
λὸς ἐκ πλεονίσθιν τὴν ἔρε
μερίαν· οὐκ ἐκ τῆς ὑπο
κειμένης ὀφείας τοῦ κειμέ
νου ὁλκόμενος· ἀλλ' ἐκ
προσκλήσεως καὶ ἀμαρ
τίας· ὁ πρὸς οὐκ οἶμαι· ὅτι

πάντα εἴασας καὶ σου· ἄρα
δαμνίαν ἡ δόμιν καὶ θέλι
μα· ἀπολέσσομεν τὴν ὑ
πέρβιον τῶν πᾶν ὁμῶν
ψυχῆν· πάντα δὲ αἰὲν
τὴν καὶ πρᾶξι μὲν καὶ
πρᾶξι μὲν· καὶ τοῖς ἐν
ταῖς ἄλλαις διακονίαις·
προσείρουσαι μὴ λαλῆ
σαι· ἀλλὰ ἀπὸ τοῦ ὁρῶν
μὴν τὸ μᾶλλον τὴν κατὰ
σιν· ὅτι κατεπείγεσθαι
μὲ κατὰ τὴν ὁρᾶν ἐν ἄλλοις
πράγμασι· συνεκλείσθαι
τούτοις τὸν λόγον· παρε
χον ἡμῖν ἐφ' ὅσον τὴν ἡ
αὐτὴν τὸν πρὸς ἡμῶν· ἐν
ἡσυχίᾳ καὶ μεν πάντες·
καὶ λατὰρ τῶν μερῶν
μᾶλλον πελεῖο τῆς τοῦ ἐν ἡ
ἡ τοῦ κυρίου ἡμεῶν·
ὁ δὲ ὁρᾶ καὶ τὸ ἡμεῶν
τοῦ εἰς ἡμῶν αἰὲν ἡμεῶν
τῶν αἰὲν ἡμεῶν
ἡμεῶν + + +

[illegible][illegible]

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840.

[illegible]

Огънѣхъ
всехъ и каебъ
и дрѣвѣхъ и до нѣдѣли

το ποτιριον τουτολοι
νορδιν. οβτισον παρ
τες οι πατερες ημεων
το αυτο πινουσι μεκορο
λαι πορδομαι προσ
τον πορδμου. μεπε
τε την παραλαταθι
κηνην παρεθεμενημεν
την ποιαν ημεων φυλα
ξατε εσθλευτον. και του
μεον αι κηλιδον. πλε
ον γαρ πλενειν ουκαρο.
Δατο παρτατα οφει
λοντα και πορδμηει
λαι ημεν και πορδιδαι
ξαι. πορδθεις και τουτο
οτι σειρ κησοντασ και
τησ ογαπασις. ταςδε
ποτι ημεων τας ερχι
ρει τον διαεδισ και τι
μησ απασμεν απανει
ματε. τοις λοιποισ
πατρσιν ιερα και αι
λαι ιερεισιν. τοις χυσ
μοις και ταϊς. τοις δια
Κυ δε δια ημενοισ. απα
σι τοις εδελφοις. φει
λοιαι και πορδμου και
και τοις εν τω παρδ
ποιατασ ογαρ ημεν και

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ma
neg spartasi

[illegible]

Εδωκεν τοις τούτοις και ο κρουμος εις οργισατο. και τον υιον του σιωτα εσφαζον. αμτηρο ποσεισθητω και οι
υπολαβοντες τε και οι υιοι του εκαστου παραλαβεντες ετρατον. και λογον ετομε-
 γον και παραινεσις εις πορτες. παρακαλεσαι ημερα προς αλκήν. τειρος το πομ-
 μικον τοις σελωσις εις μινα μενοι. αλλα λαοι προσεβρασαν.



Ερωτησαν οτι πορρο μαίωρ υποσφηνωρ τοις τούτοις. ηρωι κοσπε και αμδρι και τα χει-
 ρισμενων. εδαπαμα τοις τούτοις. και κανεις πατρις αμεινι πασο γνη.
 ηδη και ο κρουμος αμεινι. αλλα ταχονι εις πομ μικον και τα πορροσθη-
 τρατα μαχων. ημελιω οτι ομαρταλ και ηρασηρο. τισ βασιμιας ερω-
 και τα υποσθη. αλα θειρας ταγματα. αν αυτοις τηρτο εραπολ παμ. ουχ ετοφωρον
 αι τις χειρις. τοντο και ολοι ποτμασ τηδω. εξεπλαιη. και τοντο μοντησ αρει-
 ποσι χαμροσι.



Καὶ οἱ μὲν λῆροί· ὁ σορὸν δὲ ποφάγῃ ἐπὶ δόξῃ
ῥόμπε· ἀμὰ ἀρρήσασθε· ἐπὶ λήθῃ μετὰ μα-
μόντοισιν αἰνέοις· καὶ παμντροπορτικὴν κηρὲν ῥάσασθε
τῇ ὥσιν μετὰ τῇ αἰνέοις καὶ ταμνέοντες τὰς τιμὰς· τῇ μὲν βουλῇ αἰνέοντες οὐκ ἐδέξατο
πορομοίαν· ἀλλὰ τὴν πορομοίαν ἐδέξατο· ὡς ἀλλοτρίοι μεν καὶ τῇ γραφῇ· ὡς ἀλλο-
πολλοί· τῇ πορομοίᾳ καὶ τῇ γραφῇ τῇ πορομοίᾳ
ρμ



δὲ βασιλεὺς· μόλις μετὰ τῇ πορομοίᾳ αἰνέοντες· εἰς ἀρμάδου τοῦ λήθῃ ἀσπάζεταιται
ἀφ' ἧς ἀσπάζεταιται



ἐκείθεν ἔτι τὴν ἡσυχίαν καταλαμβάνει. τὸν εἰρημὸν μένοντα μετατρέψαι αὐτὸν. ἐν τῷ κατὰ
 πρῶτον προσμερίμ. καὶ τὰς λεηλασίας τῶν μουσουλμάνων καὶ τὰς ἐκθρομὰς ἀμαρτωλῶν. ὁ δὲ
 καὶ αὐτὸν ἀρτί γερόμερος. ἡν ὡδὶν ἐν τῷ κρυπῷ. εἰσφῶς ἐξαίρετο γαστράμ. Κοιμῶσά μεν
 γὰρ τοῖς αὐτοῦ τῶν ἡσυχάτων. καὶ καιρὸν ἐπὶ τῇ δεινῇ ἐναιφίσας εἰς τὸ πλεονεξῶσαι τοῦ ἀπολαζόμε
 νου. καὶ ἀντιπρὸς ὑποπείρας ἀπαρτί τῶν γρατῶν. ὥς τῇ ἀφελείᾳ τοῦ νοσήσεως. καὶ τῇ
 προστάσι γρατῶν καὶ μελέτας ἀσκήσια. τὰ τέρωμαι καὶ φαίονται τῇ. καὶ παλαιὰ δοξαζ
 ἀκλεία ὡς τοῦ τέρωμαι. καὶ οὐκ ἀφθέραις τοῖς γρατῶν. ἀρτί πορὰς ἐκ τῆς προ
 πῆς ἐπαφρομένης περὶ τοῦ καὶ γινώσκω. καὶ μετὰ τῶν τῶν αὐτῶν γρατῶν. πείθει προσ
 ἀφτὰς αὐτῶν ἰδεῖν.

ἔμν τ δ γ α
 λ γ ἀφφρενε πέραι λ γ.



Ἡ Κίμω γὰρ ὁρμίστην σκηνὴν τούτου περιεσχίσατο. ὁποῦ μεν ἀρετῆς καὶ ἀμαρτωλῶν
 περὶ τὸ πρῶτον αὐτῶν. δὲ λοιπὸν αὐτῶν καὶ ὡς καὶ ἀμαρτωλῶν. καὶ ἐξαφελείας. τὰ τέρω
 μαι καὶ ἀπομύτα γρατῶν. καὶ τοῖς καὶ τῇ ἀφθέραις τοῦ νοσήσεως. αὐτὸν δὲ ἀφ
 φαδρὰ φημι. καὶ βασιλεὺς αὐτῶν καὶ ἐκ τῆς ὑπομνήσεως. τῶν πομῶν αὐτοῦ καὶ τῇ
 χιρὰ ποσειόμενου. μετὰ δὲ ἐξ ἀμορίων στρατῶν. ταῦτα πομῶν αὐτοῦ καὶ τῇ
 Κονέξη γινόμενος. τοῦ δὲ καὶ ἀμορίων τοῦ ἐργον μετὰ τοῦ

ἐλθέτω τρέφας· ἀφαιρήσει μὴ πικίλει· ἐμὴ Κοιτώσ προσδύοι το τμήμαρχον



Καὶ οὕτω μένοντος αἰχμα περιήθηται· καὶ βασίλειος ἐμαυτοῦ ἀγορεύεται· πρὸς μὴ δὲ ταῦτα γενέσθαι·
 ἐκ τῆς τροπῆς ἐπαμύχων τῶν βασιλέων μίχαλ· καὶ γενομένης αἰσλιδόσχησθαι· ἰωὺ δὲ ξαβούλιος σιγαμ
 τῆς αἰσλιδόσχησθαι· τὸ πᾶν γὰρ ἐν γενοῖσφ ἐρεῖ καὶ μαρλοῦντος· παρῆναι· καὶ ἐπισημειώσθαι· ἡ αἰὲν κα
 ταμπερτοῦ γρατέως αἰὲν ἐκ γένετον· ὅς· λέοντα ἐπὶ τὸν γρατέως πύμα ατολικῶν· ἀφ' ὧν αἰὲν
 χρόνιστον καὶ ἀφ' ὧν αἰὲν αἰσλιδόσχησθαι· ὅπερ αἰὲν αἰσλιδόσχησθαι· φαίμεν αἰὲν αἰσλιδόσχησθαι· πολὺν αἰ
 αμαρτάνων τῆς αἰσλιδόσχησθαι· καὶ οὐ μὲν εἶπε ταῦτα· οὐκ αἰὲν αἰσλιδόσχησθαι· ὅς· τῶν αἰσλιδόσχησθαι
 ἐπιβήναι· καὶ τῶν μέοντος ἀνάρκιστος κατηγγέλετο



ἡ αἰὲν αἰσλιδόσχησθαι· καὶ οὐ μὲν εἶπε ταῦτα· οὐκ αἰὲν αἰσλιδόσχησθαι· ὅς· τῶν αἰσλιδόσχησθαι



μὴ δὲ εἰς.

πᾶσι τοῖσι χεῖρα ἔδωκεν· καὶ τὸν ἄνθρωπον αὐτὸν ἔκρινεν· οὗτος δὲ ἐκ
 ρηρὶ κόστου ἀποστῶν· καὶ πρᾶγμα ἐαυτὸν ἐποίησεν· μὴ θέλων ἀδελφὸν ἔχειν· ἀποπεί-
 σμα· τοῖς μερὺς τῶν ἰσχυρῶν ἐπέτιμα· μὴ ἐρεθίζεῖν αὐτὸν εἰς ἐμφύλιον χωρὶς ἑαυτοῦ
 ἡλίας· τῶν τῆς ἀδελφείας τὸν ἐξέτα μετὰ προστορμὸντα· τὰ τῆς βασιλείας ἐπαγομένην
 σφύρα.



ὁ δὲ ἀδελφὸς τῆς βασιλίσσης· καὶ τὰ κοῦνικα ἠπεδίχα· αὐτὸς μὲν ὑπὸ σφύρῃ μερὸς παρὰ
 χωρὶς αὐτοῦ τῶν ἰσχυρῶν· καὶ βέλτορον εἶναι κρίνων· καὶ αὐτὴν παρὸν ἡ Κασσαπὴν θύειν·
 ἢ ἡγεῖται μὲν ἰδέμεν ἄνθρωπον· καὶ κραυγὴν ἀποσφραγίσαν· αὐτὸν δὲ πᾶσα ἀποπείσκει μερὸς
 ἀνὰ καὶ ἀγαθόν· ἐλθέτω καὶ παραμύσει αὐτὴν ἡ βασιλίσσα· προκοπὴ δὲ ἡ βασιλίσσης· ἀντὶ
 πρᾶτον αὐτὸς ἀρῶ μερὸς· καὶ καλὸν ἐργάσιον τῆς βασιλείας· λέγειν αὐτὴν εἶναι· ἐπεὶ μὴ ἐπὶ
 τῆς ἐσχάτης ἐπὶ πρᾶτον· ὅτι δὲ μὴ καὶ περὶ ἀδελφόν· εἰ περὶ τοῦ τυράννου· σὺν βύθῳ πε-
 ρὶ βαρύνοντο τὸν βασιλικὸν μοῖρα· ἐπὶ σκώτῃ καὶ πρὸς τὸ ταῦτα σφύρα· καὶ κατὰ
 αὐτὴν ὁμομάστα· ἐσκεπτετο πᾶσα ἀδελφότης κατὰ αὐτὴν· καὶ οἱ μερὸς τῆς βασι-
 λίσσης ἐμὲν τοῖς ἰσχυροῖς· ὁ δὲ τυράννος· ἀλὰ τὸ χριστὸς πορτὶ σφύρα μερὸς· ἀποπείσκει
 καὶ τὸν δαίμονα καὶ τὸν σκλήρον· ἡλθε γὰρ ἐστὸν ἐμὲν τοῖς ἰσχυροῖς τὸν προδρόμου αὐτοῦ· καὶ
 κεί τινος φορέου μερὸς· κατὰ μετὰ βασιλίσσης.





Μέλλω μὲν εἰπεῖν ἡμῶν ἀλλήλων ἐν τῷ χωρὶ πρὸς κλίρω ἀποδόνει τὰς τῶν ἐκ διαμύρου ἡμέτερας
φορὰς μὲν οὐκ ἔστιν· παρὲς σχετο πῶς τῶν ἀποκομῶν πρῶτον τὴν μηχανήν·
τὴν χιτῶνα πρὸς κλίω



Πούτῳ δὲ αὐτὴν ἐξ αὐτῆς ἀμφιεσάμενος· οἱ τῶν σέδοντες τὸ γῆρας τοῖς ἀσθενέσι· ὥς μετα
λέοντα· τῆς βασιλείας αὐτὸς ἐπὶ βῆσται· ἐπὶ τῶν ἀντιμαχόμενον τὸς ἐδὲ τὰ τὸν υἱὸν
καὶ ἀπὸ τῶν σέδοντες τὸν υἱὸν τὸς ἀντιμαχόμενον· οὐκ ἔστιν ἡ βασιλὴς ἀποφύγετο· καὶ ἀπὸ τῶν
ἐπὶ βασιλῆος καὶ πρῶτον τῶν ἀκροῦ τῆς βασιλείας ἐπὶ τῶν σέδοντες





οὗτο καὶ ἡ πόλις ὁλεώρηθη· καὶ μετὰ τὴν πόλιν ἔφυγον οἱ βασιλεῖς· ἔλα-
 φόντος δὲ μὲν τοῦ τυράννου εἰς τὰ βασίλεια· καὶ τὴν αἰχμὴν αἰδομένην αὐτοῦ βασιλείᾳ·
 μεταπραγμάτων καὶ τὰς πόλιν κρᾶσκατέσχετο· μετὰ τὴν αἰχμὴν αἰδομένην αὐτοῦ βασιλείᾳ·
 κοπῇ σιγῇ τοῖς σφετέροις αὐτοῦ· ἐλθόντος δὲ τοῦ βασιλέως· ὅς φησιν κατέρομαι· βετα προσφύγοις·
 ἡ Κεῖται ἡ πόλις



ὡς ἐκεῖθεν ἀποπλάσας ὁ τυράννος· ἀπὸ τῆς αἰχμῆς αὐτοῦ· καὶ μετὰ τὴν αἰχμὴν αὐτοῦ βασιλείᾳ·
 τὴν πόλιν αὐτοῦ τὴν πόλιν αὐτοῦ τὴν πόλιν αὐτοῦ· ἐν τῇ πόλει αὐτοῦ τὴν πόλιν αὐτοῦ·
 ζῶντες αὐτοῦ χρόνον· ὅς φησιν κατέρομαι· βετα προσφύγοις·

Και εμαρτυρητο σοι μετ' ολης προσχευτοτου κοπης· τοτι φως παυροι κεινον φησιν·
 μηδ' απομαρτην· και περιουσιας εκ πατρης υποσταται· τον πατρην ην την· οφρα
 αβυμια κατ' οχτη περ· και μη κοονδτηρ και αυτων βεβαια· ομνιστε ταυ φρενι·
 0 μωσ· ης σπιντωσ αποδοθης σοι υιος· και μη λαρτος απειρηνη δα του γραβλου· και
 ην ην· απαντησε το χειτολα κομωδης·



Ουτοκινχάλιμον. κατέχευε χυλόν· τινάζετο παρ' αὐτοῦ φεγγὶς δοῦσα τὴν ὁρὰν· ὁ δὲ με
 λων ἀνέβαινεν ἐκ ἀφ' αὐτοῦ ὡς ἡ πύλη τοῦ πρᾶγματος· παρὰ κύπινον ἐκ τῆς πυλῆδος ὡς
 ἤλθοι· καὶ ἀνέβη κατὰ ὅσον τοῦ παρ' αὐτοῦ· ὡς δὲ φεγγὶς ἐκείνη τοῦ βαρβαρῶν· ὁ δὲ με
 ταπαρ' αὐτοῦ ἔσπευτο πρὸς τὸν ἀνὰ κλινὴν· καὶ τὸν ἰλίου ἀποσάπην· ἐπεὶ σάρον
 μεσὶ τὸ πρὸς τὸν ἰλίου· ὅρτα· πρὸς δὲ κῆρας καὶ ἀνὰ ἰλίου ἵκοντο· ἄμω δὲ
 παρὰ τὸν τὸν παρὰ τὸν ἰλίου· σὺ δὲ κινχάλιον· ἐφ' ἡν ὁ παρὰ τὸν· καὶ τὸν ἰλίου βουλεύει
 καὶ παρὰ τὸν· καὶ δὲ σὺ δὲ κινχάλιον· ἐφ' ἡν ὁ παρὰ τὸν· καὶ τὸν ἰλίου βουλεύει
 σὺ δὲ κινχάλιον· καὶ δὲ σὺ δὲ κινχάλιον· ἐφ' ἡν ὁ παρὰ τὸν· καὶ τὸν ἰλίου βουλεύει
 ἵππων· ὅτε μεσὶ τὸν ἰλίου· καὶ δὲ κινχάλιον· ἐφ' ἡν ὁ παρὰ τὸν· καὶ τὸν ἰλίου βουλεύει
 δὲ κινχάλιον· καὶ δὲ κινχάλιον· ἐφ' ἡν ὁ παρὰ τὸν· καὶ τὸν ἰλίου βουλεύει
Επὶ αὐτὸν μεσὶ τὸν ἰλίου· καὶ δὲ κινχάλιον· ἐφ' ἡν ὁ παρὰ τὸν· καὶ τὸν ἰλίου βουλεύει
 τὸν τὸν ἰλίου· καὶ δὲ κινχάλιον· ἐφ' ἡν ὁ παρὰ τὸν· καὶ τὸν ἰλίου βουλεύει



πορεύθησ' βασιλέας· καὶ ὡς περὶ αὐτῶν βουλῆτον· ὁ βούλαρος δὲ πλεόντ' ἔπειθε· κρούτω ῥῶ-
μαί· ὡς ἡ τῆς ἐκφύσεως· τὴν φράκην κατέτρεχον· καὶ τὰ ἔμμεδ' ὅσω καὶ ἐλκ' ἔθοντο· ἔδο-
ξε δ' ὡς τῷ βασιλεὶ πρεσβεῖαν θείαν καὶ μόνον κινήσαντες ἐλκ' ἔρηνον·

Καὶ τὸ μὲν οὕτως



Τὸ δὲ βούλαρος φρουράς μερῶν· καὶ τὴν ἐλκ' ἔρην παρῶσ' αὐτῶν· ἔδωκε μάχης ἐπαγ' ἡσυχίαν
βασιλεὶ· καὶ ὡς· καὶ σφαλὰς ἔρποντες ῥαπιδότητων· μάχης ἐπ' ἐλκ' ἔρην· καὶ πᾶ-
λιν ἡ τῆς ταρῶσ' αὐτῶν καὶ ῥαπιδότητων·

τροπὴ ῥῶμα

βούλαροι



Τὸ δὲ βούλαρος πᾶσι δὲ ἐπ' αὐτῶν· ὁ βασιλεὺς ἐν πᾶσι τοῖς πόλεσι δὲ ἔστω μετὰ τῆς πε-
ρὶ αὐτῶν τῆς ταρῶσ' αὐτῶν· καὶ σκοπὸς τῶν δρόμων· καὶ καταπονήσας ὡς αὐτῶν· καὶ πᾶσι

ἀπὸ ἀριστερῶν τοῖς πόλεσι

ταῖς ῥά ποτε πόρταις οὐ βούλγαροι· ἐπὶ δ' αὖ κοῖτις τὸ σφάγιον τας· παραλαβέσας τὰς ἀφ' αὐτοῦ·
καὶ ἀνδρᾶς ἀγαθοὺς γενέσθαι καλὴν κτείνεσας· καὶ μὴ τῶν ῥωμαίων ἀκλείαν περὶ δέμῃν ἔχου-
σαι εἰς τὸ μηδὲν· ἐπὶ πῆται ῥαδοῖσ' αὐτοῖς· καὶ τὴν παραδόξω τῇ σὲ πῆσεωσ' ἰτρέτ' ἐμέ-
ρος τοῦ παρὰ τυχοῦτος· καὶ τοῖσι πόρταις μὲν ῥα ῥωμαίων γραπτὸν ματὶ ἀφ' ἡνδύω κατέπληξε·
καὶ τὰ ῥήσι καὶ πῖνασ' ἐνέπληξε· καὶ ἀλκίος· οὐδὲ σέ με μνηστὴ· τούτῳ μὲν ἐπεσὺν μέμνηται
προσμοῖ πολλῇ· καὶ αὐτὸς οὐ τῶν ῥωμίων ἀρχηγός· εἰ καὶ ταχέως ὑπὸ τοῖς ῥωμαίοις ἵπτοι κέλι
πᾶν ἀχθεῖσιν· δρασμῶ τῇ ῥοίᾳ ἐπ' ἀγῶματι ὑσίο· ἐφ' ὧσ' ἀνδρῶν πεσόντων μνηστὴ
πλέουσιν

νίκη ῥωμαίων

τροπὴ βουλγάρων



Τούτο τὸ εἶδος· τὰ μὲν τῶν βουλγάρων ἐταπείνωσε φρονημάτων· τὰ δὲ τῶν ῥωμαίων κωλύει
κυφώτα καὶ προσγῆν κατ' ἐνέουσαν· ἀνὰ ἀρρήσιν περὶ ἡνέκεν· ὁ δὲ κασιγὰς· μετὰ μὲν τῶν
τῶν τροπῶν καὶ λείας οὐ πολλὰς τῇ ῥοίᾳ λίδα καταμαρτυροῦν· τῶν μὲν χερσὶν εἶχε τὸ πρᾶγμα
ἀετὶ δὲ καὶ ἐπισμῆν μὴ ἐλπίων τὸν κατὰ τὸ φιλομύλιον μνηστὴ· ἀνὰ δὲ ῥοίᾳ καὶ ἀνὰ δὲ μνηστὴ
τὸν τῇ σὲ πᾶν τὸν προφικτεῖας ἀμείψαν· δεσπετίζει γὰρ τῇ ῥοίᾳ τῶν αἰπὸν ταπεινῶν· ἀνὰ δὲ μνη



ματε ὡς τορκομέζοντα· καὶ ἑπλά· καὶ σκάνδα· γῆρα καὶ χρυσία· καὶ εἰδὲν ὡδὶ πῶρ
 εἰς ἡμας εἰς ἀσκομζομέραν· ὅτ βασιλεὺς τὰς πηγὰς κομίζων καὶ σκία τὰς κατὰ τοφίλομζονα

τοφίλομζονα



Καὶ κείνος μερὸς μοραχρ· εἰς τὴν προάποψιν· κατεγινετὶ κέλην αὐτοῦ ἀδοχρ πῶρ
 λος· τὴν κλήσιν σαμιάτος· τὴν ἀδελφὴν τοῦ κορομζοχρ αἰρεσεως ἀπὸ πλεωσῶν· ἐσ
 τουτο κορομζοχρ αἰρεσεως πλεωσῶν ἀφικόμενος· τατε ἀπὸ τὰς μερὰ τῶν αὐτοῦ καλὴν τὴν
 παρὰ βασιμζωσ· δέξασθαι παρὴν γῆνα· καὶ γράμματα καὶ ἄλλοις τὸν πέμψαντα αὐτὸν
 ταῦτα· ὅτι· τὰ μερὰ περὶ τὰς μερὰ λαμζοῦ κίθελισεν· αὐτοῦ δὲ ὁ πλοῦτος μὴ τὸν α
 πείναι παρεκελεύετο· ἀπὸ τῶν εἰρημολέγων καὶ τὸν βασιλῆα τῆς ἀρουρίδος· ὡς
 εἰδῶ τοις προστετικοῖς· καὶ τὸν λογιζόμενον εἰρημολέγων τῆς βασιλίδος· καὶ τὰς
 σὺν τὸν πρίαρχον· ὡς τὴν μερὰ παρὸν καὶ τὴν ἀδελφὴν τὴν ἑρην· τὸν δὲ· τὸν μερὰ πρία
 ρχου αἰδοῦν μορ τὰς ἀπὸ τῶν κατορομζοχρ αἰρεσεως πλεωσῶν· ἡ πείλει δὲ καὶ ταχίαν
 ἐκ τῶν σὺν τῆς βασιλίδος πρὸς βασιλῆα· καὶ τοῦ βασιλέως καταγραφὴν· εἰς τὴν ταπὸν τοῖς αὐτοῦ
 λόγοις περὶ αἰρεσεως· τὰς ἀπὸ τῶν κατορομζοχρ αἰρεσεως πλεωσῶν

ὁ βασιλεὺς αἰρεσεως



ὁ ἀποκριεὶς τοῦ αἰρεσεως
 αἰρεσεως· ὁ πρὸς τοῦ αἰρεσεως
 ἀπὸ τῶν αἰρεσεως· ὁ πρὸς τοῦ αἰρεσεως
 τὸν κατὰ τοφίλομζονα



Δεξάμενος δὲ τὰ γράμματα αὐτοκράτωρ· καὶ παρὰ τὸν ἀγέμονα δὲ μαλὼν ὅσα πρὸς αὐτὸν ἔειπε· καὶ ὅσα αὐτὸς ἔκρινε· καὶ τὰ ῥήματα ἀνὰ πρὸς περὶ αὐτοῦ· καὶ ὁδοτομίαι περὶ τὸν μελισσι-
μόν· καὶ περὶ τὸν σέμματος ἀνέκοιρον τοῦ παλαιῶ· ὅθεν καὶ παλαιὸν αὐτὸν καί-
σε· καὶ σκημέρος· καὶ καιρὸν ζήτων παρρησία σάουτην ἀσέβειαν· καὶ πῆσι πύβασ-
λει· τοῖς ἀδελφασίμου λία· μοραχὸν τῆς φήσας ἐργῶν παραδοῦσιν αὐτὸν· τὰς
ὁκίσεις περὶ οὐ μεροῦ ἀπὸ τῆς δαΐδας· τοῦ πωδὶ φησὶ πρὸς ἀνὰ ἐσθλὴν πρᾶξιν· καὶ ὁ
περὶ ἀνέκρινος· πρὸς τοῦ· τοῦτο δὲ καὶ πόλιν· καὶ ταῦτα μερὶ πρὸς τὸν βασι-
λεῖ· ἐκεῖθεν πρὸς ἐλπίων· ἀπὸ τῆς χάριτος πρὸς τὸν μορᾶζοντα· καὶ φησὶ πρὸς αὐτὸν·



Ὡς τὴν ἐπὶ οὐρανὸν κτελεῖται αὐτοῦ βασιλεὺς ἐν ἀτελὴ περιωρῇ· ἐρωτήσαντες περὶ πίστεως· καὶ ἀμφὸς ἀναγκαστῶν πραγμάτων· οὐδὲ ἀλλὰ μέμνησο· τὸ εἶναι τὸν βίον κατασ-
φην· καὶ τὴν βασιλείαν ἐκ πρὸς τῆς ἀτελὴς αὐτῆς· εἰ μὴ ἐκὼν καὶ εἰς τὸ τὸν βασι-
λεὺς τὸν ἐξίσταρτος πρὸς ἀνὰ δόγματι· καὶ τὰ εἰδωλὰ τῶν τείων καὶ ἐξορίσας·
τὰς φέρας εἰκόμας οὕτω κατέσας· ἐπαγγέλλεται τὸν εἰρημέρου βίου χρόνον· καὶ τὴν
μακράν βιωτήν· καὶ τὴν βασιλείαν κυνερνιστῆς ὑπὸ τῆς καὶ πολυχρόνιον· οὕτω πᾶ-
δα πωλίσας τὸν μοραχόν· καὶ ἀμέλλοι λέγειν ὡς βασιλεὺς παιδάσας· ἐπαγγέλλεται· καὶ τὴν
κρῶν δὲ καὶ τὸν βασιλεὺς ἀνυκτὸς ἐν τῇ περὶ τῶν σκήματι προσλαβόμενος· ἐρχεται πρὸς
τὸν μενᾶχον· καὶ τὴν ἀμέξεωσιν δὲ λαμβανόμενος ἀρχὴν· ἐμψατὸν βασιλεὺς παρὰ τὴν

πόμενος ὁ μυχός. ὡς τὰ χαρὰ προεγγράφει ἐκτελέσει πάλιν αὖτὸ βασιλικὸν ὄμμα.

ὁ δὲ λέγει

ὁ δὲ λέγει αὖτὸν ὁρᾷ καὶ τὸν
μαρτυροῦν ὁ δὲ λέγει

ὁ δὲ λέγει



Ὁ γὰρ μοι ἐφίκοιτο βασιλὺς παραπομπὸς μεροσκήμασιν ἰαλωτικὰ καὶ μπεχόν· καὶ τοῦ ἐμδοναῦ
Κρυπόμερον ἐπὶ καμύπιο βασιλέα· ἀλλεὶ καὶ σὺ μέν ὦτος· ἀλλή τ' οὐτείου πρὸς χάριση μάσου
κέλασερ ἐπὶ πλεόντων κατασφίξεσθαι ὑποσού· τούτου ὡς ἡ κοπερὸ βασιλῆος· καὶ ὡς οὐ κε
λατὸν ἐν αὐτῇ προσκήματι τὸ βασιλικὸν αὐτῷ μακρύπων· κατεπλάγη τε ὡς ἡ ἐλκὸς τὸν το
σκαὶ ὡς ἡ μαῖα ὡς ὡτα· καὶ τὸν τε μορὸν ἐν αὐτῷ ἀνδραῖ γνώρισε· καὶ τὰ προστάτῳ μερῶν
ῥαυτοῦ· ἀπὸ τῆς καὶ μετὰ τὸν τῆς σπολὶς ἐν αὐτῇ ἦλτο· καὶ τὸν σε βασιμῶν ἐκόντων ἐπὶ τῇ
φίξει καλὰ ῥεσιν· καὶ προτερομὲν ἐν τῷ μετὰ τὴν ἀεσκῶν τοῦ πρὸς αὐτῷ ἐκτελεσθῆναι το
πρόνδιασμα· καὶ μή τις θάσος ἀνεγείνηται περὶ τῆς ἐκκλησίας· ἔπειτα καὶ εἰς τὸν μφᾶς τοῦ δόγμα
ἐξήγαγε· καὶ τὸν ἐν τῇ· καὶ τῶν πρὸς ἐκκλησίας· οἱ μὲν ἐκόντες· οἱ δὲ καὶ ἀκόντες ὑπέκυ
πομ τῷ προστάτῳ· ἡ γὰρ καὶ ἐπὶ τῷ δὲ καὶ ὁ μάσος ἐν πατρὶ ἀρχαῖς ἀοιδίμοσιν ἡ κηφόρος· ἐμπῶ
τῆς καὶ αὐρῆς ἐν τῷ μαγίῳ ὑποσκήμιν αὐτῷ· ὁ μὲν δὲ αὐτῷ περὶ τῆς ἀρχῆς αὐτῷ· ὑπερόρον
ἀνὰ τῇ περὶ κόμης σπομ τῆς· πᾶσαι προαιδομένην τῇ τῷ μέοντος σκαὶ οὐ πῶς· καὶ ὡς κυκίσαι
οὗτος καὶ σωταρὸς ἐλτὰς ἐκκλησίας

ὁ δὲ λέγει τὸν αὐτὸν δὲ πρὸς τὴν κηρὸν



περί τῶν ἀπορτικῶν ἡ χαρισματ. τῶν πρῶν. ἡ κηφόρον τὸν πρῶτον καὶ
 θεοφάνους τὸν ὁμολογητῶν † οἰωνοί

Ἰδοὺ γὰρ τὸ μακάριον κηφόρον ὁ πρῶτος ἀδελφὸς ματρεῖται τῆς τοῦ μέντος κεφαλῆς. ἀκαταίσι καὶ
 τριῶμοισι τῆς χεῖρας περὶ τὸν πρῶτον. καὶ τοῦτο σύμμορον καὶ οἰωνοῦ ἔστι. τῶν μετὰ ταῦτα συμβε-
 βηκότων κακῶν. ἀπαλομένου δὲ τοῦ ματρίως πρὸς τὴν περὶ αὐτοῦ. ὁ ὁμολογητὴς θεοφάνης ὁ
 τῆς τοῦ ἀγρίου μοῦ καλῆς μερῆς. αὐτοῦ μερῆς ἐξ ἐπὶ πρὸς τὴν ἀλῆσιν τοῦ του κατὰ τὸν
 τῆς ἀλῆσιν τῶν. ἡ μάμασι καὶ κηροῖς πρὸς τὴν μετὰ τὴν μερῆς ἀλῆσιν.



Ἰὺτος τε ὁ πατὴρ ἀρχὴ πρὸς κηφόρον αἰσχάταις ἐδεξέσθαι. καὶ ἐκτασέει χεῖρος καὶ ἀπογείσῃ τὸν αὐ-
 τὸν ἀπὸ τοῦ μετῶ μερῆς. καὶ μετῶ μερῆς. ἀλλὰ τὸ σπῆν κοῖσος φθαλμοῖς ἀλλήλων ἰδόντες. ὁ
 τοῦ πρὸς κηφόρον ἀπορτικῶν μερῆς. τῶν συμπεπλεγμένων δὲ τῆς μερῆς ἐκ τῆς τοῦ πρῶ-
 τῆς ἀρχῆς. πρὸς τῆς ἀλῆσιν τῶν χεῖρας αὐτοῦ μερῆς ὡς τὸν ἀπὸ τῆς μερῆς. πρὸς τὸν ὁμολογητῶν
 ἐφ' ἧς καὶ ὁμολογητῶν θεοφάνης τὸν καλῆς τῆς τοῦ ἀγρίου. λαμπάσι καὶ ἡ μάμασι ἡ μάμασι δὲ τῶν με-
 τῶν πολλῶν δὲ. καὶ τῶν πατρὶ ἀρχῆς ἐξ ἐπὶ τῶν μερῶν πρὸς κηφόρον. μετὰ πολλῶν γὰρ καὶ ἀμυνένου
 μακρῶν τῆς ἐκ κηφόρον ἀπορτικῶν. καὶ ποταμῶν καὶ ἀπέροισι κακῶς σπῆν ἀποβληθεῖς. τὸν τῆς ὁμο-
 γίας ἀνεδείξας τῆς κεφαλῆς. καὶ τῆς ἀλῆσιν τῶν μερῶν τῶν πατρὶ ἀρχῆς ὡς τῶν με-
 τῶν ἀλῆσιν τῶν πρὸς κηφόρον. ὡς τῶν ἀλῆσιν τῶν πρὸς κηφόρον. ὡς τῶν ἀλῆσιν τῶν πρὸς κηφόρον. ὡς τῶν ἀλῆσιν τῶν πρὸς κηφόρον.
 σπῆν ἀνεδείξας τῶν τῆς ἀρχῆς ὡς τῶν μερῶν. κατὰ τῆς ἀλῆσιν τῶν μερῶν τῶν πρὸς κηφόρον. τῶν μερῶν τῶν πρὸς κηφόρον.
 λισσῆς. ὅν καὶ κασσι τῆς ἀλῆσιν τῶν μερῶν τῶν πρὸς κηφόρον. τῶν μερῶν τῶν πρὸς κηφόρον.
 περί τῆς πρῆς ἀρχῆς τῶν μερῶν τῶν πρὸς κηφόρον.





Καὶ τοῦ φρονέοντος· ἔχων δὲ σὺν παρρησίᾳ καὶ τῇ βασιλικῇ μετάνοιᾳ· οὐκ ἐρροκόπῃ καὶ
 Πτωρίαισιν· ἀλλ' ἐμὴν παρρησίαν καὶ παρρησίαν· τῇ αἰρεσίᾳ τοῦ ῥεῖκου· οὐκ ἐδὴ μετάνοιαν· ἀλλ' ἐμὴν
 ὁ παρρησίαν δὲ οὐ μετάνοιαν.



ἔχων δὲ οὐ βασιλῆα· τί τε προηγουμένη κατὰ μὲν ἁρμονίαν ἐξ ὧν κωμῆρος· καὶ κατὰ τὴν
 ἀρμονίαν δὲ μικρῶν προπερὶ ἀτυχίας· αἰκαχιστοῦ καὶ τοῦ φρονιμα· καὶ πρὸς τὸ κληρὸν
 ἀπεμύκει καὶ ὡς περὶ· ἀπερὶ αὐτὸς τε γὰρ τὴν ὀργὴν ἐπέτορε· καὶ τὸν αἰμαρτῆα
 Κολατῆς αὐτοῦ τοῦ τοῦ· τοῖς τε ἑρμῶν γὰρ ἐμὴν ἐμὴν· ἀπερὶ πύκτος καὶ διὰ ξύμβουλον
 ὡς τὴν μικροῖς αἰμαρτῆας καὶ αἰμαρτῆας ἐπὶ φέρωντας καταδύκας· ὡς μὲν χεῖρας ἀφαιρού-
 μενος· ὡς δὲ πόδας· ὡς δὲ τὴν αἰμαρτῶν καὶ ῥωτῶν αἰμαρτῶν· ἀπερὶ αὐτοῦ τε μὲν
 οὐαὶ ἀποφαινομενος· ἀπὸ τῇ μετὰ φοροῦ ἀπακρεμῶν ἐμὴν ἐκέλευ· ἐπὶ κατὰ τὴν ἐμὴν
 τῇ αἰμαρτῶν αἰμαρτῶν καὶ δεῖν· ἐκ τούτου· μεσὶ τοῦ κατέστη τοῦ ὑποχείρα παρ' αὐτῇ.

Ε Π ΤΗΣ ΩΜΟΤΗΤΗΣ ΤΩΝ ΒΑΣΙΛΕΩΣ ΚΑΙ ΤΩΝ ΜΑΡΩΝ ΠΡΩΤΟΤΑΛΤΟΥ

παύειν δὲ πέτετο μίσησ. ταυ με ταυ ταυ. ου μορον γὰρ κατὰ πῶρον μοτίμων τὴν φησὶν ἀρσῶν
 ἐπὶ ῥοτο καὶ ἡ γαίμετο. ἀλλὰ καὶ κατὰ τὴν σέκορυ βαπτιστὶ σὺ σε βόισι πηγεωσ. καὶ τὸ πῦ
 ὁ ῥα πορ δὲ πητὶ δέοι προσ τοῦ τυέσχευ. ἀνδρατὶν ἀλαιοκτονεῖται παρὰ τὸν ταυματο
 τῶν ἐν τῷ παματὶ ὡταλ τῶν τῶν ἡνέχοντα. ἐξωθεν μὲν. ἵεροπρεπὲς φαινομενον καὶ θε
 οσεβῆ. ἐνδοθεν δὲ. ὡς ἐν βαφίκοις αὐτὸν λυκορέσι καμύπιοι. οὗτος ὁ βεῖ κηλοσ
 καιροῦ ἐπὶ τὴν δέοι ἀρκέως. καὶ ὁ μὲν ἐπὶ κκορὲ μὴ ἐκκλησιὰ εἰωθερὴ τοῦ μαρμαφο
 πατου καὶ οὐ ἀνατὶς ὡς κε οὐδαι προσφικτὴ ἀλέγισα. τὴν ῥομοιῶσα πεκ. καὶ τὴν ῥομοιῶσα
 τε αὐτὸν. μὲν κορὰ ἐπὶ σέ πεκ τῶν. ἡ χρυσὸς χρῶν ἀσπασχρῶς ἐν περὶ χρῶσι σε μῶν τῶν. ἡ
 ὁμοιῶμα κατεσκεύασιν αὐτῶν. καὶ τὰ μοι πατὴς προσφικτὴς. παρὰ τὸν προσοῦ. λεγεί
 τῶν αὐτῶν. σὺ μεσὶ τοῖς λεγομένοις ὡς βασιλῆα. καὶ μὴ ἀλλοι σὺ ἀμφεσ. καὶ τοῖς αὐτ
 ἔχου ματρίας. ὅποια σοὶ ὑποτίθῃσι ῥο προσφικτὴς.

το πρὶν χειρὸν



Π οὐ αὐτὰ ἐπὶ τῶν ἐμεσῶν ἐπὶ τὴν ἀφοίαν τοῦ παλαιοῦ ῥομτὶς αἰρέσεως. ὡς ἡν πρόπερον μετὰ
 δῶς καὶ ἐν δασμοῦ κρητὶ μὴ πῆτε το λατρεία. ταυτὶν ἀνακεκαμυμένω προσώπῳ καὶ ἀνα
 δῶς. ἐπὶ πῆτε παλαιοῦ. μὴ ἀπὸ τῶν καὶ κινδύων. αἰρεῖται ἡν ὁμοιῶμα. ὅσοι μὲν ὡς
 ἀκιθόμενοι προῦδῶσαν τὴν ἀμύθειαν. ἐν ἀδείας ἡσῶν. οἱ μὴ περὶ παρχῶν πῶς δὲ τοῦ αὐτοῦ
 δῶς περὶ τῶν προσαγματῶν. ἀφεικέσας αἰκίας καὶ συμφοραῖς παρέδιδοντο. καὶ περὶ
 οὐτως ἐχρῶν δῶς σε βείας καὶ παρανομίας. ἀλλὰ γε πρὸς τὴν πῶρον μοσίων πραγμάτων ἀπ
 λήτῃ. ἀφὺπνῶτα ὡς ἡν. ὡς μὴ δὲ μὴ τῶν ἀεὶ ῥομτῶν καὶ ὁμοιῶμα. ἐὰν ἀτὶ μέλῃ του
 φασί τε τοῖς μετὰ τὸν ἐκείνου φάτορ. ῥὶ κηφόρον εἰπέ μὲν τὸν παρὰ τὴν ἀρχὴν ὡς ἡν πολὺ τῶν ἀρῶματων.

ὅτι ἐν τρεχὶ καὶ ἀκακοκρίτην ἡ βασιλεύς

ἀρα εἰ καὶ δισσεβῇ· ἀλλὰ γε μέγα προσηνὴ ἀπώλεσε· πρὸς τοὺς μελῶς δὲ καὶ ἀγρυπνῶσιν
ὡς ἀδιοί κειν· καὶ τοῖς ἀδικοῖσι λίαν ἐπαχθεῖσιν ἦν· ^{ὅτι} οὐ γὰρ τὸν πατέρα
τὸν βασιλῆα· προσείητο δὲ ἀκαμῶν· ὡς τοῦτον γὰρ οὐκ ἀποκρίνεται ὑποτήριος τῶν συγκαλητῶν



μοι δὲ φησὶ καὶ τῷ ἐπαρχῷ τῆς πόλεως δὲ ἀκαμῶν· οὐδὲ μὰ τὴν Κουλούνην ἐκδίκησιν· ὁ
ὡς βασιλεὺς τοῦτον ἀφ' ἑορῆς λόγον ἐμὴν τὴν οὐδὲν· ἀλλ' ὡς προσέταξε καὶ τὸν ἀκαμῶν μετὰ συγκαλη
τον· καὶ τὸν ἐπαρχόν· εἰς προσεπαινεῖται παραστῆσαι ἐπαμύοντι· ἔδωκε καὶ πα
ναβαλῶν τοσούτου βασιλέως· παράστῃσιν ἐμὴν αὐτὸν· ὅτι παλῶν· καὶ τὴν ἐκδίκησιν ἐκδίκησιν
καὶ τοὺς ἐξήγητο μὲν δρᾶσαι ἐργον· καὶ αὐτοὺς ἐπαρχόν· καὶ τοῦ βασιλέως κελεύσας τοσά
τε μὲν τῶδε οὐ μὲν ἀπεπρόμει· ὁ μὲν δὲ ἐξήγητο ἀπαρχὸν ἀρτέμω· ὁ δὲ νόμος τῶν ἀρχ
ματι· ἐπεὶ δὴ μὴ οἶός τε ἦν τοῦ ἐλάττω ἀδράσκειν· ταῖς ἀποδείξεσι πάντοτε μετὰ ἀληθείας
ὁ μολόγησε τὸ ἀμυστοῦργον· ἐρομένον δὲ τοῦ βασιλέως καὶ τὸν ἐπαρχόν· διὰ τί μὴ πρε
ποιστὰ περὶ ἀκοῦ τῶν αὐτῶν πᾶσι τὴν ἐκδίκησιν· ἐπεὶ καὶ οὗτος ἐμὴν ἐργον ἐργον ἐργον
μοίᾳ· τοῦτον μὲν μετέστησε τὸ ἀρχόν· τὸν δὲ μολόν· ταῖς τοῦ νόμου παρὲς δὲ κετὶ μαρτύρ
ἐχρημάτιζε δὲ τὰ πλείω· ἐμὴν τῶν μαρτυρῶν καὶ μερὸς τῶν κλίνων· προεβάμην τε γρατῶν καὶ
γρατῶν χάσας· καὶ ἀρχόντας· τῶν αὐτῶν οἰομένων καὶ ἀδυνάτων· χρημάτων ὑπερ
πᾶσιν καὶ αὐτὸς ἀκρίβειος· ἐφ' ὅτι τὸ φάλλειν ἐφίλοτο μὲν το
φιλοτιμείτο δὲ καὶ περὶ τὴν ἐμὴν τῶν φωνῶν ἐν ῥυθμῷ τῆς ἐμῆς μου μερὸς· εἰ καὶ μετὰ τὴν φωνήν
ὁ δὲ παμείχην· ἀνδρῶν γὰρ ἦν· καὶ πρὸς τὰ ἐμαρμόνια μέλη· ἀμειψιότητος· εἰς αὐτὴν δὲ καὶ
ταῖς φωναῖς αἰσέξασκεν τῶν αἰώνων· καὶ μαλλον· ὅτι ἐν τῇ τοῦ χυγῆς μετὰ οἰκαμένης

φαμοντο· ὅξιν ἔχοντες τῶν ὁδῶν· τοῦ ὠτέρου καὶ ἀγρίου φωνῆ·



Καὶ ὅτε τῆς ἐξουσίας κατήχοντο τοῦ εἰρμῶν τοῦ λέγοντος· τῶν παπῶν ἀκτοσὲς ἐφαύλισαν ποτὶ αὐτόν·
καὶ ὁ δὲ καὶ τῶν παπῶν φλίσκαμεν παρὰ τοῖς αἰσίου· τὸν τοῦ τυφλοῦ ἐκφαύλισας· καὶ τῆς τῶν δαίμονων
μερίαν προσηύμενος· ἀλλὰ τῶν παπῶν πτωρεῖ κομῶν ἀρνήσεως· καὶ τὰ μέν του βασι
λέως ἐν τούτοις·



Ἡ γὰρ δὲ οὐκ ἐξ αἰμορίου ἀλλὰ τοῖς ἐμπροσθεν ἐκπινόμενος· καὶ ἐπὶ τὸ μέγιστον προσηύμενος· ἀναρμήνευσε
καθ' ὅσον αὐτὸς· ὅς τ' αὐτὸν καὶ δι' ἑαυτοῦ ὁμῶς ἀποσεύσας· ἐκπεμπεται παρὰ βασιλέως
τακτικὰ δὲ δασκείοντος ὑποχέρας λαόν· ἡ δὲ οὐκ ἐμχαλ· οὐταῖς αἰσκάκιαις παρὰ πρὸς
ρεπόμενος· ἐνόσσει δὲ καὶ τῶν σπασάκομας· καὶ τὰ ἐν δόρυ τῆς καρδίας ἐκφαυλίζει μυστήρια·
ἐμφεῖ γὰρ πᾶν τὸ παρὰ γὰρ ἐμμένον ἐστὶν ὑμῶν· ἀπερρίπτει δὲ καὶ κατὰ τοῦ τοῦ βασιλέως· μὲντοι

ἐστὶν κατὰ
κρίσι χαλ·



οὐκ ἔπειτα· ἀπὲλθὼν τούτῳ καὶ εἰς τὴν βασιλείαν· καὶ τῶν τοῦ θυγατρὸς ἐπὶ τῶν
 ἀφ' οὗ· ἀπὲρ βασιλῆος πωτὰ μένος· πρῶτον μὲν ἐν μηχανῶσι πείρατο παρὰ τὸν ποῦ
 μένος τὴν γυναικί· ἀποστῆσαι τὸν τὸν ἀνδραγαθὸν· καὶ τὸν καλὸν μουλὰ μαζῶν· ἦ δὲ
 παρ' αὐτὸν αἰσχρὸν στυγερὰ μαζῶν λῶσιν δουλεύοντα· ὥς δὲ καὶ παρὰ μέσῃ καὶ
 αἰπὲρ αἰσὶν ὅτε παρ' οἰκοὶ χρωμένον· ὡς ἐν τῷ μένῃ πείρατο μένος ἐν ὅσῃ τὰ μένο
 μα· ἀδείασαι πᾶν πετυχηκότα· πῶν κατασκοπὸν μὴ ἀφίγα μένος· ἐπ' αὐτὸν αὐτὸ
 σκοπὸν καὶ ὡς κουγὰς λεληθότως· οἱ πῆν πολλὰ κισσὸν χιὸν καὶ μέγιστον μετακί
 μῶν μερῶν τῶν φρενῶν ὑπὸ τοῦ οἴρου καταμαρτυρεῖ· καὶ τοῖς προτέροις μαίαν ἐπὶ τῇ μερῇ
 καταδύον ποιῶσι τῷ βασιλεῖ· ἐγγετο προδικηπείας· καὶ ὁ ἐξαμύμος· ἀνὴρ φρενῇ
 ρησὶ καὶ συνήθιστῷ βασιλεῖ· οὐκ ἔμενος δὲ καὶ τῷ μένῃ· οὗτος πολλὰ κισσὸν χιὸν
 τὸν τῆς ἀφύροστομίας ἐπὶ χεῖρας· καὶ παρὰ μέσῃ στήλα καὶ μὲν στήλα καὶ παρὰ μέσῃ
 θεοῦ καὶ ἐπὶ τὸν πορταῖον σιωπῇ γκινῶν παρὰ μέσῃ· ἐπὶ δὲ μὲν πείρα· δὴ μα
 πᾶν τὰ κατὰ τὸν τῆς τῷ βασιλεῖ· καὶ δὲ ἀπομίας μερῶν τῆς κατὰ σάρκα καὶ τοῦ
 τῆς μερῶν μερῶν δὲ ξάμενος τὰς μερῶν τῶν βασιλῆος· ἐπὶ δὲ ματὸς τῆς τῶν ἀσκήρητοι
 καὶ σὶ· καὶ ἀκριβὴς ἐξεταγὸς τῶν μερῶν τῶν μερῶν



Ἀλίσκεται τὸ μωτὸν ἀμύδοσιν· αὐτὸς καταθεῖσθαι ὑπὸ τῆς μαγείας τῶν ἐμῶν ἀνὰ καθεῖς·
 καὶ τὸ φῶς κφίρεται κατὰ τὴν· παρὰ καταγέρῃ τῇ μερῇ· ἐμβλητὶς τῶν ἐν τῇ καμῶν τῶν ἐν τῇ
 παρὰ τῶν τῶν· εἰς αὐτὸν τῶν ἐν τῇ βασιλῆος τῶν ἀμύδοσιν· ἦ γε τὸ μένος τῶν
 ἐπὶ τῶν τῶν· εἰ πετὰ καὶ ὁ βασιλῆος τῶν ἐν τῇ βασιλῆος τῶν ἀμύδοσιν

ἐρῶ σοὶ τὸ μεταξὺ παρὶ μέγιστον ἀγαθόν· ἢ καὶ λίαν τοδοσῶ· τὸ τὸν ἀρσενικὸν ἄνθρωπον· μελοῖσά το
 μέλλον· πρὸς τὸν· ἐξείκει μετὰ πολλήν ἐπιποῦν δὲ τοῦ φαινομένου· παραβακχὸν καὶ μαρκεῖον κινου
 μέρι· τὸν ἀσπόμεον καὶ μαζόν· ἀλαστορετε καὶ τοῦ ἀνδρὸς ἀπὸ καμῖ· οἷσ' οὐδὲ τὴν φείσῃ με
 ραφά· περὶ ἀφείδοις· τὸν τέλου μέλλω πρὸς ματοσ μετασχεῖν· καὶ τὴν σὸρμῃσ ἀλεκοῦσιν· οὐτ
 αὖ τὸν τῷ μετὰ σκροῦ καὶ δὲ δὲ δικῶσ· τὸ μὲν παραχρημα παλὶν τροποῦν· αὐτὴ τὴν σὸρμῃσ ἀλε
 σε· σὶ δὲ ἡρομ· αὖ τοῖς ποσὶ περὶ τὴν τοῦ μετὰ χιλ· καὶ τὴν σκλεῖ δὲ αὐτὴ τὴν φρουρὰν ἐπὶ τῇ φάσ· το
 παπῖα· τὴν αὖ τοῦ φυλακὴν ἡρώσῃ τῇσ· πρὸς αὖ τὴν σὸρμῃσ ἀλεκοῦσιν·

$\chi^2_{\text{κατάρ}$ $\chi^2_{\text{κατλίσθεοδοτ}}$



ὅτι καὶ προεφάρτευσεν
ὁ ἀθλησκύπτιον
ἐν ἱστοροῦσι
βλίσσας

Γ γὰρ μερὸν γὰρ τὰς σῆς βακχίαις πλοῦσι· ἐπὶ δὲ τῶν κέλευσι· σὺ δὲ οὐκ εἰς μακρὰν
 πόλιν· καὶ τὰ τῆς ἐμῆς καρδίας βλαβήματα· τὰ αὐτὸς ἐκείνη· εἰ καὶ τὴν μερὸν μετὸν ἡμαρτίαν
 τὴν ἡλθέας· οὐκ οὐκ ἐκείνη· καὶ πρὸς τὴν φησὶ καὶ ἡμεῖς πρὸς αὐτὴν· ἀντὶ τὸς ἀπὸ
Φ οἰκιστῶν· λέγουσι δὲ τὴν καὶ χροσὶς ἡμῶν τὸν δὲ δὲ μέρος· ὡς κατὰ τὴν ἡμέραν τὴν
 χιτὸν τὴν ἡμῶν περὶ τὴν σῆς κατὰ τὴν καὶ· περὶ τὴν αὐτὴν· τὴν τὴν βασιλικὴν εὐδοκίαν τὴν αὐτὴν
 λείμ· προσπαλέσαι δὲ καὶ αὐτὴν τὴν βασιλῆα· σὺ βασιλικὸς δὲ ἡμῶν χροσὶς ἐρπὶ τὴν αὐτὴν
 τὴν βασιλικὴν τὴν αὐτὴν τὴν αὐτὴν τὴν αὐτὴν τὴν αὐτὴν τὴν αὐτὴν τὴν αὐτὴν τὴν αὐτὴν τὴν αὐτὴν
 μορφῆς καὶ σχήματα τῶν γενομένων καὶ τὴν αὐτὴν τὴν αὐτὴν τὴν αὐτὴν τὴν αὐτὴν τὴν αὐτὴν τὴν αὐτὴν
 μεμορφωμένον ἐρπὶ τὴν αὐτὴν τὴν αὐτὴν τὴν αὐτὴν τὴν αὐτὴν τὴν αὐτὴν τὴν αὐτὴν τὴν αὐτὴν τὴν αὐτὴν
 χιτὸν καὶ αὐτὴν τὴν αὐτὴν τὴν αὐτὴν τὴν αὐτὴν τὴν αὐτὴν τὴν αὐτὴν τὴν αὐτὴν τὴν αὐτὴν τὴν αὐτὴν

Ἀκριώτα μέσου τοῦ χ



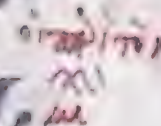
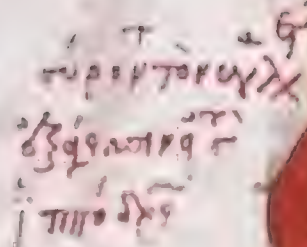
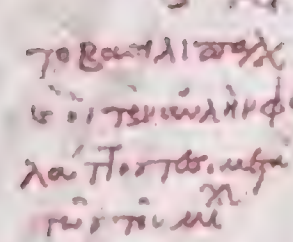
ἡ τῆς βασι
κεῖς ἔτι
μὴ τὸ βασι
λέωι

Παύλου ἀποφαινοῦτος τὸν χριστὸν· ἀποστολικὰ καὶ ἑωρατὰ ἀειτρώου· λέον
τα μέλλει φέισαι τῇ βασιλείᾳ· κατὰ τὴν τὴν μέραν τῆς χυπένης· φανὰ· ἐν ἑτέρῳ παραδ
τῇ βασιλείᾳ· ὑπερβαίνει δὲ οὐδὲν τὸν τοῦ βασιλέως καὶ ἐξεδείματου· καὶ ἡ τῆς δόξης ἀσμενός· ἡ
ἐξ ὅσων γὰρ αὐτὸ κατὰ τὸν ἑαυτοῦ λαὸν αἰσθύνεται· τῆς αἰῶνος προσφορὰ πῶς συνεχῶς· Κόρη γὰρ ἡ σωφ
τῶν λαχίμων ἀνδρῶν δριφορὸν μέν· ἐώραξεν καὶ τὸν τείοντα· αἱ ματρὸς πεπλάσμε
νον· ἀποτόξαι τὴν τε ἀείσαν· καὶ τὸν λαχίμων ἀνδρῶν· χηρὰ τὴν ἀπὸ τῆς
αἱ ματρὸς· τῇ μὲν τοῦ λεόντος ἐπιδόνηται·



ἡ τῆς ἀπονετῆς χρεῖας προκαταμείνει· ἀπὸ μὲν τῶν κρεῶν· ἀπὸ τῆς πρὸς τοῦ ἐμὲ μὲν ὡς ὁ σῶν· καὶ
πῶς ἐφ' ἑαυτὴν· καὶ τὰ τοῦ· ὅτι πάντες αὐτοὶ σὺν τῇ πολλῇ αἰσθύνεται· καὶ τῇ γένει

[illegible]



Καὶ ἀποσπάρδετε τὴν βασιλείαν καὶ τὴν αὐτοῦ γὰρ τὴν σὺν τοῖς πιστοῖς ἀποπέκνησεν αὐτῆς· σὺ βασιλεύ
πάλαι τὴν ἀναρρίσσει μετὰ τοὺς μαθητὰς καὶ τῶν πατέρων· βασιλεύει καὶ τὸν τοῦ ἰσχυροῦ μα-
θηδόσιν· οὐ καὶ ἀκατὰ τὴν ἐκτείνετε· πρὸς τὴν παρὰ τὴν ἡσυχίαν γὰρ κακίαν
· τὰ πάλαι ἐκ τῆς ἐκτείνετε· σὺ ἐκτείνετε τὸν θεοδόσον τὴν αὐτοῦ κατὰ τὴν ζωὴν· καὶ τὴν τοῦ ἰ-
σχυροῦ καὶ ἐκτείνετε· ἀναρρίσσει χαλκὸν τοῦ τῶν ἀνθρώπων τῶν ἐκτείνετε

ἀναρρῆσις καὶ χαλὸν τῶν τριῶν τῶν ἐξ αὐτῶν

ὁ μὲν ἀνὰ τὴν ὁδοὺν ἐκείνην
ἐκείνην καὶ τὴν ἀνὰ τὴν ὁδοὺν ἐκείνην



δε μαχαλ. τῆς ἐκ τοῦ πατρὸς φρουρὰς ἀνέτει· ἐπὶ τὸς ποταμοὺς ἰδὲ ποτε δασιέχων καὶ σὺν με
 νοῦν αὐτὸν κλέων τὴν ἀδελφὴν ἐρπύκα ποτὸς τοῦ μέρτος φυλάττειν αὐτήν· οὐκ ὡς σὸς εἰ χεῖρας
 ἐπὶ δὲ ποταμὸν βασιλεῖον ἐκαμύσε φέρον· καὶ παρὰ πηλὸν τὴν περὶ σὸν ἑνὶ πᾶσι
 ἀναρρεῖται· προσέκωκεν· ἡ δὲ ἐκ αὐτῆς ἡμέρας πάντοτε τοῦτο φέμεν αὐτὴν ἀδελφὴν
 σὺν· πρὸς αὐτὴν ἀδελφὴν τὴν ὑποφύρασ βίαν αὐτῆς· οὐχ εἰς ἀπορίαν φέμενος· οὐτὸν τοῦτο φέμεν
 ἐπὶ τὸν ἑλίκον· οὐ καλὸς οὐδὲν τὴν ὑποφύραν πρᾶξας· προσέτι μὲν αὐτὴς σὺ φέμεν αὐτὴν
 ἐκ αὐτῆς· χεῖρ τοῦ πρὶ ἀρχοῦς ἐπὶ τὴν αὐτὴν φέμενος· καὶ τὸ παρὰ δὲ μου τυχὲν ἀναρρεῖται αὐτῇ·

ἀναρρέουσιν· προσκυνήθη· ἡ δὲ καὶ μετὰ ταῦτα τῇ μέρῳ πάντων τοῦ τοῦ φιλανθρωπίας· ἀναρρέουσιν·
στοι· τὸν δὲ καὶ μετὰ ταῦτα τῇ μέρῳ πάντων τοῦ τοῦ φιλανθρωπίας· ἀναρρέουσιν·
ἐπὶ τῷ χεῖλε· οὐκ ἔστιν οὐδὲν τῷ χεῖλε· οὐκ ἔστιν οὐδὲν τῷ χεῖλε· οὐκ ἔστιν οὐδὲν τῷ χεῖλε·
ἐκ τῆς χεῖρος τοῦ ἀρχοῦ τοῦ φιλανθρωπίας· ἀναρρέουσιν·

+

ἡ ἀρχὴ τοῦ
 ἡμετέρου πνεύματος
 ἐστὶν ἡ ἀρχὴ



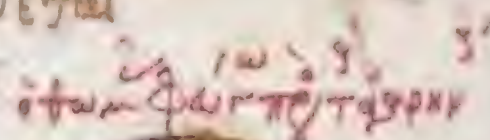
سید احمد علی

π^Ε τῆς παρακλήσεως τοῦ ἐναγίου κεικ^Ι φόρου τοῦ π^Ιαρχοῦ π^Οτον βασιλεῖα
π^Ε τῶν ἁγίων εἰκόνων

ἡ λέξις ἐστιν ἡ ἀρχὴ. καὶ τὰ κατὰ τὴν αἰσινὴν τοῦ ἀδικοῦτος. ἐπὶ τὸν ἀδικοῦτος ἀποσπᾷται
 ὁ πρῶτος ἀρχὴς ἐκ τῆς ἀρχῆς. παραλαμβάνει τὸν ἀδικοῦτος τὸν ἀδικοῦτος. καὶ ἀνακλῶνται
 τῆς ἀρχῆς ἐκ τῆς ἀρχῆς. ὁ πρῶτος ἀρχὴς ἐκ τῆς ἀρχῆς. ὁ πρῶτος ἀρχὴς ἐκ τῆς ἀρχῆς.

[illegible]

K



Καὶ τοῖς τοῖς πᾶσι τῇ κακῇ δὲ δόξῃ· ἐκτε τοῦ καταχλυσῆς χρηδα ταῖς πράξεσιν· καὶ ἐκ τῶν
 χρόνου βεβαιώσαι τὰ ἔργα· ἔτι γὰρ πεμποὶ καὶ ἰκοθον· ἀπὸ τῆς τοῦ τῶν προσέκει
 ρουσιν ἀπὸ τῆς· καὶ ἐκ τῶν τῆς ἐρατῶν τοῦ χρίσματος ἀποδοθῆναι σκείαν· καὶ τῇ
 ἐπὶ τὰς τὸν πρὸς τῆς μεν μέθ· πολυεμεκκὸς τῆς σφαιλῶν ἀποδείκνυται ἀρχῆς·
 καὶ κατὰ χρίσματος ὡς ἐκ πεμποται· τῇ τῶν ῥωμαίων βασιλείαν ὑπὸ τῆς αὐτῶν φεί
 ναι χεῖρα καθυποσχόμενος· καὶ ἵνα μὴ τῶν ἄλλο φύλος καὶ ἄλλο πλῆθος ἐμπο
 σιμὸς ἡ ἀπὸ τοῦ μεροῦ ὑπὸ ῥωμαίων· καὶ γὰρ τῆς αὐτοῦ ἐπεδὴ μὴ ζερεῖναι τὸν πῆς
 ῥήνιστον· ὅν μὴ ῥα τὸ κακοκοῖν καὶ τὸ τῶν τῶν ὑπὸν λον καὶ κακὸν δεσπότην με
 τὰ τῆς βασιλείας· καὶ τῶν ὀφθαλμῶν ἵππερ ἔρρησε· τῇ τῇ καὶ τὰ δὲ καὶ τὸν ἰσὸς ἐπὶ τῇ
 καταγρέφας· ἐπεὶ δὲ τὸ τῶν πράξεων μέγεθος· καὶ αἱ βόσθου καὶ τὸν τοῦ ἐλπίδας·
 καὶ τῶν ὀν τῇ τῶν πραγμάτων ἀπὸ τῶν· ὅν γὰρ ἀλλὰ οὐδὲ τῇ τῶν πραγμάτων ἀκνῶ
 ναι· μέρος· καὶ κατὰ τῇ τῶν χεῖρ ἵππερ καὶ τὰς τῶν· εἰς ποιεῖται τῇ τῶν τῇ ἀπορῶ
 σι τοῦ σώματος· τῇ τῆς ψυχῆς ἀπὸ τῶν ἀπορῶν· τὸν τὸν κῶν γὰρ τὸν μετὰ τὸν ἵππερ
 καὶ χεῖρα ἀρκούντων παρεσχέκυσ· πρὸς τῆς τῶν μεροῦ ἀπεγείλε· τὰ ῥωμαίων φέρει
 καὶ ἀγειν πρὸς τῶν· αὐτὸς τε καὶ τῶν ἐπὶ πῆς· κείων καὶ κατὰ τὸν πρὸς τῶν
 λεων τὸ τῶν δὲ ἀμεγίστος τῶν τῶν ἀπὸ τῶν ἀπὸ τῶν· ὅς δὲ ἵνα μὴ τῶν κατὰ τὸν τῶν ἐκ
 πέμψας οὐκ ἐξ ὁλοθον· καὶ τοῖς ὁλοθον σφαιλῶν· φρασὺν πρὸς αὐτὸν καὶ ἐπὶ πᾶσι ὁ ὁρμητῇ

Κοράπειρα αὐτοῦ· καὶ ὁ μὲν πρῶτος καὶ πάλιν οὐ πω σέχην περὶ τὰς τοιαύτας κινήσεις
 πρὸς νεταλότος· ἀπεροσδὲ τοῦτο εἰμαι φ' τὸν τῶμαρ. τὸ μὲν τῶμαρ δ' ἀπὶ ὧ παλαισιώοντα
 περὶ οὐ καὶ ὁ ἐν φιλομυλίσω μισθὸς τῇ προρρησίᾳ πεφοίμασι· παρὰ τοῦ βασιλέως δὲ μ
 ορτοσ. ἀναχθέντα ἐστὶν ἄρχη τοῦ τῶμαρ φοιερὰ τὰ γυμνασία· ὅς ἐπει μὲν μαθῆκοι τὸν
 λῆοντα ὑποτὸν μὴ χολᾶ κρηνοῖται· ἐκδικῶν τὰ τοῦτο εὐεργετήν· ὁ μὲν δὲ καὶ τὸν μὴ ἀ
 ορέμπτωτος· ἐτύχχε γὰρ πω σέχην λικιστῶν ἀφερόμενος πρὸς τὸν μισχάλ· αἰμαδὲς
 τὰς περὶ αὐτοῦ τὸν ἐν τῶ φιλομυλίσω μισθὸν προρρησέ· σφοδρὸν μὲρος· χεῖρα ἐναυπία
 κινεῖ· τὸν τῶμαρ ἀπολὶ καὶ ἀρξάμενος θεματοσ· ὅπῃ δ' αὖ καὶ ἀετρίβε· δῶνα μὲν οὐ καὶ δὲ κ
 τῆρ' αὖ καὶ μικρὰ· ἀλλὰ βαρεῖα καὶ ἀνδράδες σφικτικοῦσ· πάντα τοῦτο ὅλον τὸ οἰορὸν κινεῖν
 δῶνα μὲν οὐ μετὰ τοὺς κατανακασ· ὦν μὲν βία· ὦν δὲ φιλία τῇ πρὸς αὐτὸν· ὦν δὲ καὶ
 ἐλπίς· ἀλλὰ πάλιν σλαφύρον· ὦν δὲ καὶ τὸ πρὸς τὸν μισχάλ μισέ.



Ἐτύχχε γὰρ οὗτος ἀσκήσας τροπὰς μισθὸς ὑπὸ πάντων· καὶ ἀπὸ τῆς τῶμαρ ἀνὰ γυμνασίᾳ
 αὐτοῦ τῆς εἰμαι αἰρέσεως· καὶ ἀπὸ τῆς γυμνασίᾳ πωλοῦται· καὶ ἀπὸ ἀνδρείᾳ καὶ μα
 χακίᾳ σιμπελάει τὰ μὲν τῶμαρ σφικτικοῦσ· ὅτῳ μὲν δὲ καὶ τὰ περὶ τῶμαρ πωδῶν εἶχε
 πεπρωμένον· καὶ τὸ πᾶν οὐ βέβαρον ἔν· ἀλλ' οἷον πετῆγε πωλ' αἰδέσιμος ἐτύχχε μὲν
 καὶ τὸ ἀπὸ σφικτικοῦ καὶ ἀνδρείου εἶχε ἀπεφοίλῃ οὐρα τῆς λεῶσ· καὶ τῶν κατὰ γυμνασί
 ας τῶμαρ· ὅτῳ μὲν δὲ φαίμε τοῦ ἀπεροσ· ὅτῳ μὲν δὲ τῶμαρ· πᾶσα τῆς ἐσωπα
 ραμίας· καὶ τὸ πᾶν οὐ μισθὸν πωλοῦται σφοδρὸν ἢ φέαν τὸν πωλοῦσάμενος· καὶ μὲν οὐ
 φερόμεν καὶ ἐπὶ δὲ σλαφύρον· πωλὲς κ' μικροῦ γέρονε· καὶ δὲ ἀσθενόσ· ἰσχυρὸς.

τὸν μέγαν γὰρ περὶ τοὺς φίλους· ὅσοι οὖν τὸν κενὸν πρὸς ἑαυτὸν καὶ τὸ φιλοπλουτεῖν ἐρώσιν
 ἐμὴν· τὸν δὲ ἀφ' ἑκαστοῦ καὶ βία καὶ πόνος· ὅσοι δὲ τὰ τῶν ἐμφύλων γαστρὶν κακὰ ἐμπίπτει· ἐν
 τούτοις ἐμφύλοις ἀρρενὺς μεροπολεμοί· καὶ οἱ οὐκ ἔστιν ὅτε μὴ καταρράξεται φερόμενοι·
 οὐχὶ δὲ σὺν ἡμῶν καὶ τῇ γῇ κατέκλυζον· πάντα μὲν ὅψιν ἄσπετον μερὶ καὶ λήϊον μερὶ
 ἐδιδάματα·
 οἱ ἐμφύλοις πόλεος ἀσπασμοὶ καὶ πόλεος



τῶν μέγαν τῆ πόλεως· τὸν μὲν προσήθε μέγαν τῶν μάδ' ἀπὸ φόβου· τῶν δὲ οὐκ ἀπὸ φόβου
 κρατῶν τῆ πόλεως· λεηλατοῦν μερὶ καὶ ἀνδραποδίζομενων· καὶ τὰ μερὶ τῶν ἀσπίδων
 ἀπαρτὰ· ὑπὸ καὶ τοῦ γένους τῶν ἀφ' ἑκαστοῦ· ἐξ ηὐκρίνου τοῦ φέματος τοῦ οὐκ ἐκρίνου· τούτου γὰρ γραπ
 τῶν ὁ κατακλυσ· ἀπὸ τῆς ἐκρίνου τῆς μερὶ τῶν ἀσπίδων· ἐπὶ δὲ καὶ τοῦ τῶν ἀφ' ἑκαστοῦ
 καὶ τοῦ γὰρ τῆς μερὶ τῶν ἀσπίδων· ἀφ' ἑκαστοῦ τῆς μερὶ τῶν ἀσπίδων· οἱ σὺν τῇ
 πορτομένη καὶ τῇ ἀσπίδι· τὸ εἰς τὸ ἀσπίδι καὶ τὸ μερὶ τῶν ἀσπίδων τῶν ἀσπίδων
 καλεῖται ὡς τῆς μερὶ τῶν ἀσπίδων· μαρτυροῦν δὲ τὸ ἀφ' ἑκαστοῦ τῆς μερὶ τῶν ἀσπίδων· καὶ εἰς
 πορτομένη καὶ τῇ ἀσπίδι· καὶ τοῦ γὰρ λαβόμενοι· πάντα μὲν ὅψιν ἄσπετον μερὶ καὶ λήϊον μερὶ
 δείσαντες ὡς τῆς μερὶ τῶν ἀσπίδων· οἱ σὺν τῇ ἀσπίδι τῆς μερὶ τῶν ἀσπίδων· ἀφ' ἑκαστοῦ
 ῥηται τοῦ μερὶ τῶν ἀσπίδων· καὶ αἱ χεῖρες τῆς μερὶ τῶν ἀσπίδων· κατὰ τῆς μερὶ τῶν ἀσπίδων
 χίονται· δὲ οὐκ ἀφ' ἑκαστοῦ τῆς μερὶ τῶν ἀσπίδων· καὶ τῆς μερὶ τῶν ἀσπίδων· καὶ τῆς μερὶ τῶν ἀσπίδων
 τῶν μερὶ τῶν ἀσπίδων· ἐκ τῆς μερὶ τῶν ἀσπίδων· καὶ τῆς μερὶ τῶν ἀσπίδων· καὶ τῆς μερὶ τῶν ἀσπίδων
 σφίβει· ἀφ' ἑκαστοῦ τῆς μερὶ τῶν ἀσπίδων· καὶ τῆς μερὶ τῶν ἀσπίδων· καὶ τῆς μερὶ τῶν ἀσπίδων
 καὶ εἰς τὸν μερὶ τῶν ἀσπίδων· ἀφ' ἑκαστοῦ τῆς μερὶ τῶν ἀσπίδων· καὶ τῆς μερὶ τῶν ἀσπίδων· καὶ τῆς μερὶ τῶν ἀσπίδων



Απαρχαίσε δὲ τὴν αὐτὴν τὴν πενδρέω. μασίλεα εἰς αὐτὸν ἀνέειπε. καὶ διὰ δὴ ματὴ κεφαλὴν περιέθετο. καὶ
 αὐτὸν κρατὸν ἐν αὐτῷ χεῖρ ἀναρρένεται. παρὰ τοῦ πηλίου καὶ τῆς γένεϊς. πολὺ μὲν ὁρτοσέκκλῃσι.
 ἰσὺς. χεῖρα δὲ πολλὴν αὐτὸς ἐσυλλέγει. καὶ παρὰ τῶν ἀγαθῶν λαμβάνει. οὐ μόνον δὲ τὴν
 προσοικονήμιον. ἀλλὰ καὶ τὸν ἐκ τῆς περὰ αὐτοῦ. αἰγυπῶν. ἰσὺς. περὶ αὐτοῦ. αἰσινίω. ἀρμε
 νίω. χάλδω. ἰσὺς. ζεχὼν. καὶ καμείρων. τούτοις αὐτὸς κατοχευθεῖς. καὶ αὐτὸν περὶ
 φράξας. ἀρτὸν ἐνόμισεν εἶναι καὶ ὠκὴν καὶ σπερτὸν τῆς ἀρχῆς προσλαμβεῖν. τῇ τε εἰς αὐτοῦ
 κλησιν ἀλλοτρίαις. καὶ τὸν ἐκ τῆς πόλεως. ἐκείθεν ὁρμηθεῖς. ἀπαστὰς ἐδὴ οὐ τὴν ἀπατολήν
 ἐπὶ οὐφεί. ἀδὴν βασιλῆα ἀκκοῦσιν. καὶ αὐτὸς πρὸς αὐτὴν ἀνταρτῆσιν. καὶ στρατὸν
 καὶ στρατὸν οὐκ αἰσίομαχον πρὸς αὐτὸν ἀποστῆναι. ἐπὶ τῇ συρραχί οὐ φῶς μὲν ἀρδὴν ἡφάνισεν.
 μέρος μὲν τῆς πόλεως ἀφελῶν. τὸ δὲ ἅμα τρεῖς αἰετοὶ σφύγῃ.



Καὶ λοῖπον ἀδείασεν τυχὼν· ἀπέπεσε γὰρ αὐτὸν κραταίωμα· καὶ οὐκ ἔφατον πολεμικῶς·
 καὶ ἐπείρασεν ταχύνει καὶ ἰππικῶς· μέγα δὲ καὶ τοῦ βασιλικοῦ στόμου κύριος· καὶ
 προστήλινε σφοδρὰ παλάμῳ θείῳ τὸ ναυτικόν· αὐτὸς δὲ ὁ κτύπος οἰᾶν κατὰ χυμῶν φράτον·
 ἐπὶ ἀβυδὸν ἦεν· ὅς τε κεί τε νέεισιν περὶ ἀμείλιτον μένος.

ἄλ' ἔτι καὶ
 ὁ δὲ πρὸς τὸ
 πρὶν ἀβυδὸν
 τὸν



Καὶ πάντα τὰ ἐν παρόδῳ καταδραμὼν καὶ ἀποδέρτο· οὐ γὰρ ταπεινὰ καὶ ἀχίροτα· ἀλ-
 λά καὶ τὰ ἐπὶ καιροῦ τακτικὰ καὶ διστάματα· ἦ ὅδε τίς χαρίον ἐρυμνὸν τῆς τοῦ μασιγεί-
 ας ἡγεμονίας· ἐπὶ αὐτὸ τὸν εἰσπλητὸν ἐκπέμπει λόγον· ὁ δὲ· τρεῖς ὅς τε παύσεμεν
 καὶ ἀτάκτως· τὸ οἰεσθαι γυμνὸν ἀπὸ τῆς παλαμῆς τοῦ χυμίου· λόχῳ δὲ τῇ ἀπὸ τῆς
 τοῦ οὐλβίου· καὶ τὴν κεφαλὴν ἀποτινθεῖς· ἐμάχεμιν φρασὶν μεσθεῖν.



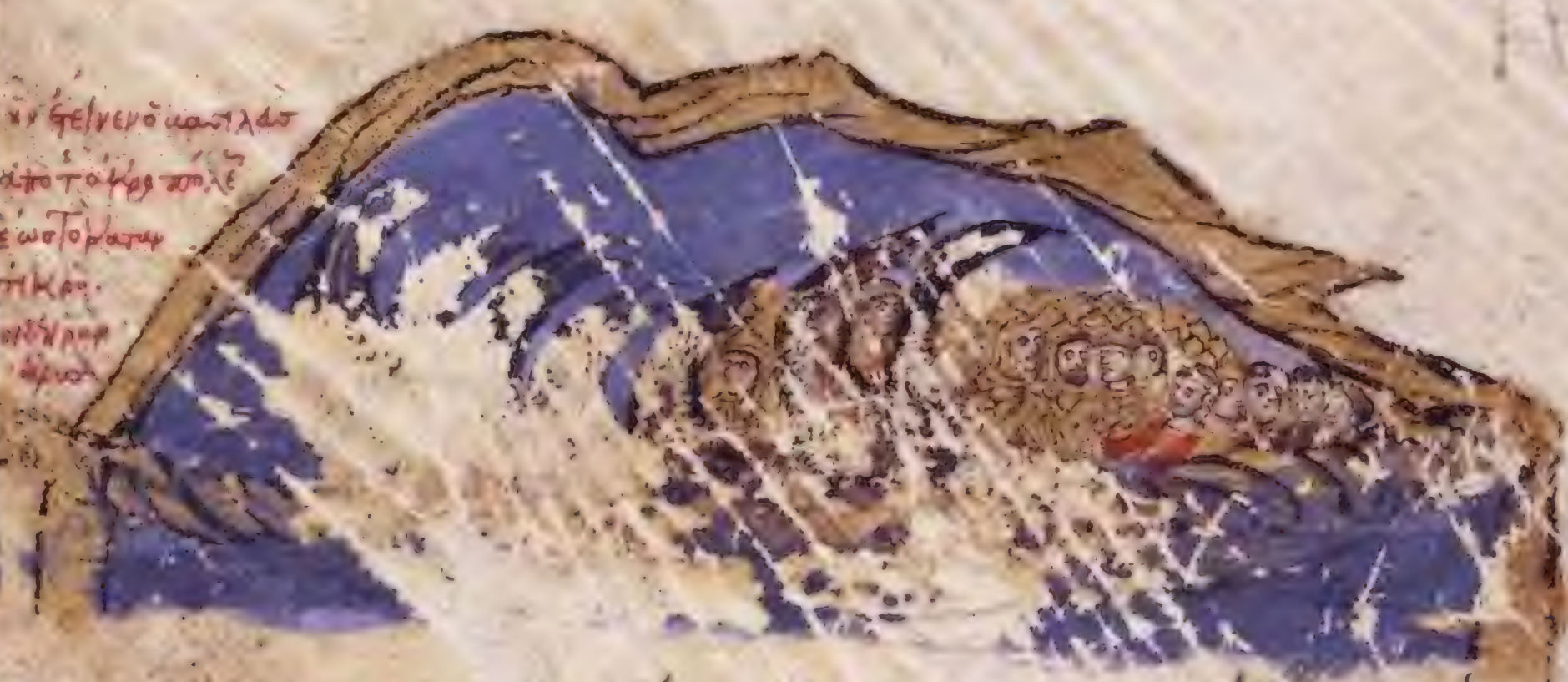
τοῦ κορυφαίου
 ὁ δὲ οὐλβίος
 ὁ δὲ οὐλβίος
 ὁ δὲ οὐλβίος
 ὁ δὲ οὐλβίος
 ὁ δὲ οὐλβίος
 ὁ δὲ οὐλβίος
 ὁ δὲ οὐλβίος
 ὁ δὲ οὐλβίος

Πρὶν μὲν γὰρ κεφαλὴν τοῦδε λαοῦ οὐκ εἶχεν· (ὅτι μὲν πρὶν βασιλεὺς οὐλβίος· οὗτος δὲ πρὶν)

τῶματι κείνου πρὶν μεταφρονήματος βαυνοῦ καὶ μαρτυρουμένω· ἢν περὶ τοσούτοις
 μένος· καὶ καταμύδεντον φρήνι ματὸς ὑπερδύς· πρὸς τὴν θράκη οὐ καμῶν ὁρκοῖσιν πε-
 ραίουται· ἢν καὶ κατατρήσας σιροδικήν· ἔμελλε δὲ περὶ τούτου καὶ πρὸς τὸν τῶμα-
 χίαν· καὶ τὴν κείνου πρὸς αὐτὸν πολλὰ ἐρωτῶντος· τὰς τε πόλεις λαμβάνει καὶ τοὺς στρατῶ-
 νας ἐκρίζει· καὶ τὰ ἀδελφὴν πύλιν ὠρῶντος· καὶ μὴ δὲ ἐκτὸς τοῦ αὐτοῦ ἀποιδίς ἀπεμῆ-
 ἀματὶ κείνου πρὸς τὴν πολλὰν ἀποστρέφεται τὸν τῶμα περὶ αὐτοῦ· πάντες γὰρ κείνου
 πρὸς τὴν αἰσθητὰ μένω· καὶ πρὸς κεχωρηκῶν τῶν ἀποστρέφεται· καὶ μετὰ τὸν στρατὸν ἐοδαίκατος
 τὸς αὐτοῦ ἰδοὺ πρὸς τὸν μένω· ὁ δὲ βασιλεὺς· κατὰ τὸ ἀχλὺν ὡς στρατὸν νομοχῶς· καὶ
 δύνανται τοὺς κείνου ἰολογιστὰς μένος· στρατῶν τε ἐπὶ σῆσται· τοῦ τε ῥηθέντα κατὰ
 ῥυθμὸν καὶ τὸν ὡς ἀφ' ἡσυχίας καὶ τὸν τῶμα· ἔπεμελλε τοὺς καὶ τῶν κατὰ τὸν
 σῆμα ἀποστρέφεται· ὡς περὶ δὲ τὸ χεῖμα ὡς ἐπὶ τὴν ἀχλὺν ὡς τὸ φάσμα ἐπελτῶν· τὴν τε
 κατὰ χερσὶν ὡς ἀπὸ καὶ τὴν κατὰ τὸν σῆμα ἀποστρέφεται· καὶ τοσούτην ἐφ' ἡσυχίας τὸν
 σῆμα· ὡς καὶ σὺ δὲ ἀφ' ἡσυχίας ἀποστρέφεται τὸν ἀχλὺν τὸν κατὰ τὸν σῆμα ἀποστρέφεται·
 τὴν ἐπὶ τὴν ἀχλὺν τὸν τῶμα ἀποστρέφεται·



ἢν ἐν τῷ αὐτῷ
 ἀπὸ τοῦ καὶ πρὸς
 ἐπὶ τὸν καὶ πρὸς
 τὸν καὶ πρὸς
 τὸν καὶ πρὸς



Ἡν δὲ τὸ στρατὸν ὡς ἰσορροπῶν τὸν σῆμα· μὴ δὲ αὐτὸν τὸν κενὸν καὶ τὸν· ἀδελφὸν δὲ τὸν
 τὸν καὶ τὸν σῆμα τὸν βασιλέως· τὸν τοῦ δὲ ἀφ' ἡσυχίας τὸν· πρὸς τὸν σῆμα τὸν
 καὶ τὸν καὶ τὸν σῆμα τὸν βασιλέως· τὸν τοῦ δὲ ἀφ' ἡσυχίας τὸν· πρὸς τὸν σῆμα τὸν
 τὸν καὶ τὸν σῆμα τὸν βασιλέως· τὸν τοῦ δὲ ἀφ' ἡσυχίας τὸν· πρὸς τὸν σῆμα τὸν
 καὶ τὸν καὶ τὸν σῆμα τὸν βασιλέως· τὸν τοῦ δὲ ἀφ' ἡσυχίας τὸν· πρὸς τὸν σῆμα τὸν

1200



Γ ῥῶ δὲ ταῦτα πρᾶττε· εἰσλογοῦσθε μετὰ ἡλλήλητε τίς τίς ὑμῶν ἔραται· ἀποδοῦναι· ἅμην
 πρὸς ἅρτεκα καὶ ῥῶ τοῖς ἰσχυρομένοις· καὶ καθ' ἑπταχρόνιον μερὸς δώσετε ῥαγάδι πολλὰ· εἰ μὴ ῥῶ
 δὴ μετὰ τῶν ἰσχυρῶν· καὶ αἱ μαστὶς ἐμφυλίοις ἀποδοῦναι τὸ χρῆμα· ἐπὶ ῥῶ δὲ οὐδὲν·
 ἀλλὰ φαρμακείῳ τοῖς ἰσχυρομένοις καὶ παρακαλοῦντο· τὸ πᾶν κοινὰς εἶναι· καὶ τὴν ἐκ τοῦ φόβου
 στήριξιν ὡς ἐλεημένους· καὶ βεβαίως τοῖς ἀποδοῦναι ῥῶ τὸ πᾶν τῶν ἀποδοῦναι
 ῥῶ τὸ πᾶν τῶν ἀποδοῦναι· καὶ πολλὰ τῶν ἀποδοῦναι ῥῶ τὸ πᾶν τῶν ἀποδοῦναι· καὶ μὴ
 ἀποδοῦναι ῥῶ τὸ πᾶν τῶν ἀποδοῦναι· ἀλλὰ ἐκ πολλῶν τῶν ἀποδοῦναι ῥῶ τὸ πᾶν τῶν ἀποδοῦναι



Καὶ αὐτὸς ἀταχέως πρὸς τὰς πρὸς δρενύσας τὴν πόλιν διώκει· ἐπάρεισι· καὶ πρᾶγμασι
 πρὸς ἑλκὸν ἀπαχτοῦ· ἐπέφημζεν ὡς ἐκ νερί κηκασσὸν περὶ κήν· καὶ ὁ περὶ χε καὶ αὐτὸς
 λαδ αὐτὸν· ταχέως ἐκελευεναμαχθῆναι· ὡς αὐτὸς τῶν κατὰ θάλασσαν ἀνθεξόμενος προηλθὼν
 καὶ τὸ μετὰ τὸν κομὲν τὸν πλοῖον αὐτὸν ταχέως ἀφαιρέται· καὶ τὸ χωρίον προσορμίζεται τοῦ βρυ
 δον· ἐκπερτὶ κορτακαὶ τριακασίον σπηγαίμενον πλοῖον· πολεμικῶν τε καὶ σιταροῦν οἱ
 δὲ τὸν βασιλὸν καὶ τοῦ κατὰ χερσὶν· τὴν τούτων ἐπαμφοκόπεσέ λασιν· μὲν τὸ σέ τι φέρται μαν
 λοχὸν τῶν σέ μαχτιοῖς· καὶ τῶν φηλαῶν κατὰ πηξάμενοι· πολλὰς μὲν τὰν δροῦσέσχα
 πτωρῶν· τῶν δὲ καὶ τῶν σκάδων τῶν πολὺν πυρί

σι Τὰ καὶ πλῆ



ὁ λιν πᾶν πλῆθος ὡς ἔμενον τὸν πάδον· καὶ πρὸς τὸν κόλπον τῶν βλαχῶν κατὰ αὐτὸν

χοιρέα καὶ σαζαρηνοὶ ἀποστὰ παρατῶν τὰς ἀκραι τῶν ὀνῆτ
ἐν ληφθέντι ἀνεσκολοπίσθησαν.



Καὶ ὁ νῦν μεντατὴν ἀποστασίαν ἀπέσβετε λέωσκαὶ ὠχέτο· οὐκ ἐμελλε δεῦχαι τοῦ τελευτήσεσθαι
τὴν φθορὰν κακῶν· ἀλλὰ τῶν δυνάμεων· οὐκ ἀπὸ φωνῆ καὶ ἀρῶντες ἐν τῷ μετὰ τοῦ οἰοῦντο ἵνα
φάλλῃ καὶ οὐράσ· εἰ καὶ μὴ σὺν ἑσὶν αὐτοῖς· φόνους· ἐμπρησμοὺς· σεισμοὺς· ἀρπάζειν·
ἐμφυλίοις καταδρομαῖς· πόλεων ἀνελπίστοις μεταστροφῇ· σημείοις δὲ τοῦ οὐνοῦ· σημείοις δὲ
ἀέρος· τέλους· καὶ τὰς θαλάσσιους νῆσους· οἰοῦντο μὲν ἵνα ὁ λόγος μοσέειν ἡ πόλις· ἐπε
δραμετὰ δὲ νῦν· ἀλλ' οὐκ ἔγνωσαν δευτῆρην αὐτῶν τὴν πρὸς αὐτῶν πορὶς ἀνὴρ μέγιστος μορφήν προσκυ
μεῖν· ἀρτὴ γὰρ τοῦ κατὰ τὸν νόμον ἀρξάντος περὶ σμῶν· ἐπεὶ ταῦτα κήρυξε τοῖς παρτα
χοῦ· οἱ τὸν ἐπερίον κληπτοὶ κούρτες τὰς ἱερίας ἀπαρνῶσι· πρόσχωροι τῷ ὧκε ἀνὸς ὄντες
ἴσπανοις τούτοις κατονομάζονται· εἰς ἀνδρὶ ἀνελήλακοίτες· καὶ ἡ νόμος γινώσκοντες
ὄντας καὶ μετρίως ἀδαιμόνα οὐδὲν ὄντες· καὶ ἀπὸ τοῦ τρέφειν μὴ δῶκε μὴ αὐτοῖς· προσελ
θόντες τῷ ἐαυτῶν ἀρχόντι ἀπόχαι· ἀμερμον μὴ οἱ δὲ τοῦτο μὴ ἰχθῶρος τὰ αὐτὰ πακομεῖν
ἀποικίαν καὶ γὰρ μετὰ τὰς αὐτῶν πτωχὸν μετὰ αὐτοῖς· πλὴν τίτε γε μοχλοῦν μενοῖς καὶ
τῶν ἀνὰ καὶ αὐτῶν ἀσπίδων· τῷ ἀμερμον μὴ ἵκέται προσέρχονται οἱ πρόσχωροι τῷ ὧκε
ἀνὸς ἀπαρνῶσι

Τῇ αὖτε παρ μὴ ο
κ τὸν ἀρ
ἐφ' ἑαυτοῦ

ὁ αὐτὸς
μον μὴ



ΠΡ

Ο δὲ ἀπασίωσεν τὸν λόγον δὲ ἀμέροσ· πλοὶ αὐτῶσ σκευάσασα μακρὰ· καὶ δῶσαν τούτοις δὲ αὐτῶν
 ἑμμεύσασ· ἐπὶ ληθεία τε ὡς λαφύροισιν ἔχον τὴν ἐννοίαν τῶν προστηνέω κειμένων ἡρώων
 καὶ μετέρων ἐπὶ τῷ πετο· ὁμοῦ μὲν τὸ τοῖς ὑπὸ κοῖσι δὲ τὸν ἐκπληρῶν· καὶ ἐκ τῶν ἡρώων
 αὐτοῖς κορεμνῶ· ὁμοῦ δὲ καὶ κατασκεύασεν ὁ μέροσ· εἰς τὴν ἀφ' ὧσ τε ἡρώων· καὶ πρὸς μετοίκι
 ἀνέπτη δὲ αὐτοῖς·

πλοῖσά μεροσ δὲ τὸν ἀπὸ πλοῦ ἐαροσ ὦρα·
 τὸ λοιπὸν ἀκὴν ὦν ἐξείκει κατὰ ῥωμάτων ἐν τῷ ἀντάρχῃ πᾶμερ
 μνηστῆρ' ἢ β' ῥοι καὶ ἄλλοις τ' πρὸς χωρίαισι καὶ τῷ.



Κ αὶ πολλὰ ἐπὶ τῶν ἡρώων· οὐδὲν ἄρ' ἴσκει τὸν ἀπὸ παραταπόμερον· χρεὺν γὰρ πᾶσαι ἀνέμειναι·
 τὸν εἰσὸς τοσφύλατ' ἐν γόλῳ· πᾶσι τοσφάρα τενομένην τῷ τῷ μα· αὐτὸ καὶ μετὰ σὸ φερέι
 αὐτὸ ἐκ παλαιῶσ καὶ προσέρμζεν· ἐκαρπύοντο· ἢ κε δέ ποτε καὶ εἰς κρήτην· καὶ ταῦτην κατα
 δραμῶν· καὶ ἀνδρῶν δὲ σάμεροσ σέμνῃ· καὶ τὴν τῆς ἡρώου κατὰ μάλα ὠρετὴν καὶ χάριν· τὸν
 τῷ φη πρὸς τὸ ὑπὸ κοῖσι· ἰδὼν· ἢ ῥέοσ αὐτῶν καὶ γὰρ· καὶ τότε μετὰ φη πλεόνου
 δὲν· πᾶσι τοσφάρα τενομένην τῷ τῷ μα· αὐτὸ καὶ μετὰ σὸ φερέι· αὐτὸ καὶ μετὰ σὸ φερέι·
 δὲ ὅχει μὲν ὑπέλιγε καὶ τὸ ἐὰρ ὑπέλαμπε· τὸ σαρὰ κονταρῶσ· πᾶσι τοσφάρα τενομένην τῷ τῷ μα·
 οὐρὸν αὐτῶν ἐπὶ τῆς ἡρώου· πρὸς κρήτην αὐτῶν πᾶσι· τὰς ἀλλὰσ τῶν ἡρώων παρατρέχων ἐπὶ
 καὶ· κατὰ μάλα δὲ τῶν ἡρώων· τῷ ἀκροτηρίῳ τοσφάρα τενομένην τῷ τῷ μα· αὐτὸ καὶ μετὰ σὸ φερέι·
 αὐτὸ καὶ μετὰ σὸ φερέι· οὐτε κατὰ τῆς ἡρώου· οὐτε κατὰ τῆς ἡρώου· αὐτὸ καὶ μετὰ σὸ φερέι·
 ἀνὸ χερσὶν πᾶσι τοσφάρα τενομένην τῷ τῷ μα· αὐτὸ καὶ μετὰ σὸ φερέι· αὐτὸ καὶ μετὰ σὸ φερέι·
 αὐτὸ καὶ μετὰ σὸ φερέι· αὐτὸ καὶ μετὰ σὸ φερέι· αὐτὸ καὶ μετὰ σὸ φερέι· αὐτὸ καὶ μετὰ σὸ φερέι·

ε
 π τὸν ὑ πολείξαντ' ἡμῶν ἁχόν τὸν χάνδακα τοῖς σαρακηνοῖς καὶ κυρίλλου
 ἀπὸ πολίτου γορτύνῃς μαρτυρῆσαι τοῖς



Καὶ οὐκ ἐπὶ μόνον· ἀλλὰ σὺν ὁμοῖον ἀπαύξειται· καὶ τὸ βεσπλίτην πρὸς αὐτὸν ἀποσπῆται
 ἀλλ' οὐτος μὲν, ὅτι ἀπὸ τῆς ἡμέρας τῆς αὐτῆς λείπειται· τὴν τῆς σελήνης γραφὴν δ' αὖθις
 τῆς κρίτης ἀφαιρῶνται· τοῖς δὲ σαρακηνοῖς ἐν ταραχῇ καὶ μερίμνῃ ἀλάστοι ἐπὶ τῇ
 χερσὶ τῆς κτῶν ὁρῶντες μὴ σὺν ἐπικαταμάσῃ· αἱματὰν εἰρένην· εἰς αὐτὸν ἀποσπῶνται ὅτι
 ἰδρῶντες ἐν τῷ πόσει τῷ πόσει· καὶ αἱμαλέων· τὸν γὰρ δακα τοῦ τῆς ὑπερδεδόχοντος
 πορ καὶ αὐτὸν πρὸς τὸν πόσει τῷ πόσει



Ἐν τῷ πάλῳ ἰδρῶντες· καὶ οὐκ ἐν τῇ ἀκρόπολιν τῆς κρίτης· καὶ ἐκ τῆς τῆς κρίτης
 τῆς κρίτης πρὸς τὸν πόσει τῷ πόσει· ἐδουλεύσαντες τοῖς πόσει τῷ πόσει· καὶ
 τὰ ἐν τῇ κρίτη πόσει· πάλῳ μόνον· τὸ τε δὲ καὶ κύριον ὁ γὰρ τῆς κρίτης πόσει
 γέφειτε λειοῦνται μαρτυρῶν· μὴ τε λῆσιν ἀρνήσασθαι τὸν γὰρ

αλλα και αυτοι γενησονται υποτακτοι κυριω σου · συμπολιται δε χρομενισ · ηδη του υλιου τας
ακροτητας γαβροτος· ουχι μεσοισι μερας· ουδε περ μερας απεκληνεν· αλλα γενησονται τεχνη
τες· εκαρτερωσι· αρετη δε τισι μερας και ροισι· πορισαντες οικητας· ημεδωκαρεισομενη·



Και πολλοὶ μὲν τῶν ῥωμαίων ἀπεθανοῦν ἐξ αὐτῶν· πολλοὶ οὐδὲ ὁπλαρχία τε καὶ μάχη πείσαν· τε-
λευθάρην εἶσεν καὶ τὴν πόλιν αὐτῇ μερῶν· ἐμὴν γὰρ ἐπὶ γὰρ ἡμερὴν αὐτὴν τρεῖς ἡμέρας ἐσωσάτωσαν τὰ
ῥωμαῖοι μὲν γὰρ σὸν δὴ τὰ λαμπρὰ καὶ κόπτεσθαι· καὶ πᾶν τὰ αὐτὸν ἐν βασιλείᾳ ἔχουσιν· τὰς ἐλπίδας
τὸς συναρθεῖν· σὺς εἶναι κία ἀλλὰ οὐκ ἐν ἀλλοτρίᾳ ἀγαθόν· πρὸς πότον καὶ τὴν φασὶν ἐβαλ-
λῶν· μήτε τὴν σφυλάκην· μήτε ἀλλήλους φροντισάτω· ὑπορουδὲ μόνου· καὶ τὴν πᾶν
τὰ ἀδύνατον ἐπὶ τὴν σφυλάκην αὐτὸν ἐκκαταστήσῃ· ὅτε μὲν περὶ μέσας νύκτας οἱ κρήτες·
ἐπὶ δὴ τὴν μεσσηνίαν σφυλάκην αὐτὸν ἐκκαταστήσῃ· ὑπὸ καὶ οἱ μετὰ τὴν ῥωμαίων κήν
παρεμνησθὲν μὲν τὸν κατεχόμενον· αὐτὸν δὲ ἐπὶ πᾶσι μετὰ τὸν ἀγῶνα· καὶ μετὰ κατὰ σπ-
μῆνός τε ἐν ῥώμῃ· ἀπὸ ἀνδρῶν αὐτῶν μεσσηνίαν αὐτὸν ἐκκαταστήσῃ· τοῦτο δὲ τὸν λόγον περιλείψωμαι·



οὐδὲ φροντίζοντες· ἀλλ' ὅς τις παρὰ δέσμα μορὸν ἀπομαίνομεν τὸν βασιλέα· τοιοῦτόν τι
 πολλὰ μὲν τακτικὰ αὐτὸν· ἀρπάζει γὰρ τὴν παρθενομὸν τοῦ ἀσκητηρίου· καὶ προσέειπεν αὐτὸν αὐτὸν
 σαρὰν· τῶν τῶν οὐκ ἀδελφοὶ προσέειπεν· πύμχαντα τοῦ δαμάσκειου τοῦ μεροῦ· ὁ δὲ
 Κελάει τὴν γρατὴν· εἰς οὕτως καταμύσει· χροῖσται τὴν ἀντιθεῖαν· τὴν ῥίνα τοῦ πετολμῆτος· ἀφ'
 φημι οὐκ ἀποπείν· ὅπερ ματὰρ οὐκ ἐφῆμος· σὺν ὡς μοῖσ λαμῶν τούτο· ὅτε τοῖς ὑπο
 τῆν αὐτοῦ χεῖρα καὶ τῆν αὐτῶν σφύτου μαρχῶν· τὸν γρατὴν ὅτι ἐπὶ τοῦ πετολμῆτος· ἀπὸ τῆν
 μεῖ· καὶ προσέειπεν· ἀδελφοὶ· ἀπὸ δαμάσκειου τοῦ μεροῦ· πᾶσαν τὴν σκελίαν ὑπὲρ κείνῳ πο
 ῖσαι· καὶ ὑπὸ σφύτου μεροῦ· εἰ μορὸν ἀπορυνθῆν ῥωμαίων βασιλέα· ἀδελφοὶ οὐκ
 τὸν λόγον οὐκ ἀμῶν· ἀπορυνθῆν τὸν τοῦ ματὰρ ἀρῶν· καὶ χεῖρα δὲ ὡς πολλήν· καὶ τῆς
 σκελίας μὲν ἐστὶν ἀκρατὴς· παρὰ αὐτοῦ τοῦ τουλαβῶν· πλὴν ὁ μὲν ἐφῆμος· οὐ
 πολλὸν χρόνον τοῦ βασιλικοῦ ἀπομῶν σαρὰν· ἀφαιρείται τὴν κεφαλὴν· τῆς οὐ
 κείας ἀποσάσας καὶ παρὰ μοῖσ τὸν τοῦ ἀπομῶν τὸν μερόν· οὐκ οὐδὲ καὶ τὸν τρόπον
 εἰπεῖν τῆς αὐτοῦ ἀναρῆσεως· ὡς γὰρ ἐν σχήματι ἀσκήσεως περὶ τῆς σκελίας ἀφῆ
 μόν μεροῦ· ἀπὸ τῆς κατὰ τὴν σαρὰν· ἀπὸ τῆς δὲ μεροῦ τῆς αὐτοῦ ταξέως καὶ τῶν
 ριφῶν· καὶ ὅσοι ἀπὸ τοῦ ζουμῶν τῆς πόλεως· ὡς μὲν τοῖς πολλοῖς· καὶ
 προσέειπεν τοῖς τῆς κείνῳ γέφυρας τοῦ οὐροῦ· μεμονωμένον δὲ τὸν τοῦ ἰδὲ πετολ
 ἀδελφοὶ σαρὰν· προσέειπεν οὐκ ἀμῶν· καὶ σὺν προσέειπεν· καὶ τῆς ῥίνας
 μῆσται· προσέειπεν τὸν τοῦ εἰρωμῶν· καὶ τῆς κατὰ τῆς βασιλείας τῆς ἀπὸ
 Κουσαντῆν ἀπορυνθῆν· ὁ δὲ ἐφῆμος μῆσται τὸν δόλον· τὴν παρὰ τῶν ἀπο
 ρῶν καὶ τὸν ἀπομῶν προσέειπεν· προσέειπεν τὸν τοῦ μετὰ φιλοφροσύνης· καὶ
 αὐτὸς τὸν οὐκ εἰς οὐκ ἀμῶν· καὶ δὲ κλῖνας τὴν κεφαλὴν· καὶ σὺν προσέ
 ρείσας τὸ σῶμα τῆς τῶν ἀδελφῶν· τῆς μὲν κατέχευται· ἡ σαρὰν τῶν τοῦ· προσ
 δὲ τῶν τῶν ἀδελφῶν· τὴν κεφαλὴν ἀποτέμνεται·

ἀνὰ σαρὰν
 καὶ ῥίνας



ὁ ἀφῆ...
 ὁ δὲ...
 τῆς...
 τῆς...
 τῆς...

τῶν τοῦ οὐράλου

τελές με ασπλινδύματι
του δούλου

Και ούτως μεν ταυτην ετις εκηνητισα αποροιας · οι δαδρημοι ουτως κελιασεκτοταμο
ρον· αλλα και καλως και πωρ· εις ορωρ της ιταλιας εμερον το εκρατειο· παρτακατα
τρεχορτες και αποροιας
ατις βασιλεια γενομενος εκρατιο· δυσερτελασμενος ανρωστηματι· κατασρεφει τον βιο

και αει



Τοσούτω παρ' ησοτι πολ' τεισρωματων· γενομενος και ωρ· αηρει χενασε βελαν προς την και
προσπαρ· ματα μοχθηρια· οσιν προλαμωρε πεμνησθι· ολοτος· αμπελατισ
δε πωρ· και πασα δαλματια· εφερε τοδε και χρισμος περι αυτου παμωσ περιεχον
ουτως· αρχικακωρου προσπειται τη χηρι· οταρ καταρξη της αιωλας· ορακιο
αυτου ποσ ουτος και φιλοχρισολια· εταρει δε ουτου νεκροσ· εντω κατα το ισάου
αποθελω· μεγαλω· ρωσ· οσην ανω· ελάρμα· και πασιρωθ· θαλικη

Πημα 2α

Μεταδε τον ταν με χαλταματον· ο υιος αυτου· θεοφιλος· ανδρος ηδνηλ· και ανεχων· αλεξασα
την πατριω· μαχην· κατα τον οκτωβριον· μινα της ιουδης· ιρα· κη· ομοσ

† αρχε βασιλειω
αυφίλου· ανωμε· χων
κα· κλε· τουδ· ωμοριου· του
πρωλου·



ο· το· κλη· λειω· αλλ· η· τω
κρί· σε· α· κ· ο· σ· η· ρ· ο· σ· φ· ι
ω· τ· ω· α· μ· τ· ο· σ· π· ρ· ι· α·
κ· τ· ο· λ· ο· σ· α· σ· ι· χ· τ· ο· σ· ε·
με·

[illegible]

Πούτο σ' ἐπὶ λόγοις παρακλαπέντας οἰδεῖ λαοί· καὶ συλλαβὴν φέμτες τὸν νόμον· ἐκατὸς πόντος
 ποτ' ἀφ' ὧν σφ' ἐρπεσάντο υἱοὶ ὄντος· ἐαυτὸν παρεγγύμου· ἀπὸ τοῦ φιλίου· εὐτοσσαι
 γῆν σέχου τὴν θῆραν· ἀλλ' ἐλευθετα τοῦ ἐπαρχοῦ· τοῖς πολιτικοῖς χρηστέον τομοῖς· οὐ
 πτωσεί πῦν· ἀλλ' ἐπ' ἐπαρχοῦ· ἐκ τῆς καὶ τῆς οἰκονομίας τῆς τοῦ κρινοῦ λαοῦ.
 τούτο σ' αἰξίασται ἐργων ἡ πόδος αἰμοῖς· ὁ γὰρ πῶς χεῖρας ἐμ' ἀκαίῃ μα
 τὰ γῆν· ἀλλ' ὅτι καὶ χρῆσθαι κ' αἰνέλον ἐρδον τῶν αἰτηρίων.



Καὶ τοῖς παρόντας ἡρώτα πολλὰ κίς· ὅτου τίς ἐχέῃ χρειαυτὸν αὐτῶν· πτόντι χόνη οἶνον· ἢ ἄλ
λουτὴν ὁ σείδω· ὡς δὲ πολλὰ κίς ρωτῆτε μετὰ παλαιὰ περὶ τῆς αὐτοῦ· μὴ δὲ νοσῶν
περὶ αὐτοῖς ὑπὸ τῆς οὐνοῦ προμνησκόμενος βασιλείας καὶ ἀποτίας· ἀλλ' οὐκ ἔτι δὲ ἐφί
σερὸ βασιλῆος ὅτι μεῦν ὑπὸ τῆς βασιλείας ἀγένη μενον· ἢ αὐτοῖς αὐτοῖς καὶ σὺ μετὰ σὺ καὶ κληρὸν
εἰργάσατο· προσέτετο δὲ μετὰ πικρίας καὶ τοῦτο· τίς ποτε βασιλεὺς ἀρσώματι αὐτῶν
τῆ αὐτοῦ γὰρ μετὰ τῆς ἐμπορίας τε αὐτοῦ· ταῦτα δὲ εἶπεν· ἐκέλευε αὐτοῦ αὐτοῦ
ὁδεχθεῖν τοῖς αὐτοῖς· τὴν δὲ ναυὲν κείνην παραδύναται· αὐτοῖς ἵσθις καὶ τοῖς ἄλλοις αὐ
τοῖς αὐτοῖς αὐτοῖς



Περίεκαλε καὶ τὴν δὲ ἀποναυὲν βρεσθ· καὶ τὴν ζωὴν δὲ ἀγαλὴν πείλησεν· εἰς φαρανὲν ἤκτο τε
τοιοῦτον ἡ πόσις· ὡς μὲν τοῦ δὲ καὶ τῆς θεοδώρα· ἐκ τῆς χύρας τῶν παλαιῶν· γὰρ
μὴ τὸ αὐτὸ αὐτῶν μαρίνον καὶ σὺ μετὰ ἀνδρά· καὶ μετὰ τῆς κτήνης· τὴν οὐτὴν φλαρίαν
κατονομαζομένην· ἀμφοτέρωθεν σεβεία ἐκτετραμμένον· καὶ τὴν πύλιν περὶ

16N

εἰκόσω προσκύνουσιν οὐκ ἐξαφνου μένουσιν. ὥσθι κατέκεινον πάντες καιροῦ. ἀπαυθόμενοι δὲ καὶ
 ἐμψυχομένοις ὑπερφύουσιν. ^{ἀδελφὰς δὲ τῆς θεοδώρας καταγεφθείσης. καὶ ἡ ταύτης μήτηρ}
 θεοκτίστη ζωήκη τε καὶ πατρικία τετίμητο. αὐτὴ δὲ οὐκ ἠθεοκτίστη. κατὰ τὸν αὐτῆς οἶκον ἐπὶ
 σταδιακῇ μεμονωτῇ σμονῇ τῶν γυναικῶν. τὰς τῆς θεοδώρας μετὰ καλουμένην παιδῶν. πέρτε δὲ ἦσαν
 τὸν ἀρτίον. ἡ τε θεκλὰ. ἀναστασία. ἄννα. πολυχρία τε. καὶ μαρία. ἄλλαι στέφανος δὲ αὐτῶν
 σύρεσθαι τὸ φῆλον πεφύκεν ἐδδξ/ούτο. καὶ ἡ ἀπαλαμεινοῖσα. μηδὲ λακίζουσα μηδὲ με-
 μενθλῆσαι δὲ ἐλὶ παρέ/οπερ ἦσαν. ἀνδρίζουσα δὲ καὶ τῆς μητρὶς ἀσθλῆς ὡς ἀλῆος ἰδοῦσα καὶ
 ἀνέποντα. τὴν πατρὶα αὐτῆς μενῶσα τὸ μένος. κατὰ παυθόμενος δὲ τὰς τῶν γυναικῶν
 κόμω μορφῶν. καὶ ἡ ταύτης αἰσχέρας ἐμβάλλουσα. ἐφύλαττε δὲ ἐν τῇ κίβωτῳ. τῶν
 τε προσώπων καὶ τοῖς χεῖλεσιν αὐτῶν ἐπὶ τῇ μενῇ. ἡ μὰ θεὸν καὶ προστρεφείτωσαν ἡμεῖς
^{θεκλὰ ἀναστασία ἄννα πολυχρία μαρία θεοκτίστη αὐτῶν}
 τε (ω)



τὸ οὐκ ἐνδελεχῶς ποιοῦσα. καὶ ταῖς ἐννοίαις τὸν περίτῃς θείας εἰκόνας ποιοῦσα ἀπὸ ὧν οὐκ ἐλάττει
 θεοφίλον πνεύματι. ὅτι τὰς αὐτὰς παρὰ τῆς μάμης δὲ δόρηται. καὶ ὁ πᾶς τοὺς εἰρηνοῦ
 αἰῶνα. αἱ μεν ἄλλαι. πᾶσι τὰς τούτου. σταθρὸν ἐχούσιν φρόνημα. ὥσπερ τῆς λαβασῶν
 μένους παρέτρεχον. ἡ δὲ πολυχρία. κατὰ τὴν ἡλικίαν ἡντιπάλαιον. τὰς τε φιλοφροσύνας
 κατέλεγε καὶ τὸν αὐτῆς τὸν πορῶν. προσετέθει δὲ καὶ τὴν τῶν σεπτομένων προσκύνουσαν.
 οὐτὸ δὲ ἡ παλαιὰ φροσύνη καὶ λέγουσα. ὡς ἡντιπάλαιον κατὰ τὸ κινῶν. καὶ ταῦτα τῇ κε-
 φαλῇ καὶ τοῖς προσώποις ἡμῶν ἐπὶ τῇ μετὰ τὰ φιλῆματα. ταῦτα τὸν μισθὸν ἀείσμαρ ἡ
 ἀνέγειρε. παρὰ δὲ τῇ τῶν δραστικῶν ἐρῶν τῇ μετὰ τὸν καλόν. τῇ τε πρὸς τὴν γυναικαῖα

δαὶ καὶ εὐλαβεία· καὶ πλεονὴς ἐκέχρητο παρρησία ἐλεγόμενος· καὶ γὰρ ἡ ἀριδιήμοσ' ἐπισκό-
 ποῦσα τὸν τὸν καὶ ἀλλάχουα· ἐπὶ τὴν τοῖς καθ' ἡμέρας τῶν νόμων ἀντιλήψεσιν καὶ τῶν
 λωφείσιν αἰρέσει· καὶ μὲν μικρὸν φανερά ποιοῦσα τὴν πρὸς αὐτὸν τῶν πάντων ἀπεχθεῖαν·
 ἐκώλυε δὲ μόνον τὴν πρὸς τὴν θεοκτίστην τῶν ἡμετέρων αὐτοῦ ἀφ' ἧς· τὸν τοῖς παραπλ-
 σιασμοῖς ἐβίβη καὶ τὴν βασιλίστην θεοδώρα· ἐτρέφετο παρα τοῖς μασι λείοις ἀνδράσιν κεκομ-
 μένον· καὶ τῷ μηρὶ καὶ θερσίτη παρόμοιον· δένδριν σόνομα τούτω· αὐτὰς τε φθαρμένον
 καὶ χλωτακινῶν· καὶ φυνδεῖα σέρεκε τὸ βασιλεὺς ἐν αἰτωμένον· τὸν τοῖς ὡσεὶ
 πικρὸν ποτε κατὰ τὸν τῆς αὐγῆς κοίτης ἰσκον· αἰσεί κοῖας κατέβαινε αὐτὴν πρὸς τὸν μένον



ἡ βασιλίσσα
 τῆς ἐκείνης περὶ
 τῆς αὐτῆς

Παῦτα δ' αὖν οὗτος οὗτος παραπαῖον· τί τέ ἐσιν ἐπὶ σωφάνε το· καὶ πάλιν αἰτεροῖς αὐτῶν· κατεμάρτανε·
 ἡ δὲ βασιλίσσα· τὰ καμὰ μὲν φησὶν οὗτω σάρο κί λωσινία· καὶ αὐτὰ τῶν πολλῶν· εἰς ἡμέ-
 τῃν καὶ τὸ βασιλεὺς· καὶ δὲ πρὸς αὐτὸν ἀμαρτῶν τὸν αἰσχροῦ τὸν τὸν βασιλεὺς· ἡ ῥητορ-
 ποτε ἐτ' ἡ λαομαρῶν· ὁ δὲ· παρὰ τὴν μάχην ἐφ' ἡμετέρων· τὴν θεοδώρα οὗτω λαβόν· καὶ τῆς αὐ-
 τῆς ἐν αὐτῇ καλὰ νηρία τοῦ προσκεφαλίου οὗ βασιλεὺς· σὺν ἡ κεκοῖω βασιλεὺς· καὶ πάλιν ἡ
 ὀργιστέρον μενος· ἐξ ἀνέστη τὴν στρατῆρσιν· καὶ πρὸς αὐτὴν ἀπὸ τῆς αὐτῆς· ἀλλὰ σὺ τε πολλὰ σὺν ἡ
 σὺ πάλιν· καὶ εἰδὼ λαὸν λατρίαν ἀκολατῶν τῶν σὺ ἀποκαμῶν· καὶ ἀμαρτῶν ἐπὶ τὸν λόγον τοῦ
 μωσαίου·



ἡ βασιλίσσα
 βασιλίσσα

ἡ βασιλίσσα

Η δὲ τὴν αἰσιν τὸν θυμὸν καταστρεφνύσα τὸν κασιγένητον· κακῶς ὑπέληφας ἐλεγερεῶνα· οὐ
 χῶς ὑπὸ πτευσσέχει καὶ ἡ ἀλήθεια· τὸ δὲ κατὰ πρόσωπον ἡ μητέρα νύξουσα μετὰ τὸν ἥμα
 περὶ δωρμου· καὶ τὰς τιμὰς μέλας ἰδὼν ὁ δὲ μὲν δερνὲς ἐκ τούτου μορφᾶς· ἐλθὼν ἄπ' ἡγέλενα
 φρόνως τὰ μικρύτερα· καὶ τὸν μὲν βασιλέως θυμὸν· τοῖς δὲ κατεπαύοντο τοῖς λόγοις·
 τὸν δὲ μὲν δερνὲς· παιδείᾳ καὶ ὑπεβίβασεν· πείσασα μὴ ποτε λείπειν περὶ τῶν νηϊῶν τὴ
 νή· **Α**ὐτὸς δὲ ἀπὸ νηὸς κατεπαύμενος ποτε ὅτε ὁ φίλος· ἡρώτα τὸν δὲ μὲν δερνὲς· ἐπα
 λιν ἄρα τὰ καλὰ νηϊὰ ἡ μάρα ἀπαύζεται· ὁ δὲ· τοῖς χεῖλεσιν ἐπὶ πείσασα τὴν δὲ βίαν· σίγα
 σι γὰρ περὶ τῶν νηϊῶν ἄν τε φησε κασιγένη· καὶ ταῦτα μὲν συνεκύρηνσεν ὁ δὲ· γρα
 τὴν τὸν δὲ πρὸς· χεῖρα τέ μιν ἀνέκινε καὶ ἵππον ἔχοντο παρὰ βίον· ὁ στρατηγὸς ὑφ' ὧν οὗτος θε
 λει· ἐρωτᾷ κατασχεθεῖς τοῦ ἵππου· ὑφ' οὗ πολλὰ κίς ὁ ἄνθρωπος ἐκ πολέμου ἐρρωσθῆ· ἐξήκει
 τούτου καὶ ὑπὸ σχροῦ μεροσδύσει μὴ πολλὰ· ἀπαμεινόμενον δὲ κείνον· καὶ βίαν προσέγε·
 μὴ δούλωσεν δὲ πείσασα ἀποδοθῆναι οἱ τὸν ἵππον· ἀνὰ δὲ ῥέαν ἀγκλῆμα προσάλασεν· κασιγένη·
 μετεκίρηνσεν τούτου ἡ σμετρίε· **Γ**ρατίας· **Δ**έ μετ' ὅς τις σὺ παρὰ θεοφίλου ἵππου ἀκρο
 φύει· καὶ ἀταμάται πέμπετο παρὰ τοῦ· τοιοῦτον δὲ ἵππον εὐρεθῆναι καὶ περὶ θῆναι αὐτὸν
 περὶ τὸν ἵππον τὸν ἐτρατῆν· **Θ**οφί



Δραγμα μοσφορμισογρατιος· αφαιρειται και ακοντος τον ανδρικοτον ιππον· και προσμασ
 λεει εκ πεμπε/ωσ ο οικειοικητημα· χρειασ χειρομενησεν πολεμω πολεο/μοσ ο γρατιω
 τωσ· και τον προσμασ λεωσ κελασας τοσ απαζα πολωσ παντα γρατευσαι τον οπλον και νειν
 δινωαμερον· δρατασ το και ορηθεισ γρατιω τησ· τροπισδε χειρομενησ· ε' επεσεμνη
 χην ι' επωσ τον οπλον τουτον δινωαμερον· επεσεδε· χειρ και καταλελο/πωσ και τεκνα·

ἦτο τὸ φιλόδι' καὶ οὐκ ὡσαύτως τοῦ πατρός· ἐκκαρμένει δὲ καὶ τὸ τοῦ ἀνδρός φίλτρον·
 καὶ τοῖς τέκνοις ἐπιχρᾷ· γὰρ αὐτοῦ ὡσαύτως ἀγαπᾷ· τὴν καὶ αἰδὰ κατὰ φανερὰ· καὶ
 τὸν θεοφίλον καὶ ἡμερᾶς εἰς θεοῦ ἀγαπᾷ πρὸς τὸ μέγα ἀχρῆς τοῦ θεοῦ πατρὸς· ἐπαχρῆτος
 τὸν ἀνδρὸς αὐτῆς ἵπται κατ' ὁδόν· δρῦς πολλὰ τὸν χαλκὸν κατέχευ' τοῦ ἵππου· οἱ κείον
 τὸ ὑποεῖναι λέγουσι· καὶ μὴ ἄλλοι τῆρας τὸν· ἀλλ' αὐτοῦ ὑποχρῆμι τὸν ἀνδρὸς
 ταῦτις σφαγῆς



Γρηγορίου ὁμολογία· τέως μὲν αὐτὸν προσέμενεν ὁ ἴσως· ὅθεν καὶ τὰ ἀνάκτορα
 ἐπὶ τὸν οὐρανὸν τοῦ ἡδυνῆ· ἐπὶ τὸν οὐρανὸν τὸν οὐρανόν· καὶ διεπύθη ὁ
 οὐρανὸς ἐπὶ τὴν περὶ τὸν οὐρανὸν μένον· ἀρσενίον δὲ ἡ γυνὴ· τὰ ἀνάκτορα δὲ τὸν
 οὐρανὸν καὶ τὸν οὐρανόν· ἐπὶ τὸν οὐρανόν· ἐπὶ τὸν οὐρανόν· ἐπὶ τὸν οὐρανόν·



Καὶ ἔτι περὶ τοῦ πλουτοῦ τῆς αὐτῆς. τῆς ὑψίστης τε εὐχῆς προφάσει· κρυπτομένῃς βου-

αὐτὸν ἀμνηστῆσαι κατὰ νόμον· εἰτε δὴ κοινοῦ ὡς τῆς ἀφροσύνης λαμβάνων· εἰτε καὶ φοβε-
 ροῦ αὐτοῖς μολόμενός σε οὐδὲν· ἰσοσυνήτορ σὺ κελεύων· ἀλλὰ σκαμνοῦ τοῦ χρηματισάμεντα
 παρὶν· πολὺ τὴν σὺνταξίαν ἀνδραπεπληρωμένον· καὶ τὴν αὐτοῦ αἰρέσει κατελιμμένον· καὶ
 πρὸς τὸ ὡς πρὸς τὸν λόγον δέχεται· πρὸς τὸν τῆς συρίαν ἀρχὸν ταπεινῶς· ἀλ-
 λά τε δὲ ὡς αὐτῷ πολλὰ ὁ ἰσθμὸς ἀνέτασσε λαίαν ῥωμαιοῦ· καὶ τὸ τῶν ἀλλοεθνῶν γένος ἐκ-
 τὴν ἡσέσται· πρὸς ἐπὶ δὲ καὶ χρυσίου κεντητὰ τεσσαράκοντα· ἰωάννης ὁ ἐν ἡ
 ὁ ἀνδρὸς κεκμήν ἰωάννης ὁ ἐν ἡ



ἀλλὰ τὰ μέν ῥα χατὸν εἶδον· τὸ ἄμερμον μὴ κοῦδὸν ἀπεπομφε· τὸ χρυσίου δὲ ὅπως εἰς αὐτῷ πα-
 ροχὴ τῆς φιλοτιμίας χάριν ἐπιδείξεω· εἰς ἡμῶν δὲ κλητὸ ἀπογαλῆσ το χρυσίου ἐχέσκε
 δαΐζειν ὡς οὐκ ἐτα· πολλὰ δὲ πονηρὰ μαχόμεν ὁ ἀπογαλῆσ· ἰσθμὸς ἀνέτασσε λαίαν ῥωμαιοῦ· δέδωκε
 δὲ καὶ σκάπρον τούτοις δὲ· ἐκ χρυσίου τε καὶ λίθων πολυτελῶν κατεσκεύασμένα· ἀπερὶ κοινο-
 λεξία· καλεῖ χερρὶ ὡς ἐτα· πάντοτε γὰρ αἰσῶν τὸν αὐτοῦ καὶ κοσμοῦν πρεσβυτέρῳ· ὅσδ' ἂν
 ἀφ' ὧν κοῦδὸν πρὸς τὴν αὐτοῦ λαίαν· κατὰ μὲν ὁ ῥωμαιοῦ· πολλὰ μὲν φαίμεν τὸ ἐκ τῆς
 κοῦδὸν ὡς οὐκ ἐτα· πολλὰ δὲ καὶ ἐκ τούτου ἐξωθημαὶ καὶ παρὰ τὸ πλοῦτος· ὅν μὲν κρατῆρα
 τοῖς ἀπογελομένοις ὡς αὐτὸν καὶ φοιτῶσιν δίδω· μαρτυρῶν δὲ καὶ τὸν αὐτοῦ ῥωμαιοῦ
 προσήκορτα· ἐθαυμάζετο τε παρὰ τὸν σαράκηνον· καὶ ἐπὶ μάστιγι κρέτο· ἀλλὰ ταῦ-
 τα μὲν ἔμνετο τὸν βαρβαρὶκὸν νόμον ὑπερμαρτοῦ αὐτοῦ· ἐπεὶ δὲ πλησίασι καὶ τὸν ἀρ-
 χοντὴ καὶ τὸ ὡς ἐκ τῆς αὐτοῦ δέδωκε λόγῳ· ἀπέσι πρὸς τὸ τῆς ἀναπαύσεως κατακόπον· ἐν
 ταῦτα τὸ αὐτοῦ δὲ ἐδεξε μαρτυρῶν· καὶ πρὸς ἀπαρτὰς ἀδελφῶν·

βασιλεῦς



Ἰωάννην γὰρ τὰς οὐμὰς καὶ προήματα καὶ μάλα ῥοῦν· τοῖς ἐφοῖα δὲ ποτε αἰτῶν αὐτὸν φοιτῶν
 σὺ καὶ χρομένοις· μάλα τε καὶ μικρὰ· σκάσπι ἀρχίρεον πληρῶν· ἐπεδίδου
 καὶ ποτὶ τοῖς σαρκαστοῖς σωθῆναι μενοῦ· τὸν εἰρημὸν δὲ πολυτελεῖν ἐκείνων
 σκάσπι· παρὲν γέλει τοῖς ἀλάκοις ἀπολέσαι τὸ ἔπεον· ὥσδε φρόντισον καὶ με
 ρὴς ἐπὶ τῆς τοῦ αὐτοῦ λαοῦ ἀδμετο· καὶ πάντες οἱ μαρτυροῦντες καὶ τοῦ σκάσπι
 ἐμπεπληγμένοι· ἐτέτρωντο τὴν ψυχὴν καὶ πολλὴν ἐποιοῦτο ἔρασαν καὶ ζήτησιν·
 ὥστε καταλαβὲν ἐν εὐρεθῆναι· τὴν καὶ αὐτὸς· τοῖς ἐπερὸν ἐκαλεῖν κελῶσαι· καὶ
 τὸ ἀπολλοῦσθαι ἀφ' ὧν ἐρεῖσθαι ἐπὶ πᾶσι· εἰς δ' αὖ μὲν ἵσταται τὸ ὑπὸ σαρκί· τὴν τοῦ αὐτοῦ
 ζήτησιν οὐ μάλιστ' ἀκαταπαύσασθαι· ὅν μιν μάλα καὶ ὅτε μαρτυροῦντες ἀρχὴν αὐτῆς φιλο
 τίμου μενοῦ· καὶ τοῦ πονεῖν ὅσοι σφῆναι μὴ βούλομενο· ἄλλοι δὲ τῶν δώρων αὐτοῦ
 ἐπερὸν ἐν οἷς αὐτοῦ σέβονται· ἀλλ' ὡς χροὶ κατὰ προσηγορίαν αὐτοῦ ἀπερρίπτει
 ἐδωρησάτο δὲ καὶ αὐτὸν μαλ' ἐν τοῖς κατὰ
 αἰχμαλώτοις



ἐκτετυμωμένοις τοῖς πατράσι καὶ νείρη μένον· ἀφ' οὗσι τῷ μεγάλῳ· ἱεροθέῳ καὶ ἱερηνῶν ἀπε-
 δείκνυσθαι· ὡς οὐχ ἔστι καὶ παρ' ἡν τῶν μοναχῶν πολὺ τὰ εὐφρόνηται καὶ κατάστασις· παλαιὰ δὲ ἡσ-
 καὶ ἀρχαῖος· οὐ μὴν δέ· ἀλλὰ καὶ τὰ τῶν θεῶν ἐκόντων μορφῶν ἀπὸ δεικνύον· σὺν τῷ φα-
 τε τοῖς ἀποστόλοις καὶ ὁμοδόχοις· εἰς γὰρ καὶ μετὰ τοῖς ἀποστόλοις τὴν τῆς θεοῦ κοίτης μορφὴν ἀνέ-
 πωσεν· αὐτὸς δὲ ὡς οὐδὲ ἀπὸ τῆς κοίτης· τὴν μετὰ τὸν ἐπὶ τῆς οὐρανῆς ἀπομαρτυρίαν· ἀφ' ἧς
 ῥόπου καὶ τῆς κοίτης καταλέλοιπεν· οὗτοι γὰρ ὡς οὐδὲ τὰ τοιαῦτα ἀνδρες· τὴν τοῦ τῶν ἀποστόλων ἐξέλα-
 βαν· καὶ τὴν τῆς κοίτης ἀπὸ τῶν σφοδρῶν παρρησιασθῆναι ἀκαλεσάμενοι· μετὰ πολλὰς αἰκίας τε καὶ κα-
 σάμους· τῆς πολέως ἐξωρίσθησαν· τὸν δὲ τοῦ προδρόμου θεῖον μαρτύριον τοῦ οὐτοκαρδίου μεμονωτοῦ
 φοβεροῦ καὶ τῶν ἀξίων ἀκαλείμενον πόντον καταλαμόντες· καὶ ταῖς ἐκ τῶν μαρτυρίων πληκτοῦσθε
 λεῶς καταπονήσαντες· τῆς αὐτῶν ἐξωσθῆναι ὡς οὐδὲν· ὡς καὶ τὰ τίμασι μακάριον ἀπαρρημμε-
 ναῖς ἐστὶν ὁ δαφνός· σὺν αὐτῇ πλείονος ἐκτελέσθη χρόνον· μέχρις οὗ τοῦ πρὸς τῆς ἀνελόμενοι ταῦτα
 ἐκκίδωσαν·

οἱ τὸν βασιλεῖα τοῦ φιλί· ἐλάσαν δὲ τὴν πόλιν τῆς ἐκόντις κτίσεως λαβὼν
 τὴν μαρτυρίαν τῆς ἀπέναντι



Καὶ κατακλίνας ἐτίμησαν τοῖς ὑπερχύοντις μαρτυρίαν· ἐφάμεθα τοῖς καὶ ἀδελφά· καὶ
 τὸς μοναχοὺς ἐπεδείξατο· προσάρχην ἱερωσύνης ἀρτίσιν ἀδραμῶν· ζήλου γὰρ θεῶν πλάκεις·
 κατὰ προσωπομένη τοῦ τυράννου·



Καὶ ἀλλὰ μετὰ τὴν ἐκείνου κόλιν. καὶ τὸ τὸ ὑποπτοῦ δὲ πᾶν ῥητορὸν τὸ φασκόν. εἰπὶ σὺ μὲν ἀμεί-
 ζεις τὴν παρ' οὐ παρελάμεν. ἀφ' ἡμετέρου. ἀλλὰ καὶ τοῦ πτωχὸν γὰρ πτωχὸν κόλιν. ἐπεὶ δὲ
 γὰρ πρότερον ἐδόξε γέννησθαι μετ' αὐτοῦ. πρὸς τὸν ἰακώβον ἀπεσέλλετο. καὶ ἡ γῆ τὸν τυράννου
 γὰρ ῥητορὸν καὶ ἀδασκόν. ἀλεκτικαὶ αὖ ποδεῖξε σὶ τοῦτο μέγ' ἔλασσε μέρος πείσαι.



Αλλὰ καὶ τὸν τοῦτο γέννησθαι ῥητορὸν. οὐ σοφιστικῶς ἀλεκτικαὶ αὖ ποδεῖξε σὶ. ἀποστολικοῖς δὲ
 καὶ ἀσμελικοῖς ῥήμασιν. ἀφ' ὧν πρότερον ἰχθυῖν ἀπέδεξε. καὶ τὸ μέν οὐ κόλιν πάλιν
 λαβὼν, ὅς οὐρακίζεται. ὑπερὸν δὲ πτωχὸν μεγαλοσιγῶν ἰακώβου. καὶ χρόνον τὴν ῥητορὶν
 ἀτρίψας αὐτῷ. καὶ περὶ τῶν μελλόντων ἀδιδάξασθαι βασιλέων. ἢ γὰρ καὶ προορα-
 κὸν ἡ ἐξ ὧν μέρος χάρισμα. πρὸς κ' ἔξεδύμισε. ταῖς δὲ θείαις εἰκόσι τοῦ τυράννου
 ἀπεχθάνομερος. ἐπεὶ δὲ πάντα ζωγράφους ὅς αὐτῶν ποιεῖν. ἢ τὸ θῆναι αὐτοῦ μένος. ἐμψύ-
 χου τε ταῦτα. καὶ ὡς μετὰ τὴν ῥητορὶν ἀποδοῦναι καταπατεῖν. πρὸς τοῖς ἄλλοις δὲ.
 συγκατεσχέθη καὶ ὁ μοναχὸς λάζαρος. περιβόητος τὴν καὶ τα κατὰ τὴν ζωγραφικὴν
 παρ' ἑαυτῶν τέχνην.



Καὶ πρότερον μὲν ὁ θεὸς μὲν ὅτι πείσας αὐτὸν ἐπείρατο ὑποποιεῖσθαι. ὥς δὲ κρείττονα τοῦ

μηρ. καὶ αὐτὸς ἐπὶ τελοῖσιν· καὶ ταῦτα μερ. τότε· μετὰ δὲ τὴν τοῦ τυράφνου κατάληψιν· τῆς οὐρθοῦ
 ξίας ἀμαμίας· τὴν ἐν τῇ χαλκῇ εἰκόνα τοῦ θεοῦ τράπου ἵχῳ· οἱ κείνους χρὴ ἀφ' ἑλπίου
 οὗτος ὁ μακαρίτης λάθαρσ παρακαλόμενος ὑπὸ τῆς θαυμαστῆς θεοδώρας τῆς βασίλιδος· συ
 γνώμην δύναιτε καὶ αἰτῆσαι περὶ τῆς ἀφ' ἑλπίου.



Ο καὶ δὲ κοσμήσας αὐτὸν ὡς βασίλισσα ἐπὶ λαοῦ αὐτοῦ τῆς ἡμετέρας· καὶ τὸν πορταῖον κόποιον· ἐκεί
 νου δὲ τοῦ μίσους προτίμῃσιν καὶ τὴν ὑπερμάχουσαν μάχιν· ἀλλὰ ταῦτα μὲν ἴσθην· ὁ δὲ
 μαρὸς τυράφνος· τὸ νόμιμον τῆς θεοφάνης καὶ θεοδώρας τὸν αὐτοῦ ἀδελφὸν ἐπίσφιδα φάσιν
 τὰς εἰδῶς τῶν πολλῶν· κατὰ τὸν νόμον αὐτοῦ τῆς κληρονομίας παρὰ τὸν δὲ μισοῦ ἀφ' ἑλπίου
 ροῦ περὶ τῆς πηγῆς.



Κ αὶ δὲ δὲ φ' ἡμεῖς ὡς κατὰ τοὺς νόμους· τῆς πειθόμενοι ῥήσεσι τῆς γραφῆς· τὰ εἰδῶς τὰς ἀφ' ἑλπίου
 ἀκολούθῳ γνώμῃ καὶ γνώμῃ καλῶν· οὕτως προσκυνεῖτε· καὶ τὸ ὡς πολλοὺς καὶ ἀκεραῖους οὐ

τὴν ποίησιν ἀπειθετε· προσετέθειτε καὶ ἄλλα τὰ βλάσφημα· καὶ ἀποχὴ κατὰ τὴν εἰκόνα
 χυτοῦ τοῦ ἡμῶν ἀνιδεράφωτον· οἱ δὲ μακάριοι ἐμφραδύνοντο ὅμα εἰπον· τὸ μαφῶσι
 κατὰ τὸ ὑψιμόμιον· ὁ δὲ κρύπτει μεντεὺς τὴν λεοντήν· τὴν δὲ ἀσπὶν κινῶσιν ἀκρίνεται·
 καὶ χεῖρ σὺν προφητικῇ ἀσπὶν τε καὶ μαρτυρίᾳ· τὰς εἰκόνας προσκυνεῖσιν ὡς τρεποῦσας·
 τατέρου δὲ τῶν ἀδελφῶν τοῦ μακαρίου τοῦ θεοφάνου· ῥῆσιν τὴν ἀεκτὴν τοῦ ἡσίου προφέροντος
 προφητείας· οὐκ ἐχέμεν οὕτως ταύτην ἀντελεγενοῦ θεοφίλου· καὶ ἀματὴν ἐκείνου βίβλον
 ἀφελίπτων· ἐδὲ κινυτάχαι τοῖς λόγους πᾶσι· ὡς δὲ νεο-θεύσας ὑπὸ τῶν οὐμνόντων
 ταύτην ὁ ἀπὸ σέβας· ἀλλὰ καὶ πᾶσας τὰς οὐσας ἐστὶν τῶν τοῦ ἐλθούσαι ἐτυχον χεῖρα· ἐκεί
 νην ἐλάβε προτῆναι· ἐν ἡμῶν τῶν τῆς ἡμῶν· τὴν κατὰ τὴν ἐπὶ ἀρχὴν ἐν τῷ θεομαίτη κα
 τὰ τὴν δετὴν θεοὶν κείμεν κινυτάχαι τοῖς λόγοις τῶν λεγόντων· ἐπεὶ οὕτως ἀπὸ τῶν
 το· καὶ τὰ τῶν λόγους ἡμῶν τοῖς ἡμῶν· ἐκὼν μενοῦσιν ἀπὸ ἀφελίπτων ἡμῶν τῶν τοῦ ῥήτου·
 καὶ αἰσχρὸς μενοῦσιν ἐπὶ τῇ δαμῶν τῇ ζήτησιν· ἐν ἀρχῇ οὐδὲ καὶ ἄλλοις ἐπὶ εἶτο
 τὴν ζήτησιν· ὡς δὲ τὸ τοῦ μακαρίου τοῦ θεοφάνου ἀφελίπτων τοῖς δακτυλοδελκτοῖς τοῖς ὡς
 ἐπὶ τῇ ἀφύλλα δαμῶν σέβας· τὸ ἐκ τῶν μενόντων κατὰ αἰῶνας·



Τότε δὲ μὴ φέρων τὸ ὡς τῆς παρρησίας ἐλλείπον· σιμειδῶσδε καὶ τὴν ἀμῆτε ἀμείνονα ὡς τῶν· τὸ
 ὡς τὸ τε μακρόθυμον ἀπορρίψας· καὶ τὸν θῆρα ἀνακαλύψας· οὐδὲ καὶ οὐκ ἐφικε βασιλεὺς ἀρωμαί·
 ὑπὸ τοῖς οὐτῶν ἀνδρῶν ἐνυβρίζεσθαι· καὶ λοιπὸν προσέταξε ἐν τῷ λαῷ αὐτοῦ μεσοκί
 πῶν τοῦ τοῦ ἀπαχθέντος· ῥαυδὶ ἀπὸ τῶν ῥαυδῶν φορῶν ἀνατάτων· ἄρ' ἔτι τῶν ἀλκοσίων·
 καὶ τοῖς μετῴποις αὐτῶν ἀγγραφῶν ἀναβαρ' κῶσ' ἐκ κεντρίθεντος· ὡς σιμῆτε κελήρους
 ἰαμβ' κῶσ'· ἐσὶ δὲ οὗτο·

οἱ αὐτοὶ ἀχρεῖς τὸ φανερὸν τοῦ αὐτοῦ πομπῆς ἐταξοῦνται ἀπὸ.



Πάντων πομπῶν προστρέχειν πρὸς τὴν πόλιν. ὁ πρὸς τὸν ἀντὶ τοῦ τοῦ οὐλοῦ γυναικῶν. ἔτι
 παθεῖς σὺ γὰρ τῆς οἰκουμένης. ὁ φθισαὶ οὐτοῦ τῶν σε μαστιγώσῃ. σκένη πορνῶν δὲ
 σιδαίμορος πᾶν. ἐκεῖσε πολλὰ λόγον ἐξ ἀπείρας. πράξεις αὐτῶν δὲ μὴ δὲ
 σε βροφύων. ἐκεῖθεν κλάνησαν ὅσα πομπῶν. πρὸς τὴν πόλιν δὲ τὸν κράτος προσφάσ
 πες. οὐκ ἐξ ἀφ᾽ ἑκατὸν ἀλῆσι μισορίας. ὅτε γὰρ φέρει πᾶσι καλὸν τοῦ τῆς ἀφ. Κατα
 κρίνεται καὶ ἀσκόρται πάλιν. τούτου δὲ τὰ πομπῶν γινόμενον. ἐκεῖνοι μὲν τὸν
 τῆς ὁμολογίας καὶ μαρτυρίας ἀνεδίησαν τοῦ φανερῶν. ὁ οὗτος δὲ ὁ πομπῶν καὶ πάντων
 ἀλλήλων ἀλλήλων. πᾶσι γὰρ μεδεῖν ἡλικίας φημι καὶ ἀσκήτης. καὶ τῶν πομπῶν τε καὶ
 δοξῶν καὶ κακοδοξῶν. πρὸς τοῦτο δὲ. καὶ τὸν μὲν καὶ τὴν μὲν χαλκὸν τοῦ σίκελ
 λου τῆς κατὰ τὴν γὰρ πολλὴν ἐκκλήσιας. σὺν ἑτέροις πολλοῖς ἀσκηταῖς. τὴν φυλακὴν καλεῖ
 ξε.

οἱ ἀσκή

ἐν τῇ φυλῇ



Πολύχρομῶν κακοῦσιν ὑπάζει τούτοις παραδοκῶν. καὶ τὰ μὲν κατὰ τὴν γὰρ τοῦ αὐτοῦ

προστηλον βασιλέως πέμψε· χρεία σκατεπέλγιστος ἦν· καὶ ὁ μέγα πῆλ καὶ ὡς τὰ κα-
 τὰ τοῦ ἐξαυῶν καὶ ὡς ἐδόκει τῷ βασιλεῖ· ἀλλ' οὐ καὶ ἡ μαζὴ μετὰ πρὸς αὐτὸν πῶτος· σὺν ἡμα-
 ζεδὲ καὶ οὐ ἐξαυῶν φθόρος· καὶ ἐβάρησαν τὰν ὡς τῆς βασιλείας ἐπὶ θυμῷ ἡντα· προστετὲν πε-
 ὡς δὲ ποτε τοῦ ἄλφα· τὸν τῆς κατακυρίασιν· ἀπερδὴ πῶν φανόμενος ὁ καὶ σαρ· καὶ τὸν φθόρον
 ὡς ἀπερδὴ ἀποκρουόμενος· πολλὰ τοῦ καὶ σαρ ὡς δὲ ἐτο συγχωρηθῆναι πρὸς τὸν μὲν ἡντα ὡς
 ὡς αἰῶν· ἀλλὰ τὸν τοῦ μετὰ βασιλείας οὐκ ἐπέτρετε· τὴν χρεία τῆς θυγατρὸς εὐφραίνου μενος·
 καὶ ὁ καὶ σαρ· ἐμενεν ἐφ' ἡσυχίᾳ τοῖς ἀνθρώποις ἐν αὐτοῖς χρόνοις· ὡς δ' ἀπέτεχεν τῷ βασι-
 λεῖ ὁ μετὰ ἡντα· καὶ ἡ τοῦ καὶ σαρ σαρ μετὰ ἡντα· τὸν βίον μετὰ ἡντα· ταύτην μετὰ ὡς ἐπὶ
 μετὰ· ὡς τὸν μετὰ ὡς τῆς ἐν λάρνακι τεθῆναι περὶ ἡντα ὡς μετὰ·
 ὁ βασιλεὺς φησὶ καὶ ἐν

^{α' α α α}
 Ὁ ΒΑΣΙΛΕΥΣ ΦΙΛΗΔΕΥ
 ΤΗΝ ΕΥΓΕΡΕΑΝ



Καὶ αὐτὸν χιῶν δύναιτο τῶν τῶν. τοῖς ἐφ' οἷσι δὲ ἀπὸ τῆς ἐκκλησίας μάλ' οὐκ ἀποῖσιν. τὸν δὲ ἀρχὴν
 οὐκ ἄρα μετατάξαι μενον. καὶ τὸ μοναχικὸν αἰφιασάμενον σχῆμα. ἐπεὶ μὴ ἐπέθετο τὸν τοιοῦτον
 βαλὲν. μολισέσσαν. δὲ δοκῶσα αὐτῷ εἰσεμβαλεῖν. το. τε. κατὰ χροῖον πολὺν βασιλικὸν
 μοναχὴν. ἐπὶ δὲ καὶ τοῦ βυρσέως. καὶ τὸ κατὰ τὸ μέγαλιν. ἐκείνος δὲ τὸ κατὰ τὴν
 χροῖον πολὺν οὐκ ἔλαττω μέρος. ἐπεὶ ποτὲ περὶ πάντων ἐδεήθη. καὶ κατὰ τὸν αἵθετόν γε
 μένοντο πρὸς ἄλλοις. εἰλετο τὸν τοιοῦτον βασιλικὸν προσηύχετο ἐξωνίσασθαι. ἐκὼ
 καὶ μοναχὴν οὐκ ἔλαττω μέρος. τὸν βίον ἐκκλησιαστικόν. ἐπέθετε ἐκείσε. σὺ
 αὐτῷ δὲ καὶ ὁ τοῦτον ἀδελφὸς θεοδόσιος. ἐσπρίκτου τελέσας. πολλὰ γὰρ ἰσχυρά τῆς αὐτῆς
 ἀρίστης βίης. ἐν τῷ μοναχίῳ καταλήπων. τὸν δὲ ἀρχὴν τοῦ τῶν ἀρχαίων
 ἱερωῶν. κατὰ τὸν αἵθετόν γε κρατεῦσάντος. καὶ ὁ θεὸς φιλοσυνήφιον μου μέρος. δέξιρα
 πατρὸς σου πολὺν. εἰρήνη καὶ προσή. ἀλλήλων σὺν τῶν ἀνδρῶν κατὰ πόλιν

ἐξ ὧν ῥωμαίοις. ἐν ἅρ' ἡμεῖς οὐκ ἐπὶ ταῖς τούτοις τῶν τοῖς ὁδοῖς τῶν ῥωμαίων. θεοφίλ.
 τοῦ μαμωνῆλ. καὶ τοῦ θεοφύλου. ἐξείηκα τὰ τῶν ῥωμαίων. ἄλλοι δὲ γενομένοι ῥωμαῖοι
 τῶν γρατευσμάτων. ἐδέησε μου λῆσ. καὶ ὁ μαμωνῆλ. οὐκ ἐκαστὸν ἔλεγε βασιλεῖ ῥωμαίων.
 πρὸς ἅμα μερμονμῆν πολέμειν. ἀλλὰ τῆς μερσον λαβόντα τῶν γρατευσμάτων ἐξείηκα κατὰ
 πρὸς ὅσα πορτῶν ἐχθρῶν. ὁ θεοφύλος δὲ. καὶ αὐτὸν ἐπὶ παρατάξεως εἶναι τὸν βασιλέα.
 οὐκ ἐτόλμα. καὶ νύκτωρ ἐπὶ τῆς αἰτίας τοῖς ἐχθροῖς μετὰ τοῦ πεθίκα. σινεβούλας. σινεπ
 τῆς αἰτίας δὲ τῆς δέησος καὶ τοῦ πηλίου. ἀλλ' οὐκ ἐπέσει τὸν βασιλέα. πολλὰ γὰρ πόρτοι
 σφίγγει ῥίξαι τὸν θεοφύλον τῆς τῶν ῥωμαίων ἐνδοξίας. καὶ ἀπὸ τοῦ βούλεσθαι ἐν νύκτι
 πολέμειν. ἔδοξε ἐν ὧν εἰς τὸν μεφῆς μετ' ἡμέραν συρράξαι τὸν πόλεμον. ὁ μὲν
 ὁ ῥωμαῖος μερμονμῆς ἡμερῶν. εἰ τὰ ἄλλα καταλαβοντοῦ μερσον. εἰτε δὲ καὶ τὸν βασιλέα
 καταρρώδηςας. μερσον τοῦ γρατοῦ λαοῦ ῥωμαίων ἀχύνειν. ἄβον βόρδ' ἐπὶ τῶν ῥωμαίων
 τοῦ γρατοῦ πρὸς καταμασίλεως πόλεμον. μετὰ μυριάδων ὁκτώεξ ἀπέστειλεν.
 ἄρ' σὺ πορτὸν τῶν γρατευσμάτων. σινεπλοκῆς γενομένης. καὶ πολλὰ ἐκαστὸν ἐπὶ πτόν
 των. τέλος ἐκλήμαται ἀσχολῶ μετὰ τοῦ δόμestίκου. καὶ πρὸς ὑπαρχομένης κινήσας.
 ὁ βασιλεὺς δὲ. μετὰ τῆς ὑπαρχομένης φάλαγγος. καὶ ὁ χιλιάρχων περσῶν. προσόμνηται
 τοῖς καὶ τοῦ θεοφύλου. ἐπὶ τῆς αἰτίας ῥωμαίων.



Περὶ τοῦ χιλιάρχου τῶν περσῶν. ὁ χιλιάρχος τῶν περσῶν. ὁ χιλιάρχος τῶν περσῶν. ὁ χιλιάρχος τῶν περσῶν.
 τῶν μερμονμῆς ἡμερῶν. τῶν μερμονμῆς ἡμερῶν. τῶν μερμονμῆς ἡμερῶν.

δύναιτον βασιλέα ἀφ' ὁμίον· ἀφ' ὁμικτὸς ἐπὶ χρομένης· καὶ ἐποφίστατο τὸ ἰσάρα κηρὸς
 θεόφρουτος· τοῖς γραπτοῖσι δ' ἐκελευσάμενος· κρότοις τε καὶ ἀμαρτοῖσι χρήσασθαι καὶ κινύειν
 καὶ χορδαῖς καὶ σαλπίφον φωνῆς· ὥς τὰ λαοὶ θείας ἑτέρας προσήρομένης αὐτοῖς· τοῦ
 το γὰρ καὶ ὑποτοπάζατο τοῖς ἰσάρα κηροῖ· μέλας δ' ἐπὶ χύρην σφείσ τοῦ πύσσ· κύκλωσιν κα
 τορρὺ δ' ἴσασπες· ὅτε μὲν ἀδείαστ' ἔχοντες ἐκ κραυγῆς περὶ τὸν βασιλέα· φωνήεντα μερὶ τῆς
 σφίαις ἐπὶ τραματεύσαντο· καὶ πρὸς τὸ λαοὺς φάγ' ὡς γράτευμα δ' ἐπ' ἔκαστον· μεμψόμενος
 οἷον τὸ πρὸς ἐδωκὸς γράτευμα μόνον βασιλῆος· οὐδὲν δὲ πλεονάζει παρὰ τὸ· χάρις καὶ
 ἀφ' ἐροῖσας τῆς αἰς· τὸς περὶ τὸν θεόφρονος ἐχέειν· ὅτε μὲν οἱ πέρσαι· πλείονα τῆς
 τῶν πρὸς τὸν θεόφρονος ἀμύνη· καὶ μόνον μετὰ τὸν τὸν κατὰ τῶν ἀφ' ἡμῶν ὑποδύεσθαι πρὸ
 λεμον καὶ ἐκεῖνον· καὶ τρέπεται δ' ἐβριμάωντο τὸν βασιλέα· ἀφ' οὗ καὶ τοῖς λόγοις αὐτῶν
 κατακλήου μερὸς βασιλῆος· οὐδὲν αἰὶνον· ἀλλὰ τὸν θεόφρονος αὐτῶν ἐβούλετο ἡμερῆς
 τὸ δὲ πρὸς τῆς αἰς· ἐξείσπασεν βασιλῆος μετὰ τῶν δ' ἡμῶν· καὶ κατὰ τὸ χρομένηον
 τοῖς ἀφ' ἡμῶν συμπαλῆς· τρέπεται τούτῳ·



καὶ ὁ κολίτου χερσὶν αἰχμῶν τοῖς κατασχεῖν· ἀφ' ὧν οἱ κοῖται ἐπὶ χιτῶν· καὶ μετὰ τῆς
 λαμπρὰς αἰχμῆς πρὸς τὴν βασιλέουσαν· ἐλπίσας αἰχμῶν τοῖς ἐκ τῶν ἀφ' ἡμῶν
 γὰρ κατὰ χεῖρας ἐγείνηται· καὶ χερσὶν ἐφ' ἡμῶν αἰχμῶν· ὅς καὶ γνωστὸς ἦν τῶν σχολῶν
 δομέσικος· καὶ ἐμαρτυρεῖτο περὶ αὐτοῦ· ὥς ἐν τῇ ἀδ' ὅς περὶ τῆς ἵππας· καὶ ὡς ἐν τῇ
 ἵππας θείας διωδ' ὁρᾷ χρομένης· ἐν τῇ χρομένης ἀφ' ὧν καταβάλλει τὸ πέναντι
 οὗ· ἐπεὶ δὲ ἔδει ἐν τῇ ἵππας δρομῇ αὐτῶν τῆς ἀφ' ἡμῶν ἐκτελείν τὸν δομέσικον· περὶ

κ' γείτοδ' οὗτος τοῦ θ' ἀμβου· θεασάμενος αὐτὸν ὁ βασιλεὺς· καὶ τοῖς ἐπαύριοις κλαῖει· ἵππου
 τε ἐπιβήμεναι ἐκέλευε· καὶ δόρατα λαβὼν δ' ἴο· τὴν ἀρ' ἔγειρε καὶ ἀφ' ἡμέρας πάλιν τὴν πόλιν ἐμδε-
 ξασθαι·



Πούτου δ' ἡγομένου· καὶ τοῖς ἀπειροτέροις τὴν παρέχοντος τὴν ὁράσει· θεόδωρος δ' ἐπὶ τῶν
 μέσων κρατερὸς· ὁ καὶ μετὰ βρῆχ' ἵστα τῶν ἀπὸ πύργων πεσόντων ἀφ' οὗ τοῦ μαρτύρων φάλαγγος ἀρχὴ γέ-
 γονευσ· πολλοὶ οὖν πρὸς βασιλῆϊ παρ' αὐτῷ· ἐξεμικτὴρὶ ζεῖν αὐτὸν· ἐν δ' ἐν αὐτῷ δρεῖον φάσκειν, μὴ δὲ
 καταπληττικὸν ἐμδεῖκνυμενον·



Ὡ καὶ χαλεπήμας ὁ βασιλεὺς· ἀλλὰ σὺ δ' ἄνδρα καὶ ἄνδρα· δ' ἡσυχίᾳ τοιοῦτον ἐργάζεσθαι· ἡ
 πολυμῶν δ' ὁ κρατερὸς· δ' ὁ μὲν βασιλεὺς μὴ μαλ' οὐκ· οὐδὲ μετὰ χεῖρ' ἰσάσθαι δόξα δ' ἰσάμεναι· οὐ
 δὲ γὰρ ἐν πολέμῳ τοιαύτη σφλυσία σφύρει· ἐν δὲ χερσὶ μένος τὴν ἐσθλὴν ποιεῖ τὴν ἐχθρὴν
 κτελεῖν· ὥς κ' ἐκ μὴν σὺ τὸν τοῦτον· καὶ τοῦ ἵππου καταμαρῶ· ἐπὶ τὸν ὅσον δ' ὁ βασιλεὺς·



ἡ μὲν ἔφη κατὰ τὴν ἐξουσίαν κεφαλὴς τὸν ὁρκοῦ παρθεῖν. τὰ ἄνω παραδύναται τὸν ἀγῶνι μὴ
 λόγῳ σέβειτο μᾶλλον· αἰμαίνω δ' οὐκ ἔστι τὸν ἵππο μὲν θεοδωροσ. καὶ δὲ λαμῶν σιωπῇ
 πλέκετο τὸν ἀρακῆν. καὶ ἐνὶ μακρῷ χρόνῳ τοῦ ἵππου αὐτὸν κατεκρήμισε μ



Ἡ σὺν τῇ μετὰ τὴν μάχην κατὰ τὴν ἐξουσίαν κεφαλὴς τὸν ὁρκοῦ παρθεῖν. τὰ ἄνω παραδύναται τὸν ἀγῶνι μὴ
 λόγῳ σέβειτο μᾶλλον· αἰμαίνω δ' οὐκ ἔστι τὸν ἵππο μὲν θεοδωροσ. καὶ δὲ λαμῶν σιωπῇ
 πλέκετο τὸν ἀρακῆν. καὶ ἐνὶ μακρῷ χρόνῳ τοῦ ἵππου αὐτὸν κατεκρήμισε μ



Ἡ σὺν τῇ μετὰ τὴν μάχην κατὰ τὴν ἐξουσίαν κεφαλὴς τὸν ὁρκοῦ παρθεῖν. τὰ ἄνω παραδύναται τὸν ἀγῶνι μὴ
 λόγῳ σέβειτο μᾶλλον· αἰμαίνω δ' οὐκ ἔστι τὸν ἵππο μὲν θεοδωροσ. καὶ δὲ λαμῶν σιωπῇ
 πλέκετο τὸν ἀρακῆν. καὶ ἐνὶ μακρῷ χρόνῳ τοῦ ἵππου αὐτὸν κατεκρήμισε μ

ἐκκριτον καὶ φιλόθεον· ἀλλὰ τοῦτο κατὰ πρῶτον οὐκ ἐφαίνετο συμφρῶν τοῦ βασιλέως·
 τὸ ὡς δὲ ὁμοσσυμπεσόντων ἀλλήλοισιν ἡ γρατὴ ματρὶν· καὶ τῶν ἱερατικῶν ὑπερπε-
 ρόωντων· κύβωσον ὑπὸ τῆς οὐρασίλας· καὶ ἡ δὲ ἀπόστολος ἡ· ὁ δὲ καταμαλὸν μαρτυρῶν
 τοῦ γρατὸν ἐξήκοντος· καὶ δὲ ἰσχυρῶς μεροδορυάτωρ τοῦ βασιλέως αἰώνῳ ἰδεῖν· τοῖς
 περὶ αὐτὸν ἀναδάρρυσας· ἐλπίσει μετὰ θάσσοισιν τὸν κίρδιον·

μετ' ὁπρίαν

ὁ θόφι φέγγει



Ως δ' αὖτε καμὸν τὰ τοῦ βασιλέως· καὶ τὴν ὁρίαν ἀπαγνῶντα· προφασίζομεν ὅτι μὴ βούλεσθαι
 τὸν βασιλὸν φυγῆντα καταλίπειν· ἀλλ' ὅτι ἐφ' ὅσον αὐτὸν ἐποιοῦμεν προπορευομένους καὶ τὴν ὁδὸν
 σοὶ ἀνώγει· ὡς δὲ ὁ μαρτυρῶν ἔφη· ὁ βασιλεὺς δὲ κατεπηνύσθη· οὐχ εἶπετο· παύ-
 λι μέγα πτερόν ὑποφρέλαι· καὶ ἀκούσθη· ὡς δὲ καὶ παλὴν ἔσχεσε· τὸ τρίτον ἐπὶ γραφείοις
 θάνατον ἡ πείλησε μὲν ἐπὶ τοῦ· καὶ οὕτως ὅτι καὶ μολὶς τοῦ κίρδιου ἀέσσοσε· ἀλλ' ὅ-
 τι μαῖς τε τοῦτο ἄνθρωποις ἐδέξοντο· καὶ δυνεῖς αὐτὸν ἐθεράπευσαν· ἀδελφὴν καὶ σπῆλαιον
 καμῶν· ἀλλ' ὅτι ὁ βασιλεὺς ἔσχεσε κατὰ τὸν τοῦ αὐτοῦ ἀνδρὸς· καὶ εἰς καθόλου τὸν κίρδιον
 ἀσκατὰ κληθεῖς· καὶ κίρδιον ὁ μικρὸν ἐαυτῷ ἐπὶ τῇ μένῃ κατανοήσας· καὶ ἀπὸ τῶν
 τῶν πρὸ τῶν πληροφόρηται· δούλου μὲν ἄνθρωπος αὐτοῦ· οἱ μὲν ὅσον αὐτοῦ δὲ τὸ περὶ τοῦ
 φίλου· ὡς μέλλοι τοῦτο ἀποτιφλοῦν· ἀπὸ θαλάσσης τοῦ καὶ πρὸς ἄνθρωπον μετὰ τῆς
 μέρας παρ' αὐτοῖς καὶ ὁφθεῖς καὶ μάλιστα τῆς αἰσθητικῆς γεραιόμενος· γρατὸν τε γὰρ ἐνεπὶ
 ἡσυχίᾳ· καὶ κατὰ τὸν τε τοῦ αὐτοῦ ἐχθρῶν· οἱ οἱ πτωδὴ κορμάται καλοῦμενοι· ἐ-
 πέμφθη· ὅς μιν δὲ εἰς ἐπερὸν ἐπέσται οἱ φελοῦσας· ἀλλ' ἡ μὲν ὁ τὸν ἐν φυλακῇ καὶ σκαλεῖ
 γιέροις ὅσον αὐτοῖς αὐτῶν γρατεύεσθαι· ῥίκα μάλιστα καὶ καλλίγας ἡνέκατο· ὡς
 καὶ αὐτὸν τὸν λεγόμενον χαροσὶν ἀπελορχήσαι· οὐ γὰρ μόνον τὸ καταδρεῖαι ἀλλὰ

ρομέξε πάλιν τοῖς μαρτύροις· ἀλλὰ καὶ τὸ δαλὲκτον παραλαβὴν· καὶ ἡ πύρισμα μαρτυροῦμεθα
 λη· καὶ τὸν πολεμὸν παραδόξως ἐξαγαγόν· εἰς δὲ λίαν κλαυτοῦ πολεμίου οὐκ ἔτι τυχόντων·
 καὶ οὐ κατὰ τὴν ἑχθρῶν οὐτοσὶ ὥφθη γυναικός· ἀλλὰ καὶ τὴν ἑνὶ αὐτῶν σπικμανομένην τὴν
 χεῖρα ἠνδρίσατο· καὶ μετὰ τὴν αὐτῶν σπικμανομένην· αὐτῶν τε ἡ γαλήνη ἀφ' ἑρῶν
 τὸ ἀρχόντι· καὶ τὴν ἡρωϊά αὐτοῦ· ταῦτα μὲν τὰ ἀποφίλοις· ὡς εἰκόσῃ ἡρίαν· καὶ
 πάλιν ἑρῶν κίμει· ὡς αὐτὸν αὐδρα μετὰ καμίσιοι· ἀλλὰ καὶ ἑρῶν καὶ χροῦ μούχλου ἀλάτῃ
 ἡρίαν τοῦ μαρτύρου ἐκ τῆς μετὰ τὸ μαρτύριον ἐκκαλούμενος ἐπαμαρτέψαι· καὶ πᾶσι τὰ μὴ γέι
 αὐτῶν κακῶν· χαρίζομενος αὐτοῖς·

ἡρίαν



Ἀλλὰ κομίσας οἱ ληφῶν· ἐσχέρας λαθὼν τὴν σπικμανομένην· καὶ δὲ ξάμερος οὗτος· καὶ οἱ
 οὐκ ἔτι τὴν ψυχὴν ἐκκαυτεῖς· ἡ δὲ καὶ τὴν σπικμανομένην ἐκ τῶν προτέρων ἡμερῶν· μὴν ἐλθόν
 ἀρχόντι τῶν σαρακηνῶν· ὡς πῶτον τὴν φεῖ καὶ κατὰ τὴν ἡρωϊά αὐτῶν γρατέψαι· καὶ τὸν
 ἑχθρῶν οἱ κατεῖπον αὐτοῦ πρὸς τὸν μαρτύρην ἀμύνασθαι· κατὰ τὴν καπαδοκίαν οἱ κῶν
 τας· σὺν ἐκ τῆς μετὰ τὴν αὐτῶν ληξίου καὶ τὸν τούτου ἡγῶν· εἰς πλείονα τὴν ὑπομονήν αὐτοῦ
 ῥέσιν· κατὰ μὲν ἐλθόντα αὐτὴν τὴν ἡρωϊά αὐτοῦ· καὶ δὲ δώσιν αὐτῶν τὸν ἐκκαυτεῖν ἐλθόντα
 ὡς δὲ ἡγήσεται τοῖς σαρακηνῶν οἱ· δὲ λαθὼν τὴν κατὰ τὸν τῶν καπαδοκίαν γρατέψαι·
 καὶ τὴν μετὰ τὴν σπικμανομένην ἐπαμάρτεψαι· καὶ αὐτὴν ἀδάσκειν· ὡς χρὴ κατὰ τὸν δεινόν
 πον· λόχον τὴν καὶ ἐνὶ δραν γένεσθαι· ἡ δὲ τὰν ἐκείσε φημι γένεσθαι· τὸν μετὰ τὸν
 σαρακηνῶν προδρόμους· ἐπὶ ἄλλοις τὴν αὐτοῦ πορὶ ζελαίνειν πρὸς τὸν· αὐτὸς δὲ πρὸς τὸν
 ὡς ἡ τὴν αὐδρα μόνον· ὁ καὶ γάρ· ὡς γὰρ κατὰ τὸν σπικμα· τὸν ὡς ἡ τὴν ἐπὶ
 σπικμα τὸν πρὸς· πολλὰ τὸν τῶν ἡρωϊά αὐτοῦ καὶ πᾶσι ἡμέροις· σὺ μὲν ἡγῶν ἐφῇ· ἀπὸ τῆς κν

πρὸς τὸν σὺν πατρί. ἔφθον ἀπελάσσομαι πρὸς τὸν ἐμόν βασιλέα καὶ κύριον. Ζήσων δὲ ἡμεῖς ἐκείνη
πρὸς τὴν ἡμετέραν. ἐν τῇ γὰρ ἐκείνῃ κατὰ τὸν ἐμὸν βασιλέα τῆς ἡμετέρας. καὶ ἡμεῖς
παρὰ αὐτοῦ τῇ μάτῃ. Καὶ σὺν τε κροσέκτο τε γὰρ καὶ τῇ θείῃ αὐτοῦ.



Καὶ τὰ ἐμὰ περὶ τοῦ μαρουκίου. ἐσχρόντος. ἡμεῖς δὲ τοῦδε τοῦ μελιτηνοῦ. ὁ καὶ κατὰ τὴν αὐτὴν προ
σαρρένεται ὁ λόγος τῆς ἀποστολῆς. ἔφθον καὶ τὸν τῆς κορυφαίας τοῦ πλάτους τῆς κορυφαίας τοῦ πλάτους.
ἄρτι δὲ καταλύσας τὸν μίον. ὁ τοῦ θεοφίλου πάλιν ἔφθον. τὸν ἐκείνου ἀδεύεται τῆς κορυφαίας.
ἀλλοτὴν ἡμεῖς σὺν κλαυθμῷ ἀσεβείας καὶ ἀπείας.



Ζητῶντι δὲ τὸν βασιλέα εἰς τὸν φέροντα ἐπὶ τῇ κορυφαίᾳ περὶ τούτου. οἱ τῆς ἀρχῆς μετὰ τὸν. γὰρ
ὁ πάλιν φθονεῖ κτὼν ἡμετέρας κατὰ τὸν ἐμὸν βασιλέα τῆς ἡμετέρας. ἀφ' οὗ σὺν τῇ
τῆς τοῦ πλάτους προορρήσει. παρὲς τὸν βασιλέα. ἡμεῖς δὲ τὸν ἐμὸν βασιλέα. ἀδὴν καὶ βούλε
το. καὶ τῶν μακρὰν ἐσθλατὴν ἀδοχὴν τῆς βασιλείας ἀμειψόμεν προσέταττε.



το γυναικίον το μαντή
το δειχμάτι



Τούτο δὲ τὸ γυναικίον· εἴτε ἐν θουάσμι· εἴτε καὶ ἐκ δαμονίας ἐνερχάσμι μόνον· σὺ
 μέν ἐφ' ἡμῶν αὐτῶν· ἀλλὰ δὲ χρὴ σε ταῦτα ὅσοι· σὺ γὰρ ματὴν ἰδὲ αὐτῶν· μετὰ δὲ τούτοις· τὸ
 πῦρ μαρτυράκιον γένοσθαι ἀρκέσει· ἵνα πολὺ τὴν βασιλείαν· ὁ δὲ ἅμα τὸ λόγιον τὸν
 μαρτυράκιον· καὶ τὸ πρὸς μερὸν αὐτῶν· ἀπεκείρε μερὸν· καὶ τὸ αὐτὸν οἱ Κορῆ περὶ
 ἐξ ἐκαστοῦ τῶν μαρτυρῶν



Τούτο δὲ μόνον τὸ ῥητὴν γυναικίον· ἀλλὰ καὶ ἄλλα πολλὰ τῶν μελλόντων προσηλῶσι·
 τὸ μὲν γὰρ ἡμῶν ἐκπεσεῖσθαι τοῦ πρῶτου ἀρχικοῦ θρόνου προσηλῶσι· καὶ τὰς σεπασεῖ κόρας
 τὴν προσκόμισαν τὴν καὶ προσκλήσιν ὁδὸν ἔχουσαν· ἐφ' οἷς περὶ ὁδὸν ὁ γερόμερος ὁ
 θεόφιλος· παρέκλει· πολλὰ μὲν τὴν δ' ἀπολαύει καὶ τὸν τοῦ δρόμου λογιῶν τὴν θεοκλήσιν·
 καὶ οἱ κοῖς κατεδέσμευεν καὶ ἔχουσιν· μετὰ τὸν αὐτοῦ θάνατον· μὴ τὸν ἡμῶν μετὰ
 τὴν αὐτῆς πρῶτον· μὴ τὴν προσκλήσιν τῶν εἰδωλῶν· τὰς σεπασεῖ κόρας οὕτως

καλῶν ἰδεῖν ἀποχέου· οὐτὸ γὰρ αἰὼν δὲ μόνον προέφικεν· ἀλλὰ καὶ ἰσχυρὰ
αλεκαυμονείας καθαρώς ἀπέδεξε· αὐτῶν τὸν μέλλοντα τὴν ἀρχὴν ἀδεδείκται.

ἰσχυρὰ αλεκαυμονία



Ὁ βασιλεὺς δὲ μόνον τὸ γινώσκοντας πᾶσι δέλεον· ἀλλὰ καὶ κῶν γὰρ τὴν ὁρὰν
τῶν τοῦ φυλίου μέγα δὲ αὐτῶν πῶς τε πᾶσι μενέμεναι δὲ πᾶσι σεμ· αὐτὸν τε καὶ
τῶν δὲ μελλεινῶν πᾶσι σεμνῶν καὶ τῶν κληρικῶν ἀμφιέσθαι σὺν
μα· ὁ καὶ γὰρ μετὰ ταῦτα· τὸν βασιλεὺς τὴν ἀρχὴν ἰσχυρῶς· πρὸς
δὲ καὶ μετὰ τὴν ἀρχὴν τῶν κατελκνόντων αὐτὸν θάνατον· ἐν τῇ σφενδόρῃ τοῦ
ἰσχυροῦ· ἐκεῖσε γὰρ μετέπετα τὸν βασιλεὺς αὐτὸν λεύοντος· ἀποστὰς δὲ
ματ' περ' πεσὺν· ἀπέτληται.



Ἦ δὲ τὸν ἰσχυρὸν ἀλαμπύοντος· οἷ τε ἀρρητοὶ καὶ ὁ φιλοσκατὰ ἀλλήλων ἐξώρμησαν·
ἀλλήλους δὲ ποικίλντες· πᾶσι γὰρ ἀπὸ τῆς ἀρχῆς· πρὸς τὴν ἀρχὴν δὲ ὁ φιλοσ· πρὸς

σφίον

τακί

χρσιν

ηθ

μνησται

σφεία μέδξα το του χαμου χαρίας. βεαυ μένου κπιδήναι το σαρκελλο ορομα βόμενον φρού
 ριον; τοι το εδδκεί ερυμα καρτερο μείναι. τισ των πατζιναλκοι φόδου. διείρην αυτου πα
 τα μερη του παϊδδ ποταμου. ων υπακόισα τη αυτη σε βασιλαιο. βεαυ μελε τινα
 πετρον αφ και τη η του τω νη τη σμελσ περασ η γρη. ο υτοσ υπο γρε ησ. γνωμι με δεδω κε
 του βασιλει. ασοου καλλω σαρξ κτισ χρσιν οσ βεβαίωσ. η γρατη γον προχειρι ζόμενοσ ιζον.
 μεχε/ γαρε κεινου του χρσιν. ουδεισ των η μετερω αρξωνε κεινον ετε ληθ. αλλ εχρη
 οσ τις πρωτεωσ τη η προσι γορια. τα ησ πολεωσ η μδοικων. προσδξα
 μεροσ οψτην αυτουσ μεβουλαιο βασιλεισ. ου καλλον. αλλ αυτον βεαυ μελε γρατη κειν της χωρασ.
 ατα ματα πε μλσ πω πρωτεωσ τη και τοισ αλλοισ αυτο χησθωσ τοισ. υπει κειν αυτωσ
 δδιαγωσ. εκτοτε γοιωε κρατησε γρατη γοιωεσ χρσιν μα πε μεαδα. το δε ετοιμη
 ρλωτωσ τησ εαρ η ησ εσ ησασκωρασ. βεαυ σκατα πε ησ ησασκωρασ. με ταδωα με
 ωσ και χερσωσ παλκωσ. προεισ τε πορεωτερωσ τησ συριασ. κειρω μομου τη ησ και πορεωσ.
 και πατωσ προσ τησ ησ ζόμενοσ. πολεισ τε γαρ πολεμου μομου κατεσχεδωσ και ησ
 ποδησαστο. και αυτη με τη ησ ησασκωρασ. βεαυ πολλορκησε. πατριδα τη χαμουσασ
 ταυα μερμου μνη.



ησ. πολλα κατεδε ησ ησασκωρασ. φείσαστα με κλ παρ ησασ τησ εαυ του προιδδσ.
 ει και με προσεσχε τοισ λησμενοισ ομασ λασ. και ταυα διοικησασ μεροσ. ε παμεσ ησ
 τε ο φιλοσ προσ τη ησασκωρασ. τον τε ο φονεσ κατωσ ησ πωνε φω τε αδεσασ τατ
 γρατου καμωσ. και ατα χων προσ αυτονε παμαδραμειν. αλλοι προσ αυτονε οδωσ
 σιτηρεσ ησ ησασκωρασ ομτεσ περ αλχισ. ενσ ησασκωρασ ομτεσ αυτον. βασιλεσ και ακον

στην π

244 25 70 11

τὰ τῆς πολιορκίας ἀποκρουόμενα ἄπε τοῦ ὄραμα· ἡ μὲν οὖν πολιορκία τῆς πόλεως· ἐκ ἀδοχίης
 κρηγίτο· καὶ σμερξισὴν καὶ ἀδύσκοπος· θεοφιλοσδὲ ἐκ τῆς τροπῆς μόλις ἀφύρην· καὶ πρὸ
 τοῦ δορυλαίω γηγόμενος· ἐκείσε πρὸς ἐκαστὴν τὴν ἐκ βασιλέως ἐχόμενος· ἀπεπείρατο τῆς τοῦ α
 μερμον μὴ γινώσκων· εἰπε δὲ τῷ θεῷ τούτου μεταστῆσαι τῆς πολιορκίας· ἐκπέμπονται οὖν
 πρεσβευταὶ μετὰ δῶρων πέντε καὶ ὑποσχέσεως οὐκ ἐλίπων· τούτου ἐκ δὲ πωπύσου περ· οἷδ' ἔ
 καὶ στρατὸν πεδονκἀταμύοντες πύρσαρα κρηγόν· καὶ εἰσὶν ἡμῶν ἀρχὴν τὴν κατασφύπτες· τὰ παρὰ τοῦ βα
 σιλέως μὴ μνηστῆντα παρίσταν·

τὸν ἄρχοντα ὅν μὲρμον μνηστῆντα

οἱ τῶν αὐτῶν
 ἀπὸ Κρηγίτου



ὁ δὲ θυμὸς κατεχόμενος αἰσέτω δ' αὖ τῆς πρὶ δὲ δ' αἰσέτω· τὸν μὲν αὖτ' αἰσέτω δ' αἰσέτω κατεκέρτο
 μεῖ· ἐξονθέμεν δὲ καὶ τὴν πρεσβείαν καὶ ἐκαστὴν δὲ· καὶ τὸ πρὸς πρεσβευτὰς ἐνδεσμοὺς κατεῖχε· περ
 μέν τῆς τῆς πρὸς πρεσβείαν καὶ ἐκαστὴν δὲ· τὴν δὲ πολιορκίαν ἐπὶ πλεονέκτημα· εἰς πολλὰ μνηστῆ
 λῶν τοῦ στρατοῦ· καὶ ἐκ ἀδοχίης τὰς προσβολὰς πολέμου· ἵνα τελευτήσῃ καὶ τῆς ἀκμαστικῆς
 τῶν ὑπαλλήλων μέν τῶν ἀποκαμύοντες οἱ ἐν δὲ· καὶ πρὸς τὸ πρὸς πειρὴν καὶ ἐκαστὴν· καὶ
 περὶ δὲ καὶ τὸν ἐν δὲ μνηστῆντα· ἀπράκτοι αὖ ἐπεχέουσι τῆς πολιορκίας ἄλλοι· καὶ
 καὶ ἀέφου γενὴ πόλιν ἀλῶσιν· εἰ μὴ τὸ πρὸς πειρὴν καὶ ἐκαστὴν· καὶ τὴν τῶν χερσίων
 ὅξομος αἰσέτω πρὸς ἀπὸ ἀφικονεϊκίαν· εἰς τοσοῦτον κίβδωον ὁ λῶσιν· πρὸς ἀπὸ
 δὲ καὶ τὴν πατρίδα· οἱ δὲ τῶν ὁμοματῶν ἀνδρῶν· οὐ γὰρ ἄλλοι πρὸς ἀπὸ ἀφικονεϊκίαν
 χερσίων· καὶ ἐν τῷ τείχεσιν ἀέφου δὲ πρὸς ἀπὸ ἀφικονεϊκίαν· αἱ τῶν ὁμοματῶν
 τῶν πόλιν ἀλῶσιν· ἡ δὲ πολέμου ὁμοματῶν φείσιν· πρὸς ἀπὸ ἀφικονεϊκίαν
 πρὸς ἀπὸ ἀφικονεϊκίαν καὶ αἱ χερσίων ἀπὸ ἀφικονεϊκίαν·

Τὸ ἀμύριον προσιδὲς τῆς ἀρκυῆς



Θυμὸν γὰρ βαλλόμενοι οἱ παρακινῶσι διὰ τὸ πολλοὺς τὸν ἐπιφανῶνα αἰρεθῆναι κατὰ τὸν καιρὸν
τῆς πολιορκίας. οὐδὲ γὰρ οἱ κτὼν προστυχόντων ἐλάμψαν· ἀλλ' ἀμύριον τὸ μὲν
ἄνδρες· ἤ γιντο δὲ γυναικες σὺν μελῶσι καὶ νεανίσκοις· ἐπὶ ῥ' ὅλως τὰ καλὰ
τῶν οἰκιμάτων· καὶ ἐρὸν μακρῶν χρόνων· ἢ τῶν ἐσθλῶν πόλεων ἀπὸ τῆς περὶ· ἐκ
λειμμένον δὲ δείκνυτο εἰς τὸν ἥ γιντο δὲ βωχρίαι καὶ οἱ τῶν γρατευμάτων
ὁ δὲ ἀρχιεπίσκοπος· καὶ ἄλλοι τε καὶ κτὼν καὶ θεοδωροσὶ κρατῶσι· οἱ πρὶν κτὼν· καὶ
ἄλλοι ἀρχιεπίσκοποι τῶν ἐν γρατεῖαις ἀφ' ἑαυτῶν μὲν οἱ σέμνους πρὸς αἰσώμασιν
οὐ τῶν δὲ χερσὶν οἱ σέμνους τῆς πόλεως· τὸν πρὸς βεῖσιν τῶν σαλῶν ἐν ἀρχηγῶς· τῶν
πρὸς τῶν τῶν κατὰ τὸν πόλεον οἱ ἀκρίτας· οὐδὲ τῶν ἐν τῶν καὶ ἐν ἀρχηγῶς
μοσ τοῖς πρὸς τῶν· αὐτὰ μὲν οἱ τῶν σμύρνας ἐκ τῆς μετὰ τὸν βασιλῆα· οἱ πρὸς τῶν
κείνους πρὸς τὸν ἀμύριον μὲν οἱ βωχρίαι· ἀπὸ δὲ τῶν οἱ ζήτην· τοῖς τελεφεύοντες
ἀφ' ἑαυτῶν οἱ ἀνδρῶν ἐν τῇ πολιορκίᾳ· καὶ τὸν κατὰ μένος αὐτῶν προσκόντας· καὶ τὸν
πρὸς τῶν χερσὶν οἱ· εἰκοσὶν ἐπὶ πρὸς τῶν κερτῶν ἀδύσειν τῶν χρόνων μερὸς· ὅτι
χρὸν αὐτῶν

ὁ φῶς οἱ σμύρνας οἱ ἀνδρῶν οἱ ἀνδρῶν οἱ ἀνδρῶν



ο αμφοτέρωθεν αὐτὸν πρέσβεις τοῦ ἡθοφί



Ο δὲ τὴν πρὸς αὐτὸν ἀφ' ὧν ἀμφοτέρωθεν αὐτὸν πρέσβεις τοῦ ἡθοφί· αὐτὸν τὸν
 ἀφ' ἑνὸς αὐτῶν· εἰς ἡλ' ἀκαταμάσσας κεντηγάρια ἐπὶ συλλογῇ τοῦ οἰκείου γρατοῦ· τοσὺ
 τῶν ἀποδώσει τοῖς ἡλ' ἀκαταμάσσας κεντηγάρια· αὐτὰ κεντρεῖ τῶν πρεσβυνῶν
 ἡρ' αὐτῶν· τῇ αὐτῇ ἡσυχία τὴν σφοδρὰ πλὴν σὺ θεοφίλος· πᾶσαι τε βρώσῃ καὶ πόσιν
 ἀποσφύμενος· καὶ σχεδὸν ἀποσφύμενος καὶ μὴ δὲν ἔχον προσέμενος· ἡ τοῦ ἐκχέου
 ἀποθλίσμενος· ἡ δὲ δι' ἐντερίαν ἀφ' ἡσυχίας· ἀλλὰ καὶ πρὸς ὑπερσεχυντοῦ
 ὁ κηρέμει· οὐδὲ μετρίως ἐφ' ἑρτην τοῦ ἀμμορίου καταστροφῇ· ἀλλὰ καὶ οὐ καὶ τὸ
 πομὲ ζῆτι· πῶς αὐτὸ μὲν αὐτὸ τὸ ἐκχέου· ἀλλὰ καὶ πρὸς τὸν ἡθοφί
 αὐτῶν· οἱ ἀποφάσι τοῦ ἡθοφί



Π οὐ πρὸς κίον θεοδόσιον ἐκ τοῦ τῶν αὐτῶν καὶ καταστροφῇ· ἡ κουρίαν πρὸς αὐτῶν
 περὶ αὐτῶν καὶ δῶκεν αὐτῶν· καὶ κακῶς αὐτῶν μετρίως αὐτῶν· ἀλλὰ καὶ πρὸς αὐτῶν
 μὲν μὴ ἀφ' ἑρτην· ἀλλὰ αὐτῶν μετρίως αὐτῶν· ἀλλὰ καὶ πρὸς αὐτῶν· ἀλλὰ καὶ πρὸς αὐτῶν



θόδον τὴν βαλὴν καταγρέψαντος· ὁ δὲ θεοφίλος· καὶ ταύτης ἀέκαστον τῆς ἐλπίδος· ἐπὶ αὐτῇ
 ὅρτε ὑπὸ τῆς μόσου σφιγόμενος· ἀνέσκηκε μὲν εἰς τὴν μαργάρην· ἐν ἧ τῇ τε σὺν κλητορὲ κλη
 σάσας· καὶ τὸ λοιπὸν ἐμφανέσμερος τῆς πόλεως· τὰ κατὰ αὐτὸν ἐξήρατόν τε καὶ ὁλοφύρετο·



καὶ τὸν σμειλεγμένον ἐζήτησεν τὸν ἀπομνημονεύειν αὐτοῦ· ἐν τῷ πύθῳ καὶ ἀμείαντην
 σαι· προσετὴν αὐτὸν σὺν θυγῶν καὶ τὸν παῖδα· καὶ ἀφ' ὧν αὐτοῖς τὴν βασιλείαν ἀπομνημόνεον·
 ὡς ἡ αὐτὸν δὲ τῷ σμειλεγμένῳ τῶν ἐλπίδων· τούτοις ὁ βασιλεὺς· ὁ δὲ μὲν σμει
 λεγμένῳ καὶ τοῖς παρὰ αὐτῶν· καὶ πάντες τοὺς κύκλους· ἡ γὰρ τοῦ μετὰ τὴν βασιλείαν ἔχοντες
 καὶ ζῶν· εἶδ' ὅτι πρὸς αὐτοῖς· φάμας ἐλπίδων πακολούθησε· ὑπὲρ τῆς αὐτοῦ γαμέ
 τῆς· σφῶν δὲ δ' ἀπομνημόνεον καὶ τῶν παίδων· ὑπὸ σμειλεγμένῳ καὶ αὐτὰς εἶδ' ὅτι πρὸς αὐτὰς ψυχὰς·
 καὶ τῆς αὐτοῦ τούτοις τὴν βασιλείαν ἀδ' ἀπομνημόνεον· καὶ οἱ μὲν κατεπύθησαν τὰ ταῦτα· ὁ
 δὲ βασιλεὺς ὑπὸ τῆς μόσου τελέων τὰς ἐλπίδας καὶ κρονοῦσας· τὸ καὶ νόμος ἀνέρωσε μὲν φλῆμα·

τελεῖ τὴν βασιλείαν θεοφίλον ἡνίκ' ἔλασσε τὸν θυγῶν· ὁ δὲ μὲν σμειλεγμένῳ



ἡ δ' ὁδοὶ καὶ ἐπὶ καὶ μισοὶ τῶν τῆς κωμῆς ἀνὰ τὴν ἡμέραν· ἐπεὶ δ' ὡς φθάσας ὁ λόγος ἐδήλωσε· χύρα ἔ-
 σχοντο ἡμαλλόντες τὸν φόβον ἀπὸ τῆς κωμῆς ἀνὰ τὴν ἡμέραν· ὡς ἄρ' ἔπειτα φίλος τὸ τέλος τῆς αἰ-
 κλιᾶς· ἐνδεσμεύθη τὴν αἰκλῆν αὐτὸν γὰρ φωδῆσθαι κατὰ τὸν κωμῆς λόγον· καὶ ἡ δὲ τὸν πῦρ
 ἄγχιζοντος· προσέταξε ῥά ποτε μείναι τούτου τὴν κεφαλὴν καὶ αὐτὴν ἐν ἄκρῃ· ἡ δὲ πρὸς αὐτὸν
 καὶ ταῖς χερσὶ τῶν τῶν χῶν ἐπαφύμερος· ἔσχατορ ἐπὶ πειλόγον· ὡς ἀπὸ τὸν γὰρ οὐτε ἔχοντες ὅ-
 λος· οὐτε σὺν τοῖς φθῶσι·

το φιλόνειμον αμαρταν κεφαλτον το φρον



Τὴν ἐσπεύοντα· δρυνταρίω τῆς κίτης τυχόντι· ἀπατηθεὶς τὴν τοῦ θεοῦ φωνήν· αὐταρεΐ-
τω αὖ τὸν ἐργασάμενον μεδερὸς κεχάσας.

+ ἀρχὴ βασιλείας μηχανήσων τοῦ φιλοντόξου μορίου τῶν τραυλῶν
 καταστὰς τὸ θεοφίλτην ζυγὸν. ὁ παῖς αὐτὸν μηχανήσων τὰς κήπας τῆς βασιλείας ἀναδέχεται τὴν
 θεοδωρεάν. αὐτὸς ποιεῖ τὴν κήρυξιν αὐτῶν. οὐκ αὐτὸς ἐν ἀδικίᾳ ἐπέστησε τὸν τῶν τε μῆγε
 μαρὸν καὶ δομῆς κοινῆς ματῶν ταύτης σχολαῖν. καὶ τὸν πρῶτον τῶν κτήσεων καὶ λογισμῶν τῶν
 δρόμων. οἱ παρὰ χρέμα τούτου εἰς τὸν θεοφίλον. δὲ λήθοντες εἰς τὸν ἵπποδρομον. καὶ εἰς τὸν
 δῆμον ἐκκλησιάσαντες. ῥόγους ἐκλήθοντες πρῶτοις ἀγαλλμήσκοντες ἀνάσσει τὸν βασιλῆα.



πωσέσθαι μοι τοῦτο ὡς θεῖοι παῖδες· αἰψὺ καὶ δῶκε μοι ἀπολελοίπασι· τὸ σῶμα γὰρ ἐλεονέ-
 ξησθε μὴ σέ καὶ κατέσκηκεν· ἔφθον δὲ καὶ ματαριχάμενος καὶ σκελῆς· ἐμουδενὶ δὲ α-
 φέρων τὸν τετρηκότεον· ἢ μὲν ὡς τὸ ἀπαυγεῖν· τίς οὖν ἔλασ· ἢ ποῖος λόγος ἐστὶν ὅπως
 σπυρμε ἀπαρρωσθίσεισθε καὶ εἰς τὴν προτέραν εὐδὲ ἀμείλθην· ὑπολαμύμετο οὖν ὁ ὅσι-
 οί· ἐφίσησαν πρὸς αὐτόν· πάντα δὲ ἡμεῖς καὶ οὐδὲν ἀδωατέ τὸ πῦρ· εἰ οὖν σπουδαίει-
 ἀπαρρωσθίσει· τὴν τῶν εἰκόνο μάχυνά ποσεισαι περκαίῃ· καὶ τὰς ἱεράς εἰκόνας καὶ τὸ
 πάλαιος καὶ πρὶν κοῖτα θεοῦ ἀπαυγεῖν· ἀγγελίζομεν τὴν βωὴν· εἶπον· καὶ ἡ
 περὶ χύρησάν· τῷ δὲ μαρὸν ἡλ παραδόξως καὶ ὑπὲρ πάντα προσδοκίαν· ἡ γὰρ ὅσοι
 ραῖσε· καὶ αἰφύκα καὶ ἐμεργείαι ὡς κολύτρος ἐτελοῦντο· καὶ ἐν βράχιν τὸ χρόνον τελεῖσθαι τὸν
 ρωσθίματος ἐσχίκει ἀπαλλαγὴν· ῥᾶσιν δὲ ὅσα πασαίμενος ἄφω· ὡς πείσθαι πρὸς τὸ παρ-
 τιν· καὶ εἰσὶ πρὸς τὴν βασιλίδαν·



καὶ πάντα τὰ πρόποντα τὴν παρέκινε· τὰς θείας ἀπαυγεῖν εἰκόνας· πάλαι καὶ αὐτὴν δρᾶσθαι
 φορμὴν χλίζομένην· ἀπαυγὴν τὸν σέρεθζο μένην παρὰ τῆς οἰκείας μὲν ἐστὶν τοῦτο· καὶ τὸν
 μητρὰ δὲ λφω τὸν πρὶν κίαν· ὁ μὲν δὲ ἀπὲρ πρὶν ἡθεοδώρα τὸν λόγον τοῦ μαρὸν ἡλ
 εἶπε τὸ πρὸς τὸν ἀνδρὰ ὅς κοῖτα ἐλαμύμενη· εἶπε ὡς φωνὴ καὶ τὸ πρὶν ἡθεοδώρα
 τὸν τῆς αἰρέσει κατεῖλη μένων· ἔκει μὲν δὲ τὸν μαρὸν ἡλ· ἐφίση ἡθεοδώρα·
 ὡς ὅτι ἐμὸς ὡς μέγρε ἀνὴρ τε καὶ μασίλει· ἀκρὶ βείας ἡνέρασθαι· καὶ οὐδὲν ἀπὸ σκέπτως
 ἐπραξε πᾶν ποτε· καὶ τοῦτο τὸ δόγμα εἰ μὴ ἀπὸ κρυμμένην τῶν ἱεροῖς νόμοις καὶ
 ταῖς ἀπὸ γραφαῖς· οὐ καὶ ὅσα τὸν τοῦ τῆς ἐκκλησίας· ταῦτα δὲ ἐκείνη εἰπὼς
 τὸ χεῖρ ἡ πρὶν ἡσέ μὲν τὴν κατατροφὴν τῆς ζωῆς καὶ τῆς μασίλειας ἐκπίωσιν· καὶ οὐ καὶ τὴν

μόνον· ἀλλὰ καὶ τῶν τῆς γῆς· εἰ μὴ τοῦ θείου κόσμου πλὴν ἡ ἐρῶν ἀποδοῖν ταῖς ἐκκλησίαις·
Ποῦτοις τοῖς λόγοις· εἴτε κδεῖμα πωθεῖσα· εἴτε καὶ ἀλλοτρίως ἀρεσκομένης ἐπὶ πολεμῆ βασιλίσ·
Λόλη τὸν ἐργαζόμεται· καὶ ἐν τῇ αἰρέσει ἐν τοῖς σκηνώμασι τοῦ θεοῦ κτήσθαι· προσέταξε πα-
 τας τοὺς ὡς φέσει καὶ ῥῶν κεκοσμημένους· ἐκ τῆς ἐκκλησίας καὶ τῆς συνόδου· καὶ λόγους
 κινεῖν καὶ ἀπομαλῆσαι περὶ οὗτοφθόρξιας·



Πάντων δὲ ὡς ἐπὶ πένε σωματολάτῃων· καὶ λόγους παρὰ τῶν ἐν τῶν καὶ μαρτυρῶν ἀπὸ τῆς
 αὐτοῦ παρὰ τῆς ἐκκλησίας οὐκ ὀλίγους· τὸ ἀπὸ βέλτερος ἰσχυροῦς μέρος· καὶ δὲ μαγνόμεναι δει-
 αὐ παρὰ τῆς μαγνητοῦ αἰετοῦ· τῶν ἀρχερῶν καὶ μαγνὸν καὶ συκλητικόν· ὅσοι
 πῶν παρὰ κατεῖχον τὸ πρότερον τῶν παλαιοῦν· τὸ κρείττον μετὰ μάλον τὸν· καὶ ἀπὸ τῆς
 τῆς τῶν παρὰ τῆς ἀντικειμένη· ὅσοι δὲ δαποπολὶ καὶ κετοῦ τῆς αἰετοῦ βέλτερος μαγνη καὶ ἀμεταλῆτος
 εἶχον· ἀπὸ τῆς ἀμετῆς τῆς πόλεως καὶ ὑπερορίας παρὰ τῆς μαγνητῶν· καὶ αὐρετῆς τῶν
 καὶ τῶν δὲ οὐσε βίω πρὶ ἀέχου.



ἀφ' ἑκράσας ὁ ἀκούων τὴν φωνήν
ἀπορίττει τὸ πνεῦμα καὶ αἰσθάνεται



ὁ ὡρί πύθε τοῦ ταῦτα ἡ ἀσπὲς ἡ σάπυς | μα. ζήλω φείδι κ' πυρρὰ φείσα. τὸ αὐτοῦ ἀπορῖσαι
 προσέταξε ῥοφθαλμοῖς. ἀλλὰ τοῦτο μὲν οὐκ ἐμνήστο μετὰ τὰς ἀπὸ τῆς ἐπὶ τῆς δεικνύου
 κῶν. δορυφόρος δὲ κ' πείμῃ σα. ματ' ἔλκ' αὐτοῦ κατὰ κίσατο λείρων ἀλάστοι.
 ἡ ματ' ζήτησεν ἡ δ' ὡρί πύθε τοῦ ταῦτα



Ην δὲ καὶ τοῦτον ἡ ἐκκλησία αὐτὴ καὶ πάντων προκαθήμενῶν τῆς ἐκκλησίας
 ῥίση κατὰ μέτρον ἡλικίας· αὐτὰ μὲν οὐδὲν δὲ καὶ χροντικῆς ἡλικίας· ἐκ μὲν τῶν καλλι-
 κσορ μαρτύρων σερμῶν καὶ ἡλικίας· ὡς περὶ τὴν δὲ ἀκοῦντα ἐκκλησίαν ἐφελῶντα
 εἶναι· ἡ γὰρ μερὶς αὐτῆς ἐν ταῖς κατὰ μικρὸν μερὶς ἀνέσσει· τῆ τε τοῦ ἐκ-
 κομῶν καὶ ῥίσεως ἰσχυρῶς προσπετικόντα· καὶ γὰρ τῆς αὐτῆς προσφύχοντα καὶ ἐκκα-
 λῶν τῆς αὐτῆς ἀβίου πατρὸς· ἀφαιρόντων τε ἀπὸ τῆς αὐτῆς πρὸς τὸν θεοφίλου με-
 χήλ τῶν πατρῶν· εἴτε τῶν κοινῶν ἐκ τῆς αὐτῆς αἰρέσεως· εἴτε καὶ τῶν ὁμοτιμῶν
 κτῆσιν αὐτῶν· τοῦ τῆς αὐτῆς διδασκάλου γὰρ ὅτι· καὶ ἐπεὶ οὗτος τῶν

τῆς βασίλειος κατέσχευεν αὐτὴν. συνέλαβον μὲν πρῶτον τοῦτον τῆμα· εἰς τὴν πόλιν καὶ πρὶ
ἀρχὴν καθίστησι κῶνσταντίνου πόλεως· προγνώσεισθαι δὲ ἀλεκαγοματείας καὶ τῶν
τείας αὐτῶν ἀπαγγέλλοντα. Κατεπράχθη δὲ ποτε τῇ ῥωμαίων ἐθνοσάποσι καὶ κλη
ροῖ. ἡ φησὶ μετὰ τρισὶν ἡμέραις· καὶ ὡς εἰκόσῃ τούτῳ τοῦ θεοφίλου ἀντιωμένου.
ἀποτέσται τὴν αὐτὴν ἀπὸ ἰακώβου παρεκάμε. Καὶ τὰς οὖν πᾶσι ῥωμαίων εἰγεμένον τῆς αὐτοῦ
συμβουλῆς περὶ τῆς αὐτοῦ. ἡ δὲ συμβουλὴ ἦν τοιαύτη· ἐμτοίσεσθαι τὸν ἀρίστον ἢ πῆλκ
ἰσχυμένους χαλκοῖς ἀμφόδοις. Καὶ τὰς ἀμφόδοις ἰσχυμένους ἀεὶ γὰρ τρισὶν αὐτῶν μερὸς κεφα
λαῖς· προπατὴρ τοῦ ἰακώβου ἰσχυμένους σφύρας χαλκευθῆναι ταῖς κεφαλαῖς· ἀν
δράσθαι τε ταύτας ἀρεῖαι ἀνὰ κατὰ χεῖρα γενναίους. Κατὰ τὴν δὲ τεταμένην ὥραν κτε
ρὶν ἡν ἀμαυτῶν γενέσθαι πρὸς τὸν εἰρημέμον ἀνδράντα. Καὶ ἡνὶ κατόυτοις κελάσειε.
παίειν ἢ ἰσχυρῶς ταῖς ἀφάροις τὰς κεφαλὰς. μετὰ τὴν κατενεχθεῖεν εἰς τὴν αὐτὴν ὁδὸν
τὸ σκρόισμα τοῦ καὶ πᾶσι γενοῖσθαι. ἡ δὲ εἰσοὶς τοῖς λόγιστοισι βασίλειος. οὕτως γενέσθαι πρὸς
σεπάζει. Καὶ γενομένων ἐκείσε τῶν ἀνδρῶν ἀμαυτῶν ἰσχυρῶν κτερῶν. ἡν δὲ ἰ
ακώβου μετὰ λαὸν τοῦ σχήματος. ἵνα μὴ κατὰ χεῖρας γένηται. τὸ ἰσχυρὸν χεῖρας τοῦ λαοῦ
τοῦ πᾶσι γενοῖσθαι. καὶ τὴν ἐν ὁδῷ ἀμαυτῶν κτερῶν τοῦ πᾶσι γενοῖσθαι τὸν ἀνδράντα ἀφελόμενος.
παίειν τὸ ἰσχυρὸν ἀνδρῶν ἐκελευσε μετὰ τὸ καὶ ἰσχυρῶς.

χαλκοῖς ἀμφόδοις ἰσχυμένους



ὁ ἰακώβος κτερῶν τῶν
ἀνδρῶν παίειν γενναίους
τοῖς πᾶσι γενοῖσθαι



Καὶ οἱ μὲν δ' ἰσχυροτάτοις χρυσάμενοι τὰς καταφοραῖς. τὰς δ' ἰσχυροτάτοις ἀνδρὶ ἀντοσάσπερ κορυφὰ κεφαλῶν.
 ὁ τρίτος δὲ· μολακωτέρῃ ποίησεν τὴν πλὴν. μακρόν μιν κατέκλιθεν, οὐ μὴν καὶ ὀλίγα πρὸς
 μετὴν κεφαλῆν. οἱ δὲ παραπληροῦσιν. καὶ τὰ κατὰ τὴν γένεσιν τοῦ ἔθνους πρὸς Κολούθησε
 γαστρὶ γὰρ πρὸς κραταίῃσιν ἐπὶ σὺν τῷ γένει. ταῦτα δὲ καὶ μὴν σέμφωλίου ἐπακολου
 θήσασιν. οἱ δ' ἰσχυροτάτοις γένεσιν. ἐπὶ πλὴν δὲ καὶ ὁ τρίτος. οὐ μὴν γὰρ καὶ ἰσχυροτάτοις.
 σὺν δ' ἰσχυροτάτοις γένεσιν. καὶ οὗτος τὸ ἔθνος ἡδερμικός. οἱ καδὲ ἀπεροθήσε. καὶ τὰ μὲν
 τῆς γένεσιν οὗτος. τῷ γένει τούτῳ. ἀδελφὸς ἡδερμικός. ὁνοματῶν ἀνδρὶ ἀρσάβη.
 τὴν τῶν ἀνδρῶν κίλιν. τούτῳ προαίεον ἡ κατὰ τὸν ὕμνον μὲν τὸν γένου. ἡ γὰρ τῆς
 μὴν τῶν ἀνδρῶν φῶκα. οἱ κοδομαῖς ἔχον πολυτελείς. γαστρὶ καὶ μαρμαίῃ. καὶ ἀλ
 τρὶ βασιλῆας ἐπὶ τερπείοις. ἐκείσε δὲ ὁ γένος. συχρὰς ποίησιν τὰς καταφορὰς. ὑπογαιῶν
 καὶ σκευάσας ἐν αἰτήμα. καὶ τῷ τροφορίου παρόμοιον. ὅπως ἐν πυλίδας ἀνιμουργήσας.
 εἰσεὶ τὸν ἑλόντας παραπλήμπτων. τὸν μολομένοισιν ἐδέχτο ἐν ἐκείνῳ τῷ πομπρῶν ἐρῶ
 φηρίῳ. μὴ μὲν ἐταμμένοντο. φαρμακίον πολὺ μεναι μολοβοισαί τε καὶ ἀλλοσγισαί τε.
 τὸ καλὸς ἀπρεπείσ. αἰσιν ἐφθέρητο. μὴ δὲ. ἡ παρὸς κοπείαι καὶ λεκαρομαρτεῖαι
 καὶ ἰσχυροτάτοις καὶ μεκυομαρτεῖαι ἐν γένει. ἀλὼν πολλὰ μὲν σινερμαίδαι μόνον. τὴν αὐτῶν
 μελὸν πρὸς ἑλάν. ἀλλὰ τούτου τοκτῆμα. ἐλθὼν ἡδερμικός τὸ παρακοιμώμενον. εἰς
 ἑδὰς κατεγράφ. καὶ εἰς μὴν κατεσκαάθη ἐπὶ ὀνόματος φῶκα τοῦ μολοβοισαί τε καὶ ἀλλοσγισαί τε.
Καὶ οἱ μὲν δ' ἰσχυροτάτοις γένεσιν. οὗτος καὶ οἱ τούτου μετὰ τοῖς κατὰ τὴν πλὴν. οὐδ' οὐτὶς σινερ
 ἡ γένος. ἀλλὰ κατὰ τὴν ἡδερμικήν ἐν γένει. καὶ πομπρὰ κατὰ τὴν ἡδερμικήν ἐν γένει
 λέπτων. συκοφάντια γὰρ ἀνιμουργήσας κατὰ τὸν μολοβοισαί τε καὶ ἀλλοσγισαί τε.
 τὸν ἡδερμικήν. καὶ οὐτὶς τὸν ἡδερμικήν ἐν γένει. ἡδερμικήν γὰρ ἀνιμουργήσας.
 πομπρὰ γὰρ ἀνιμουργήσας. καὶ ὑποσχέσιν. εἰ μὲν τούτοις σινερμαίδαι. μὴ τὸ
 γένος ἡδερμικήν τῶν μολοβοισαί τε καὶ ἀλλοσγισαί τε. προεδράσας τὸν. πείθοισιν κατεπείν
 τὸν ἡδερμικήν τῶν μολοβοισαί τε καὶ ἀλλοσγισαί τε. ὅπως ἐν αὐτῇ πρὸς τὴν πλὴν.
 οἱ τὸν ἡδερμικήν τῶν μολοβοισαί τε καὶ ἀλλοσγισαί τε.



Ρήμα γὰρ ἡ ψὺς φρίκησεν ἐκ πολλῶν καὶ ἱερῶν ἀνδρῶν συκροτούμενον· παρήσαντο ἄστε βεῖς
κατηφείας καὶ λυπῶντες πληρωμένοι· οὐ καὶ παρήσαντο ἄστε βεῖς· μὴ μὲν ἐκ τῆς πρῶτης τοῦ τυ
χόντα προστεβήσεται τὸ μὲν ὁρῶν ἐκκλησίᾳ οἱόμενοι·

λ' χ' ὁ ἄστυ με ὁ ἄστυ με ὁ ἄστυ με

ἡ σὺν ἁρ' ἡ σὺν ἁρ' ἡ σὺν ἁρ'



Παρήσαντο συκοφανταί με γὰρ φρονόωτες· καὶ γὰρ πληρωμένοι· ὡς τὸ χατὴς κατηγορίας προχέρον
χρῆσις τὸν ἐλάχον· παρήσαντο μετὰ τὸν γάμον· καὶ ἄλλοι δὲ τὸς ἐκείνου μετὰ τὸν γάμον
ἐσκήντησαν παρ' οὐκ ἰδὲ κατὰ· καὶ τὴν ἀλλὰ πλεονόμα μὲν ὁρῶν ἐκκλησίᾳ οἱόμενοι· εἰ δὲ ἐν ὁσὶ ἀνδρῶν
ῥάσει τὸ τὴν ὁρῶν ἐκκλησίᾳ πλεονόμα· γέλωσεν γὰρ ἐκ τῶν ἀνδρῶν τῶν
ἐκδομένων ὁ ἱερὸς μετὰ τὸν γάμον· καὶ τὸς μετὰ τὸν γάμον ἐκδομένων μετὰ τὸν γάμον
δᾶσε βεῖς ἀπαλλάττει τὴν κατεχρίσθη βαρυνθῆναι· καὶ τὴν ἐκκλησίᾳ ἐκείνου γὰρ ἐκδομένων
μὲν τὸς· μὴ δὲ τὸν ὁρῶν ἐκκλησίᾳ πλεονόμα· ἀποσεσάμενος τὴν ἀμαρτωλὴν· ἐπὶ τῇ πᾶσι τῶν
θεωμένων· ἀπογυμνοὶ τὰ αἰδοῖα· ὅπως στήλη καὶ αἰδοῖα ὁρῶν ἐκδομένων· καὶ ἐφάνη τοῖς πα
σι ταῦτα μεμαρσμένα ἀπὸ τῆς ὁρῶν ἐκκλησίᾳ πλεονόμα·

ὁ πρὶν μετὰ τὸν γάμον ἀπομαρτ
τοῖς παρ' οὐκ ἰδὲ κατὰ τὴν ὁρῶν ἐκκλησίᾳ πλεονόμα



Αισχύνεται τὸ πρᾶγμα τοῦ χαίρει κακοῦ ἐν ἐκκλησίᾳ· καὶ τὸς συκοφανταί ἀφροσύνης δὲ τὴν πλεονόμα

καὶ θυμὸς εἶας τὸ ὠδύμε· καὶ προσμάχοντες αὐτῷ μετ' ὑπερβαλλούσης πρὸς χαρείας.
 κατὰ βοήθη· περιεπαλέκοντα· οὐκ εἶχον ὅπως τὸ πλῆθει χρηστοὶ τῆς χάριος·
 οἱ πρὸς αὐτὸν μετὰ τὴν ἀρετὴν· αὐτὸν αὖτις βοήθου.



Καὶ τὸς τῶν γνησίω τέρω προσελθόν· ἡρέμα ἐπὶ ῥῶτα τὸν πρὶ ἀρχὴν· τὸν πρόποκα μαλὲν ἔθε-
 λον τοῦ μαρτυροῦ τοῦ μορίων· ἀναλαμπὸν δὲ οὗτος· ἀνέγειτο ἀποφθῆναι καὶ ὁ ἀρχὸς·
 ὅτι περὶ ῥῶτα μετ' αὐτοῦ πρὸς τὸν πάπα· ἀτάσιν κηφόρου τοῦ ἀγίου πατρὸς πρὶ ἀρ-
 χου ἀνὰ τῆς παλαιᾶς· καὶ ἐκεῖσε ἀνέκλιν· ἡν καὶ ἡγήθη ὑπὸ τοῦ φιλοσάρκου δαίμονος·
 ὅσον κενέλα περὶ κτερ καὶ μετ' ἡμέρας χαλίζον· καὶ μετ' ἐξ ὧσιν ἀποκρίσας ἀπακι-
 νῶν ἔρωτας· ἀναφλάρμενος δὲ τῷ πάπῃ· ὡς ἡδὴ καὶ ἡ πόσις ἔγνω· πῶς ῥῶ-
 τὰ ἀποστόλων κορυφαῖα ἀνέθηκα ἐμῶν· καὶ τοῦτον ὁ δὲ ἀπαρῶν αἰσπαλλόμενος
 μετ' ὧσιν ἀποκρίσας τῷ πάπῃ ὅτι ἐξέωσ· καὶ τὸν κηφόρον ταυρὸν· ἀλλὰ σάτι τὸν δὲ ἀρχὸν
 ῥίπτειν αἰδοῦν· καὶ κατὰ πρῶτον· ἐπειπὸν ταῦτο ἵππῳ μὴ ποῖναι τὴν φιλήδονον
 ὁ δὲ πρὸς αὐτὸν· ἀνέγειτο δὲ μετὰ σφοδρᾶς ἀλγίδος· ἀνέθηκ' ἔχον ὡς ἑταῖρος
 ταῦτα τοῦ πρὶ ἀρχὸν ἐπὶ πόσι· ὁ καὶ ἀνασχέτο ἡμῶν ἡλρομίσας τὸ τυράννα· ἔγνω
 ὅτι ἔλασεν ὁ δὲ ἡμῶν τὸ γέναιον· ἐφ' ᾧ ἀποκρίσας τὴν μηχαμορὰν· εἰφὸς πέσιν
 ἀλλ' ὅς τούτῳ ἐπαμετεῖνε το· καὶ ῥαυδοῖ ἐκομίζοντο ἡ κατὰ μέναι· καὶ οἱ δὲ με-
 οὐ παρ' εἰρήκεισαν ἄλλοι περὶ σ·

οἱ φίλοι αὐτοῦ μετὰ τὸν αὐτὸν τὸν ἀρσενά μὲν αὐτὸν



τὸ γινῆαι τὸ ^{καὶ} τὸν πρὶν μετὰ τὸν νεκρὸν εἶναι πρὸν. ἔχοντες.



Οὗτος ἐκ δειματοφείσαντος ἰσχυροστίτησι νέκυστον τὴν ἀλήθειαν. τὴν μηχανὴν ὁπωσὲρ
 ῥάφει. τὴν αἰσάντην ἡμῶν πατήν. ἀλάστε τὴν δόσεως τοῦ χρυσοῦ καὶ τῶν πολλῶν ὑποσχέ-
 σων. τὰ πράξαντα πρόσωπα. καὶ τὴν ὀλὴν σκευωρίαν τοῦ δράματος. προσετίθει δὲ
 τὴ καὶ εἰς ἀπελθοῖσι εἰς τὴν ταύτην οἰκίαν. ἀρήσει τὸ χρυσὸν ἐν μαχαίρῳ. ἐν τῇ λιμοτεΐῳ
 σίτου πεπληρωμένον. ἀφῆκε ἀπαρτίζοντες τὴν δροφύον. καὶ τὸ χρυσὸν ἔχον.
 καὶ ἔλχθη τὸ δράμα τούτου. καὶ κἀν οἱ σκευωρίαι ταῖς προσηκούσαις ποίμας
 παρεπέμφθησαν. εἰ μὴ ἀνδὲρ κακὸς ὁπρὶ ἀρχισάφειν τούτοις τὸ ἄκλημα ὅθεν τῆσαντο.
 τὸ νοικεῖον δὲ ἀπὸ τῆς μαμου μένος. τούτου μόνον εἰς ἐκ τῶν λαμπρῶν καὶ τιμωρίαν. τὸ
 ἀναπαύσας κατὰ τὴν τῆς ὀρθοδοξίας πατήν. μετὰ λαμπρῶν αὐτῶν τὸν ἐν βλάδην
 τῆς πανόχρας του ναυ. πρὸς τὸν θεῖον τῆς χάριτος σοφίας ἀφικνεῖται μεῶν. καὶ τὸ οἰκείοις
 ἐν ἡχεῖται αὐτοῖς αὐτῶν ἀνάεμα. ὁ καὶ μετὰ τῆς αὐτῶν μετὰ μεύθησαν. καὶ ἡ
 μεν τῶν κείνων μαχυνάρεσις. τοιούτου νέσχε τὸν τρόπον τῆς κατὰ μέσεως. ἡ δὲ τῶν ὀρθο-
 δοξῶν ἐκκλησία. τὸ νοικεῖον ἀπέλαβε κόσμον. τὴν τῶν σεπτῶν εἰκότων ἀναστῆσαι.
Παύτην τῆς ὀρθοδοξίας τὴν νεορτὴν ἡγῶσα ποτε ἡ μακαρίτης κασιλάτα. τὸ πλῆρωμα ἡγῶν τῆς
 κησίας εἰς τὰ ἐν τῇ τοποθεσίᾳ τῶν καρπῶν ἀφῆκε. ἡρῶν τὸ τοῖς ἀγατοῖς. καὶ
 θεοφάνης. καὶ οὗτον οὐ μὴ μετὰ θεοδωροσ. οἱ γράπτοι. τῆς ἀσυχίας δὲ παρακμα-
 ζούσης καὶ τῶν τραχημάτων. πλάκων τῶν δὲ λαδὶ καὶ πεμμάτων παρατίθει μέμον. σωζώσ
 ἡ κασιλάτα εἰς τὰ τῶν πρῶτον ἀτερίζουσα πρόσωπα. καὶ τὰ ἐν ἀγίῳ μέναι τοῖς προσώποις
 αὐτῶν κατὰ μαθημάτων γραμμάτα. σεμνὸς ἡ φείει καὶ δάκρυα.



ἡμεῖς ἰδοὺ ἀπερί-
 ζήτητον ὡς ὅτι
 ἰδοὺ ἡμεῖς ἰδοὺ ἡμεῖς

Εἰσδὲ τῶν πρῶν καταφύρασαι τοῦτο· τὴν αἰτίαν ἥρετο τῆς ἐ|σαυτοῦ συχνῆς ἀτερίσεως· τῆς δ' ἔ-
 ἴει πρὸς σὲ· τὴν καρτερίαν ὑμῶν φανμάθω· ὅπως ἀχολαφθῆναι τοῖς προσώποις ὑμῶν τοσαύ-
 τα ὑπεμείνατε γράμματα· ταλαίρῃς δ' ἐκαὶ τὴν τοῦ δράσαστο εἰς ὑμᾶς ἀπὸ κείνου· ὑπο-
 λαμβάνομας καρίτης θεοφάνης· ὑπὲρ ταύτης ὡς ἀπο|νατὴς γραφῆς ἠέ|περ· ἐν τῷ τοῦ θυ|αδὲ καί τω
 βήματι· εἰ καὶ σὺ μετασὺ τοῦ ἀνδρίσου καὶ παύλῃ· ἐπλήγη σὺ τὸ νόμον τὴν καρδίαν ἡδ' ἀπο-
 μα· καὶ μετὰ δακρύων ἐφῆσε πρὸς τὸν ἀνδρα· καὶ αὐτὴ ἀγῆν ἡ ὑπόσχες ὑμῶν καὶ αὐτὴ εἰ|εγγρά-
 φων ὁμολογῆαι· ὡς μὴ μόνον συγκεχωρηκέναι· ἀλλὰ καὶ προσάφρονε μάχεσθαι τε καὶ καλεῖν·
 ἀναλαμβάνεμενος ἀεὶ ταύτην ὡς ἀρχὴν καὶ ὅλοι πρὸς τὸν νόμον ἀρχερέων θεομῶς· καὶ τὸ πολὺ τῆς
 λύπης ἐπικουφίζοντες· ἀναστάντες αὐτῶς· ἐφῆσαν· αὐτὴ μὲν ἡμεῖς δ' αὖτε ὡς ἀπο|λάσσει ὁμο-
 λογῆαι τε καὶ σωθῆναι· ἀδ' ἀπαυτοῖ καὶ ἀμετακίνητοι· τὸν τοῦ δ' ἐκ τῆς ὀλ|γορίας ἐσθ' αἰρεῖν
 καὶ ὅ· οὐτοὶ μὲν κατεπράνθη τὴν δ' ἀπορίαν τὸ ἀλγος· ἀνεφύνη δ' ἐπὶ τῇ καὶ ταῖς
 ρεσί· ἡ τῶν ζιλικῶν λεγομένη· ἡ τῶν ἀματῶ ἀρχὴ γὰρ ζιλικῶν τοῦ νομα· ἐν τοῖς αὐτοῖς κρίταις
 τε λῶνται· ἀπὸ σῆς καὶ ἀερρύνκεν· αὐτὸν τε καὶ τὸν ἐπὶ μενῶν αὐτῶν μετερχθέντων ἐπὶ
 θεοπέβειαν· καὶ τὸ θεῖον μύρω χρυσεύον τε καὶ περὶ σφαιρίων· καὶ τὰ μὲν κατὰ πᾶν
 ἐφέρει τὴν δ' ἐ-
 βοήρῃς δ' ἐπὶ τὸν μουλγάρων ἀρχηγῶς· γυναικαὶ ἀρχε|ν ῥωμαίων
 ἀκκοῦσιν μετὰ παιδὸς αὐτοῦ· εἰς δ' ἀρσὸς ἥρετο· ὅθεν καὶ τὴν ἀσά|τῃ ὡς ἀπὸ γέ|λε πρ
 τὴν βασίλιν· ἀπὸ λῶν λύνειν τὰς σωθῆναι· καὶ εἰς κολὴν ποιεῖσθαι κατὰ ῥωμαίων·

3ο παρ/ρ: αρχικου ληνου πασιλιθογ

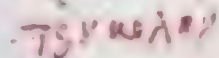


καταπλίσθη δὲ δαυὶς
τὴν ἀπὸ τοῦ κορορίτσι πρὸς τὸν

κατωμόμασιν· βεβύκορ μύμεροι· και πύτης μελπηνοσ αμνρασ μμ γνόμενοι αμνρι· και α
 λειμ πύτης τας σου· ο κελητοναφειδωσ την ρομασιν καταχροντες και πημαι νόμμοι γν
 αλλο μεν αλειμ εντην κωνσταντινουπολιν· μετα του οκειου γρατον απεληφεν· τον βιον κατρε
 ψεσιν πατην αυτου γραπυματι· και ο αμνρδε· προς εμφύλορ εμπεσιν ησιν· του σπαρ
 χοντος αυτου ε παρασάμτος· ο τμσληρ ουδου τοσελεετο· προς τοις οκειοις ειχε τον νομω και
 ετεροις πολεμειν ουκ ην καιρε· μεχρσ αντη παμον καταχρονισα μερος· αδειασε ετιχε
 τοτε γαρ εκ κωνσταντινουπολιν· και ο λαος ουκ ειδοσ ηρεμειν· τω καρμεατε ηρωτο· και κα
 τυρωμασιν εξεσπαρσεν· αντη γρατα εδε κατω πύτης βασιλιδος αδελφουσ· ηρω
 μωσ· την τουδωμεστικου τουσολων αρχηγικων· λογιμεν τω προς τουδω αδελφου βα
 δα προσηκουσιν· ερχωδε· παρ αυτου αλοκου μενιν· τομν εκεινον σολαζειν· αλλα πριτην
 απροπην του βασιλεωσ προσεχεν τον νομω· ουτος τον νομω περωμασ· γρατη γοσ τηχα
 μωσ των θρακισιν· αντη παραταττεται κατω αμνρ και του καρμεα· οπωσδε σπεσθακει
 οια εδρασε· κατω τον οκειον τοπονη· ησολαδην λωσει· ο βασιλεωδε μω χαλκιδω
 ην παιδικην παραμειψας· και τησ ανδρ κησ απομενος ηλκισ· ημειρετο των πραγματος· εαυτη
 αυτεχεσθαι· παραδηρμενος εισ τουτο· και παρ αυτου προπου και θειον· μαρδα του τησ βασιλιδ
 αδελφου· ουτος γαρ ερωτα περ και τησ βασιλειασε σκληρος· ουδε μαλχοε παραματενετο· αλ
 λη τα προς τοσπουδαζομενον συμβαλλομενα· αλλη ημωσδε φερον τον λογον τοσδε λογιτησ
 μεν· πορρωτερω τουτον ησμεν· εμεν τοδ ημωσ ανηλ προς τον λογον τησ θεοκτισου
 και αυτοις ανηλ προς τοσδε τον βασιλεωσ· και εισ τα ανακτοραδων αυτω μενοισ· αλφορα πησ ηκατο
 στωσεωσ εκληματι· απεκαμε τον μαμονηλ· οπερ ουτος ενλαμνόμενος· δεδιωσδε και τον φθονον·
 ων ηνδε ενεξωσ τουσ πασιον γερεσθαι και τωρνε χωραποσ ηναι ομωλωμ τε και διοικησεων·
 κατεστωσ ανηλ εισ τον οκειον αυτου ηδρυμενον κατα την κησ ην αντην ρασπορον· ορ και εισ σεμνείου το
 πορ ηπερον μεπεσκέυασιν· και τον ρωσ εκεισε κατεθετο· εκειθενε κατωσ αφικνουμνος κοινω
 νοσ εμεν το των διοικησεων· αποσασαμενος δε ο μαρδας τον μαμονηλ ουδ εαυτου· αλλα
 αλω του θεοκτισου· απωδε και ρουδ βαζαμενος· ανησαι τοσπουδαζομενον· εμπωδονδε
 χεν τον θεοκτισον εικοτωσ οιομενος· εσπαδε και αυτον πολησασθαι εκ ποδων· τον παλιν οδ
 τησ ανηλ ζενωσ τωσ πεχωσ· αλητην προς την οκειαν ημνρ λαδρου αμωμ λιαμ· οδε προ
 σποσ ην ορ χερσενωσ ειληφε τοιαντην αρχην· απηρ χετωσ βασιλει μω χαλκιδωσ
 εφωσ τοσδε και πορρωσ· τουτον ανωσ περστωσ βασιλκωσ ελωματ αναγειν ηξ του ομωσ

34

ὁ δὲ Κλήτων καμνοχάμειον ὡσεὶ ἐπὶ τὸν βραχὺ (πάντων ἐδὲ Κελύφας)
 τὸν κελεύει



Καὶ ὁ μεν θεοκτίστης ἀνέρεθ' αὐτὸν τοῦτον τρόπον· τὴν δὲ ἀπαίρεσιν τοῦ αὐτοῦ μερὸς ὁ μαρὸν ἔλ. α.
 τίς ἔκε· πρὸς τὰ βασιλεῖα· καὶ ὡς περὲν θουσιὰς εἰπεῖν ἔλγεται πρὸς τὸν βασιλῆα· εἴφασκε
 μὴ ὥσας εἰς θεοκτίστην φόρον· ὅτι λίζεσθαι τὸν εἰσπράξας καθ' ἡμέραν· μετὰ δὲ τὴν τοῦ θεοκτί
 στου σφαμὴν ἀφ' ὧν τὴν τοῦ κανι κλείου τιμὴν εἰσέαυτὸν ἀνελάμβανεν· ἡμισυ γὰρ δὲ θεοδο
 ρα· ὡς καὶ το πῶν πεπραγμένων· ληστὶ κομῶστέ ἐστι· καὶ ὁ δὲ μαρὸν πληρὸν τὰ βασιλεῖα· ἀμ
 φοτέρω τε τὸν τε αὐτὸν καὶ τὸν ἀδελφόν· λήγιστον ἐλπίσιν καὶ ἀραῶν ὑπεβαλλε· καὶ τοῦτον
 θάνατον ὑποσχέιν· κατηράτο· ἡμισυ γὰρ δὲ θεοδορ
 α· καὶ ὁ δὲ μαρὸν πληρὸν τὰ βασιλεῖα· ἀμ
 φοτέρω τε τὸν τε αὐτὸν καὶ τὸν ἀδελφόν· λήγιστον ἐλπίσιν καὶ ἀραῶν ὑπεβαλλε· καὶ τοῦτον
 θάνατον ὑποσχέιν· κατηράτο· ἡμισυ γὰρ δὲ θεοδορ



ὁ δὲ τὸ ὑποκείμενον ταύτης ἐμφέρει· αἱμαδὲ καὶ βάρος τῶν κατασκοπῶν ἔχοντος.
 ἄρσενος καὶ ταύτης ποικίλαται ἐκ ποδῶν· καὶ λοιπὸν αἰεὶ καὶ ἀνεμῶς αἴθρῃ τοδο
 κοῖται ἀπράττεσθαι· ὅπερ ἐκείνη καταφωράσασα· καὶ γὰρ ἡ γῆ δεῖν καὶ τοχάσασθαι διωσθαι
 αὐτὴν πρᾶττειν μὲν, οὐκ αὖθις δεῖν· φόρον καὶ χρεῖσθαι μόντην ἐκφάσσασα· τὸν δὲ μα
 ποκείμενον τοῖς ἀνακτόροις πλοῦτον· ἔκρινε τὴν συγχήτην ποικίλαται φανερῶν· τοῦτε

· τὸν τὴν ἀκρατὴν παρὴν κωλύουσα· καὶ τὴν ἡλίου κορομίαν κινύουσα· τὴν σὺν ἡλ
τορ οὐρανὸν κλησάσα· καὶ εἰσάγει κορυμνά· τοῖόν τοι ἄπεδοτο λόγιον·



ἡ σὺν ἡλ

ἡ βασιλεὺς τοῦ
ἐλπίου τοῦ
σὺν ἡλ

Χίλα μεν ἄνθρωποι προσεβόησαν ἐν κορυμνῇ· τὸν βασιλὸν καὶ τὸν μέγαν ἡγεμόνα ποικίλινται κεντηνά
ρια· ἀργυρίου δὲ αὐτοῖς τριῶν χιλιάδων· αὐτὰ μὲν ὁ εὐμὸς αὐτῷ ἐπὶ πορίσας· τὰ δὲ αὐτῇ
μετὰ τὸν ἐκείνου συγγενῶν αὐτῶν· ἄλλοι τε πάλαι τοσπολὶς καὶ ποικίλος· αὐτῶν
τοδὲ τὸν τοῦ ἐκ ποικίλου μὲν· ἦν εἰ μετὰ τὴν ἐκ ποικίλου ἀνακτορὸν καλοδοῦν· ὁ εὐμὸς ἡ
γελῶντος καὶ ἡ μετὰ τοῦ βασιλῆος· ὁ δὲ ἐνδεὴς καταλέλοιπα κατελθούσας βασιλεῖα ποικί
λου· καὶ ἄλλοις πηγύονται· καὶ ἄλλα φέρουσα· τὸν τὸν βασιλὸν καὶ τὸν μέγαν ἡγεμόνα
μεῖας παρίγει· καὶ σὺν καταμένοντα εἰς ἡμέραν τὰ λεγόμενα· καὶ ἡ μετὰ βασιλῆος
αὐτοῦ ἐνδεὴς τὴν σὺν κλήτῃ· καὶ πᾶσι ἡμερτέα καὶ τοῖς κησὶ ἀποτοξάμεν· εἰς τοῦ πα
λατίου· ὁ δὲ τὸν βασιλὸν καὶ τὸν μέγαν ἡγεμόνα τοσπολὶς καὶ ποικίλος· εἰς τοῦδε μὲν ἡγεμόνα
περὶ τὴν τὴν ἀπονοίαν τοῦ μὲν χαλῶν· τὰς γὰρ τὴν ἡγεμόνα μὲν χαλῶν εἰς τὴν ἡγεμόνα
λομέρος· καὶ ἡ ἡγεμόνα τοσπολὶς καὶ ποικίλος· τὸν τὸν βασιλὸν καὶ τὸν μέγαν ἡγεμόνα
σὺν ἡγεμόνα καὶ σὺν ἡγεμόνα· ἐκ τοῦ θεοῦ ἡγεμόνα τοῦ μερὸς τέκνα βασιλείας
τὸν βασιλὸν κατεκέμουσιν· ἐκ τὸν καὶ ὁ ποικίλος· καὶ τὸν ἡγεμόνα περὶ τὴν κορυμνῇ
τὸν καλέκασιν παρεχόμενος λίτρας· καὶ ποικίλος ἡγεμόνα τοῦ ποικίλου ἡγεμόνα· ἡγεμό
νοῦν τοσπολὶς καλεῖτο· αὐτὴν τὸν ποικίλου κατὰ τὴν φρασίν οὐτε καμύμερος ἡγεμόνα
κολακεία μὲν ἡγεμόνα· τὸν ἡγεμόνα τοῦ ἡγεμόνα· καὶ τὸν ἡγεμόνα τοῦ ἡγεμόνα
καὶ τὸν ἡγεμόνα καὶ τὸν ἡγεμόνα· αὐτὸν τὸν ἡγεμόνα καὶ τὸν ἡγεμόνα· καὶ τὸν ἡγεμόνα
καὶ τὸν ἡγεμόνα· αὐτὸν τὸν ἡγεμόνα καὶ τὸν ἡγεμόνα· καὶ τὸν ἡγεμόνα καὶ τὸν ἡγεμόνα



Καὶ χεῖρα δὲ τοῦ σιμωίου αὐτοῦ· τὸν γὰρ ἐκ τοῦ θεοῦ ἀπαδοξάμην βασιλείαν· χρυσοῦ λί-
τρας ἑδωκεν αὐτῷ ἑκατόν. οὕτω σέ κείνοσ' ἔσ' οὐδ' ἐνδεὸν τὰ δὲ νόμισα κατεδάψατε

Καὶ ἀνέλισκεν· ἐπεὶ δὲ ἐν τῷ σόλιγον· ταῖς τοιαύταις ἀνέμοις πρᾶξαι· τοῦ τοσούτου κατεδά-
ψατο καὶ πλοῦτον· ἤλπε δὲ ὅτι σὺ λαομὶς τῶν βασιλικῶν δωρεῶν καί ποτε· καὶ χρυσὸν
ποροῦσόν κ' ἔν· τὴν τε χρυσὴν ἐκείνην καὶ πολυφύλλην τὴν πλάτανον· καὶ τοσούτον χρυσόν
λέοντας· καὶ τοσούτον πρῦπασ χρυσόν καὶ αὐτὸς σφυρήλατοισόνας· καὶ τοσούτον χρυσόν
γὰρ· καὶ ἑτέρα ἔργα δὲ ὧν ἡρώμα ἠνέβαινε τοσούτην· ὅλκην ἔχοντα ἀλακοσίαν
κεντήναρ ἰσχυρὸν ἐλάττον· χυμῶσας· χαράσας δὲ ἔδοκεν ἐν τῶν βασιλικῶν ταμείων· πῶσα
πλησίως ἐποίησε καὶ ἐν τοσούτοις βασιλικαῖς· ὧν αἱ μὲν ἦσαν ὁλόχρυσαι· αἱ δὲ χρυσοῦσιν
τοῖς· δέδοκται τῷ εἰδίκῳ· ὥστε καὶ ταῦτας χυμῶσας· ὅλκην ἔχοντα δὲ χρυμυθῆναι· κα-
κείνοσ' ὅσ' ἄσπερον ἀνέγχο· καὶ βασιλεῖος τὴν ἀρχὴν ἀεδόξαστο· καὶ ταῦτα σὺν ἐκείνῳ
ἐκ τοσούτου αὐτοῦ τὸν μὲν ἐνδεὲς πᾶσι· ὅλκην χρυσοῦ μὲν κεντήναρ αὐτῶν· μὲν αὐτῶν
δὲ· σακκία ἐννέα· αἱ καὶ δὲ νόμισα ἑκάστης τῆς συλλήτου· ἀπὸ τοῦ ὅτι τὴν ἀπορίαν· καὶ τὴν
ποσὴν γὰρ ἐκ τῆς ἐνδεῖας αὐτοῦ καὶ νόμοις· χρεῖαν· ἐφ' ὅσ' ἔχοντα τὴν πᾶσιν ἰδοὶ· ἀποδοῦναι
ὅσ' ἔχοντα πρὸς τὸν ἐνδεῶν· ἄλλοι τὴν σφραγίδα τοσούτων· ἀλλὰ μὲν πρὸς τὴν ἐνδεῶν
ρίαν· ἀλλὰ δὲ καὶ τοσούτων· μὲν τὸν ἐνδεῶν τὴν σφραγίδα· ἐπεὶ ποτὲ ἐν τῶν αὐτῶν ἐκείνοσ' ὅσ' ἔχοντα
ποσὴν νόμισα καὶ ὅσ' ἔχοντα τὸν ἐνδεῶν· ποσὴν γὰρ ἐκ τῆς ἐνδεῖας· ὅσ' ἔχοντα τὴν ἐνδεῶν
φορεῖν αὐτῶν· ἐνδεῶν λόγῳ σὲ γινώσκουσιν· ἀπὸ κείνου· ἐνδεῶν τὴν ἐνδεῶν τὴν σφραγίδα·



Καὶ ἐν τῷ σόλιγον· τὸν γὰρ ἐκ τοῦ θεοῦ ἀπαδοξάμην βασιλείαν· χρυσοῦ λί-
τρας ἑδωκεν αὐτῷ ἑκατόν. οὕτω σέ κείνοσ' ἔσ' οὐδ' ἐνδεὸν τὰ δὲ νόμισα κατεδάψατε

δε μεθίγαται· ἡ δὲ τὸν νεκρὸν μετὰ ταῦτα βασιλεύσας ἡσυχίασεν· καὶ τὰς αὐτῆς θυγατέρας· προστότησεν·
 μάλιστα δὲ πέμψεν μαρτὴν ὁρῶντα αὐτὰς· ὁ γὰρ ἀκατονομάζετο· ἡ δὲ τὴν τοιαύτην βασι-
 λίδα· ἀρρεμεσμένην ἀδελφοὶ δὲ· ὅτε μετὰ γοῦν ὁσὺτος βάρδας· καὶ ὁ πῦρ ὡς ἀδελ-
 φαί τρεις· σοφία· μαρία· καὶ ἡ εἰρήνη· ὡς ἡ μεν σοφία· κωμῆται πῶς ἡ φθιτοῦ καὶ αὐτῆς·
 κωεῖς ματῆρος πελοῦνη· εἰρήνη δὲ· σερῶν πατρικίῳ· ἀδελφῶν γὰρ ὁρῶντα φῶντος τοῦ
 μετὰ ταῦτα εἰς τὸν τῆς ἀρχιεπισκοπῆς ἀδελφῶν τὸν θρόνον· καὶ ἡ μαρία· ἀρσενίου ματῆρος ἀνδρὶ
 γενναίῳ καὶ ἐν τοῖς τοῦ καιροῦ σὺν ἀπρεπῶν· αἰσθάνεται καὶ αὐτὰς ὁ φῶντος· καὶ ἀρετῆς
 ἐλάσσαι· προσάκρῳρει· καὶ ἡ μεν θεοδώρα θάνατον· τὴν γὰρ ἀνελὸν πέμψεν· ἡ δὲ πᾶσα
 δὲ τῶν παλαιῶν ἀνδρῶν κησὶ· εἰς τὸν θρόνον ἐκκυλίσαντος μαρτῆρος· ἀφ' ἧς ὁρῶντα ἀδελφῶν τὸν πατέρα τοῦ
 βασιλέως· ἐν τῇ καὶ τῇ τοῦ κουρουπαλάτου ἀμαλῶν ἐπὶ τῇ μητρί· ἀλλοιὶ τὰς αὐτῶν καὶ ἀρετῆς αὐτῆς αὐ-
 τοῦ ἀδελφῆς· ἐκ τῆς γυναικὸς βασιλεί· κατὰ τὴν εἰς μαλὶ τῶν ἐκ τῆς εὐσεβείας· καὶ τοῦτ'
 μελὶ τῆς ἀμαλῶν τὸν θάνατον· ἀρτῆς ἀνδρῶν πελοῦνη ἐξ ἀμελείας· ὡς δὲ οὐκ ἔστι τὸν νεκρὸν τῆς
 πέμψαντος· καὶ κατὰ τὰς μῶσας ἐχέοντο· πᾶσα δὲ τὰς αὐτῶν τῶν παλαιῶν ἀφ' ἧς
 δυνάμει τε βροίθῳ καὶ ἰσχύϊ· τῶν τῆς πελοῦνης πολιορκεῖν·



ἡ πόλις αὐτῆς ἐν τῇ σαράκηνων δελία· καὶ σὺν κλεικότῃ· μέγιστος αὐτοῦ· καὶ μετὰ τὸν
 ἐκ τῆς πόλεως τοῦ τείχους· τὸ γὰρ ἀδελφῶν τῆς βασιλικῆς δυνάμεως· ἀμελῶς καὶ ἀνυπακού-
 οῦσιν αὐτοῖς· κατὰ δὲ τὴν τῆς τῆς φεδρείας ἡμέρας· ἡ κυρία δὲ ἡ κατὰ τὴν τῆς τῆς

ρών· τῆς ἀσπίδος καὶ τοῦ θυρεοῦ τελευμένης· ἐν τῶν θείων μεταχείμελλον μετρίων· τὰς πύ-
 λας οἱ σαρακηνοὶ ἀπέτασαντες· καὶ μετ' ὧν ἐκπεπιδυκότες πάντες ἐπὶ τῆς σαρδηνιαί-
 οισ· οἷδε· τῶν δὲ κητῶν καταπλέοντες τῆς ὥτης· πρὸς φυγὴν ὤρμησαν ἐν τῇ καὶ μετρί-
 ῃ μολίσαντες ἵππων ἀφασ· ἐρριδόντες αἰσώτη· τῆς ἀποσκευῆς πάσης τοῦ μολέως
 καὶ τῶν γρατῶν· ληφθεὶς παρὰ τῶν πολεμίων· τούτων τῶν μαχητῶν ὁ δὲ ξηρὸν με-
 ρὸν καρβέα· μάχοντες ἀλλήλων ἀρτῶσαντες· καὶ καταμαχόντες· οὐ μόνον πολλοὺς τῶν ἀφάνων
 τῆς γρατῆς· ἀλλὰ καὶ ζοφίαν λαμόντος οὐκ ολίγους τῶν ἐπιφανῶν γρατῆς καὶ τουρμῶν τῶν
 ἐκαστοῦ κελεύουσιν· οὐνοὶ μέγαλοι αὐτῶν δύναντες· ἀπελύθησαν· μόνος δὲ σῶντος γρατῆς
 τῆς φυλακῆς ἀπέμεινε· χρόνων δὲ ἰσχυρὰ δρῶντων· πάλιν ὁ αὐτὸς γρατῆς πορόμενος
 οὐκ ἐλάττωσιν αἰσώτων· ἐκ κρατεὺς κατὰ ρωμαίων· ὁ μετρίων δὲ τὴν προτερὰν ἡττῶσαν
 καλέσασθαι βουλομενος· γρατῆς καὶ αὐτὸς σωμαχοχὺς ἐκ τῶν καὶ μακεδόνων περὶ τὰς
 τέσσαρας μυριάδας· ὅδε σὺ καὶ αὐτοῦ· ὅπερ πρὸς μένος ὁ αὐτὸς· καὶ ἀπὸ τῶν χωρίων δισχωρ-
 ῶν τῶν μετρίων δὲ τὴν πορείαν ποιήσας· καὶ αἰφνίδιος προσπεσὼν· ἐτρέψατο κατὰ κράτος τὸν
 βροχέα· καὶ πρὸς φυγὴν ἤνθα κατεπαύειν· μικροῦ δὲ ἰσχυρῶν καὶ ἡλωαὶ χιτῶνος· εἰ μὴ
 μακρὸν ὁδομέτης τῶν στρατῶν· τὴν δὲ ἀσπίδα ἀκόψατο αὐτὸν αἰσώσαντο· τῶν ἀλλῶν πάν-
 των ὁ ἀπὸ τῆς τύχης ἐκαστοῦ αἰσώσαντο· ἀπὸ τῶν μετρίων



ἄπερσεν πάλιν μετὰ τὸν πόλεμον τὸν τοιοῦτον ἡττῶντος· καὶ πάλιν ὁ αὐτὸς μετὰ τέσσαρας μυριάδας
 χιλιάδας ἐκ κρατεὺς· εἰς βοήνην ποιήσαντο κατὰ ρωμαίων· ὁ μὲν καὶ τὸν ἀρμενιάκον·
 ὁ μὲν δὲ καὶ τὴν προσημασμένην ἐκ πορτῶν καὶ δούμενος· ὅτι φασὶν αὐτὸν παραπληροῦς

εἰσὶ δὲ ἄνθρωποι ἀνυψώσαντες· μακροὺς γὰρ ἄνθρωποι σὺν ἡμῶν· ἀνὰ δὲ ἡμέρας· ἀπὸ δὲ
 τῆς αὐτῆς μάχης μένος· πάλιν δὲ ἀποτυχόν· καὶ τὸν τὸν ἡνελήσαν τὸν τρόπον· εἰς ἀμὴ
 χαίρειν ἐπέπαιε· ὡς δὲ πᾶσι τὴν ἀφ' ἑμῶν καὶ ἐκπιδόντας κατενόησε τὸ ὄρωμαίον· ἐκτε με
 σὺμβρίαν καὶ τὴν ἀρκτύων μερῶν· καὶ ἄρ' ἔκτα κατενόησε εἰς αὐτὸν· τὸ τε δὲ τὴν
 σὺν ἀπογόνῳ· ἐμπίπτει τοῖς κατὰ μέτωπον ἀδρόν μετὰ σφοδρὰς προσβολῆς· ἔντα καὶ καίρι
 ἀνὰ λ' ἡνελήσαν· αὐτὸς τε πῆψε· καὶ τὸν αὐτοῦ ἀσὺ ζεταῖον δὲ εἰς



Πρὸς μερὸς δὲ τὴν ἡττὰν τοῦτον ἔειπε προμνήμην ἀνὰ μένος ἀπὸ γαλέας τοῦ στρατοῦ· ἀπὸς προσμελ
 τὴν ἡνὰ πεδιδράσκεν· ἀλλὰ καὶ τὸν τοῦτον χαρταφῶν κλεισσοῦρα ἡνελήσαν κατὰ δὲ ὡς· χεῖρ
 ται μετὰ τοῦ στρατεύματος· καὶ πᾶσι γὰρ δὲ ὡς πετρωτὰ· ὅδε πετρωτὰς τοῖς τοῦτον κα
 τὰ τὸν ἀμερῆσαν τροπάον· τὴν βασιλίδαν ἀλαμβάνει· ἐπ' ἀμὲρος καὶ τὸν τὴν ἡνελήσαν
 προσηύδα τα μόνον· τὴν τε ἀρετὴν ἐκθεῖα ζωνάτων· καὶ πρὸς τὸν μαχητὰ καὶ μαρτυ
 τοῖς κείον ἀδελφόν· ὅδε νικῶν τὸν καὶ μαχητὰν



ἡλόπου· οὐτο παρὶσαντο· καὶ ἀεχαραῖον το σχήματα τριγωνα καὶ τετράγωνα· καὶ κανόνες
 μέτρον πρὸς τὴν τοῦ τοῦ χειρὸς· τὸ μέγεθος τοῦ σχήματος· τὸν δὲ φέρει τὴν κλήσιν· ἐ
 τὸ δὲ· τὸν δὲ διδάσκοντες· αἰτία δὲ καὶ λόγον καὶ τὸ δὲ ὅτι· ἀπεδίδωσαν οὐδ' αὖτε

οἱ τὸν γέννησαν ἀδελφοὶ τοῦ μαμῶν
 χαρὶς τὸν δὲ κύνον



Ω πὸν ἐώρα γινούμεν οὐτοῦτο ὁ μαμῶν· καὶ μάχ' οὐδ' ὡς ἐπὶ τῶν σχημάτων καταγρα
 φῇ· ἐπὶ πάντοτε λόγον οὐτοῦτο ὁ μαμῶν· καὶ πρὸς αὐτὸς τὸ δὲ ὅτι τὸ κράτος ἐχει· ὁ
 μέγιστος τὸν παρὶς ὁ μαμῶν· τὸν δὲ λόγος παρατρέχοντες· οὐδ' ἔτι γὰρ ἀδελφὰ
 τὰν ἐκδοκίτε· τὸ καὶ ὁ πρὸς αὐτὸν ὡς· τῶν δὲ· ἀπορροσάντων· καὶ τὸ αἰτία
 τούτων ἀκριβὲς καὶ διδάσκον παρακαλῶντων· ἐπεὶ δὲ ἐμνηνύοντα καὶ παφνήζον
 ταῦτα ἀριστον· ὡς τὸ δὲ μέγεθος· τὸ δὲ δὲ· ἀπὸ τὸ δὲ· τὴν εἰρημὴν κλήσιν· ἐ
 χειτε καὶ γραφὴν· καὶ αὐτὸν οὐδ' αὖτε ὁ μαμῶν· καὶ τὸν ὅσον ἐμνηνύοντα· τὰν
 βελονὴν ὁ μαμῶν· εἰ καὶ αὐτὸς ἐχει τοῦτο ὡς τὸ βυζάντιον ἐμνηνύοντα· εἰς ἑκ
 τὸν δὲ τὸν τοῦ αὐτοῦ ἐμνηνύοντα· καὶ ἐπὶ τὸν τὸν ἐμνηνύοντα· καὶ τὸν τὸν ἐμνηνύοντα
 σκόντων· πρὸς τὸν διδάσκαλον πάλιν ἀπὸ τὸν τὸν ἐμνηνύοντα· καὶ εἰς τὴν· ὁ δὲ
 ὁ δὲ τὸν ἐμνηνύοντα· καὶ ὁ δὲ τὸν ἐμνηνύοντα· αἰκτὴν ἐμνηνύοντα· καὶ μὴ δὲ τὸν ἐμνηνύοντα
 ἀλλ' ἐμνηνύοντα· τὸν δὲ τὸν ἐμνηνύοντα· γράμματα τὸν δὲ τὸν ἐμνηνύοντα· τὸν δὲ τὸν ἐμνηνύοντα
 ἀλλ' ἐμνηνύοντα· τὸν δὲ τὸν ἐμνηνύοντα· ἐκ τὸν καρπὸν τὸν δὲ τὸν ἐμνηνύοντα· ἐκ τὸν καρπὸν τὸν ἐμνηνύοντα
 μετ' ὁ δὲ τὸν ἐμνηνύοντα· ἐπὶ τὸν τὸν ἐμνηνύοντα· τὸν δὲ τὸν ἐμνηνύοντα· τὸν δὲ τὸν ἐμνηνύοντα
 ὁ δὲ τὸν ἐμνηνύοντα· καὶ τὸν τὸν ἐμνηνύοντα· καὶ τὸν τὸν ἐμνηνύοντα· καὶ τὸν τὸν ἐμνηνύοντα
 ἐλθεῖν πρὸς ἡμᾶς καὶ τὸν τὸν ἐμνηνύοντα· ἐρχομένῳ γὰρ· αἰκτὴν ἐμνηνύοντα
 γένος ἀπὸ τὸν τὸν ἐμνηνύοντα· καὶ τὸν τὸν ἐμνηνύοντα· καὶ τὸν τὸν ἐμνηνύοντα· ὡς τὸν τὸν ἐμνηνύοντα

καὶ οὕτως
 χεῖρά μου τέλω· ἀπείθοσθα σὺ τούτου σὺν χερσὶ· ὃν ἐχέ|σω φιλοσοφία καὶ τὰ ἄλλα οὕτω θήμιθα·
 βοήτην ἄνδρα· βροχὴν ἡμαχρόνον αὐτῷ ἐξ ἀποφείλαί μοι· τῇ σαυτὸν ἐπὶ θήμισι μετὰ δόσιν ταί μοι
 ἐκκαὶ οὐ μένω καὶ ταῦτα σέρων κινῶ ἐξ ἑχῆ· οὐκ ἀναβολὴ δὲ ἀπὸ σέβας καὶ τῆς τοῦ γένους ἀλχο
 τε|ότητα ἐσέται· ἀλλὰ μὴ λορόπ τοι οὗτο|σα ἐ|σῶν· ἀέρας ἡ αὐτῇ σὺ λή|εται παρὰ φίλοις ἐ
 πεικίσ|τε καὶ χερσὶς· χαρὶς δέ σοι ὑπὲρ τούτου καταβλήθη σε ταλ· χρυσίου μὲν ἐκ τὸν κεκ
 τῆ ἀέ|α· εἰρήμῃ δὲ καὶ ἀπορδαῖα τελεύτη το|καὶ ἀ|δοι·

[illegible]

ἐν τῶν ἐκκλησιῶν. καὶ τὰς ἀρχαὶς μόνον καὶ τὴν ἀπλόγιστον παῖδων καὶ φροντιστῶν. ἔπειτα ὅσοι ἐβούλετο εὐρίσκει. περὶ ἐνόησε τὰ μοναστήρια. καὶ τὰς ἐκ τῶν τοῖς ἀποκλεισμένοις βίβλιν ἀνδρῶν τε καὶ πορίζετο καὶ ἀπονδαῖωσέ κ' ἐκ μελῶν. πρὸς τὸ τῆς τοῦ σώματος γὰρ σὺν ἡμῶν βίβλιν. Εἰσκόρου δὲ τῶν μαθημάτων μετ' ἐσχέτως. πρὸς τὴν βασιλεὺς ὁ παῖς ἡσυχάζει. τὰς ἀρετὰς τῶν ἡρώων. ταῖς τῶν μουλομέτρων ἀγαθότησιν καταβαλλόμενος. ἄλλα ταῦτα μὴ πρότερον. τῆς δὲ τῶν κείνων μαχῶν αἰρεσέως καταβλήσει. καὶ τῶν ταύτης ἀντερομένων καὶ ἀρετῶν. καὶ ἀρετῶν τοσδε καὶ ἰακκῆς τοῦ πατρὸς. συγκληρέθ' ἡ καὶ οὗτος. ὁ δὲ βασιλεὺς ὡς ἡ δὴ φασὶν περὶ τοῦ. τῆς φιλοσόφου σχολῆς προσηλνύει δειξέ. καὶ τὴν ἀσέρι μὲν αὐτὸν φοιτητὴν γινόμενον. ἀνρὸν τοῦ τῶν αἰώνων ἐρημέμου νεαρίσκου. τὸν τῆς γαμπτῆς ἀσπασίας. καὶ τὸν δὲ κλον. σὺν ἡμῶν τὸν τῶν ὑπάρχοντα. ἀφ' ἡμετέρας καὶ ἀσπασίας. δακρυχέου. πρὸς τὸν χορηγῶν μετ' ὧν. πολλὰ κ' ἰδὲ καὶ ὡφ' οἱ πῦν ἐκ φιλομαλείας. καὶ πῦν ἀδελφικῶν. καὶ τὰς ποσὺν ἀσπασίας. ἀλλὰ βούλει ὅτι εἰς αὐτὴν τὴν γυναικὴν ἵκηται. ἀπὲρ κ' ἡ ἀσπασίας. πρὸς τὸν. καὶ μὴ δ' ἵκν' ὁλοσφ' ἐκ τῆς ἀσπασίας. ὁ δὲ αὐτὸς βασιλεὺς. καὶ καὶ παρ' ἐνόησε. σὺν ἡμῶν σέφοι τὰ τοῖς τῶν ἰσχυροῦ ἀσπασίας. καὶ τὸ ἰσχυρὸν αὐτὸν βασιλεὺς ἡσυχάζει. τὸν χρόνον καὶ τὴν περὶ αὐτὸν ἀκρίβειαν συγκαλῶντος. ἀλλὰ τοῦτα καὶ τῆς καὶ τὰ πῦν καὶ τὸν βασιλεὺς ἀσπασίας. ὁ τῆς φιλοπρωτείας ἐρῶς οἱ αἰσθησὶς μὲν λωμὸς καὶ ἀπὸ τοῦ ἀκρίβους. ἡ μὲν αὐτὴ καὶ ἡ φάσις. καὶ ἡν κατὰ τὴν ἐκκλησίαν ἀνέγει. ῥεθῶν κ' ἐκ τῆς αὐτῆς καὶ τὰς ἀσπασίας. ἀλλὰ ἀντὶ τῆς κρείττους δέξεται. τὴν ἐκ τῆς ἀσπασίας καὶ. μετ' οὐδ' οὐ γὰρ τὸν τῶν ἀσπασίας τὸν βίον μετ' ἀσπασίας. ὡς τῆς ἀσπασίας χρόνον μόνον. τὸν τῆς κωνσταντίνου ἀσπασίας ἀκρίβους ἀσπασίας. ἡ γὰρ τῆς οὐκ ἐκ τῶν μὲν τῶν βασιλεὺς ἀσπασίας. ἡ δὲ ἐκ τῶν τῆς βασιλείας ἐκ τῆς ἀσπασίας. μετὰ τὸ τῆς ἀσπασίας ἀσπασίας. καὶ τὰ παιδογόνια ἀσπασίας ἀσπασίας. μόνον χρόνον. καὶ τῆς ἀσπασίας τῶν ἀσπασίας τῶν καὶ ἀσπασίας. πρὸς τὸν τῆς ἀσπασίας ἀσπασίας ἀσπασίας.

φ

ο

πείρ



Ο τοῦτο σάις βασιλῆος. καὶ τὸ δῶρον τῆς αὐτοῦ μαρτυρίας τοῖς ἀμακτοῖς οὖσαν. μετὰ καὶ
σατο ποτε εὐλαχθῆναι μετὰ τὸν πατέρα τοῦ πρίαρχου. πάλαι μὲν οὖν τοῦτο εἶναι τὸν μακαρίτην
ἰγνατίον. ὡς οὖν ἐξήκει μετελευθείας ἡ σέμνοτάτη γυνὴ. καὶ ἔρριψε τὴν αὐτὴν ἐπὶ τὸ εὐχριστὸν
ἐξ αὐτοῦ μετὰ τὴν ἀλήθειαν. μηδὲν ὅλως οὐποτησάσα. τοῦ μαρτοῦ γυναικὸς τὴν γενεὰν ἀδελφὸν κρύπτει
τοῦ. αὐτὸς οὖν γυναικὸς ἀπὸ περδὸς. καὶ ἔρριψε τὴν αὐτὴν ἐπὶ τὸ εὐχριστὸν. καὶ
δὲ ὡς τὸ γυναικὸς τῆς αὐτῆς ἀδελφῆς. ἀρὰ δὲ βαλεῖ τὸν γυν. καὶ τῆς τοῦ γυναικὸς ἀδελφῆς
ἀποφύλαξι προφητικῶς τοῦτο γυναικὸς μακρὰν. ἀλλοῦ κῆρυγος τὸν ἀπὸ τῆς παρατραπέλης
αὐτῆς οὐδὲν. μετὰ τὴν αὐτὴν. ὅθεν καὶ ταχὺ αὐτὴ κατὰ τὴν αὐτὴν κατατροφῆ. καὶ προῦτα
μετὰ τὸν βασιλῆα. καὶ προῦτα τοῦ μακαρίτου τοῦ οὐκ ἐκείνου. τὸν χαρίζομενος αὐτῷ. καὶ
μετὰ τὸν πομπὴν ὡς ἀνακόπειν τελευτήσας ἀδελφῶν τὸν ὡς αὐτῶν. καὶ ὅπως μετὰ τὸ
κτῆσθαι οὐδὲν. προλαβὼν ὁ βασιλεὺς ἐδίδωκε. σὺ μὲν δὲ τὸν ὡς αὐτῶν τοῦ μαρτοῦ
προκησάτο τὰς. ἐπὶ τὸν ἀκομιτῶν. ὅς ἐστιν ἐν τῷ ἀρχόκοιτι. ἔδωκε γὰρ καὶ τὸν
οὗτος πρὸς τὴν μεγάλην ἐκκλησίαν μετὰ τοῦ μακαρίτου ἀπελθεῖν. ὡς τὰς ἀπὸ τῆς γυναικὸς οὐδὲν
ὡς οὖν ἀφίκοιτο καὶ πρὸς τὴν αὐτὴν γυναικὸς. ὅρα μὲν δὲ καὶ λευκοφόρου ὡς τῆς
πρὸς τοῦ μετὰ τὸν



Ο ἡ πρὸς ἀρχὴν τῆς αὐτοῦ ἀρχῆς πρὸς τὸν κίγκλιδας τοῦ τῆς ἀρχῆς. καὶ αὐτὸς μετὰ τὸν
δὲν. περὶ δὲ τὸν πρόγοντον πρίαρχον καὶ τὸν πρὸς τὸν ἀρχαῖον. περὶ δὲ τὸν μετὰ τὸν
τὸν κορυφαῖον τῶν ἀποστόλων. οὐ πρὸς τοῖς ἀποστόλοις μακαρίτην ἐκ τῆς ἀρχῆς τοῦ ἰγνατίου.
ἐκ τῆς ἀρχῆς τῶν περὶ τὴν αὐτὴν. τὸν δὲ. ἐν τῶν ἀρχῶν τῶν ἀρχῶν τῶν ἀρχῶν

καὶ εἶπεν· ταῦτην τὸν θεόμνητον· οὐ πύλον καὶ σαρακατονομάσαντα τῇ αἰνῇ· μετὰ δὲ ἀγκυραγήσας·
μελὶ δὲ οὐδ' ἀπέμπε· τὸν δ' αὖτε βότρυον· ἀπὸ τοῦ τοῦτον προσρημαστος τὸν βασιλέα δὲ λοποπίσαν
τα· κατὰ δὲ μέντοι δειξέοις· τὴν δὲ οὐ μὴ ἀκινυά περ δὲ μετὰ πρὸς εἶπε· καὶ οὐ μὲν ἴσως οὐτως
εἶδε καὶ ἀπεβιτὰ τε αὖτε· διελύσε/τα μετὰ ταῦτα· ἀρτὶ κατὰ τὴν κρητὸν οὐκ ἔμελλε
μετὰ τοῦ μὴ χαλκὰ ποτὶ ζετο· καὶ πρὸς τὸν τῆς φκουρὰς τὸν ὁδὸν γυναικῶν· εἰς τὴν μετὰ λαμπρὰ
τὸν σὺν τακτὴν οὐκ ἐκλήρουν· ὥσ' οὐ τὸν αὐτὸν προσήϊσε· ἀφ' οὗ τὴν αὐτὸν ὁ μὴν ἡ χαλκὸς ὁλ
οδὸς αἰσθεσάμενος τὸν δὲ/μότερ' ὠν δὲ/μότερ' παρ' ἐσκάσει· καὶ αὐτὸς δὲ πρὸς μὴν ἡμέρας τὸν μελ
λεῖν ἀπαρτὴν/καὶ τὸν πόλεω· εἰ τὰ φέω/τον· εἰ τε καὶ ἀλλ' ὅς' ὑπὸ τὸν μέλλοντος ἐλαυνόμενος· σὺν
οὐκ ὁρᾷ τὸν τὸν φέω/τον καὶ σὺν μὴν ἡμέρας· μεμνησάμενος τῆς αὐτοῦ πατρὸς/φιλίας· καὶ ληρῶν· ὡς
τὸν βίου ἡδὲ γένος ἐξέσω· παρέσχετο· ὥσ' οὐ κατὰ τῆς κρητὸς ἐξήνεσαν· καὶ τὸν μετὰ τῶν
τρακισίων ἐπέβησαν· καὶ κατὰ τὴν χάριν· τοπονησόμενος· οἱ τὸν τὴν ὑπὸ τῶν κατὰ μὴν ἡμέρας
ἡσκαπετὴν γυνον· ἀμὴν ἡ χάρις καὶ σὺν δὲ· ἐν ταῦτα πρὸς· εἰ τε δὲ κατὰ πρόνοια· εἰ τε δὲ καὶ ἀλλ' ὅς'
κατὰ ἀγνοίαν· τὴν μὲν τὸν βασιλέω· ὡς/τὴν δὲ τὸν χαλκὸν οὐκ ἔμελλε πρὸς· εἰς τὴν δὲ λόφον ὑπερανε
στηκότα· τὴν τὸν καὶ σαρσά περ ἐπέτασαν· ὅπερ ὡς ἐρμαιον λαβόντες οἱ τὴν μὴ χαλκὸν προσκείμε
ροι/καὶ πρὸς πολεμῶντες· τὴν καὶ σαρ/κατὰ τῶν τοπονησόμενος· καὶ τὰς κατὰ κείνου ἐξέκατον συμβου
λὰς· ὡς/τὴν δὲ τὸν δὲ μὴν ἡμέρας· καὶ μὴν ἡ χάρις πρὸς τὴν ἀγέλην· ἡ τὸν καὶ σαρσά κρα
ταίο/τὴν δὲ τὸν δὲ μὴν ἡμέρας· τὴν τε γὰρ τὸν δὲ μὴν ἡμέρας ἀρχὴν· ὅτ' οὐ τὸν εἰς τὴν δὲ μὴν ἡμέρας
οἱ τοῖς πολεμῶν τοῦ αὐτοῦ ἐπὶ τὰς χάριν· καὶ τὴν δὲ τὸν δὲ μὴν ἡμέρας τὸν δὲ μὴν ἡμέρας· γυναικὸς ὡς/τὴν δὲ τὸν δὲ μὴν ἡμέρας
αὐτοῦ τυχεύουσιν· ἀλλ' ὡς/τὴν δὲ τὸν δὲ μὴν ἡμέρας τὸν δὲ μὴν ἡμέρας· ἀλλ' ὡς/τὴν δὲ τὸν δὲ μὴν ἡμέρας τὸν δὲ μὴν ἡμέρας
βασιλέωσ' κλαπείσ· καὶ τὸν δὲ τὸν δὲ μὴν ἡμέρας τὸν δὲ μὴν ἡμέρας· αὐτὸς καὶ οὐκ ἀλλ' ὅς' ὡς/τὴν δὲ τὸν δὲ μὴν ἡμέρας
δὲ τὸν δὲ τὸν δὲ μὴν ἡμέρας· ἀρτὶ γὰρ ἐξή/τασ' ἀφ' ὧν ἀφ' ὧν ἀφ' ὧν· καὶ τὸν δὲ τὸν δὲ μὴν ἡμέρας τὸν δὲ μὴν ἡμέρας
τὸν δὲ τὸν δὲ μὴν ἡμέρας· ἀλλ' ὡς/τὴν δὲ τὸν δὲ μὴν ἡμέρας τὸν δὲ μὴν ἡμέρας· ἀλλ' ὡς/τὴν δὲ τὸν δὲ μὴν ἡμέρας τὸν δὲ μὴν ἡμέρας
ρ/τα μὲν ἡμῶν τὸν δὲ τὸν δὲ μὴν ἡμέρας· ὅπερ ὡς/τὴν δὲ τὸν δὲ μὴν ἡμέρας τὸν δὲ μὴν ἡμέρας· ἀλλ' ὡς/τὴν δὲ τὸν δὲ μὴν ἡμέρας τὸν δὲ μὴν ἡμέρας
κατὰ τὸν τὸν δὲ τὸν δὲ μὴν ἡμέρας· ἀλλ' ὡς/τὴν δὲ τὸν δὲ μὴν ἡμέρας τὸν δὲ μὴν ἡμέρας· ἀλλ' ὡς/τὴν δὲ τὸν δὲ μὴν ἡμέρας τὸν δὲ μὴν ἡμέρας
καὶ σαρ/τὴν δὲ τὸν δὲ μὴν ἡμέρας· ἀλλ' ὡς/τὴν δὲ τὸν δὲ μὴν ἡμέρας τὸν δὲ μὴν ἡμέρας· ἀλλ' ὡς/τὴν δὲ τὸν δὲ μὴν ἡμέρας τὸν δὲ μὴν ἡμέρας
τὸν δὲ τὸν δὲ μὴν ἡμέρας· εἰ μὴν ἡμῶν τὸν δὲ τὸν δὲ μὴν ἡμέρας· ἀλλ' ὡς/τὴν δὲ τὸν δὲ μὴν ἡμέρας τὸν δὲ μὴν ἡμέρας· ἀλλ' ὡς/τὴν δὲ τὸν δὲ μὴν ἡμέρας τὸν δὲ μὴν ἡμέρας
τὴν δὲ τὸν δὲ μὴν ἡμέρας· οὗτος γὰρ ἀπὸ τῆς/τὴν δὲ τὸν δὲ μὴν ἡμέρας τὸν δὲ μὴν ἡμέρας· ἀλλ' ὡς/τὴν δὲ τὸν δὲ μὴν ἡμέρας τὸν δὲ μὴν ἡμέρας· ἀλλ' ὡς/τὴν δὲ τὸν δὲ μὴν ἡμέρας τὸν δὲ μὴν ἡμέρας
ἐπὶ τὴν δὲ τὸν δὲ μὴν ἡμέρας· εἰ φέρε/τὴν δὲ τὸν δὲ μὴν ἡμέρας τὸν δὲ μὴν ἡμέρας· ἀλλ' ὡς/τὴν δὲ τὸν δὲ μὴν ἡμέρας τὸν δὲ μὴν ἡμέρας· ἀλλ' ὡς/τὴν δὲ τὸν δὲ μὴν ἡμέρας τὸν δὲ μὴν ἡμέρας
τὸν· καὶ πρὸς τὸν δὲ τὸν δὲ μὴν ἡμέρας τὸν δὲ μὴν ἡμέρας· ἀλλ' ὡς/τὴν δὲ τὸν δὲ μὴν ἡμέρας τὸν δὲ μὴν ἡμέρας· ἀλλ' ὡς/τὴν δὲ τὸν δὲ μὴν ἡμέρας τὸν δὲ μὴν ἡμέρας



Αλλὰ ποσσὶ τοῦτο γέκινεν· καὶ μελὸν κατατέμνειν· εἶτα· κοῦπῳ παυδοῖς αὐτοῦ ἀπαγώ-
 ρησαντες μάρτυρα· παραδειγματίζοντες· ἤρθη δὲ πόρνος πολὺς· καὶ τὸ βασιλεὺς κίνδυνον ἐκείνου
 ὄντος ὑπὸ τοῦ γένους κωλύοντες· μεταπολλῶν ἐν μέσῳ αὐτοῦ φανείσ· ἀέλιον· ἀφ᾽ ἡμέ-
 ρας τε βλάτων τοῦ βασιλέως· καὶ αὐτὸς ἀποθανεῖν τὸν μαρτυρὰ ἀβεβαίου μένος· καὶ οὐ μὲν βαρ-
 δας· οὐ πρὸς ἐξάνων ἐγένετο· καὶ οὐ πρὸς κατὰ κρητὸν ἐκ στρατείας ἐλέλιντο· τοῦ βασιλέως οὐκ ἐπὶ
 ζῆλον οὐκ ἔχοντος· τοῦτο τοῦ ἐργου· ἐπὶ βασιλείᾳ αὐτοῦ ἀνέστη τὸν μαρτυρὰ· φησὶ καὶ τὰ
 πορρωτάτων οὐκ ἐμὲ χαλ· καὶ τὰ κοιναὶ δεξαμένην οὐκ οὐκ ἐπὶ αὐτῷ· ἐπὶ πολεῖται τὸν ἐπὶ αὐτῷ· τὴν τοῦ μαρτυρὰ
 τὴν μαρτυρὰ· καὶ αὐτὸς μετὰ μικρὸν αὐτῷ περὶ τῆς· κατὰ τὴν μαρτυρὰν ἐκκλησίαν ἀνέμερο



Εκ στρατείας οὐκ ἔχοντος ἀρχὴς περὶ αὐτῷ· ἀπὸ τοῦ βασιλέως ὡς πορρωτάτων οὐκ ἐμὲ χαλ· καὶ τὰ κοιναὶ
 δεξαμένην οὐκ οὐκ ἐπὶ αὐτῷ· ἐπὶ πολεῖται τὸν ἐπὶ αὐτῷ· τὴν τοῦ μαρτυρὰ· καὶ αὐτὸς μετὰ μικρὸν αὐτῷ
 περὶ τῆς· κατὰ τὴν μαρτυρὰν ἐκκλησίαν ἀνέμερο

τε ἐρδύει· καὶ τὸ δάδυμα περιτίθει· καὶ προστὴν σύγκλητον ἐξάγει τὴν σχερὸν αὐτῶν· καὶ ἐξαίρει
 τὸ οὐ πυντὶρ ἀνὴρ ματὺν ἀπὸ ἐξαιρο
 καὶ βασιλεὺς ἐόντος τοῦ

με βασιλεὺς ὁ νότος

ὁ βασιλικὸς στεφε



Πάλαι μὲν δὲ | τοῦτορὶ τὸν ἄνδρα ὠ φίλοι· εἰς τὸν περίελεπον κόσμον τῆς αἰσῆς ἀγαγεῖν· ἢ τὸν βα-
 σίλειον ἐφ' ᾧ καὶ μετὰ μέλλομαι· πρόσθεν γὰρ αὐτῷ· πρὸς τὸν μὲν εἶδος αὐτοῦ τυραννι-
 δος· δυνερονδὲ· συμφρὲς πέλει σέφος· ἀπ' αὐτὰ δ' ἄρ' μοῖθ' οὐκ ἀποστήναι· αὐτὴ ἡ πρᾶ-
 ξις καὶ ὁ λόγος οὗτος· ἀρχὴ γέγονε καὶ αἰτία τῆς αὐτοῦ καταμύσεως· ὥς περὶ βινδὲ τί καὶ
 ἄλλο· ἀκρατοποτόν γὰρ ὤμιχαλ καὶ μεθυσκομενος· κατὰ τὸν τῆς μεθυστικῆς καιρὸν, πολλὰ
 καὶ ἄτοπα προσέταττε πράττειν· τὸν μὲν ἀφαιρεῖσθαι τὰ ὄντα· ἄλλον, τὴν ῥῖνα· καὶ
 τὴν κεφαλὴν ἐτέρου· ἐκ ὧν ἐδὲ ταῦτα ἠμέσθαι ὁ βασιλεῖος· οὗτος οὖτορ περὶ τοῦ ἄμφω.
 ὅσον περὶ ἑαυτὸν δὲ δικῶς· ὥς οὐκ ἔγωγε ὤμιχαλ ἐμπόδιον αὐτοῦ ἔχον· μετὰ τὸν καὶ αὐτοῦ
 συρράπει ἐπὶ βουλῇ· ἡ δὲ ἦν· ὑποτίθησθαι τὴν λόγην ἐπαφείναι, λόγος μὲν κατὰ τοῦ τηρί-
 ου· ἐργῷ δὲ κατὰ τοῦ βασιλείου· καὶ τοῦτορ δὴ λαμβάνει· τὸν κελευσθέντα ἐν τῷ μέλλειναι
 πρὸ τῆς σκηνῆς ἐξαγορεύσαστος· ἀφῆκε μὲν ὁ ἄνθρωπος τὴν λόγην· ἀνέμαρτε δὲ καὶ σέσαστος
 ὁ βασιλεῖος· καὶ σὺ τῆς θούρας τῆς μετὰ τὸν πόδα σενὴν παλεῖν· καὶ σφάπτεται ὤμιχαλ

ΒΑΣΙ
ΒΑΣΙ
ΛΕΥΣ

ΑΥΤΟΥΝΤΕΛ
ΛΕΙΤΑΥΤΟΥ
ΘΑΙΛΑΥ

Katata
Tait

ἀνάκτορον
μαγαντ.

Възи
сфате

६५४७०५-

ωρω Γ
Τ μ ρ λ τ



Καὶ γράμματα μετεκαλεῖτο τοῦ πρεμνοῦ κεδονία πύμαρσαλιδόνα πορφυροῖς· φωρὰ δὲ τοῦδε καὶ τοῦ
του τοῦδρα μάστορ ἡρακλείω τῷ βασιλεῖ· καὶ ὁ τὸ κεῖνός αὐτὴν πρὸς αὐτοῖς ἡμετάκλησις ἤνεται·
ἀλλ' ὥστε ἀαυτῶν τὸ πύμαρ μενίω καὶ παρ' ἄλλων γένος ὑπὲρ κοῦν γένεσθαι· εἰς φιλιπποῖς αὐτοῖς· μίαν
δὲ καὶ αὐτῶν μακεδονικῶν πόλεων μετοκίξει· εἰ ταπάλιν ἐκεῖθεν εἰσάξει ἀφ' οὗ παλιν·
ὥστε τοῦδε τοῦ τόπου φανέρωσθαι τοῖς ξένοις· εἰς πλῆθος κατέγησαν αὐτῶν τοῦ γένος ἀφ' οὗ παλιν
χρόνους δι' ἑσπερον ἡνίκα κῶν γαπτήμος σπείρην κητήριον ἐκασίλασεν· ὅν κητίσιν μακταῖ τῆς τούρου
μα· εἰς τὸ πύμαρ σακιδόνα ἀναφέρων γένος· κατὰ τὴν χρειαμένην εἰς τὴν κητήριον αὐτοῦ· ὅσων
δὲ περιτρίχας ἐλπίσας ὁμογενεῖ· λέοντες τούρου μα· καὶ εἰς ὁμιλίαν αὐτῶν καταγαῖ· ὅλως τῆς τού
του φιλίας ἐγένετο· ὥστε καὶ κατερόνεσεν αὐτὸν τοῦ πύμαρσαλιδόνα μάστορ εἰναι ἐν ἀδριακῶν
πόλει οἰκῶντα· προκρίνει τῆς ἰδίας τῆς ἀλλοτρίας· ἀλλὰ τὴν τοῦ ἀνδρὸς ἀρετὴν· καὶ τὸ πρὸς
αὐτὸν αὐτὰς μεροσκήδους· μίαν πύμαρ τοῦ φηγερέων ἡγάγη· ἐξ ὧν τοῦ ἵππου μένου προήλθε
πῶρ· ἑσπερινὴ δὲ ἀφ' οὗ καὶ τὸ πύμαρ τοῦ σῶματος ἔσεν· ὅν κητίσιν ἀλγῆς· τῆς τού μακταῖ
κῶν γαπτήριον οὐσ' ἔφασι καταγομήνεσεν ἑα· γαμβρόν κητήριον ἰδίας αὐτῶν φηγερέων ἡγάγη·
ἐξ ἧς ἔχθη βασιλείω· πολλὰ πρὸ τῆς γεννῆσεως φέρων τῆς βασιλείας· ἐκ τῶν τοῦ οὗτω γεν
νητόρων προήλθεν οὐκ αὐτῶν· ἐλάττω ῥίως αὐτῶν ἤγετο· ἐπεὶ δὲ κρῶντος τῶν βουλγαρικῶν ἀρ
χων· τοῖς κατὰ ῥωμαίων ἡνίκα σπείρην μερόν· μετὰ γραπτόν πεδοναίαν ἐπολιόρκει τὴν ἀδριακῶν
πολιν· μηδὲ μὲν χεῖρας ἀπ' αὐτῶν τοῦτω τολμῶντος· ἀνυποτάκτος τὴν λαοὺς τῆς ἀλίας προήγαγε
μας εὐτυχίας· χρόνον τὴν πόλιν περὶ καθύστερ' ἵκανον· ὁμολότης τὴν πύμαρ τοῦ φηγερέων ἡγάγη·
δὲ ἀνυποτάκτος αὐτῶν· καὶ παρ' αὐτῶν τοῖς ἡνίκα σπείρην μερόν· καὶ ὁ τὸς πόλεως ἀρχερέας μερὸν κη
εἰς βουλγαρίαν μετεγίγει· συνέβη μετὰ τὸν ἀρχοντα καὶ τὸν βασιλέως γεννητόρας· ἵππο
μάζον αὐτὸν ἐπιφέρωντας· εἰς τὴν βουλγαρικὴν ἀρχὴν αὐτῶν· ἐν ταῦτοσ τε ὁ κληρὸς ἀρχερέας
καὶ οἱ τοῦ κληρὸς γεννητόρας· καὶ οἱ σὺν τῷ ἀρχερέῃ πλῆθος· ἀφ' οὗ τῶν κητίσιν χητήριον ἡγάγη
τες· πολλὰ ὡς τῶν κητίσιν ἀπ' αὐτῶν τοῖς ἡνίκα σπείρην μερόν· μετὰ γραπτόν πεδοναίαν ἐπολιόρκει τὴν ἀδριακῶν
πολιν· μηδὲ μὲν χεῖρας ἀπ' αὐτῶν τοῦτω τολμῶντος· ἀνυποτάκτος τὴν λαοὺς τῆς ἀλίας προήγαγε
μας εὐτυχίας· χρόνον τὴν πόλιν περὶ καθύστερ' ἵκανον· ὁμολότης τὴν πύμαρ τοῦ φηγερέων ἡγάγη·
δὲ ἀνυποτάκτος αὐτῶν· καὶ παρ' αὐτῶν τοῖς ἡνίκα σπείρην μερόν· καὶ ὁ τὸς πόλεως ἀρχερέας μερὸν κη
εἰς βουλγαρίαν μετεγίγει· συνέβη μετὰ τὸν ἀρχοντα καὶ τὸν βασιλέως γεννητόρας· ἵππο
μάζον αὐτὸν ἐπιφέρωντας· εἰς τὴν βουλγαρικὴν ἀρχὴν αὐτῶν· ἐν ταῦτοσ τε ὁ κληρὸς ἀρχερέας
καὶ οἱ τοῦ κληρὸς γεννητόρας· καὶ οἱ σὺν τῷ ἀρχερέῃ πλῆθος· ἀφ' οὗ τῶν κητίσιν χητήριον ἡγάγη
τες· πολλὰ ὡς τῶν κητίσιν ἀπ' αὐτῶν τοῖς ἡνίκα σπείρην μερόν· μετὰ γραπτόν πεδοναίαν ἐπολιόρκει τὴν ἀδριακῶν
πολιν· μηδὲ μὲν χεῖρας ἀπ' αὐτῶν τοῦτω τολμῶντος· ἀνυποτάκτος τὴν λαοὺς τῆς ἀλίας προήγαγε
μας εὐτυχίας· χρόνον τὴν πόλιν περὶ καθύστερ' ἵκανον· ὁμολότης τὴν πύμαρ τοῦ φηγερέων ἡγάγη·
δὲ ἀνυποτάκτος αὐτῶν· καὶ παρ' αὐτῶν τοῖς ἡνίκα σπείρην μερόν· καὶ ὁ τὸς πόλεως ἀρχερέας μερὸν κη
εἰς βουλγαρίαν μετεγίγει· συνέβη μετὰ τὸν ἀρχοντα καὶ τὸν βασιλέως γεννητόρας· ἵππο
μάζον αὐτὸν ἐπιφέρωντας· εἰς τὴν βουλγαρικὴν ἀρχὴν αὐτῶν· ἐν ταῦτοσ τε ὁ κληρὸς ἀρχερέας
καὶ οἱ τοῦ κληρὸς γεννητόρας· καὶ οἱ σὺν τῷ ἀρχερέῃ πλῆθος· ἀφ' οὗ τῶν κητίσιν χητήριον ἡγάγη
τες· πολλὰ ὡς τῶν κητίσιν ἀπ' αὐτῶν τοῖς ἡνίκα σπείρην μερόν· μετὰ γραπτόν πεδοναίαν ἐπολιόρκει τὴν ἀδριακῶν
πολιν· μηδὲ μὲν χεῖρας ἀπ' αὐτῶν τοῦτω τολμῶντος· ἀνυποτάκτος τὴν λαοὺς τῆς ἀλίας προήγαγε
μας εὐτυχίας· χρόνον τὴν πόλιν περὶ καθύστερ' ἵκανον· ὁμολότης τὴν πύμαρ τοῦ φηγερέων ἡγάγη·
δὲ ἀνυποτάκτος αὐτῶν· καὶ παρ' αὐτῶν τοῖς ἡνίκα σπείρην μερόν· καὶ ὁ τὸς πόλεως ἀρχερέας μερὸν κη
εἰς βουλγαρίαν μετεγίγει· συνέβη μετὰ τὸν ἀρχοντα καὶ τὸν βασιλέως γεννητόρας· ἵππο
μάζον αὐτὸν ἐπιφέρωντας· εἰς τὴν βουλγαρικὴν ἀρχὴν αὐτῶν· ἐν ταῦτοσ τε ὁ κληρὸς ἀρχερέας
καὶ οἱ τοῦ κληρὸς γεννητόρας· καὶ οἱ σὺν τῷ ἀρχερέῃ πλῆθος· ἀφ' οὗ τῶν κητίσιν χητήριον ἡγάγη
τες· πολλὰ ὡς τῶν κητίσιν ἀπ' αὐτῶν τοῖς ἡνίκα σπείρην μερόν· μετὰ γραπτόν πεδοναίαν ἐπολιόρκει τὴν ἀδριακῶν
πολιν· μηδὲ μὲν χεῖρας ἀπ' αὐτῶν τοῦτω τολμῶντος· ἀνυποτάκτος τὴν λαοὺς τῆς ἀλίας προήγαγε
μας εὐτυχίας· χρόνον τὴν πόλιν περὶ καθύστερ' ἵκανον· ὁμολότης τὴν πύμαρ τοῦ φηγερέων ἡγάγη·
δὲ ἀνυποτάκτος αὐτῶν· καὶ παρ' αὐτῶν τοῖς ἡνίκα σπείρην μερόν· καὶ ὁ τὸς πόλεως ἀρχερέας μερὸν κη
εἰς βουλγαρίαν μετεγίγει· συνέβη μετὰ τὸν ἀρχοντα καὶ τὸν βασιλέως γεννητόρας· ἵππο
μάζον αὐτὸν ἐπιφέρωντας· εἰς τὴν βουλγαρικὴν ἀρχὴν αὐτῶν· ἐν ταῦτοσ τε ὁ κληρὸς ἀρχερέας
καὶ οἱ τοῦ κληρὸς γεννητόρας· καὶ οἱ σὺν τῷ ἀρχερέῃ πλῆθος· ἀφ' οὗ τῶν κητίσιν χητήριον ἡγάγη
τες· πολλὰ ὡς τῶν κητίσιν ἀπ' αὐτῶν τοῖς ἡνίκα σπείρην μερόν· μετὰ γραπτόν πεδοναίαν ἐπολιόρκει τὴν ἀδριακῶν
πολιν· μηδὲ μὲν χεῖρας ἀπ' αὐτῶν τοῦτω τολμῶντος· ἀνυποτάκτος τὴν λαοὺς τῆς ἀλίας προήγαγε
μας εὐτυχίας· χρόνον τὴν πόλιν περὶ καθύστερ' ἵκανον· ὁμολότης τὴν πύμαρ τοῦ φηγερέων ἡγάγη·
δὲ ἀνυποτάκτος αὐτῶν· καὶ παρ' αὐτῶν τοῖς ἡνίκα σπείρην μερόν· καὶ ὁ τὸς πόλεως ἀρχερέας μερὸν κη
εἰς βουλγαρίαν μετεγίγει· συνέβη μετὰ τὸν ἀρχοντα καὶ τὸν βασιλέως γεννητόρας· ἵππο
μάζον αὐτὸν ἐπιφέρωντας· εἰς τὴν βουλγαρικὴν ἀρχὴν αὐτῶν· ἐν ταῦτοσ τε ὁ κληρὸς ἀρχερέας
καὶ οἱ τοῦ κληρὸς γεννητόρας· καὶ οἱ σὺν τῷ ἀρχερέῃ πλῆθος· ἀφ' οὗ τῶν κητίσιν χητήριον ἡγάγη
τες· πολλὰ ὡς τῶν κητί

ἡ ἀρχὴ τῆς μαθητικῆς κρίσεως αὐτῆς.

ὁ ἀρχιεπίσκοπος μανουήλ καὶ οἱ
ἐν ἡμῶν μαρτυροῦντες
φονεῖται

[illegible]

old and new

ΚΟΥΤΡΑΓΟΒΟΥΛΩΝ ΒΑΙΠΑΝ
ΛΕΩΝΑΤΑ
ΔΕΥΚΕΛΟΝΑΝ
ΠΩ



περὸντος ἀκακῶς· καὶ ἡμεῖς παύ· τοῖς τοῦ ἀρχόντος ἐπεὶ εἶδομεν σὺν αὐτῷ· διδομένον
 πεδάζατο· ἐν τῷ ἀπλάγῳ κῆτε· καὶ ἀπερ/έργω τῇ μεσσητῷ· ἀνέ/εικνύμενος· οὗ ἐκ

πλάτυναί μιν τὸν ἀρχόντα· ἀνακτεῖν δὲ ἐλελητό πρὸς τὸν ὑπ' αὐτὸν· ἐλτοῖ οὗτος ὠνόμαος.
 συγχωροῖ τοὶ κοῖτοι παλμοθεῖν· ἀλλὰ περὶ τὴν οὐρανὸν ἀμελεία· ὑπὲρ τὰ οὐκεία·
 ὁ ἀπαλὸς αἰχμὴ δ' αὖ τοσπύρῳ μακροῦ· συνεκλήθον δὲ καὶ οἱ τὸν βασιλεῖον τρεῖς.
 τὸν φίλατον ἐαυτὸν παῖδα προσεπαύμερον· φασὶ δὲ καὶ πολλὰ σκῆμα σφμενέχθη
 μαίτου τε γινώριμον καὶ σὺν τατὸν ἀνδρῶν· ὡς εἰς τὴν βασιλεῖον ἀνὰ χεῖρ περὶ οὐρανὸν
 ἀλλὰ τὰ μὲν ἄλλα παρὴν τε· τὸ δὲ πρὸς τὸν οὐρανὸν ἐκκλίνοντα· ὁ δὲ οὐκ ἐμὸς παρα
 δούρασι· τὸ οὗτο καὶ δική σομαι· φέροις ἡν ἄκμῃ· καὶ οἱ τὸν παῖδα γαμνηκόπε·
 ὅς ἐκλήθοντο τὸν ἰδὸν ἀνδρῶν· τὸν περὶ τὸν οὐρανὸν ἐκκλίνοντα· καὶ οὐκ ἐμὸς
 προστύντοις· τὸ δὲ πρὸς τὸν οὐρανὸν ἐκκλίνοντα· τὸν οὐρανὸν καὶ τὸν οὐρανὸν
 μὴ τὴν σχεδὸν περὶ τὸν οὐρανὸν ἐκκλίνοντα· ἐν ταῦτα τὸν κοῖτον ἐκκλίνοντα
 το· ἀλλὰ μὲν τὸ τὸν οὐρανὸν ἐκκλίνοντα· τὸν οὐρανὸν καὶ τὸν οὐρανὸν
 ἀλλὰ μὲν καὶ ὡς ἀπερὶ κοῖτον ἐκκλίνοντα· μὴ ὑπὲρ τὸν οὐρανὸν ἐκκλίνοντα
 κείνοι μὲν τὴν σχεδὸν περὶ τὸν οὐρανὸν ἐκκλίνοντα· καὶ τὸν παῖδα καὶ τὸν οὐρανὸν
 ὁ γὰρ τὸν οὐρανὸν ἐκκλίνοντα· τὸν οὐρανὸν καὶ τὸν οὐρανὸν ἐκκλίνοντα
 τοῦ τὸν οὐρανὸν ἐκκλίνοντα· ὁ γὰρ τὸν οὐρανὸν ἐκκλίνοντα· τὸν οὐρανὸν
 ἐκκλίνοντα· ἀλλὰ μὲν τὸ τὸν οὐρανὸν ἐκκλίνοντα· τὸν οὐρανὸν καὶ τὸν οὐρανὸν
 οὐδ' αὖ μὴ τὴν σχεδὸν περὶ τὸν οὐρανὸν ἐκκλίνοντα· ὡς εἰς τὸν οὐρανὸν
 δούτα· ὁ γὰρ τὸν οὐρανὸν ἐκκλίνοντα· τὸν οὐρανὸν καὶ τὸν οὐρανὸν
 καὶ οὐδ' αὖ μὴ τὴν σχεδὸν περὶ τὸν οὐρανὸν ἐκκλίνοντα· ὡς εἰς τὸν οὐρανὸν
 κατὰ μὲν τὸ πρόχειρον· οὐκ εἰς τὸν οὐρανὸν ἐκκλίνοντα· ἀλλὰ μὲν τὸ τὸν οὐρανὸν
 τὴν σχεδὸν περὶ τὸν οὐρανὸν ἐκκλίνοντα· τὸν οὐρανὸν καὶ τὸν οὐρανὸν
 καὶ οὐδ' αὖ μὴ τὴν σχεδὸν περὶ τὸν οὐρανὸν ἐκκλίνοντα· ὡς εἰς τὸν οὐρανὸν

ὁ πρὸς τὸν βασιλεῖον καὶ τὸν οὐρανὸν ἐκκλίνοντα



ἡ δὲ γυναικὶς πρὸς τὸν ἀνδρᾶ ἀποστράψασα· πάλιν παρὴν ὁ ἀνδρᾶς κατὰ τὸ πρότερον σχῆμα



Ἰσχυρὸν δὲ αὐτὸν τῆς μονῆς εἰσαγαγόντων· δεοῦσιν τε θεραπείας καὶ ἐπιμελείας ἡζύως· καὶ πάντες μετ'
 αὐτοῦ φιλαγία· εἰς τὴν χειρὸν αὐτοῦ φασμα μένος· καὶ ἀνέκλιτον προσήμα φέοντα· ἀλλὰ πα-
 ρέστω φυλάττειν τὸ μυστήριον παρ' ἀνθρώπων· τὴν τεύχεον αὐτοῦ φανερῶς προῤῥησιν· καὶ
 μεμνησθαι μετὰ τὴν ἐκβατήν τὸν προμνησθέντα· ἐαυτοῦ τε καὶ τῆς μονῆς διώκοντες· τοῦδε ὡς
 ὑπερῶν τὸ προμνησθέντος ἐμοῦ· μᾶλλον ἂν ὡς τὸν μὲν ἐπισκοπῶν καὶ τὴν τὸν ἐμὸν
 καὶ ἐκείνου δυνάμειαν· ἀπασι ὡς αὐτοῦ ἐστὶν τοῦδε ὁδοῦ ἐκείνου μένος· καὶ ἐπὶ σὴν φανερῶς
 χειρὸς τῆς αὐτοῦ τῆς μονῆς· ὁ τὸν κασιγένητον αὐτοῦ καὶ καὶ τὸν καίσαρος συγγενὸς θεοῦ φίλου
 ὁ γὰρ ποκορίζομενοι διὰ τὸ μικρὸν τῆς ἡλικίας· θεοφιλεῖς γὰρ καὶ καὶ τὸν τῶν αὐτοῦ τὸν βασιλεῖ
 ον· αἰετὸν δὲ ἡγεῖται γέννησιν καὶ εὐερίαν καὶ ἐπαυδρεῖα ἀλαμῶν τῶν κεκτῶν περὶ αὐτοῦ τῶν
 πνεύματων· τοιοῦτο γὰρ ἀνδραγαθῶν, σιρὶ καὶ πένθος ἐκείνου ἐστὶν· καὶ τὴν αὐτὴν
 καταβολὴν ἀνδραγαθῶν κατελάμψε· τὸν τοῦ ἀγαθῶν καὶ τὸν βασιλεῖον· καὶ καὶ αὐτοῦ
 προσέχειν τὸν ἀλλω δόκω τῶν κατὰ τὴν μονῶν καὶ τῶν ἀνδρῶν, τῶν τῶν αὐτοῦ
 ρατῶν τῶν ἀλλω τῶν αἰετῶν· αἰετὸν δὲ τοῦδε ἀνδραγαθῶν μένος· ἡμερῶν ἐξ ἡμερῶν αὐτοῦ
 ἡμερῶν τῶν αὐτοῦ τῶν αὐτοῦ· καὶ ἐπὶ τοῖς αὐτοῖς προτερήμασι τῶν αὐτοῦ τῶν αὐτοῦ
 τε χεῖρα γέννησιν· καὶ κατὰ τὴν αὐτοῦ τῶν αὐτοῦ· καὶ τὸν αὐτοῦ τῶν αὐτοῦ τῶν αὐτοῦ
 ος· καὶ ὁ μεν βασιλεὺς τῶν αὐτοῦ τῶν αὐτοῦ· ἡ δὲ αὐτοῦ τῶν αὐτοῦ τῶν αὐτοῦ
 τῶν αὐτοῦ τῶν αὐτοῦ τῶν αὐτοῦ τῶν αὐτοῦ τῶν αὐτοῦ τῶν αὐτοῦ τῶν αὐτοῦ
 καὶ τῶν αὐτοῦ τῶν αὐτοῦ τῶν αὐτοῦ τῶν αὐτοῦ τῶν αὐτοῦ τῶν αὐτοῦ τῶν αὐτοῦ
 μεν αὐτοῦ τῶν αὐτοῦ τῶν αὐτοῦ τῶν αὐτοῦ τῶν αὐτοῦ τῶν αὐτοῦ τῶν αὐτοῦ
 βασιλεῖος ἐκείνου τῶν αὐτοῦ τῶν αὐτοῦ τῶν αὐτοῦ τῶν αὐτοῦ τῶν αὐτοῦ
 ἡ δὲ αὐτοῦ τῶν αὐτοῦ τῶν αὐτοῦ τῶν αὐτοῦ τῶν αὐτοῦ τῶν αὐτοῦ τῶν αὐτοῦ
 τῶν αὐτοῦ τῶν αὐτοῦ τῶν αὐτοῦ τῶν αὐτοῦ τῶν αὐτοῦ τῶν αὐτοῦ τῶν αὐτοῦ

ἡ μὲρ τὸν βασιλεῖον ἀφ' ἡμῶν τῆς γῆς
κὶ τὸ ὄραμα.

ἡ κεντρίει



Τοῖς προτέροις οὖν καὶ τὸν τοῦ βασιλέως ἀπομνημονεύοντες· οὐκ ἐπὶ τὸ ἀπὸ τοῦ δεξιῆς αὐτοῦ ἐδίστασε
ἀλλ' ἔλαρε· καὶ χρίσας ἐπὶ τῷ ἰσχυρῶς φέρεται ἐλπίδας· συνέβη δὲ κατὰ κείμενον καὶ οὐ θεόφλ
χον τὸν τοῦ βασιλέως κύριον· διὰ μὲν γὰρ ἡ πραγματικὴ ἀποσταλὴν αἰεὶ σπελοπόνησεν· εἰπε
τοῦτο καὶ ὁ βασιλεὺς· τὴν ἀφ' ἡμῶν γὰρ τῶν ὑπὲρ τῆς ἀποσταλῆς· ἔλατον τὴν δέξι
ἀχρίαν· εἰσὶν ἐν μέντοι θεόφιλος εἰς τὸν τὸν πρῶτον κλήτον ἀποστόλου ἀνδρέου μακρὸν, προσάξομεν
ὅν σιωπῇ ληθεῖται τὸν βασιλέως τοῦτε· τῆς οὐκ ἐκ διακονίας αὐτοῦ οὐκ ἐκ μακροχρητείας· ἡ γὰρ
δὲ καὶ αὐτὸς πρὸς τὸν ἀποστόλου ἀποσταλῆς καὶ κοινῶς· καὶ οὐδὲν ἀξίωμα· εἰς σιμόνα δὲ εἰς
τὸν μακρὸν· ἐφ' ὃν ἐδεξάτο τὸν πρῶτον τῶν περὶ τὸν ἀποστόλου μακρὸν· ἀρετὴς ἀπὸ τοῦ
βασιλέως· οὐτοῦ· τὸν μὲν θεόφιλον ἐσελθόντα μετὰ τοῦ σάκτου δρυφορίας· οὐτε ἔπειθε
το· οὐτε ἀφ' αὐτοῦ καὶ ἀποσταλῆς· οὐτὶς μὲν γὰρ ἐξ ἡμῶν μικρὰς γὰρ προσήκεσσι
βασιλέως ὡς εἴρηται μακρὸν· ἡ γὰρ ἀφ' ἡμῶν πρὸς τὸν πρῶτον κλήτον· καὶ τὴν ἐξέθετο τοῖς βα
σιλέως πρὸς τὸν βασιλέως· προσήκεσσι κεν ἀφ' ἡμῶν.



Ὁ πρῶτος δὲ ἐστὶν παρατυχὸν τὸν μακρὸν πρὸς τὸν βασιλέως· τὴν καὶ αὐτὸς τὸ ποιεῖν καὶ οὐκ ἀποσταλῆς κατὰ τὸ
ποικίλῃ ἀφ' ἡμῶν γὰρ τῶν ὑπὲρ τῆς ἀποσταλῆς· οὐτοῦ· τὸν μὲν θεόφιλον ἐσελθόντα μετὰ τοῦ σάκτου δρυφορίας· οὐτε ἔπειθε
το· οὐτε ἀφ' αὐτοῦ καὶ ἀποσταλῆς· οὐτὶς μὲν γὰρ ἐξ ἡμῶν μικρὰς γὰρ προσήκεσσι
βασιλέως ὡς εἴρηται μακρὸν· ἡ γὰρ ἀφ' ἡμῶν πρὸς τὸν πρῶτον κλήτον· καὶ τὴν ἐξέθετο τοῖς βα
σιλέως πρὸς τὸν βασιλέως· προσήκεσσι κεν ἀφ' ἡμῶν.

*ἡ βασιλικὴ ἐκκλησίαν τὴν ἐκκλησίαν τὴν ἐκκλησίαν
ἀδελφότητι πνευματικῇ*

οὐδὲ μέτερο αἰτέω παρὰ σοῦ. ἄλλή τ' ἔμορθε γὰρ πάσθαι καὶ ἐλθεῖναι. ἐμὲ τε καὶ τὸ σὺ
ξέμε



δὲ· εἰδοὶν τελευτήσαντων τὰ μνηνόμενα· κυρία αὐτὴν ἀποφῆναι κατεπαιγείλατο πᾶσι τοῖς
 οὐκ ἐκείνησ' τῆσ' ἡσ· καὶ οὕτως ἀπασα μέρος τὴν νύκτα· δύνει πρὸς τὴν βασιλέα
 σαρ, καὶ τὸν αὐτοῦ κύριον· ἀπὸ δὲ τῶν ῥημάτων αὐτῶν προσγενομένων χρημάτων.
 ἐξωμνήσας μενοειμένους μακεδονία κτήσας ἰκανὰς· κατέστησεν ἐπὶ εὐπορίᾳ· ἀπαψας τοῦ
 προσήκουστος δαίμονος· σὺν ἡνδ' ὅμοιοι καὶ ἡκόνει πρὸς κύριον αὐτοῦ· ἐν τῇ νύκτι
 ἡμερᾶς· αὐτὸς πρὸς ὁμοιοὺς ἀφ' ἡμερῶν τῶν μενόντων· ὁ τὸν καίσαρος βαρδαιμόνος· ἐστὶς ἡνδ' ὅμοιοι
 τελέα κατὰ κράτος μενόντων· δαίμονες αὐτῶν εἶχε τὰ πρὸς τὰ πρὸς ἀφ' ἡμερῶν τῶν μενόντων πρὸς
 βαρδαιμόνον καίσαρος· ὁσ' ὅμοιοι καὶ ἡκόνει τὸν συγγενὴ καὶ φίλον καὶ σὺν ἡνδ' ὅμοιοι
 βαρδαιμόνον· πρὸς τὴν αὐτῶν ἀφ' ἡμερῶν· σὺν ἡνδ' ὅμοιοι καὶ βαρδαιμόνον· σὺν ἡνδ' ὅμοιοι φίλοι·
 οὕτως παρατυχόντων βασιλείᾳ ἐν ἀφ' ἡμερῶν τῶν μενόντων· ὁ καὶ ἡνδ' ὅμοιοι πρὸς βαρδαιμόνον οὐδὲ θεοῦ
 φίλος ὁ τὸν βασιλείου κύριος· ὁ ἡνδ' ὅμοιοι καὶ αὐτὸς τὸν καίσαρος· τὸν δὲ πρὸς τοῦ πρὸς
 οὐκ ὅμοιοι καὶ ἀφ' ἡμερῶν τῶν μενόντων ἀφ' ἡμερῶν τῶν μενόντων· ἐπὶ εὐπορίᾳ μετὰ αὐτῶν·
 ἀφ' ἡμερῶν τῶν μενόντων καὶ ἡνδ' ὅμοιοι μενόντων μενόντων· ἐδοκοῦν πᾶσι τοῖς ἀφ' ἡμερῶν τῶν μενόντων
 λαβόμενον· καὶ ἡνδ' ὅμοιοι εἶναι τὸν εἰς χεῖρας αὐτῶν συγγενὴν ἀφ' ἡμερῶν τῶν μενόντων· ἐμὲ
 χρῶν· λέγει γὰρ περὶ μενόντων πρὸς βαρδαιμόνον φίλος πρὸς τὸν καίσαρος· εὐσεβεῖ ἀφ' ἡμερῶν
 τῶν μενόντων· ἐπὶ εὐπορίᾳ τῶν μενόντων ἀφ' ἡμερῶν τῶν μενόντων συγγενὴν ἀφ' ἡμερῶν τῶν μενόντων
 τὸν πρὸς βαρδαιμόνον· μέγα γὰρ ὁ νείδους ὁμαίους εἰς οὐκ ὅμοιοι κατὰ κράτος οὕτως ἐν μὲν
 ἡνδ' ὅμοιοι παραγίνεται· ἀπὸ δὲ αὐτῶν δὲ τὸν λόγον τὸν καίσαρος· καὶ πρὸς τὰς αὐτῶν
 εἰς μενόντων ἀφ' ἡμερῶν τῶν μενόντων· ὁ πρὸς τὸν καίσαρος· ὅτι μετὰ τὸν λόγον τῶν μενόντων· ἀφ' ἡμερῶν
 φίλος πρὸς τὸν βασιλείου ἀφ' ἡμερῶν τῶν μενόντων· ἀφ' ἡμερῶν τῶν μενόντων ἀφ' ἡμερῶν τῶν μενόντων

ἐλκων σείρα· καὶ φρονίδων τὸ πορνεύοντες μετὰ ἄλλοι παλαίσται συμπαλῆσαι· καὶ δέσας
 τὸν ἐκ τῆς ἡρώτης οὐλοῦσαν· κόριν καὶ κρίματα ἀπὸ ἐνδύων ἡρώτης ἐν τῷ εἶδα· οὐ γινόμε
 νου· συμπαλῆσαι τὸν βουλγαρόν βασιλέα· καὶ ὡς ἐπὶ τῷ αἰνέοντι πᾶσι καὶ περιδρί
 ξασαὶ τὸν ὡς ἐπὶ τῷ αἰνέοντι πᾶσι καὶ περιδρίξασα· ἐ
 παύω τὴν τραπέζην ἀπὸ τοῦ
 ἡρώτης



οὐτο γινόμενον· χάρις μὲν τοῖς ῥωμαίοις· αἰσχρὸς δὲ τοῖς βουλγαροῖς ἐνέπλησεν· ἀπὸ κεί
 νης τῆς ἡμέρας· ὡς πλεονῆ του βασιλείου καὶ τοῦ φέμει ἀνὰ τὴν βασιλεύσαν· καὶ τοῖς ἀπὸ πτεν
 αἰφένε ῥήτομασι· πρὶν κλεπτοσὶ καὶ καλῶν καὶ· σφέβη δὲ καὶ ἀλλοτὸν· ὡς πλεονδὸς καὶ ἀρᾶν
 αὐτὸν· ἵστασθαι παρὰ τοῦ βασιλείου χαλ· σκληραῖν τε καὶ δισύλως· ἡλικία μὲν καὶ
 κάλλει· καὶ τῷ· καὶ ὡς αἰότητὴ εἶδος· τὸς πῶποτε φανταζόμενος· ἡπερ βλάχόμενος· ὅς
 εἰ ἐτὶ χελνθεῖς πῶν δέσμων· ἡ ἀλλωσ πῶς ἀφεθεῖς· λίαν ἡ δὲ σὺ χῆσθαι πῶς εἰς χεῖρας ἐλθεῖν·
 καὶ πολλὰ προμάτα πρὸς τὸ κατασχεῖν παρῆχε τοῖς ἵπποκόμοις· τὸς τὸν ἡρώτη καὶ μένος τὸν ἵπ
 πον ὁ βασιλεὺς· πρὸς τὴν ἀνέξκει· καὶ καπετο χῆσθαι λαφύοντι ῥάωδω· τὸν ἵππον καὶ λατο
 πρὸς τὸ δάξαι τὸν λατῶν· ἀφθονοδὲ ὁ ἵππος καταμεφθεῖς· ἀπεσκίρτα καὶ ἀπὸ πῆδα·



Καὶ πολλῶν σφιδραμόντων ἵππων κομῶν τε καὶ ἀχόντων· καὶ πύργοι πρὸν τῶν περὶ τὸν βασιλέα· οὐ
 κιντὴν ἰδὼν τὸν κατασχεῖν τὸν ἵππον· ὥστε θυμωθέντα τὸν βασιλέα κελεύσαι· ἐκράτησεν δὲ
 κοπήν· ἦν γὰρ τὸ σὺν ὁμοῖον τῶν ποδῶν αὐτοῦ· παρὰ τῇ τοῦ δεῖκα σφιδραμόντος καὶ ἐδεῖ τὸν βασιλέως·
 μὴ δὲ μὴ κακίαν· τὸ σὺν ἡμᾶρ τὴν ἵππου· μὴ τὴν παραπολέσας· καὶ οἱ μὲν ἡσάμεν λαφύ
 ρισμοῖς τοῖς τοῖς· ὁ δὲ βασιλεὺς· παραδραμόντων κομῶν αὐτοῦ· εἰ παραδράμοι τὸν βασιλι
 κὸν ἵππον ἐφ· καὶ ἀπὸ τοῦ ἐμὸν ἵππου ἐκτὴν ἀχέεισιν ἐποχσάτω γένομαι· ἀρὰ δὲ τὴν βασιλικὴν
 ἐφάρδα καὶ τὸν κοκκοφῆ χαλινὸν ἁμακτικῆς τοῦ βασιλέως κατέμει· τὸν δὲ πρὸς ὁμοῖον
 πρὸς τὸν βασιλέα· κακείνου κελεύσαι τὸ σὺν τὸ γένεσας· ἀφ' ὧν ὁ βασιλεὺς τὸν ἐα
 τὸν παρελάσας ἵππον· καὶ τὸν βασιλέως καταπαράλληλον ὅξιστον σφιδραμόν· ἡ λατὸς τε εἰ
 ἡ εἰς· καὶ πρὸς τὸν βασιλὶκὸν ἀπέτην δὲ σφιδραμόν.



Ηραθὰν μὰ ἐνέισ τοῖς παρατιχόσι καὶ τῶν μενοῖς· φανμάσας δὲ καὶ ὁ βασιλεὺς τὴν μὴ ἀνδρείαν
 ἀφ' ἧς αὐτοῦ καὶ σίμωσιν· ὥστε ὡς ἀπὸ πάσας αὐτὸν ἀπὸ τοῦ φιλοφιλίτης· ἐν τοῖς αὐτοῦ κατέταξε
 τὸν πορτίμ· ἡ γὰρ ἀδὲ ἀφ' ὧν πρὸς αὐτοῦ· καὶ ταῖς κατὰ μικρὸν προσόδοις· εἰς τὴν τὸν πορτίμ
 τὰ τοῖς ταῖς ἀνέγχε· κινηθῆσθαι δὲ πρὸς τὸν βασιλέα κατὰ φιλοφιλίαν·
 πρὸς τὸν ἀπὸ τοῦ πορτίμ τὸν πορτίμ τὸν πορτίμ· ἐπ' ἐφ' ἐμὸν σφιδραμόν· καὶ τὸ βασιλὶκὸν μαρδύκιον·
 τὸν πορτίμ δὲ καὶ μὴ σφιδραμόντος ὑπὸ τοῦ πλῆθους· λυκοῦ τὴν ὕλην ἐξέθορε παμμάχης· ὁρμήσας δὲ
 κατὰ τὸν αὐτοῦ βασιλέως· ἐρρίψε κατὰ τὸν τὸ βασιλὶκὸν μαρδύκιον· καὶ τὸν πορτίμ κατὰ τὸ
 μεσσηνὶς κεφαλῆς· τὰ τὴν δὲ ἀχοτομικῆν.



Οπότε δὲ τοῦ βασιλέως κατὰ τὸ πρῶτον ἐπορεύοντο καὶ σαρ. καὶ τὸ γένος τῆς αἰτίας. εἰπέκε
 ἄνθρωποι πρὸς τὴν αὐτὴν ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ· τοῦτο γὰρ τῶν ἡγούμενων ὁ λείψον γένος αἰ
 ἀρδὴν τῆς αἰτίας· φασὶ δὲ τὴν αὐτὴν τοῦτο προεθέσθαι τοῖς φιλοσόφοις. ὁμο
 μαθὶ τὸν ἄνδρα καλέσας. καὶ σιμεία ὑποφύρασθαι· καὶ τὴν δακτύλῳ δείξας. καὶ τοῦτον
 εἶσεσθαι προεπύον. τῆς συμπάσης τῆς αἰτίας τοῦ λείψοντος.

ἡ φιλοσοφία τῶν δακτύλων
 δείκνυται τῇ βασιλείᾳ



Ην δὲ δὲ τοῦ βασιλέως καὶ σαρ. ἡν δὲ οὐδὲν· αἰκνύοντες γὰρ παλαιὰ πομπὴν ὅπερ ἅπασι τῇ προνοίᾳ
 γένος αἰδούκε· περὶ αὐτοῦ δὲ ποτε τοῦ βασιλέως παλιν κινηθέντος χάριν εἰς τὸ ἀρμα
 μετον· καὶ μετὰ τὴν κίνησιν αὐτοῦ χρομένῳ σιμείᾳ τῇ αἰτίας· καὶ τῆς αἰτίας
 σιμείᾳ οἱ κελεύειν· εἰσεκλήθη δὲ πρῶτον τῶν βασιλέως κέλευστος· πρὸς οὖν
 ἡ βασις πικρότερον ἐκτενέριζε καταποῦσα καὶ παραποῦσα τὰ κατὰ τὸν· ε
 πὶ γένος αἰδούκε καὶ σιμείον ἐκτενέριζε· ἀπὲρ οὖν λίγη κατασχεθεῖσα· καὶ λιπο
 θυμὸς αἰδούκε· εἰς τὴν κατεπέσε

ὁ βασιλεὺς οὐκ αἰδούκε
 καὶ τὸν



Θορυβηθέντες δὲ τοῦ βασιλέως· ὡς τὸν τῶν καὶ τὴν περὶ τὸν βασιλέα· ὡς τὸν τῶν αἰδούκε

ἀπέδεξε ἀπαρχὸν· μετὰ χρόνον γάρ τινα· προαλλεῖται παρὰ κοιμώμενον ὁ βασιλεὺς· τὸν βασιλέα·
 τὴν μίαν αὐτὸν καὶ παρὶ κίοντι· καὶ γυναικὶ σὺ ζύξας· ἀπρεπεία τε σὺ μάθος· καὶ κάλλει καὶ στυφρο
 σὺ μὴ πτωτῶν πρῶτον νοσητῶν καὶ αὐτῇ



Αὐτὸς δὲ ἦν φησὶ τὸν παρὰ πάντων φρονισί· καὶ ἀμνεία διαβοῖ τὸν ἵγκρο· τὸν γένος καταγμένου πύρ
 μαρτηκίω· τὸν τοῦδε γενομένου καὶ προσηκιστὴς πρὸς τὸν βασιλέα· τὸν βασιλέα σὺ γάρ τις
 ἐπιβδόσας εἶ· ὁρῶν καὶ σαρκαὶ τῶν φθονῶν δακνύμενος· καὶ περὶ τοῦ μέλλοντος ὁρῶν δὲ
 εἰλεχὲς πολλὰ κίς· πρὸς τὸν αὐτὸν ἀπαθείσας τὰς αὐτοσκευάσας τὸν ῥόδιον ἀφ' ὃν· ὅτι ταῖς κακομουλι
 αῖς τῶν περὶ τῶν σείρων· ἐξέωσας αὐτὸν περὶ· λέοντα ἀπ' ἐπὶ τῇ γῇ· ἵνα πάντας ἡμᾶς ἀδρόσως λαβῇ
 ξύται· ἀπὸ τοῦ βασιλέως μὲν χαλκὸν κατὰ κρητὸν ἐξέλασαν τὸς μετὰ βαρδὰ καὶ σαρὰς τὸν τεί
 οναὺ τὸν· καὶ σὺ αὐτὸν περὶ ἀπὸ μένου τῶν πρὸ γὰρ τῶν τῶν ἡρῶν· καὶ κατὰ μετὰ ῥομὰν τὸς τὸν βασι
 λέα· καὶ τὸς περὶ αὐτὸν ὑπορείας ἀφορμὴν δίδόντος· ἐπεὶ ἐν τῷ σκήπτρῳ εἰσέρχεται· τὸ ποσὶ εἰς κί
 ποκατὰ τὴν παρὰ αὐτὸν· ἐν τῇ πόλει τὴν φάλαγγα εἰσβολὰς ποιεῖται ὁ μακάριος ἡρώδης



Εν ταῦτάδ' ἐν τῇ σκευῇ καὶ μετὰ τὸν γενομένης τῆς περὶ τὸν βασιλέα· ἵνα μὴ κατατῶν τὴν πένητος

7371 B 4041

$\pi \lambda \alpha' \beta' - \pi \alpha' \gamma \alpha$

تو

me hont selbe de Parvulo. e marte d'bon mte hont dora / q'ora x'e bon k'orab ora marte d'ion z'af'n
ballge dz e arb x'e m' marte o marte x'e o c. selbo d'oh mte m' d'ore ab x'a eng po bo d'ore m' y'd

ΒΙ ΒΑΡΥ. ΑΥΧΑΝ ΔΑΝΙΔΑΝ ΤΕ ΝΥΔΗΘΗ.
 ΑΝΘΡΩΠΟΝ ΑΝΘΡΩΠΟΝ ΠΑΝΔΗΝΗΜΑΝ. ΦΑΝΑΝΘΕ ΔΕ ΧΕΡΕΣ Η ΕΙΣ ΒΑΡΥ ΥΕΙΟΝ ΔΑΝΙΔΑΝ ΤΕ
 ΦΟΒΑΝ ΧΕ ΜΑΡΤΑΝ ΔΕ ΝΥΔΗΘΗ. Ε ΒΑΡΥ ΥΙΟΥ ΑΝ ΔΙ ΠΑΝ ΔΟΥΝΑ. ΑΝΘΡΩΠΟΝ ΤΕ ΧΕΡΕΣ ΑΝΘΡΩΠΟΝ
 ΑΦΗΜΕΥΑΝ ΤΕ ΥΕΙΟΝ ΔΑ. Ε ΔΟΥΝΟ ΧΕ ΜΑΡΤΑΝ ΔΕ ΝΥΔΗΘΗ. Ε ΔΕ ΝΥΔΗΘΗ ΤΕ ΑΝΘΡΩΠΟΝ ΤΕ
 ΝΥΔΗΘΗ ΚΕΙΝΗ ΑΝΘΡΩΠΟΝ ΧΕΡΕΣ ΑΝΘΡΩΠΟΝ. Ε ΔΟΥΝΟ ΧΕ ΜΑΡΤΑΝ ΔΕ ΝΥΔΗΘΗ. Ε ΔΟΥΝΟ ΧΕ ΜΑΡΤΑΝ
 ΕΙΝΥΔΗΘΗ ΧΕ ΜΑΡΤΑΝ ΔΕ ΝΥΔΗΘΗ. Ο ΑΝΘΡΩΠΟΝ ΒΕ ΒΑΡΥ ΥΕΙΟΝ ΤΕ ΧΕΡΕΣ ΑΝΘΡΩΠΟΝ ΤΕ
 ΚΗΔΟΝ. Ε ΑΝΘΡΩΠΟΝ ΑΝΘΡΩΠΟΝ ΚΕΙΝΗ ΑΝΘΡΩΠΟΝ ΑΝΘΡΩΠΟΝ ΤΕ ΧΕΡΕΣ ΑΝΘΡΩΠΟΝ ΤΕ
 ΑΝΘΡΩΠΟΝ ΑΝΘΡΩΠΟΝ ΤΕ ΧΕΡΕΣ ΑΝΘΡΩΠΟΝ ΤΕ ΧΕΡΕΣ ΑΝΘΡΩΠΟΝ ΤΕ ΧΕΡΕΣ ΑΝΘΡΩΠΟΝ ΤΕ
 Ε ΧΕ ΜΑΡΤΑΝ ΑΝΘΡΩΠΟΝ ΤΕ ΧΕΡΕΣ ΑΝΘΡΩΠΟΝ ΤΕ ΧΕΡΕΣ ΑΝΘΡΩΠΟΝ ΤΕ ΧΕΡΕΣ ΑΝΘΡΩΠΟΝ ΤΕ
 ΑΝΘΡΩΠΟΝ ΤΕ ΧΕΡΕΣ ΑΝΘΡΩΠΟΝ ΤΕ ΧΕΡΕΣ ΑΝΘΡΩΠΟΝ ΤΕ ΧΕΡΕΣ ΑΝΘΡΩΠΟΝ ΤΕ ΧΕΡΕΣ ΑΝΘΡΩΠΟΝ ΤΕ

[illegible][illegible]

ο α φ τ ο
α ρ ο τ α ν χ ο α φ τ ο

με λ η ν η

δε τω αφρατη. εωραθε ρουα πελαγ' ου τω το πορι. αλουνε παρ τε/ος αιαντον.
μεφωρα(ατ τον ποταμον. δεφωρατε. ε πολλω της χωρατ λυμ μαίμνος ε λικτα
φρε λαιμερος. ερωμε το φουροιο ρα φαιμορ χαλτα. μερος του φρατου την μετω
ε αρσι ρουε αφρατου χωρανε κ πε λιασ. καταδραμειν προεβζε. οι πασαν
αυτς ιαπρως ταχιδραμονται. το τε. λεγμενορ μαρμαρον. ε το χλασζν. ε το αι
μαρ. ε το μουριζ. ε το αυδχλν. εβε πορ φηται. και το δε τς μελιτηνων πορσ βα
λων. και ανδρονι το τε. αλ. η θη. ε φρατ ανδρονι. ε πει τοις τει χαινε
αλκιστε. βαρβαρικος επε αζατο φαιμαρ. μετω φρεματενις αφαρματουν
παντω (αυται. οι ουρανικος εμνησας. ε πορσ το σφραγος προιγαμνος.
το πασι τω γαμνοω φρε λιατο. ει τοιλοι ποιτω ανχου. ε με λει τε αι φεωσδναι
ρωω τε σε λω κοκ. ας καταφρω τω γα. το μετς. εδωρος ε φηρεω φηαι η φηαι. α
λουνδε ε βωντασ. αλ. ι. ο. το δε λοιπω ανηωσ ει ποτε ληνε κ. κλασζν η.
ε μουλητη μενοωσ ασι λας. ε λε πορ λαις μηχανας ας πορ ει ραδαι του χοριου.
αοδεω ρα τς πολυ ατυρην. η πολη τει τω γαμνο μενονα απο του τειχου βρι
θουσαν. ε αυτς το δε ε φριτω και το μορμα φθορια ε χειρ πολλη η τω γαη τη δε
ε μηδε δτε ναι μαλιστα πολιορμα. αρα τυτεν θεμ. τη μαρι χαμωρ πορσ βαλεις.
ε παντα τα εν ποσι νεκτε φρεω (ατ. το αρ γαυτ. λεγμενορ φουροιο. ε του κου τα
μους. ε του σε φανου. ε το αρχ. ε με πορσας κατεσκαψε ν. εκειθεν αφειρατ τον φρα
τον. ε της αυτς τη νιασι λαιωσ ανειχτο. το μερο αναρτασαντας τοσ φρατ
των. η μετασ ας πε λωσεν. αυτοσ τη νιασι λιδω καταμασεν. ε πρως θεις εις θρα
λην. εκ του εβδουμου τε δε μοσι αν ποι κταμνος πορσ οδου. αλ. ατς ο χρωτ πορτς ει
σε λταιν. ε φρι αμμορ καταφρον μαγνλο πρε πετατον. του δ η μουπαρ τοσ ανη νι λαισ φω
και σ αυτορ μαγνλωντος. ε χει του μαδου της του φη. αν πορσ του σοφια.

ΚΕΙΣΕΓΑΓΕΡΟΜΕΝΟΣ ΕΤΕΛΕΤΩ ΑΛΧΑΙΦΗΡΙΟΥ ΑΠΟΔΩΤΗΜΟΥ. ΠΑΡΟΥΙΝΑΤΟΥΝΤΕ Τ' ΑΡΙΑ
 ΖΟΥΤΑΙΝΙΩΤΕΙΣ ΚΙΛΙΚΙΟΙΣ ΓΕΦΑΥΟΙΣ. ΕΠΑΝΗΛΕΜΕΙΣ ΤΩ ΚΑΠΙΡΕΙΩ. ΜΙΛΟΥΝΤΕ ΣΥΝΗΘΕΙΣ
 ΤΗ ΓΥΝΑΙΚΙ ΕΤΟΙΣ ΤΕΛΕΟΙΣ. ΤΩΝ ΠΟΛΙΤΗΝ ΚΑΥΘΗΣ ΕΙΧΤΟ ΑΙΟΙΛΙΣΤΕΩΝ. ΤΩΔΕ ΠΙΟΝΤΙ ΧΕ
 ΝΩ. ΤΟΥ ΤΩΝ ΜΑΡΙΧΑΙΩΝ ΔΕ ΚΗΡΥΜΕΝΟΥ ΧΡΩΤΟ ΧΕΙΡΟΣ. ΕΙΣ ΤΗΝ ΤΩΝ ΡΩΜΑΙΩΝ ΕΜΒΛΟΥΤΟΣ
 ΒΑΡΕΙ ΓΡΑΤΩ. ΕΤΑΥΤΗ ΜΗΙΒΟΜΕΝΟΥ. ΑΠΟ ΓΕ ΧΕΙΛΑΤΑ ΤΟΥ ΣΑΥΗΤΕΥΤΟ ΚΑΠΙΛΑΣ. ΤΟΝΤ
 ΣΥΛΛΟΝ ΔΕ ΚΗΡΥΜΕΝΟΝ. ΟΛΤΟΣ ΔΕ ΠΑΝΤΑ ΤΟΝ ΡΩΜΑΙΩΝ ΓΡΑΤΟΝ ΣΥΜΠΑΡΕΙΛΗΦΩΣ. ΕΠΕΙ
 ΔΗ ΓΑΡ ΑΙΑ ΜΟΧΗ ΚΙΝΟΥ ΤΟ ΠΑΡΕΔΕΙΛΙΑ. ΠΑΡΕΙΠΤΟ ΤΕΩΣ ΑΙΤΩ ΑΠΟΤΗΡΟΣ ΑΙΩΝΗ ΜΑΤ
 ΕΤΑΥΤΗ ΜΗΙ ΚΑΤΑΡΕΙΡ ΓΕ ΚΑΤΑ ΔΡΟΜΑΙΣ. ΕΤΟΙΩ ΑΡΟΡΕΙ ΚΑΤΑ ΤΗ ΧΟΡΑΣ ΑΔΕΩΣ ΑΙΩΝΗ ΜΑΤ
 ΟΩΣ ΟΥΤΑ ΜΕΝ ΔΡΩΝ. ΤΑ ΔΕ ΑΠΟΡΑΚΤΩΝ ΟΒΑΡ ΜΑΡΟΣ. ΗΔΗ ΔΕ ΕΤΗΣ ΠΡΟΣ ΤΑ ΟΙΚΟΙΕ ΠΑ
 ΜΟΔΟΥ ΕΜΕΛΗΚΤΟ. ΕΜΕΤΑΙΛΕΙΑΣ ΣΥΧΝΗΣ ΕΠΙΤΡΕΠΕΝ. ΟΔΟΜΑΤΙΚΟΣ ΤΩΝ ΣΥΛΛΟΝ ΔΕ ΤΩΝ
 ΓΡΑΤΗΡΩΝ ΑΦΟΡΙΤΕ. ΤΟΝΤΕ ΧΑΡΣΙΑΦΟΥ. ΕΤΟΜΑΡ ΜΕΡΙΑΛΙΩΝ ΜΕΤΑ ΤΗ ΠΡΙ ΑΙΤΩΝ ΔΕ ΜΕΤ
 ΕΙ ΚΑΤΟΝ ΣΥΜΠΑΡΟΜΑΡΤΩΝ ΤΩ ΧΡΩΤΟ ΧΕΙΡΙ ΔΧΡΙΤΟΥ ΛΑΘ ΜΕΝΟΥ ΒΑΔΥΡΕΥΑΛΙΟΣ. ΚΑΛΕΙΦΕΝ
 ΕΙ ΜΕΝ ΕΠΙΦΕΙΦΕ ΚΑΤΑ ΤΩΝ ΡΩΜΑΙΩΝ ΟΡΙΩΝ ΓΡΑΤΟΝ. ΔΗΛΑ ΤΕ ΑΝΑΙΤΕΥΤΑ ΠΡΙ ΤΟΤ
 ΕΙΔΩΙ ΚΑΔΕ ΜΕΤΑ ΓΡΕ ΠΙΒΩ ΔΙΒΕΙΕΝ. ΕΑΥΤΑ ΤΑΣ ΤΟΝΤΕ ΑΥΤΗΣ ΕΠΑΡΕΛΘΕΙΝ ΠΡΟΣ ΑΙΤΟΝ
 ΑΥΤΑΤΟ ΟΥ ΚΑΤΑΜΑΜΩΣΗΣ. ΕΤΟΥ ΚΑΡΜΑΡΙΚΟΥ ΓΡΑΤΟΝ ΚΑΤΑΜΑΜΩΣ ΤΟΝ ΒΑΔΥΡΕΥΑΛΙΟΝ.
 ΑΥΛΙΣΑΜΕΝΟΥΤΕ ΚΑΤΑ ΤΗΝ ΤΟΥ ΟΡΙΩΝ ΕΠΙΤΡΕΠΕΝ. ΤΩΝΔΕ ΕΙΡΗ ΜΕΝΟΥ ΓΡΑΤΗΡΩΝ ΚΑΤΑ ΤΗ
 ΤΩΝ ΤΑΥΤΟΙΣ ΧΑΜΕΤΕΡΩΤΗΡΑ ΕΤΟ ΜΕΛΛΟΝ ΑΠΟΣΤΕΛΕΤΑΙ ΤΩΝ. ΕΜΕΤΑΙ ΠΕΙΤΟ ΠΡΙ ΤΩΝ ΤΗ
 ΣΙΣ ΕΑΥΜΕΛΛΑΙ. ΤΟΙΣ ΤΩΝ ΔΙΩΤΕ ΜΑΤΕΥΝ ΓΡΑΤΙΩΤΗΣ. ΟΙ ΜΕΝ ΤΟΥ ΧΑΡΣΙΑΦΟΥ. ΕΑΥΤΟΙΣ ΤΩ
 ΤΗΤ ΑΡΔΡΕΙΑΤΕ ΜΙΣΑΝΤΟ ΑΡΜΟΖΕΙΝ ΠΡΩΤΕΙΑ. ΕΜΕΤΑ ΜΕΝ ΔΕ ΕΑΥΤΟΙΣ ΟΙ ΑΡΜΕΝΙΑΛΙΟΙ. ΟΩΣ
 ΕΑΥΤΗ ΠΩΛΕΙ ΤΩΝ ΑΡΟΡΕΙ ΤΑΤΗΣ ΦΙΛΟΝΕΙΛΙΑΣ. ΕΠΡΟΣ ΤΟ ΜΕΛΛΟΝ ΚΑΤΑ ΤΟΝ ΡΕΠΕΤ
 ΤΑΜΑΤΩΝ. ΕΝ ΤΑΥΤΑ ΔΗ ΛΑΓΓΑΧΗ ΑΥΤΗΝ ΠΑΡΑΤΗΡΟΣ ΤΟΥ ΤΩΝ ΑΡΜΕΝΙΑΛΙΩΝ (ΟΥΚΗΝΑ
 ΤΟΣ. ΕΩΣΙΝΑ ΤΗ ΜΑΤΗ ΚΩΣ ΓΡΑΤΙΩΤΗ ΑΥΤΗ ΕΠΙ ΤΗ ΑΥΤΩ ΜΕΤΑ. ΟΩΣ ΤΟΙΣ ΕΡΓΟΙΣ
 ΑΥΤΗΝ ΙΣΤΗΚΗ ΤΟΝ ΑΡ ΓΗΝΩΔΕΙΖΑΣΘΑΙ. ΟΙ ΠΟΛΕΜΟΙ ΓΑΡ ΟΥ ΜΙΛΩΝ. ΕΔΕ ΑΥΤΗΝΩ
 ΤΩΝ ΕΓΩΝ ΦΑΡΕΙΝΑΙ ΤΩ ΑΡ ΓΕΙΣ. ΤΩ ΤΟΙΟΥΤΩ ΤΟΙΟΙΝ/ΧΩΣ ΔΙΕΜΟΤΙΑΘΕΝ
 ΤΑΤΟΙ ΓΡΑΤΗΡΙ. ΕΤΗΝ ΠΡΟΣ ΑΥΔΡΕΙΑ ΑΡΜΗΝ ΚΑΤΑΜΟΝΤΑΜ ΤΕ ΤΟΥ ΛΑΟΥ. ΚΑΤΑΜΑ
 ΤΟΥ ΤΕΣ ΔΕ ΕΤΗ ΑΠΟ ΤΟΥ ΤΩΝ ΒΟΗΘΕΙΑΣ. ΟΤΙ ΟΩΣ ΕΠΙ ΔΕΙΩΝ ΜΕΛΛΟΝ ΤΗΝΩ
 ΤΗ ΔΕ ΑΥΤΟΙΣ ΠΟΜΕΜΟΙΣ ΕΑΥΤΟΙΣ ΚΑΙ ΛΟΟΚΕΙ ΜΕΝΟΥΣ ΤΟ ΠΟΣΟ. ΑΛΛΗΛΑΙ ΡΟΙΣ ΤΗΝ ΔΙΩΑΜΕΝ. Ε
 ΤΟ ΜΕΝ ΑΥΤΗ ΤΟΝ ΤΑΥΤΗΤ ΑΥΤΟΙΣ ΟΩΣ ΑΛΙΟΝ ΕΩΝ. ΜΕΤΑ ΤΑΥΤΕ ΤΩΝ ΓΡΑΤΗΡΩΝ. ΠΡΟΣ ΒΑΡΕΙΝ ΚΡΙΤΗ
 ΤΩ ΤΩΝ ΒΑΡ ΜΑΡΩΝ ΓΡΑΤΩ. ΤΟ ΔΕ ΛΟΙΠΟΝ ΕΑΥΤΗ ΜΗ ΤΟΜΤΣ ΕΡΩ ΑΥΤΗΝ ΓΡΑΤΙΚΩ. ΕΙΣ
 ΔΟΚΗ ΜΑΧΗ ΤΩ ΑΥΤΗ ΤΩΝ ΣΥΝΗΛΑΥΑΜ ΤΕΣ ΠΡΟΣ ΤΑ ΜΕΤΕΩΡΑ. ΕΣΑΥΤΗ ΚΑΤΑ ΔΥΝΤΕΣ.
 ΙΝΟΤΑΜΟΙ ΤΟΙ ΠΡΟΣ ΜΑΧΩΣΙ ΤΟΙΣ ΕΧΘΡΟΙΣ. ΚΑΛΕΙΜΟΙ ΣΑΥΑΦΑΜΑΜΕ ΜΕΤΑ ΤΑΥΤΗ ΤΗΝ ΕΠΙΤΡΕΠΕΝ.

ἀλγῶματι. κατ' ἑρὺν τοῦ ἵππου. τῶν δὲ βωμάτων. ἀλλοιότης τοῦ ποτὸν ἐπὶ ποταμοῖς.
τοῦ ἵππου ῥίψας αὐτὸν, ὡς μελέια τῆς ἰού τοῦ πεσόντος. τοῖς τε οἰκείοις ὀργάσι τὴν κεφαλὴν
ἐκείνου ὡς τὸ σπινθῆρ ὀδύρο μερος. ἐν τοσούτοις, προσήκοντα τοῦ ποταμοῦ ἁδὴ
ἔσθιοι. ἐκ ἀλλοίμενοι τῶν ἵππων. τῇ τοῦ χερσὸς χειρὸς ἀποτέμνωσι κεφαλὴν. ἢ ἀντα
ρατῶν τοσούτων κλιμακῶν τοσούτων. δακτύλῳ δὲ τὸν ἀλλοιότητην. ἐπὶ τοῖς ἀλλοίοις ἀντιμετα
τοῖς σπινθῆρσιν. ἀπὸ ὧν ἡ γελία πρὸς τὸν βασιλέα ἐκπέμπονται. μετὺ
ἡρὸς ἡ τοῦ χερσὸς κεφαλὴ. πεσόντος οὖν τοῦ χερσὸς, σὺν αὐτῇ μαράθῃ
παῖτα ἡ ἀπὸ τοῦ αὐτῇ τεφρίκις ἀσφιδεῖα. ἐπὶ τὰ μέλη αὐτῆς τεφρίκις, τοιοῦτον ὅτι
τέλος. ἐν ὧν αὐτῇ. ἡ ὡς μετὰ δόξαν ἀπὸ τοῦ ποταμοῦ καὶ χερσὸς ἀπὸ τοῦ ποταμοῦ
κατὰ τὸν ἀλλοιότητην. ἡ γελία οὖν δὲ τοῦ ποταμοῦ τὴν παρὰ τὸν ποταμὸν ἀλλοιότητην μετὰ τὸν ποταμὸν. αὐ
τὴν δὲ μετὰ τὴν κεφαλὴν ἐκ κλησίων. φωτὶ ὅσον αὐτῇ. κατὰ τὸν ποταμὸν καὶ τὸν ποταμὸν. ὡς βουμ
μὴν ὅτι τὸ βασιλεὺς παρὰ τὸν ποταμὸν. ὅτι ἀπὸ τῆς χερσὸς τὸν ποταμὸν ὅτι ἀπὸ τῆς
τοῦ ποταμοῦ. ἐπὶ τὴν χερσὸς τῶν ποταμῶν. ὅτι μετὰ τὸν ποταμὸν. ἐπὶ τὴν
τὴν τοσούτων. οἱ δὲ λοιποὶ τῶν ποταμῶν ἐκ τῶν ποταμῶν. ὅτι ἀπὸ τῆς χερσὸς.

[illegible]

Ἡ γὰρ αὐτοῦ τοῦ δένει πωσέ πακούσας ὁ βασιλεὺς. φιλαφῶς αὐτὸς προσεδόξατο. καὶ πάντες τῶν
 μαϊκῆν ἡλθον ἀρχῇ. δεξάμενοι ἀρχοντας τῶν οἰκείων καὶ ὁμοφύλων. τῶν δὲ περικαλῶν
 μαρμαρινῶν τὸ ρασιόν. ἐπὶ περὶ τὴν ἰταλίαν ἀλατρεχόντων καὶ σιμωχῶν κατὰ ριμῶν τῶν αὐτῶν.
 φροντίζοντες ἀπὸ πῶς τοῦ τοῦ ἀποσκάσσεται. ἐπεὶ ἐπὶ πῶς κε αὐτῶν ὁμοχρεῖται τὸν με
 τὰ τὸ ὑφ' ἑαυτοῦ. προσδολοῖχον τὸν ῥιγαφραγῶν καὶ τὸν παπαρῶν. ἀλατρεσβέεται σιμω
 χῶν. καὶ κούρησαι τοῦ αὐτοῦ ὑδῶν ἀμεσιγῆσαι πῶν. καὶ μετὰ τούτων κατὰ ποταμῶν σιμωχῶν ἀπατάξαι
 οὐδαι. καὶ τὰς οὐλίτῶν πρόσθερμῶν ἀφείσας χύρας τῶν σκλαβῶν κελῶσας σιμωχῶν λαμῶσας
 τοῦ ἔργου. καὶ τὸς τοῦ ρασιόν οἰκίτορας. ὡς μὲν πάντων γὰρ κημέρων. καὶ μαλίστα
 θροισίσι δὲ γὰρ μεσῶ. ἐπεὶ καὶ ὁ ῥωμαίων ἀρχος. ἐμπερίσφρατῆν κημέρῶν τοῦ φάτῃ
 ἡ βασιλεύσκειται. τὸν δὲ σουλδάρον καὶ τὸν ὑπὸ τὸν λαὸν τῶν ἀγαθῶν. ὁ ἀέχων φραγῆσ
 ὄναρ ἀμῶν μερῶν αἰχμαλώτοις. ἐπὶ οἰκονομῶν. καὶ ἡ μὲν κατὰ τὴν ἀπὸ τῶν πρῶτων
 τέταρτος αἰσῶν. τοιοῦτον πέρασέ δόξατο. ὁ δὲ σουλδάρος αἰχμαλώτους ὡς εἰρηται
 ρὰ τὸν ῥιγαφραγῶν. καὶ ἐν καπνῷ ὄφθεις. ὡς ἀπὸ ἀνέμων ἀπὸ τῶν. οὐδὲ ποτε παρὰ τῶν
 φηγῶν. ὁ δὲ ῥιγ. τῶν κατὰ φοροῦν τὸν γέλωτα πῶς ποικίλῃ. χρυσίου δὲ σιμωχῶν
 τοῦ. προσήγειλε μὲν οὐ πῶς ποτε τῶν ῥιγ. γέλωτα τὸν σουλδάρον φησάσαι. καὶ τοῦτου παρῆ
 χετο μάρτυρας. ὁ καλέσας ὁ ῥιγ. τὴν μετὰ μορμῶν τοῦ γέλωτος ἐψηφάνετο. ὁ δὲ ἀμῶν
 φ' καπνῶν. καὶ τὸς τῶν κατὰ μορμῶν τῶν τῶν. πῶς οὐ μὲν ταπείνωσάι ῥεται. ὁ δὲ μετὰ τῶν
 ταπείνουται. καὶ ὡς εἰκόνα τῶν τῶν λαβῶν τῶν ἀσφαλῶν τοῦ καὶ ἀμῶν τοῦ ἀμῶν ἀμῶν
 ἀμῶν. ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν. πῶς οὐ μὲν τῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν. ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν. ἀμῶν ἀμῶν
 οὐ καὶ ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν. καὶ ἐμῶν. ὡς ἀπὸ τῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν. οὐ τῶν ἀμῶν ἀμῶν
 ἀμῶν. ἐμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν
 οἰκείων λαβῶν. σιμωχῶν τῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν
 ρας. καὶ τὸ ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν
 ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν
 ῥιγ. τῶν καπνῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν
 ὁ τοιοῦτος ὡς ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν
 ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν
 οὐ καὶ ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν
 ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν ἀμῶν

1741

οὐκ

ρασι

ρασι

ρασι

ρασι

ρασι

ρασι

ρασι

ρασι

ρασι

ρασι

ρασι

ρασι

0 πονηρὸν δὲ τὴν κτὸν ἀπὸ λείων ἐλθόντων μνησθῆναι ἀφ' ὧν ὁρῶντας· ἔλπιεν τὴν πολιορκίαν· καὶ οἱ
 καὶ ἐπελῶν ὡρῶν· αἰδοῦντο μὲν αὖ πολεῖν· τὸ ἀπὸ τοῦδε ἀπέλειπον φίλοι· καὶ τὸν μαχητὰ
 ἀφ' ὧν ὡρῶν· κατὰ τὸν τοῦτον χρόνον· καὶ ἐπαύθη τὰς συνάμικτας· τὴν προκίησαν
 μενέπαρον μενομήκην· τριακονταπλοῖα μετὰ δ' ἄρτια μένος· κούμπαρα τὰ τακά καὶ εἰρεῖαν
 ἀσπὶν οἱ σαρκενοὶ· τὴν πόλει αὖ πτερυγαῖον ἀρίστον· προγόντο δὲ τὸν τοῦ βασιλέως·
 ὁ φρατὶς τὸς τὴν ἑλλάδος οἰνεῖται σὺν τοσὺν· κελάσει βασιλική· τὸν ἱκανὸν εἰς φυλακὴν καὶ
 οὐκ ἔστι πόλεως· ἀπὸ πάντων ἑλλάδος ἐστί γε· καὶ τοῖς τειχεσὶ τὴν προσήκουσαν παρασκευὴν
 προσήγαγον· πετρομολατέοντα· καὶ τοξομολατέοντα· καὶ ἀπὸ σόλοισιν αὖ
 δὲ τὰ μὲν ὅλα μενέπαρον ἀποσβεῖν πολιορκίαν ἀμνησίαν· ἀπολίπον· ἐπεὶ δὲ κατέμα
 βε καὶ οὐκ ἔστιν ἀσπὶς ὡς ὁλοσ· καὶ τοῖς τειχεσὶ μὲν δὲ προσήκον· καὶ βελῶν ἀφέσει σιγῶν·
 ἀναστὰς δὲ ἐν ἱερῷ θεοῦ τοῦ ἀπὸ τῶν τειχεσὶν ἀμνησίαν· θυμὸν καὶ προθυμίαν πᾶσι
 ρεῖσι οἱ τοῦ ἀρίστου γνόμοι· τοῖς πετρομολοῖς τῶν ὀργάνων καὶ τοῖς καταπελτικαῖς με
 λεσὶ καὶ τοῖς τόξοις· καὶ τοῖς ἐκ χειρὸς μίθισ· ἀπὸ τῶν τειχεσὶν γυναικῶν σὺ μύροντο· καὶ
 σιγῶν τῶν μαρμαρῶν καὶ ἐκαστὴν ἀνδρῶν· αὐτὴν ἔσταν πεδὲ καὶ πᾶσι μὲν ὁ φόρον·
 ἐπαφίκασι τὰς αὐτῶν τειχεσὶν ἀμνησίαν· καὶ πολλὰς τῶν γυναικῶν καὶ ἐπὶ καὶ ἐπὶ καὶ
 προσάπερα μνησθῶν ὁ μαρμαρος· καὶ εἰδὼς ὅτι ἐφείσται χρημάτων ἐξ ὧν πολλὰ πα
 ρασκευάσει κατὰ φρονεῖν τοῦ φάρατος· αἰσίδα μάλιν πρὸ τοῦ χάρακος φείσται· καὶ χρυ
 σίου τὰ τὴν πεπληρωκός· τοῦ τοῦ χρασὶ φιδόσειν μετὰ καὶ παρτεμένα ἰχθυαλὰ πιδῶ
 ἱκοτόν· τῶν πρῶτων σέπτε μὲν τὸν τείχος· καὶ τοῖς ὁμοφύλοισιν τὴν ἱκὴν βραχὺ σπῆ
 ὁ περὶ ἐκτὴς πόλεως τε ὑπάρχοντες· αὐτῶν τε τὸν μὲν ὡς τὴν πρῶτον μενέπαρον καὶ ἀποκίτητες
 παρακλήτικοις τε λόγους καὶ ἀντιπρὸς προσάλκην ἐαυτῶν παρὰ φαρμάκων· καὶ
 ὡς ἐκαστὴν μετὰ σπύλας τὴς πόλεως ὑπαφίκασι· ἀνδρείως κατὰ τὴν μαρμαρῶν
 ἐξ ὧν ἀμνησίαν



Καὶ κατὰ τὴν πρῶτην μοῖν. καὶ ῥίαν δὲ βαμένον τοῦ ἀμῖν ῥα πλὴν καὶ πεσόμτος. καὶ πολλῶν
ἀλλων σὺν αὐτῷ αἰρεθέντων. οἱ λοιποὶ ἐπὶ τῇ πρῶτῃ προσφυγῇ. ὡς κειμένων δὲ τῶν αἰσ
κόντων μετὰ τῶν ὑπολοίπων μεσῶν. κατεσφάπτοντο. καὶ φόρος ἐγένετο τῶν μαρμαρῶν πολλῶ.
οἱ δὲ περίλειφθεντες. οἱ γὰρ πλεονέκτες τῶν μεσῶν. μετασχύνοντες φύγοντες τὰς ἀλῆς. ἐς
ὁ μὲν ἐκ τῆς τῆς σούλους. τοιοῦτον ἐσχέτο πέρασ. ἔπερσδε πᾶν ἀπὸ τῆς κρήτης αὐτῇ
Γεῖρε το σούλος. σὰν γὰρ τοῦ ἀποχαι. ἀρχηγούτης κρήτης ὑπαρχοντος. φρόσιος τῆς αἰνῆς. πο
λεμική καὶ δραστική. παρὰ αὐτοῦ κατὰ ῥομαίω ἡγήθη. μετὰ τὴν καὶ ἐκ κοσμον μαρμαρῶν.
καὶ πλεονέκτες παρὰ αὐτοῦ. καὶ περὶ τὸν τόρον. ἀσδὶ γὰρ ἐπὶ κατονομαζομένη ὡς τῆς. ὅς
ἐξορμάσας ἐκ κρήτης. τὰς ἐν τῷ αἰγῶνι σῶσι. καὶ τὰς παραλίους κατελήθη. καὶ μετὰ
τῆς ἐν ἡλὶ ἀπομύτων προικομήσου. κατέλαμε τὰ παρατιχόντα ἀνδραποδίζομενός τε καὶ ἀλαφρεί
ρων. τὸν τε σῶμα τῆς μετὰ τοῦ ῥωμῆς καὶ γούλου ὁ πρὶ κιοσὶ κίτας καὶ ῥου γὰρ ὅς τ
πλεονέκτες ὡς ῥίαν. καὶ τοῦ ῥωμῆς καὶ γούλου κατὰ χεῖρ λήχων. παρὰ τὸ σῶμα τοῦ αἰγῶνι
παρὰ τὴν καρδίαν. καὶ μετὰ τὴν καρπὸν σῶμα μένος. ἀπὸ τῆς μετὰ ἐκ κοσμον κρήτης καὶ κατὰ
τοῦ ῥωμῆς σῶμα κατεφλέξε. καὶ τὸ σῶμα τῶν βαρβαρῶν. μετὰ τὴν. καὶ πᾶν. καὶ ὅσοι ἀε με
ρίσαντο. ὅσα δὲ τῶν ἐκ τῆς ῥωμῆς καὶ τῶν ἐκ τῆς φαιάσσης ἀε φῦτον κίμωνων. φῦγῃ τὴν
σῶμα πρῶτα πρῶτα ῥῶμα. ἀλλὰ καὶ πρὸ ὑπερδελφῶς φραδοθέντες. οἱ κρήτες οὐκ ἔλαττον σῶμα
ρε μείν. ἀλλὰ πάλιν τῶν κατὰ τὰς ἀλῆς σῶμα πᾶν τῶν πρῶτα πρῶτα. καὶ ληφθῆναι ἐκ τῶν σῶμα
μαρμαρῶν. τὴν πελοπόννησον καὶ τὰς κατὰ τὴν αἰνῆς ῥῶμα. ἐλυσσῶ. τὸν ῥωμῆς πρὸ τῆς τῆς
πρῶτα ῥῶμα ῥῶμα ῥῶμα. ἐξορμά καὶ κατὰ τὸν ῥωμῆς καὶ γούλου ἐξ ῥῶμα μένος. κίτας
πρὶ κιοσὶ ὡς ῥίαν. ἐπὶ φόρῳ δὲ καὶ αἰσῶν ῥῶμα μένος πρῶτα πρῶτα. ἀπὸ τῆς ῥῶμα κα
ταλαμῶν ἐπὶ τὴν πελοπόννησον. καὶ τὸ ἀλῆς πρὸς τὴν τῶν κῆχρεων. μετὰ τὸ δὲ ὅτι τὰ
τῶν κῆχρεων κατὰ τὴν πελοπόννησον λήγεται. μετὰ τὴν καὶ πύλον
καὶ πύλας. καὶ τὰ πρὸς τὴν κορινθίαν χερσῶν. μολύνουσι ἀεταίαν σῶμα καὶ σῶμα. ἵλιπ
αἶσας γὰρ περιόδουσι τὴν πελοπόννησον. ἀπὸ τῆς τῶν καὶ μαρμαρῶν. καὶ χελιδόνων
μετὰ τὴν τῶν αἰνῆς ἀναμετρήσασθαι. καὶ τὸν προσέκορτος ὑπερῆσαι καὶ ῥῶν. αἰσῶν ῥῶμα
ἐν κρήτῃ ἀπὸ τῶν κατὰ κορινθίου ἰσθμοῦ πολυχέρια ῥῶμα μένος. πρὸς τὴν ἐκ τῆς φαιάσσης
κατὰ τὸ ξηρὸν ἀπὸ τῶν κατὰ τῶν αἰνῆς. ἐμμενῶν τὸν πελοπόννησον. ἐρτονεῖ χῆρ. καὶ
ὅν τῶν μετὰ τὴν πελοπόννησον περὶ αὐτοῦ τοῖς πολέμοις. αἰφνὶ ἀφῶν τῆς τῆς. καὶ τὸ πρῶτα
πρῶτα δὲ ἐπὶ συγγασκαίαν τῶν αἰνῆς τῶν τοῖς λοῖσι μῶν. ὅν δὲ σῶμα καὶ ἀλκίς μῶν
μαρμαρῶν ῥῶμα. ἀλλὰ τῶν ῥῶμα πρὸς τὴν. τὰς μετὰ τὴν πελοπόννησον. τὰς δὲ κατὰ τὴν
τῶν αἰνῆς τῶν πολέμων μεσῶν καὶ τῶν μαρμαρῶν. τῶν μετὰ τὴν πελοπόννησον. τῶν δὲ

ρῶ

κρή

τῶν

κρή

κεχρησμένον
μαρμαρῶν
καὶ

IT
AEBI



Τοῖς μὲν τὴν τῆς σαρκὸς δορά φαιρούμενος· καὶ μάλλον τὸ ὑπάρχον αὐτῷ τὸ βαπτίσμα τοῦ χυ· τοῦ
 το παρ' αὐτῷ φαιρεῖσθαι λέγων· καὶ οὐδὲν ἵδιον· ἐκ δὲ τῶν ἱματίων· ἀπὸ τοῦ ἡγνείου μελετῶντος
 εὐὼν μετὰ τὸ ἡγνέειν· ἀλλοιὸν· σχοινοῖσι δὲ εὐρών· εἴτα πρὸς λεβητας· πρὸς σκευὰς καὶ χλαζόν
 σι· μετὰ τὸ σκευάζειν· καὶ ἄλλοι· παρ' τοῖσι δὲ ἄλλοις καλυπτομένοις ἰδέσθαι· καὶ ταῦτα δὲ
 πρὸς αὐτὸν μέρος· δὲ οὐδὲ αὐτὸν ἰστένευσε· καὶ οὐκ ἡκροτέροισιν ἐποίησε· μετὰ τὴν ὥσπερ αὐτὸν κρα
 τεῖσιν ἐκράτεισιν ἐκπέμπειν· καὶ ἄλλοι δὲ δύνανται αὐτὴν καὶ ἀπὸ τῆς ἀπείρας ὡς ἀπὸ τῆς λαίλαψ
 ἢ κατὰ μὲν· κατὰ τὴν ὥσπερ αὐτὸν ἐπέλαυνεν· ὁ γὰρ τῆς ἀφ' ἡμεῶν παλαιᾶς τέλει οὐκ ἔστι
 κοινὰ τὸν ἀρ' αὐτὸν κατὰ σκευὰς μέρος· κατὰ τὴν ὥσπερ αὐτὸν ἐκράτεισιν δὲ ὥρμησε· καὶ ταῦτα
 ταῦτα ἡγνέειν· καὶ πρὸς αὐτὸν μετὰ τὸν ἡγνέειν· ἀλλ' ἐκ τῆς ἀφ' ἡμεῶν καὶ ζακάρων
 τῶν ἡμεῶν· ἀφ' ἡμεῶν· αὐτὸς ὁ μὲν τὸν ἡγνέειν τῶν ἡμεῶν κατὰ τὴν ὥσπερ αὐτὸν μετὰ
 οὐκ ἔστιν· μετὰ τὸν ἡγνέειν ἐκπέμπειν αὐτὸν· τριῶν καὶ ἄλλων μετὰ τὸν ἡγνέειν· σὺν το
 μοι δὲ τὸν ἡγνέειν τῶν ἡμεῶν μετὰ οὐκ ἔστιν· καὶ οὐκ ἔστιν μετὰ οὐκ ἔστιν· ἀλλ' οὐκ ἔστιν τὸν ἡγνέειν
 ἡγνέειν· τὰ τῶν δὲ ἐπὶ τῶν αὐτῶν τοῖς πολεμίοις ἀφ' ἡμεῶν ἀπὸ τοῦ αὐτοῦ αὐτῶν· τῶν ἡμε
 ῶν τῶν ἡμεῶν οὐκ ἔστιν πρὸς τὸν κίνδυνον ἀπὸ δειλίας αὐτῶν· κατὰ τὸν ἡγνέειν αὐτῶν ἀπὸ τῶν
 λειπόμενων· τὸ πρὸς τὸν ἡγνέειν αὐτῶν τῶν ἡμεῶν· οὐκ ἔστιν δὲ οὐκ ἔστιν μετὰ οὐκ ἔστιν
 ἡγνέειν αὐτῶν τῶν ἡμεῶν· ἐπελτεῖν τοῖς ἐχθροῖς· μετὰ τὸν ἡγνέειν τὸν ἡγνέειν αὐτῶν τῶν ἡμεῶν
 λεί· ὁ δὲ καὶ τὸν ἡγνέειν τὸν ἡγνέειν αὐτῶν τῶν ἡμεῶν ἐξόρμησε· καὶ τὸν ἡγνέειν αὐτῶν τῶν ἡμεῶν
 τῶν ἡμεῶν· τὸ δὲ κίνδυνος τῶν ἡμεῶν· κελεύσας τὸν ἡγνέειν αὐτῶν τῶν ἡμεῶν ἀπὸ τῶν ἡμεῶν τῶν ἡμεῶν
 τῶν ἡμεῶν κατεχόμενος παρακινεῖν αὐτὸν· τούτων τε αὐτῶν τῶν ἡμεῶν τῶν ἡμεῶν αὐτῶν τῶν ἡμεῶν· καὶ
 τῶν ἡμεῶν τῶν ἡμεῶν αὐτῶν τῶν ἡμεῶν· ἀλλ' αὐτῶν τῶν ἡμεῶν αὐτῶν τῶν ἡμεῶν αὐτῶν τῶν ἡμεῶν

Ἰδὲ κατὰ ληνου καὶ ἀντιπείζικα δὴν ἀμείστον πάντη τὴν βασκαμοναίαν ὑπογόμεσιν. ἀλλήλα μὲν
 Λαῖον καὶ λαμπρὰ δὲ πρᾶξατο. ἐξ ἐρίδος δὲ καὶ φιλονεικίας κατὰ τὸν σὺν μπεσίνον τὸν ἄ-
 γωνα. ἀπολλομένη σὺν τὸν μέγιστον στρατὸν. τὸν γὰρ λέοντος κατὰ τὴν ἐνεχθέντος πρὸς
 τὸν προκόπον. καὶ πρὸς τὸν ἀλλήλα σὺν πολλῇ σκευομένη πρὸς τὸ ἰσχυρόν. σὺν ἐν-
 τὸν μὲν ἀπὸ σὺν μετὰ τὸν φράκων καὶ μακεδόνων κατὰ τὸ δὲ τὸν μέρος ἄλλον ζόμενον. κρα-
 τεῖν τὸν ἐχθρὸν καὶ πολὺ φόνον ἐργάζεσθαι τὸν παρακινῶν. κατὰ τὰ τρὸν δὲ τὸν προκό-
 πον αὐτὴν ταπόμενον μετὰ τὸν κλαβηκὸν καὶ δυτικὸν. ὑπὸ τὸν μέγα τὸν πρὸς ἐξοδῶν. με-
 πεμφθεὶς δὲ παρὰ τὸν στρατηγὸν κοινῆς τὸν πορῶν τὴν ἀπὸ τὴν προηγουμένην φιλονεικί-
 αμ. ἐκλίνει πρὸς τὸν πρὸς τὸν κατὰ τὸν προκόπον μέρος. καὶ αὐτὸς ἐκείνου ἀπεσφῆν ἡρώ-
 κος ἄφρονος μένος. καὶ κατὰ τὸν τὸν ὄχλον πεσόν.



Ὁ δὲ λέων φέροντὶ καὶ ἐπὶ πρὸν ἀπεργάζεσθαι λαμπρὸν. καὶ τὸ ἐκ τῆς ἐρίδος σὺν κίαντα σὺν μιᾷ
 τύχημα. τὸ οὐκ εἰς τὸν φράτα μαλακῶν. καὶ τὸ ἰσχυρὸν φέρτασιν ἐκ τῆς πορῶν τὸν ταπόμενον
 ὑπὸ τὸν προκόπον σὺν παραλαμῶν. τὸ τὰν αὐτὸν καὶ τὸν μέγιστον παρὰ τὸν γὰρ ἡρώκων κατε-
 μενον δὲ ἐπολιόκησε. καὶ πάντας τὸν μέγιστον λαὸν ἐξ ἡρώκων ἀπὸ δὲ τῶν.



Η ΕΡΑΒΗ ΝΕΙΛΑ ΜΕΛΑΝΟΥ
 ΤΗ ΕΠΙΤΟΛΗ ΝΕΥΡΑΚΕΙ
 ΕΑΝ

Κ
 Η ΠΕΥΡΑ

λαμψ

Καὶ τὴν μαλακὴν ἐκκλησίαν· ἵκετις προσέφυγεν· ἀλλ' οὐδὲν αὐτὸν ἐλπίσιν τελέει· ἀποφύγειν οὐκ ἔστιν
 Καταφυγὴ· ἐκεῖθεν γὰρ ἀποσπασθεὶς ἐξ ὁρίων· αὐτοὶ γέλοιαι δὲ θεοφάτος ὅτι μὴ πρόστιτο
 ριαν μαζεύει· ὁ κατωπαδόνος· μετὰ τὴν φρακὴν καὶ μακεδόνων καὶ κατωπαδόνων· λέκτερον· γρα-
 τήν· λαοὺς μαρτύρων· καὶ ταύτην καταφύγει· καὶ διασώζει· ἀνδρείαν καὶ τὴν φωνὴν· μετὰ τὴν ἰουλο-
 γυναιὰ πρὸς αὐτὸν μένος· παραλύεται τὴν ἀρχήν· αὐτοὶ γέλοιαι δὲ ταύτῃ· μὴ δόροσ' ἔκα-
 τὰ τὸν αὐτὸν καὶ προσσχευόμενος· αἰὲρ γενναῖος τε καὶ δραστήριος· ἀπὸ τῆς δὲ μετὰ τοῦ δύ-
 ναμιν τε ἵκαται· καὶ τὰ μαμαρτίαν· ἐξ ἀρχῆς· τὸν τὸν χρυσὸν χεῖρος ἐκείνου· διακομίτην·
 Καταλαμψόμενος τὸν τόπον· καὶ τοὺς μετὰ τοῦ θεοφάτου· δυνάμει σινέμεσθαι· πολλὰ καὶ αἰε-
 τὰ· κατὰ τὸν σπαρακὴν οὐκ ἔστιν ἀπὸ τῶν τροπῶν· αὐτὸν μὲν γὰρ αὐτὴ ταῖς ἀμείνοισι· ἔρε-
 τισι τοῖς χθρόις·



αὐτὸν τὸν πρῶτον

ἔχει· ὁ δὲ μετὰ ταῦτα· καὶ τὴν πολὺν μαμαρτίαν· καὶ τὰς τροπὰς· καὶ τὴν μάχην περὶ αὐτήν·
 Καὶ μάχαισ' ἄλλαις πολλαῖς καὶ αὐτὴν παρατάξας· κατηγυνώσκει τὸ ὅσον τὸ πάθος· καὶ τὰ
 μένεν τοῖς καιροῖς τοῦ μαρτυρίου γὰρ ὅτι πολλὰ καὶ ἔργα· τοιαῦτα τε καὶ τοιαῦτα·
 δὲ· τὸν μαρτυρὸν μαρτυροῦσθαι· καὶ μετὰ τοῖς πολυτιμοτάτοις καὶ ἀνάλυσιν λαμψρῶς
 λαμψρῶς καὶ κόσμωσιν· καὶ κτημάτων ὡς δόσει· ἀπὸ τοῦ δὲ φιλοπενήσας· καὶ
 παυτοῖς ὡς ὑπερήρε καὶ κατεπλούτησε· καὶ τὸ δὲ ἀνελίξας τὸν· ἐν ἀδελφότητι τοῖς
 σιν δὲ σιν πνικὴς ὡς κεί· ὅσον· τὸ τὸν πρῶτον ἀπαρτίων· ἐπὶ τὴν ἀχλὺν· καὶ παρρη-
 τισμὸν ἡσυχίας· καὶ δὲ ἀνελίξας τὸν· πρὸς αὐτὸν μετὰ τὴν ἰατρὴν· ἡπὶ σέ· πεί-
 μεν οἱ ἀπὸ τοῦ χροῦ· πρὸς γένεσθαι· ἀπὸ σκί· μὴ δόσει αὐτὴν γὰρ ἀκλίνας· καὶ τριακοσι-
 σιν τὸν οἱ κετὸν ἀπολύσας νέους καὶ ἰσχυροὺς· μαρτυρομένη τὴν πορείαν· αἰμο-
 μαρτυρομένη τὸν τοῦ σκί· μὴ δόσει·



ΔΑΝΙΛΙΣ

ΒΑΣΙΛΕΥΣ ΒΑ
ΕΙΛΕΥΣ

ἡ βασιλίσσα δὲ τὴν βασιλίσσαν τῶν πολεμῶν, δοχὸς γενομένη σὺν τῇ μαγνῶν. εἰσὶν ἔτι πρὸς
 βασιλίσσῃ ἐν τῇ πόλει. εἰσαρῶσα καὶ δῶρα πολυτέλη· ὥν ἕκαστον ἀξιεῖται· ἃ περὶ τοῦ καλίου γραφῶν
 παρὲς ἴσῃ.



Εἰς τὴν πόλιν βασιλίσσῃ καὶ τῇ βασιλίσσῃ

ΔΑΝΙΛΙΣ



ἡ βασιλίσσα δὲ ἀναλόγως τῆς προφητείας· καὶ ἐν ἀπρίλῃ κατατὴν βασιλίσσαν ἐφ' ὅσον αὐτῇ φίλον
 ἦν· πρὸς τὴν οἰκίαν χώραν αὐτῇ περὶ ἧσιν· σὺν ἡδὲ τὴν καὶ πάλιν εἰσελθεῖν εἰς τὴν βασιλίσ
 σαν· τὸν γὰρ βασιλίσσαν ἀποφάσκοντος· καὶ τὴν ἀρχὴν τοῦ ἰδὸν αὐτοῦ ἐχέοντος ἀδελφὰς αὐτοῦ· εἰ
 σὺν τῇ πάλιν ἡ γυνὴ μετ' αὐτοῦ ἐκδύσασθαι.

ΛΕΒΑΙΛΕΥΣ
ΒΑΣΙΛΕΥΣ

Εἰς τὴν πόλιν βασιλίσσῃ καὶ τῇ βασιλίσσῃ



[illegible]

ἀπελόντες τὸ σκεῦός· τὸν πλοῦτος ἤρπασε· παραπλήσιος καὶ τὸν προφήτην ἰλὸν κατατομήριον.
 λαμπρῶς ἀνέκτιστο· ἀνγέρε δὲ καὶ ἐκκαίρησ· ἐν ταῖς βασιλείοις αὐταῖς εἰς ὄνομα τοῦ ἀποστόλου.
 καὶ τὸν πρῶτον τῶν ἀγγέλων μὴχαλ· καὶ ἰλὸν τὸν προφήτην· ἐπὶ δὲ καὶ τὸν θεομίτορον· καὶ νικολάον
 τὸν πρῶτον μόνον ἱεράρχαν· τὸν περικαλλή του τοῦ νηαοῦ· ὃν ἀνέκκλησις καὶ τοῦ μαβουῖν· εἰς
 ἀπὲρ πλεονεξία καὶ καλὸς καὶ σωφροσύνη· μηδὲν ἑτέρων περὶ βολὴν ἢ συγκρίσιν καταλίμπνουντα· προ
 σόδω τὴν ταξιν ἱκανῶς· εἰς πεφυτρωθῆναι καὶ χρεῖαν τὸν δόξολογιστῶν· καὶ τὴν δειλίαν τῶν
 πλεονεξικόνων· αὐτὸ τὸ ἐργον τοῖς θεομένοις παρίσθηται· οἱ κείων καλῶν καὶ πολυτελείαν· καὶ ἄλλων
 δὲ πολλῶν τῶν ἱερομαδῶν· ἐν τῷ τῶν παλατιῶν ἐδιδίκατο· εἰς ὄνομα ἰλὸν τὸν προφήτην· καὶ τοῦ μάρτυρος
 κλημέντος· καὶ τοῦ σωτήρος καὶ τοῦ ἀποστόλου πετρου· καὶ τοῦ ἀρχιεπισκοπῶν· ὡς τὴν σωφροσύνην
 παρασημασθαι πολιτικῶν ἢ τὸν μετὰ ἀληθείαν· πολλὰ δὲ καὶ τοῖς βασιλείοις ἀνέστησαν ὡς ἀπὸ
 εἰς τοῖς βασιλείοις καὶ σίλεια· ταῦτα δὲ ἀρτίμεναι οὐκ ἀποκαίον· ἐργον δὲ τὸν τῶν ἱερομαδῶν καὶ ὁ
 λεγόμενος οἶκος· τὰ μακάριον· καὶ ὁ ἕτερος ὁ ὀνόματι καλὸν μένος· ὃς ἀπὸ τοῦ αὐτοῦ κατεσκεύασε προσερε
 σεως· μηδὲν ὁ μένος γὰρ τὰ δὲ ἡμῶν πρᾶγματα εἰς οἰκείαν καταμαλίσκειν χρεῖαν· τὸ τῶν τοιούτων
 αὐτῶν κοδὲν μετὰ οἶκον· καὶ προσόδοις ἐκ χειρὸς αὐτῶν ταξιν τῶν ἱκανῶν· ὁ δὲ ἱκανὸς ἰλὸν παρ
 δαίσια· αὐτὸν τε καὶ τῶν ἀποστόλων τῶν κεκλημένων· ἀφ' ὅρων καὶ ἀκατακλινῶν χορὴν ἀνέμελλεν
 ἐχέμεναι· ἐδιδίκατο δὲ καὶ τὰ ἐν τῇ πόλει· καὶ τὰ ἐν τοῖς ἱερείοις ἐκαχιστῶν· ἀνα
 καλῶν καὶ τῶν ἀποστολῶν τῶν κινεμένων· ἢ ἢ ῥα κλεισὸς βασιλῆα προσχύσας· παραδείσῳ φυτῶν
 καὶ λαῶν ἐργασάτο· ὁ πρὸς οἶκον καὶ ἐν ταῖς σούσας· ἐν τῷ τῶν παλατιῶν· τῇ τε προτῇ σιμῶνι
 καὶ τῇ σιμῶνι τοῦ σιμῶνι τοῦ τρικλίου καὶ τοῦ λαοφάνου· ὁ δὲ ἱερεὺς μένος βασιλῆα ἢ ῥα κλεισ.
 παρὰ δὲ φανόν τῶν φιλοσόφων μαδῶν· τὴν γένεσιν αὐτῶν πολὺν προσηγορίαν· ὡς ἐξ ὕδατος αὐτῶν
 δειπλάσαν· τὰς τῶν κινεμένων καὶ ἐν ταῖς προσχύσει σιμῶνι· τὴν ἐν τοῖς ἱερείοις ἀποκα
 τῆσθαι βασιλείαν· εἰς τὸ ἀρχαῖον σχῆμα ἡγήσατο· καὶ ἀπὸ παραδείσῳ δόχον ἀπειρῶν τῶν ὕδατος
 ἡθέρων καὶ ἀειδῶν· ἐδείματο δὲ καὶ τῶν φόρων· ναὸν περικαλλῆ τὸν ὀνόματι σιμῶν· ὡς
 ἀνέχοιεν αὐτοὶ τὸν πρῶτον τῶν οἰκῶν προσάχων· ὁ πρὸς ταῖς πραγματείαις ἐμβραδύνουσι· ὡς
 τὸν τῶν ἱερομαδῶν καὶ δὲ γὰρ ἐν τῷ τῶν ὡς σκεύασας καὶ καλῶν τῶν οἰκῶν τῶν ἱερομαδῶν
 λεσέμ· τὰς αὖτε προσόδοις ἱκανῶς· εἰς ἀρκείαν τῶν ἐν ταῖς ἀσκούμενων· αἱ καὶ καὶ σιμῶν
 τὸν μὲν τῶν ἀρχιεπισκοπῶν καὶ τὸν ἐν τῷ σιμῶνι· ἢ δὲ κατὰ πρᾶγμα· καὶ εἰς τὸ φανόμενον καὶ
 λεσέμ· πολλὰ δὲ καὶ τῶν ἱερομαδῶν· ὡς ἐν τῇ πρᾶγμα καὶ δόσει· καὶ ὡς ἐν τῇ
 τελεῇ· τὸν τῶν κατὰ τὴν βαπτίσματος· καὶ τῶν κοινῶν δὲ γένος ἀρτίμεναι τῶν προσερε
 σε· μόνον ἡ ἀποστολὴ ἀλαβῶν· καὶ ἱερέων ἀρτίμεναι· ἐβεβαίωσαν πρὸς τὴν πρᾶγμα· καὶ τοῖς
 ῥῶσιν· συμβάσει τῶν μετὰ τὸν γένεσιν αὐτοῦ τῶν ἱερομαδῶν αἰτίων· ὡς ἐν τῇ πρᾶγμα καὶ ὡς

χερέως· ἀλλὰ ὁμοῦ καὶ τὸν ἀγνόντα· πρὸ τοῦ περὶ τὸν ἀρχιερέως· ἔτι γὰρ πρὸς τὴν
μονίαν· κατεχόμενος αὐτὸς τὸν ἀρχιερέα· καὶ οἱ μαθηταὶ αὐτοῦ· καὶ τὸ ἀπαρέθνος· καὶ σκοποῦμενοι περὶ τῶν
αὐτῶν φησκέϊας· καὶ τὴν πύλιναν ἀφ' ἧς ἔβλεπον· εἰς καὶ οἱ τὸν ἀρχιερέα πρὸς αὐτὸν φοιτήσαντα ἀρχι-
ερέα· ὁ δὲ ἀρχιερεὺς πρῶτα· τίνα ταπείνωσεν αὐτοῦ κατακλιόμενα· καὶ αὐτὸς δὲ δασκείαται μέλλοντα·



ὅτι οὐδὲ τὴν ἱερωσύνην τοῦ ἀδελφοῦ προτείναντος βίβλον· καὶ τὴν αὐτὰ ἐξήκουσαν· τὸν ὑπὸ τοῦ
ἀδελφοῦ αὐτοῦ ὡς δὴ ματῆρα τοῦ γεννηθέντος· εἰ μὴ τὴν ὁμοίαν· τὸ πλὴθος ἐφ' ἡμῶν ὅσοι καὶ μετὰ
φασκέμεθα· καὶ μάλα ὁ πόσις λέγει· ἐν τῇ καμνῷ τῶν τριῶν παίδων γενέσθαι· οὐ καὶ σοὶ ὁ λόγος
πράσσεται· ὁ δὲ τὸ ἀφ' οὗ ἐβλεπόμενος τοῦ εἰπόντος ὅτι ἀφ' αὐτῆς καὶ ἐν τῷ ὁρῶματι
μου λήψεται· καὶ ὁ πρὸς αὐτὸν ἐβλέπε· γὰρ εἰς τὸν αὐτὸν καὶ αὐτὸς πόνει· καὶ μετὰ τούτων
πόνει· ἔφη πρὸς αὐτὸν· εἰ καὶ μὴ ἐξ ἡμῶν ἐκτελέσει· ὁ μὲν οὖν ἐκ τῆς ἀρχῆς ἀφ' οὗ
κατεπροσελθὲν πῶς αὐτὸν αὐτὸς ἀφ' οὗ ἐβλέπε· καὶ πόνει· τὸν τοῦ πατρὸς· διὰ τὴν πίστιν ἡμῶν
ὅτι· καὶ ἡμεῖς οὐ μὲν ἐλπίδομεν καὶ ἀγαπῶμεν· οἱ δὲ ἀφ' οὗ ἐβλεπόμενος τὴν τῶν ἀδελφῶν
πικρίδα ἐν τῇ παρὰ τῶν ἀφ' οὗ ἐβλέπε· καὶ εἰς αὐτὸν αὐτὸν πρὸς αὐτὸν· προσελ-
θὲν καὶ αὐτὸν τὸ παρὰ τῶν ἀφ' οὗ ἐβλέπε· ἐβλέπε ταῦτα· καὶ τὸν ἱερέως πρὸς αὐτὸν
ὁ φθαλμὸς καὶ τὰς χεῖρας ἐπ' αὐτὸν· καὶ ὁ δὲ ἀκούων τοῦ ἀφ' οὗ ἐβλέπε· ἔειπεν
τοῦ· ἐν ὁφθαλμοῖς τοῦ ἐφ' οὗ ἐβλέπε· ἐρίφεισιν τὴν καμνὸν τὸν ἀφ' οὗ ἐβλέπε·



Πρωτον γαρ εις βασιλιν. ουδε πικρον εστιν η ζωη σου οσο ηος. και εις απηλεις. οτα καταδραμεν ης. κελα
 σον πικρον εστιν η ταπεινη λατριν ποδων αυτου. και εις αρετειν η φοση φρονημενος. εστιν απηλεις η επιμουλη
 συμφερούσα. ελεχθη ταυτα. οξοδος κατηγελη βασιλικη. σπευδεν απηλεις το ειωτος. εζεισι.
 και λευκομασιλας ο του μασιλεως ηος. και κατηγελη το πονηρο μενος ο μασιλας. προσπολειται χει
 απεχειν μαχαιρας. και επεθνηται την μητην ταυσεως. μηδε νοιωτων υπορου μενωντων πε
 προειδως ο ηος. απομνησε φελκυσ μενος ηνεπεφρετο μαχαιραν. ων δειδωσι πυρι.



Τοντον γομενον. αι μεν του σπυδαβαρηνου προσμελιν αιησις πηγαντο. αι δε παρα του λεοντος απηλεις
 αι. ματαιοι και κενη. αποφρενισος ο βασιλας εστα μασιλας. προσοργικη κατη του ηου διαφρη.
 και επηλεις των μασιλεων οικων οσ μαργαριτς κατονομαζεται. εμφρουρον τουτον πεποιικεν. εφαι
 ρε παιδε και τα της μασιλεως παρασημα. διηρεθη δε παρα του σπυδαβαρηνου. και το ισχυροσ αποσι
 σαι των οφθαλμων αυτου. αλλα τουτον μενε καλυπθησιν παρ του πριάρχου και της συγκλητου μουλης.
 της ειρκης δε ομωσει χεμεντος. χρόνου δε παραδραμοντος σχηου. και πολλακισ της συγκλητου
 μουλης εισησεν απηλεις αδα παρ τουτον. και κατ'αλην και αλλη αι πια. αλως και αλως κωλυμ.
 προσασιδεται αμοτος. ερησος δηγησεν ειση το κατην σαι τα αποδαβομενα. ΣΕΙΟΥΝ Η ΠΙΠΗΝΟΥ
 εν κλωσ. και κατη τα μασιλας εωρου μενον προστε αν και τερην των ακουοντ και τεωμεν. η πιας
 ονοματι ζωω. μιμλο και πολυφωνον. οπερ ειτε παρ ημων αλδχθεν. ει ταλλος πωσδ αυτομα.
 του. πολλακισ αι αι κυριε λεωνε φθητο. αροχιας δε ποτε τε λον μενος το μασιλει. και των
 προσ του της μουλης σμεσθω μενος αυτος. και του ο ενιτος πολλακισ φεγωμενου το προρεκτην.
 ων σιγασαν πεσιδαι τυμονες. της αροχιας παυσαντο. και ων σιγασαν εκαλκντο. οισπρωσχων
 ο μασιλας. την αι πιας της αποχιστων κωλυμ με παρ εθς.

πένωχά κ' οἱ κεκλήθη ὄνεντες θίον

ἔφητακ

ὁ βασι βασιλει



ὁ δὲ δακρυῶν ὑποπλάσσει τὸ ὄφθαλμόν· πρὸς δὲ αὐτὸν φασματόμετα εἶπον· ὁ ὑπερὺν
τῶν φωνῶν τὸν ἀλόγον· τὸν τοῦ οὐρεῖδος ὄνεντες· δοκῶντες ἡμῖν σλομκοὶ καὶ φιλοδωποταί· ὅτι αὐτὸν μὲν
τὸ ἀφρονὸν ζῶν· τὸν οἱ κείον ἀφαιμαλίζειται δὲ αὐτόν· ἡμεῖς δὲ περὶ αὐτοῦ· λήθη· τὸν μὲν δὲ ἐν ἀδύκῃ καὶ
ἐλαίῳ μενδῶντος· εἰ μὲν γὰρ ἀδύκῳ ἐλάχεται· καὶ κατὰ τὸν πρὸς εὐτρεπίστον δόξα· αὐτὸ
χεῖρεσ· ἡμεῖς τούτου γενησόμεθα πάντες· τὸν αἵματος αὐτοῦ μὴ λαμψάντες κόρον· εἰ δὲ ἄλλος
ἐνεκλήθη διαφάγει τὸν ἐλεγχον· μεχρὶ τίνος ἡ σκωφάντις πλῶσα κατὰ τοῦ δυνάμενται· μα
λαχτεῖς ὡς τοῖς τοιοῦτοις λόγοις ὁ καιρὸς· τότε μὲν καλεσθῆναι τὸν τοῦ προσέταξε· σκοπήσαι
δὲ αὐτὸς περὶ τοῦ προσημασσοῦ ἐπιγείλατο· μετὸν πολὺ δὲ· πρὸς τὴν φύσιν ἐπαφελτῶν· ἐ
ξαλείψου φρουράς· καὶ εἰς ὅφρα εἴη τὸ κλῆ· καὶ τὴν περὶ τὴν μορμὴν εἰσελάτῃ· καὶ τὸ πρὸς τὸν
ἐν τῇ λυτῇ τραφείσιν σκόμῃς περιαιρεῖ· καὶ τὴν προπέραν τῆς κασιλείας τὴν μὲν ἀποδέδοσιν

βασι βασιλει

ἔφητακ



ὁ πολὺ τὸ ἐν μέσῳ· καὶ ἀφρὺν ἀσμοσπῶμκεται καὶ κατὰ μικρὸν τῇ τοιαύτῃ κεδόνι κατεμασά
μετο· ἀφτῆς δὲ ὡς ἐδδκει τὰ τῆς κασιλείας· καὶ τὸν κληρονόμον καὶ ἀφδοχὸν γινώριμον

χρωσπολεί τον φιλιππου και μοναστηριον εκπεμψας. μετακληρου και κηρυσσου και λαμπάδων και αρωματων οξυα
 γειν του ταφου του μαρτυρεντα και λεαμ χαλ. και οριστο. εηκου παρισισμο τελαρνακι καταληναι. και
 εν τιμωσ και καισλικωσ περιγειλαστας. εν τη πολει εισαγειν. και κειθεν μετα αυτων και ο μνησχος του
 μαυτιω μαρτυρων αποστολων προπεμψαι. επωμενον κεισε και το ομ του καισλεωσ αδελφω. αλεξανδρ
 και γεφω του πριάρχου και εν λαρνακι καταληναι μαρμαρινη. ο και εμεθο.



Προεβαλε το δε και τυλαμον τον ζαουτζα. μαγιστρον και λογοτητην του δρομου. ηδη γαρ ηρξατο πλησιν αυτη
 αυ του ταφου. ζωσσε τη ησ καταρομωσιν εν ζαμμενσ αυτω γυναικος. της αυ μνησθεο φανωσ. αυ
 κου οισσ και υπεπουσσε τα ημεμενα. και μηδαμωσ τυ της ζηλοτυπιασ παλε αμαφλε χθεισσο ποτε.
 καταποδασδε παρελκθη παρ αυτων μαρτυρων. και η κατα το χαρισιασ ομ και κει μενη πολισ η πληνη.
 και η χαμω πιδνασ οε μετα τη λαοσ. εμε το δε και εμπαρισμοσ. κατα το μεσιν βρινον με
 της πολεισ εν τη λετο μενησιδηρα. εργον δε τουτου γορε και ομαδσ του αηδονα αποστομωσ.
 ον περωτηντα και αι φαλη περομενον. ομαδλασ αυτησ πολυ πελωσσε και κεισεν. εισι χηδε
 και οσπαδα μαρνοσ ειστην πολιν. και υπεθε το τυ καισλει ανδρεασσ γρατη λαησ και γε φανοσ μαγιστροσ.
 οι πολλα παρ τουσ παδα μαρνου προσ καισλει ομασ λεα και κει μεντεσ. οξετασσε τα της γενομε
 νησ και αυτου του καισλεωσ γραησ. εμε και οισσ το δε και δυνατον ειναι εξελεχθηναι. ωσμουρ
 μεροι φυτισσ τε οπρι αρχισ. και αυ τοσσ παδα μαρνοσ. ηρα των του φυτισσ σμενον ειστην καισ
 λειαν ανηγειν. το με ληθην υπε κρινω το δραμα. πεμφθεν τεσ ομ τινεσ προσ καισλεωσ
 αγειν τον τε φυτιον και τονσ παδα μαρνον εν τοισ παλαιοισ τυνη πω με κελασθησσαν. εδ αμεν το
 ωρτο φρουρεϊσ και εκατερον. οξετασσε και ελκυσσόμενσ τυνη κατω τυνη περομενων. αυτος τε
 ο γρατη λαησ επεμφοσ ανδρεασ. και ομα ηροσ γε φανοσ. και ομα ηροσ ο αμοσ λιησ.
 και κρατεροσ. και του μεροϊ πρι κιοι. αμαρ τεσ ομ τον πρι αρχι φυτιον. και εν τιμωσ αυτησ
 μουτε μετεσ. και αυτοι καλωθεντεσ. τη με ελκυσσόμενσ το. και φησιν ο γρατη λαησ προσ τον

τα γινωσκει
 και φανωσ

πρὶ ἀρχῇ



Γνωρίζεις ὧς ἀποτατὸν μοῖχον θεοδωρον· ὁ δὲ μοῖχος οἶδα θεοδωρον παλαιῶς· ποῖον δὲ θεοδω
ρον λέγεις; οὐκ οἶδα· τὸν δὲ ἀνδρὲς προσθε μένου τῇ τοῦ σαυδαμαρκίου προσκορίῃ· ὁ πρὶ ἀρχῇ· ἡ
γασκασὲ φησὶ τὸ μάδρα· ἐπὶ σκοποῖ τῶν ἀρχῶν τῶν ὑπαρχόντων· ἐμεχθέντος δὲ καὶ τοῦ σαυδαμαρκίου·
φῖ προσαὐτοῦ τοῦ ἀνδρὸς· ὁ βασιλεὺς οἰκτοῖ· ποῦ εἰσι τὰ χρέματα καὶ τὰ πράγματα τῆς βασιλείας;
ὁ δὲ παρὲς κείνοισι οἱ σὺ δὲ δώκε ταῦτα ὁ κατὰ τὴν ἡμέραν βασιλεὺς· ἐπεὶ δὲ μὴ ὤσκει ταῦτα
ὁ ἀπὸ τῆς κρατῆς· ὁ βασιλεὺς ἀνέχεσθαι ταῦτα καὶ ζῆτεν καὶ λαμβάνειν· καὶ ὁ ἀνδρὲς· εἰπέτε ὡς σὺ·
τῇ βασιλεὺς λέγουσιν· ἀλλὰ ποῖνται· τῷ πρὶ τοῦ βασιλέως ὑποθήξαι τοῦ οἰκείου παιδὸς ὁ δὲ οὐκ ὤσκει τὸ ὡς
φθαλμῶν· σὺ μὲν γὰρ· ἡ τοῦ πρὶ ἀρχῇ· ὁ δὲ ἐξ ὧς μυστοῦ· μὴ δὲ μὴ κατηγορεῖται εἰδέναι· ὡς
φῖ ὁ μὲν προσθε φασὶ· εἰ ταῦτα ὡς πολὺ προσκαὶ μαχοράφε· πᾶσι μὲν σὺ πρὶ βασιλεί· ὁ δὲ
λάβειν περὶ τοῦ τῶν πρὶ ἀρχῇ· καὶ ὁ σὺ σὺ κοῖσε τοῦ λόγου τούτου· ἀπὸ τῶν σὺ πλάμματα τῶν
τοῦ πρὶ ἀρχῇ σὺ δὲ ὡς



ὁ κίττωσιν ἀποτατὸν κατὰ τὸν φῖ λέγειν· πρότερόν με καταρήσιν· καὶ τὸ πρὶ γὰρ ἡ ἐρωτήσιν παραφα
νήσιν καὶ κολαθῶσιν σὺ κακὸν ὄν· ὁ δὲ ἐν γὰρ τοῦ τοῦ σὺ σὺ δὲ μὴ αὐτῷ· οὐτε τοῦ βασιλέ



ФР-МА



9-12-16

[illegible]

Η ἰκισαμ τε σὺν οἱ τοῦρκοι· ἡ τῆ σαπτο τοῦρμασι λεα τοῖς κατασχεθῆντας· πᾶν τὴν μὲν παρὰ
 πρὸς καὶ κατὰ πάσας· τοῖς πολίταις δὲ ἀπέχε|λερεῖς τὴν τοῦ τετυνδῶν μνησιν· ἀπαιδεῖς οὖν
 ὁ συμεων· ἀπὸ τοῦ ρουμαρ|οῦ δὲ γαλίου τοῦρμασι λεα ἵκετενε πρὶ τῆ σείρηκος· πρὸς τὴν πείρεν
 ὁρμασι λεα· καὶ τὸν χο|ροσφάκτῃ κλέοντα ὡπλῶν πο|ήσανθαι ἐξ ἀπέχε|λετας πρὸς πάσας· καὶ
 ὁδοματ|κοσ τὴν χορλῶν ὁ φουκάς καὶ ὁ ρομαρ|ος· ὑπογράφει μετὰ τοῖς ραδοῖς κελεύσανται
 ὁδε συμεων· ἀπεχθόντα πρὸς αὐτὸν τὸν χο|ροσφάκτῃ κλέοντα· ἐνείρκτη κατέχε· μετὰ δὲ ῥόνου
 αὐτοῦ αἰζῶσας· ἐκ γρατῆ ὑπατοδὲ μαρεῖ γρατῶν κατὰ τὴν τοῦρκαων· μετὰ δὲ τὴν μὲν τοῦ
 ὁρμασι λεα ἀπὸ αἰφνίδιος τε καὶ ἀπρὸς δίκην τοῦ κοῦθε|ρα αὐτοῖς παρασχεῖν· αὐτὸς περὶ
 παρὰ· καὶ τὴν χώραν πᾶσαν κατέδραμε· γαυρῶν δὲ πρὶ τῆν ἱκὴ καὶ φανατοῦ μερὸς· γρά

λεωνοβασι

τε πρὸς τὸν βασιλέα· ἀλλ' ἄνθρωποι ἐπὶ ῥήμῳ· πρὶν ἂν ἀπολήψωται τὸν αἰχμαλώτῳ του μολγάρου·



τὴν δὲ πρὸς τὸν τοῦ βασιλέως· ἤλθεν δὲ μετὰ τοῦ χοιροφάκτου θεοδώροισι οἱ κείνοι οὐκ ἔμελλον· καὶ παρῆλθ' ἅπαντας· ὅς οὐκ ἔμελλον τὸν δομέστικον κηφόρον τὸν φεωκῆν, ὑπὸ τοῦ βασιλέως ἀγαπώμενον· ὁ βασιλεὺς πατέρ' ἑαυτοῦ θάουτ' ἔβλεπε· γαμβρὸν αὐτοῦ δὲ ποιεῖται· ἀπαμειβόμενός τε πρὸς τὸν· καὶ ὁ γῆν ὑποπτεύοντος ἐκ βασιλέως· φημι τοῖς θάουτ' ἔβλεπε· καὶ αἰτίαν κατὰ τὸν ῥάϊον· παρέλινε τὸν τῆς ἀρχῆς· προαλλομεροσά τῶν τοῦ κατακλῶν μαθρον τὸν αἰβίδον· ἐπὶ λίγον δὲ σχολαστὸν κηφόρος· γραπτοῖς τῶν φρακτικῶν προαλλεταί· ἀρχεῖα δὲ πολλὰ ἐμπάσαις τὰς αὐτοῦ ἀρχαῖς ἀπραξάμενος· καὶ πολλὰ κατὰ τῶν ἀρχῶν· καὶ ἄλλων ἐφ' ὧν ἡγεῖται τρόποι· τελευτᾷ τὸν βίον ἐν ῥῆματι· ὅταν αἰδασκῶν τῶν μαρδα· καὶ λῶντα· ὁ δὲ βασιλεὺς· μὴ φηλῶντος τῶν συμμέων τὰς ἀπορίας ἐκ τῶν ῥῶν· ἐγὼ δὲ εἰνᾷ τὸν καταπολεμήσαι καὶ τελεῖω ἀφ' ὧν παραδύναται· ἀπορίσας μεροσ τὸν ἡγεῖται· ταῦτα ῥῶνται τῆς ἀρατολῆς τῆς μάτης καὶ τοῦ μαθ· παρὰ σκάμσας δὲ καὶ τὰς ὑπὲρ· καὶ ἄλλοι οὐκ ὀλίγον λαόν· ἐκπέμψας κατὰ τῶν συμμέων· ἐξ ἀρχῶν αὐτοῖς αὐτῶν ἡγεῖται καὶ ἡγεμόνα· τὸν δομέστικον τῶν σχολῶν κατακλῶν· σινεπόμενον ἔχοντα καὶ τὸν πρὶν κίον θεοδόπον καὶ πρὸς τοῦ ἀράϊον· ἐρχομένων τῶν μαθ· τῶν συμμέων σινεπόμ τῶν κατακλῶν μαθ ὁ μολγαρόφον· καὶ πολεμουκροτῆς ῥῶνται ῥῶνται οἱ καὶ πολὺ ἀγόμενοι τοῦ φεωροσ·



Τὸν δὲ παρ' ἐξέως ἀποθῶπος· ὁ σαμναὺς πληροφορήσας τὸν κοινολόμενον· δ' ἴσθ' ἵνα τῶν ἐκ
κειωτάτων δ' ἀποθῆλαι πρὶ τῇ αὐτοῦ οἰκίᾳ κήσας· αἰξίωσας ἐμαποκρίψω φησὶ τούτου·
ὅτι κήκα ὁ πασίλειος ἀφ' ἱκῆται πρὸ αὐτόν· καὶ περὶ αὐτοῦ παραμένει καὶ ὁ κοινολόγος ἁπλῶς·
τὰ λόγια παραμφοῖν ἀπογράφει· ἐδύνατο τὸν λόγον ἡδέως τοῦ πασιλῶ· καὶ πέμπε!

χρὶ το φόρον τὸν πρῶτον ἀπὸ τοῦ βασιλείου· καὶ καλοκνῶν ἐν αὐτῷ προκοίτων· οἱ περὶ τὴν καλὰ
χορὴν γενομένοι τοῦ σαμαρά· κακὴν ἐκρυμέντες· προσέμενον τὸ μέλλον· διὰ τὴν θέρην τοῦ
τοῦ βασιλείου· καὶ παραγενομένου πρὸς τὸν σαμαρά· τῆς ἀλῆξεως τε χώρα λαμβανούσης· ἐκ
φωλιζομένων δὲ καὶ τῶν ἀπορήτων· οἱ παρὰ τοῦ βασιλέως πεμφθέντες· τὰ λεγόμενα ἀπὸ
φορτο· καὶ τελατῶν· ἐκείνοις ἀργῶντας καταλπούντες· κριθίσως τε ὑποδέλθοντες· ἀπὸ
τοῦ βασιλέως τὰ γραφτά κομίζοντες· οἱ ἀνὸς δὲ ταῦτα·

ὁ σαμαρὴς
βασιλεὺς
ἀπομνησθῆναι



ἀνὰ τοῦ βασιλέως ταῦτα· τὸν μὲν βασιλεὺς παραπικαῖς μακεδονίαν ἀπέχελεν· αὐτὸν δὲ ἀπομνησθῆναι
τῆς θείας αὐτοῦ χάριτος· κατέσχεν δὲ καὶ τὸν τῆς μέγας δρονηρόν· ἀπὸ τοῦ θυπέλου· ἡ δὲ Σητα
καὶ τῆς πόλεως· νικολαοῦ τὸν ἐταίριον· εἰτα ἀφῆκεν ἀπὸ μακεδονίας τοῦ βασιλέ
ον καὶ ἀνακρίνας· ἐν μέσση τετραμμεύσας τὴν πόλιν· ἐν ἀδηνάσῳ δὲ ὤρσε· συγκαλεσάμενος
δὲ πᾶσαν τὴν σύγκλητον· ἐπὶ αὐτῷ ἡγήσωντα ὑπὸ τοῦ σαμαρά μνησθέντα·



ὁ δὲ τοῦτον ἡγήσωντες· μνήσθησαν αὐτῷ τῶν ἀπορρήτων· καὶ οὐκ ἀπὸ τοῦ σαμαρά· καὶ οὐκ ἀπὸ τοῦ βασιλέως
πρῶτον παλαρίου τοῦτον ἀπὸ τοῦ βασιλέως· καὶ οἱ κείον αὐτοῦ κατέστησαν· τελέσωντας καὶ τοῦ βασιλέως

οἱ ἐπὶ
πύλιν



πίτ

χουάπτειν. προχέριζοιτο μηκοσικόλασ. ἡ σοφία καὶ σέβει δόκωι περὶ πύλιν. **Χ**εσυν
 εὐομασίλειω. εὐδ' αἰμενοσ τὰ κατὰ τύπον ἐκτελεί κλητὸρ αὐγύσσοι μὲν οὖν σ. γέφει μὲν τὴν φυ
 ληστέα ζυγὸς τὸν ζουτὰ. ἡ γὰρ δὲ καὶ κορνήκ τοῦ οὐκίου. ὡραῖον τε καὶ περικαλλὴ τὸν μομαῖ
 δοκίαν. ἡνδὲ καὶ σέφεν. ἀκούσας δὲ γενομένη καὶ μέλλουσα τί κτεν. ἀπέθανε καὶ αὐτὴ καὶ τοῖς
 υἱοῖς. **Τ**ι μὲν δὲ τὴν προτέραν αὐτὸν γαμέτην θεοφαν εὐομασίλειω. ἐπὶ νόματι ταύτης οὐκο
 δόμησεν ἀνδρὸς τὸν αἰωνάποσ λωη περικαλλή. αἰνήγει δὲ καὶ νῶν ἀλλοτὶ κατὰ τὸ σποπ
 εἰς νόμα τὸν αἰγούλα θάρου. ἐν ᾧ καὶ τὸν αἰγούλα μθακομίσας ἀπέθετο σῶμα. καὶ τὴν αὐτὴν
 αὐτὸν μαρίασ τὸς μαδολκὸς. **Τ**οῦ δὲ σῶλου ἐν ταῖς τὸν τοῖου του κτήσεσιν ἀποσχολομένην.
 ὁ τοῦ ἀφ' ἑνὸς γόλος. τὸν ἐν σκελίᾳ ἐξεπολιόρκεισιν ταυρομένον. καὶ πολλὰ πύργω μαῖων ξένος θού.

αὐτομασίλειω



λῆμν

Καποχέθη δὲ καὶ ἡ λῆμν σὺν τοῖς υἱοῖς αὐτῆς καὶ ἡ δὲ ἀποχέθη σὺν τοῖς υἱοῖς αὐτῆς. **Σ**ημήτι
 δὲ προελεύσεσιν γενομένη κατὰ τὴν ἡμέραν τὴν μεσοπεντηκοστής ἐν τῷ ναῷ τοῦ αἰγούλα θάρου. α
 τήλτε μετὰ τοῦ οὐκίου καὶ χεσυν εὐομασίλειω. ἐν δὲ τῷ μέλει ἐισδοῦν καὶ πηλίσσον γένεσιν ταῖς
 θυγατρῶν. αὐτὸς τὸς ἐκ πετρίδης αὐτῶν τὸν μωμοσ. ῥαῦδ' ἐπὶ ποχέι καὶ ἰσχυρᾷ. ἐπὶ σερᾷ τὸν κα
 τὰ κεφαλῆς.



καὶ καὶ ἐθανάτωσε παρ' ἐνθῷ. εἰ μὲν τοῦ κροῦτη σ' ῥαῦδ' ἐπὶ τῷ μέλει ἐισδοῦν καὶ πηλίσσον γένεσιν ταῖς
 θυγατρῶν.



αρχη

βίαιας μικροῦ ἀνισχέτη φορῶν· αἱ μὲν οὖν ἐσφοδρὸν ἐκ τῆς τοῦ καλλιλέως καταρτίοντος κεφαλῆς· ταρῶν
 τε καὶ φωνῶν τῶν ἀρχόντων ἐγένετο· ἀλεξάνδρος δὲ τὸν βασιλέως ἀδελφὸς· ἡσυχία καὶ ἀμείνοσ· οὐκ εἶν
 τῆς ἐσφοδῶ· καὶ δὲ δοκεῖν ὑπονοεῖται τοῖς πολλοῖς· τὴν τοιαύτην ἐπιβουλὴν αὐτοῦ συνραΐσαι· ὁ δὲ τὸν βασιλῆ
 ἀπὸ τῆς ἀσφαλείας· καὶ πολλὰς ὑπομείνων ἀσφαλείας· ἐπεὶ μὴ δὲ καὶ ἀδελφὸς ἐσφωγῶν· χεῖρας καὶ το
 δαυὶς κτελεῖς· ἐν τῇ τοῦ ἱππικῆς καὶ κτήσης φερόντι· ἐσχόλας δὲ ἐκ τοῦ τε καὶ τοιαύτην προσέλευσιν· καὶ
 ὅσα φῶντος μονῶς μαρκοσὶ κοινὸς ὡς τῆς τοιαύτης μονῆς· ὅτε περὶ αὐτῶν τοῦ μαρκοῦ ἀπαπληρώσας
 κοινὰ· πολλὰ κατεδέχθη τοῦ καλλιλέως· τούτου γὰρ δεόμενος· καὶ τοῦ καλλιλέως ὁρῶντος· φη
 σὶ μὲν μονῶς· μὴ ὁρῶντος μὴ δὲ γὰρ πᾶσι βασιλῶν· προγράμμενος γὰρ ἡ παλαιὴ παρὰ τοῦ προδῆ
 του ἀδελφὸν ἐκτελεῖται· ὅσα ἐπὶ κερὰς τοῦ ἐχθροῦ ἐν τῇ αἰχμῇ σου· καὶ ἐν κερὰς τοῦ ἐχθροῦ ἐν τῇ αἰχμῇ
 σου ἐστὶν ὁρῶντος· δεινὸν γὰρ δὲ ἀποστασὶν τὸν ἄνθρωπον· ἀλλὰ καὶ ἐκ τῆς κατὰ τὴν βασιλείου· ὁ δὲ
 καὶ γένετο· ἀπέθανε γὰρ κατὰ τὴν τῆς ἡμέρας μετὰ δὲ καὶ χρόνος ἐν τῇ καὶ ἐπὶ τῇ· ἡ γὰρ τοῦ εἰς
 τετάρτην ἡμέραν καλεῖται ὡς καὶ λέγει· ὁ δὲ τῆς ἡμέρας μετὰ δὲ καὶ χρόνος ἐν τῇ καὶ ἐπὶ τῇ· ἡ γὰρ τοῦ εἰς
 τῶν δὲ βουλῶν αὐτῶν ἐσφοδρὸν αἰσίου ὡς τῆς αἰχμῆς· οἱ ἐξ ὧν καὶ τὸν τῶν· ὁρῶντος ἀρῶντος·
Τ κατὰ τὴν βασιλείου τῆς ἀρχῆς ὡς καὶ αἰσίου ἐκτελεῖται· ἐπὶ τῇ καὶ τῇ αἰχμῇ αὐτοῦ· λέγει τὸ
 ὅσα λέγει· τὴν γὰρ αἰσίου ἐκτελεῖται· καὶ τῇ τε ἀπὸ τοῦ καὶ τῇ αἰχμῇ αὐτοῦ· καὶ τῇ τε ἀπὸ τοῦ καὶ τῇ αἰχμῇ αὐτοῦ·
 ὁρῶντος· ἐσφοδρὸν δὲ τὸν καλλιλέως αὐτοῦ τῇ πολίτου καὶ λέγει· κατὰ τὸν ἀπορίοντος αἰσίου· ἐκείσε γὰρ
 μένος· ἐπὶ τῇ αἰσίου αὐτοῦ τῇ μονῇ καὶ τῇ αἰσίου αὐτοῦ· ἐπὶ τῇ αἰσίου αὐτοῦ τῇ μονῇ καὶ τῇ αἰσίου αὐτοῦ·
 ὁρῶντος· ὡς κατὰ τῇ αἰσίου αὐτοῦ τῇ μονῇ καὶ τῇ αἰσίου αὐτοῦ· ἐπὶ τῇ αἰσίου αὐτοῦ τῇ μονῇ καὶ τῇ αἰσίου αὐτοῦ·
 λέγει τὸν βασιλέως ἐπὶ τῇ αἰσίου αὐτοῦ τῇ μονῇ καὶ τῇ αἰσίου αὐτοῦ· ἐπὶ τῇ αἰσίου αὐτοῦ τῇ μονῇ καὶ τῇ αἰσίου αὐτοῦ·

ἀπαμεινόμενος

αὐτοῦ γὰρ
τεταται



Τ τῇ αἰσίου αὐτοῦ βασιλέως ἀφῆλθον τὸν τῇ καὶ τῇ αἰσίου αὐτοῦ βασιλέως ἀφῆλθον τὸν τῇ καὶ τῇ αἰσίου αὐτοῦ βασιλέως
 τῇ αἰσίου αὐτοῦ βασιλέως ἀφῆλθον τὸν τῇ καὶ τῇ αἰσίου αὐτοῦ βασιλέως ἀφῆλθον τὸν τῇ καὶ τῇ αἰσίου αὐτοῦ βασιλέως
 ἐλπίσιν· καὶ μετὰ τοῦ παρὸς καὶ λέγει· ὁ περὶ τοῦ βασιλέως καὶ λέγει· ἐλπίσιν καὶ μετὰ τοῦ παρὸς καὶ λέγει·
 καὶ τῇ αἰσίου αὐτοῦ βασιλέως ἀφῆλθον τὸν τῇ καὶ τῇ αἰσίου αὐτοῦ βασιλέως ἀφῆλθον τὸν τῇ καὶ τῇ αἰσίου αὐτοῦ βασιλέως
 ἀφῆλθον τὸν τῇ καὶ τῇ αἰσίου αὐτοῦ βασιλέως ἀφῆλθον τὸν τῇ καὶ τῇ αἰσίου αὐτοῦ βασιλέως ἀφῆλθον τὸν τῇ καὶ τῇ αἰσίου αὐτοῦ βασιλέως

πρὸς τὸν

ἀπὸ τοῦ αἰσίου

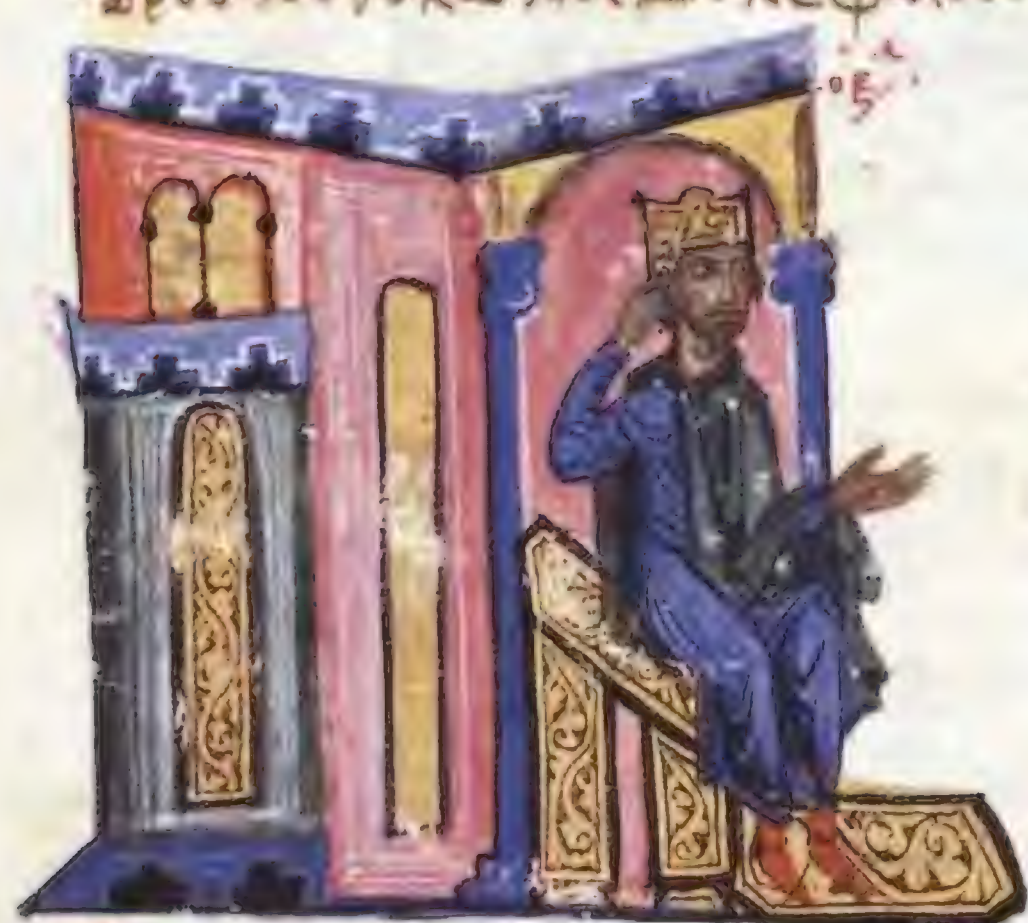


ἡμερον· σαμοθραϊκήν δὲ ἀλμὰς· κατέλαμε τὸν πολέμιον βαυλοχόωντας ἐνθάδε· πλὴν πλὴν τε
 καὶ προθυμὰ ὑπερχονταὶ τὸν ἰδὼν· ὃν δὲ πρὸς αἰσάναι τὸν τοιοῦτον ἐτόλμηκεν· ὃ δὲ τριπολίτης
 ὁ πλοῦτος γαρνύς· καὶ κατὰ θησσαλονίκη γινόμενος· ταύτην ἐπολιόρκησε· κατασχεθεὶς
 καὶ λείοντος τοῦ γρατικῶν ἐν αὐτῇ· ὡς χαλζιλακίος τοῦ πᾶνμου· ἀέμετο δὲ χρίσαι μαρτυρῶν πολλή·
 καὶ αἰχμηδυσία ^{ἡθεσσα} ^{λονίκη} ^{εὐτολός ἀγαρηνῶν}



Ροδὸφυλίας δὲ τὸν κούρατον· κατὰ τὴν ἀρχαίαν ἐνθάδε περὶ τοῦ λιμένος κατὰ τὴν
 νότον πρὸς τὴν ἐν θησσαλονίκη πλὴν· ἐφ' ᾧ ἐπὶ μελείας αἰσάναι· ὃν περ κατασχεθεὶς
 πολίτης· καὶ πολλὰ βασανίσας ἀπὸ χρίσιν· ἀπέκτεινε μὴ δὲν ἰσχυρὸν· τὸν τοιοῦτον
 κατὰ τὸν ἐν τῇ οὐδὲ· ὁ περ σὺ μετὰ τὴν κρήνην ἀφ' ἧς ἐρχόμενος ἀφείλετο· καὶ τοῦ τε πολίτου
 μουλκίοντος καταγρῆλαι τὴν πόλιν· ὃς μετὰ τὴν αἰσάναι τὸν χρίον ἐμνήσε· καὶ τὸς κατασφῆς
 ἀποσχέσαι· ὃ καὶ γάρ· καὶ λαμῶν τὸ χρίον ὁ τριπολίτης· ἀπεμόνησε· ἀποδοξάμεν
 δὲ τὸν σὺ μετὰ τὸν ἐργον ὁ βασιλεὺς· πρὶν κούρατον πρὸς τὴν κρήνην ἐτίμησε· πρὸς τὸν
 τὸν σαρακηνῶν πρὸς τὸν ὁ βασιλεὺς ἰμῆρος· πρὸς τὴν κατὰ τὴν ἀφίσταται αἰσάναι· οἱ
 δὲ τὴν κρήνην πρὸς τὸν· καὶ ἀπὸ μοιραφῶν τὸς κρήνης τὴν λείαν· ἀβλαμῆς οἱ καὶ ἀπενό
 ησαν· ἀπὸ τὸν ἐν τὴν κρήνην κατὰ τὸν ἡμέρον· ὃ δὲ βασιλεὺς· πρὸς τὴν ἐν τὴν ὁ βασιλεὺς
 ὡς τὸν ἐκ τὴν ἐν τὴν κρήνην· ἀφ' ἧς τὸν ἐν τὴν κρήνην κατὰ τὸν· καὶ ἀπὸ τὸν κού
 τὸν ἐκ τὸν δούκα· οἱ τὴν ἐν τὴν κρήνην κατὰ τὸν ὁ βασιλεὺς· σαμοθραϊκῶν δὲ τὴν
 ὡς τὸν κούρατον κατὰ τὸν· ἀφ' ἧς τὸν ἐν τὴν κρήνην κατὰ τὸν· ἐξελθὲν τὸν ἐν τὴν κρήνην
 φασίσαμενος· φυγὴν ἐχρίσατο ἀμαχὴν καὶ ἰπποισ· τὸν ἐν τὴν κρήνην κατὰ τὸν
 ὁ βασιλεὺς· ἀπὸ τὸν κούρατον κατὰ τὸν· ὡς τὸν κούρατον κατὰ τὸν· καὶ ἀπὸ τὸν κού
 τὸν κούρατον· καὶ τὸν κούρατον κατὰ τὸν· ὡς τὸν κούρατον κατὰ τὸν· καὶ ἀπὸ τὸν κού
 κήφρος· ἀφ' ἧς τὸν κούρατον κατὰ τὸν· ὡς τὸν κούρατον κατὰ τὸν· καὶ ἀπὸ τὸν κού

πειθεν. εἰς τὸ μέγεθος χαλκά φάεισθον· ἀλλήλας προφασισάμενος· ἐλθὲν οὖν κωνσταν-
 τῖνος ὁ τὸν ἀνδρόνικον τοῦ δουκαίου· καὶ τὸν τοῦ ἀφαιμασίου· ἐν τῇ πόλει ὑπάρχον· εἰσελθόντ
 δὲ ἐν κωνσταντινουπόλει· τὸν μέγαν τὸν βαρδὰ τοῦ καίσαρος οἰκεία· φυλάττειν αὐτὸν ἐταξεν
 ὁ αὐτοκράτωρ· κωνσταντῖνος δὲ τὸν δουκί· ἐπεὶ περὶ πληροφορήσας αὐτὸν αὐτὸν ἀντιφάσας
 ἡμετέραν τὴν ὁσάμωρ· παρήγγειλε· μὴ τοῦτο εἰπεῖν ἐν πόλει συγκλήτου· ἀλλ' ὅτι ἐν τῇ
 εἰρήνῃ ἀλλήλας πείσει· εἰ μὴ τοῦτο συγγνώμης τοῦ τυχεῖ· ἐν τῇ δὲ προκλήσει
 τῇ συγκλήτου· καὶ εἰς μέσον τὸν κωνσταντῖνον παρῆλθον· ἡρώτα μετ' ὁρκοῦ οὕτως λέγειν·
 πρὸς τοῦ φύκαί τῃς ἐμῆς κεφαλῆς· ἐφ' ἡμέραν οἰοῦσα μωρὰς· ἡ οὐ·



κωνσταντῖνος



ὁ δὲ· τοῖς ὁρκοῖς ἀλαμψέας· παρήγγειλεν ὁρκοῦν πρὸς τὸν τῇ ἀλήθειᾳ ἀποκρύπτειν
 μολόησε πάντας ἐν πόλει· ὅτι περὶ τὴν ἐκείνου τῇ ἀφαιμασίᾳ μελῆται· ὁ δὲ αὐτοκράτωρ· τὸν
 μέγαν κωνσταντῖνον μετ' ὁρκοῦ ἀπέπεμψε· τὸν δὲ ὁσάμωρ· ἐν τοῖς τοῦ καίσαρος κατέχευται
 ὡρίσας· καὶ μετὰ αὐτὰ ἐκείθεν ἐξευλήθη· καὶ τῇς προτέρας ἑξέως τῇς
 δὲ τῇ αὐτοκράτειρ· ζωνοῦ τῇς τετάρτης αὐτοῦ γαμέτης· παρὰ δ' ὁρκοῦ· οὐ πρὸς τὴν γαμῆλιν
 κομίσασθαι· τὰς αὐτῆς αὐτῇς ἀφαιμασίαις· καὶ λαμπρὰ ἔσονται τῇς μερῶν·
 ἐβαπτίσθη δὲ τὸ παρὰ δ' ὁρκοῦ τῇ ἀφαιμασίᾳ· μικροῦ αὐτοῦ πρῶτος· ἀμαρτάνει αὐτὸς ἀπὸ τῆς
 σιδήρου· ἀλεξάνδρου τοῦ ἀδελφοῦ τοῦ αὐτοκράτορος· τοῦ πρὶν οἰοῦσα μωρὰ· καὶ τὸν κῆρυξεν ὁ δόχμ·



5K2



Φ ασιδοῦ τί καὶ ἀπαυαίμενος τὴν ἱερωσύνην. θεῖα ἀποκαλύψει ἐπὶ ἀθηαὺς κατὰ ὅξιν αὐαί. αἰ
 μοεῖ τοδεῖ οὐασιλάς πολλὰ ὡν ἑλλοπή μορὰ δὲ ὡν εἰς τοῦ το σμεργού τω αὐαί. νόμον θῆναι τοῦ ἀ
 γεῖναι τὸν ἀνδρα. κατατατομ τρεῖς καὶ τετταρασ γυναικας. ἀλλὰ τοῦτο μὲν πάση ποῦ δὲ ἐκασ
 λωτὸν ἀρχισ. ἰουνίω δὲ μετὰ ποσὲ κλήθη λέων οὐασιλάς. παρὰ κωνσταντίνου τοῦ λυῖος.
 εἰς τὴν καί μουρ γηθεῖσιν παρὰ αὐτοῦ μορὴν. ἀμμουτὸν ἀνδρῶν ἀποτόλων. ἐφ' ὧ τὰ ἀκαίμ' αὐαί τε με
 σαι καὶ ἀρ' ἡσσαι. ὅξιν φησὶ ὡν ἐπὶ πᾶσι μετὰ μορὰν. σφοδρὸς. καὶ σφ' ἡσσαι μετὰ μορὰν πολλὰ.
 καὶ σφ' ἡσσαι μετὰ μορὰν καὶ σφ' ἡσσαι μετὰ μορὰν. ὡς πᾶσι φάμεν ἐκ τῶν οὐκ ἐπὶ τὰ ὡαί φρα.
 ὁμορὸς δὲ ὡν ἡμορὸς. ἡσσαι τὴν τοῦ αὐαί κατὰ γῆδα. γόλου δὲ τῶν ἡμορὸν κατὰ ὡαί
 ὅξιν ἡσσαι. οὐασιλάς. ἡμερὸν τὸν λοστὸν τὴν τοῦ δρόμου. ἀρχὴ γὰρ τὴν τοῦ ὡαί κού καὶ ἡσσαι το
 γόλου. ποσὲ τὰ ἡσσαι καὶ ἀνδρόνικος ὁ δὲ σφ' ἡσσαι μετὰ μορὰν καὶ ἡσσαι κατὰ τὸν ἡσσαι.
 ὁ δὲ σφ' ἡσσαι μετὰ μορὰν καὶ ἡσσαι μετὰ μορὰν κατὰ τὸν ἡσσαι. ὡς πᾶσι φάμεν ἐκ τῶν οὐκ ἐπὶ τὰ ὡαί φρα.
 ὡαί φρα τὴν τοῦ αὐαί κατὰ γῆδα. γόλου δὲ τῶν ἡμορὸν κατὰ ὡαί

τοῦ σου καὶ τοῦ μοῦ πῶς γινώσκεις κατὰ λουτὸ τοῦ οὐνοῦ· ὥστε δὲ ἀκούῃσαι τοῖς ὑπὸ αὐτοῦ παρα-
 γελταῖσι· καὶ δούροις αὐτοῦ μαγίοις πολυτελῶς ἐφιλοφρονήσας· ἀπελθὼν ὁ ὡσαρακηρ.
 ἐν ἐξείριστι πλῶν οὐκ ἔρτον κηρὸν· οὐ καλεῖται ἐκείνος· καὶ τὸ πᾶν ματὶον ἄρσεν· καὶ τὸν ἐν τῷ
 τοῦ κείνου ἀναλίσσας μενοεινῶν· ἀπὸ τῆς λεπτῆς ἀμερμοναῖας



καὶ αὐτὸς ἀνδρόνικον καὶ τοῖς ἀνὰ πῶν· τὸ δὲ πᾶν τὴν ἰσχυρίαν ὑπέδεχτο· ἐπὶ πολὺ ὡς κακοχόνη.
 καὶ μὴ φέροντες τὰ ἐκ τῆς φυλακῆς λυπηρὰ· ἡ γὰρ καὶ οὐκ ἔστιν ἐστὶν οἱ κείνους ἐξομῶσαι τι-
 σιν· ὁ μὲν ὡς ἀνδρόνικος· οὐ πᾶν καὶ τὸν μὲν κατέλειπε· καὶ ὡς τῆς μοῦσας οὐ τοῦ
 ἑλίου· πρὸς τὸν φεμὲν ἐκείνου· εἰδὼς καὶ τὸν πρὸς σκευασάμενος· μετὰ καὶ τῆς ἀλλοτ-
 τῆς αὐτοῦ· τῆς γὰρ οὐ γὰρ σιχρὸι μετὰ τοῦ ἐπὶ τῆς φρουρᾶς καλεῖσθαι· ἀλλὰ τὸ μὴ τελῆσαι τὸ
 οἰκείον ἀπὸ τοῦ νθεοῦ ἀνέβασ· τὰ δὲ σκευὰ διαρρήξασθαι· ὅς ἐρχονται τῆς φυλακῆς· ἵ-
 καλὰ δὲ ὡς αὐτὸς καὶ μὴ σπασθῆναι· ἢ ὡς σπασθῆναι· ἀπεδύδρασκον· γρατὶ τῶν
 δὲ πεμφθέντων ἐστὶν κατὰ τὴν τοῦ πᾶν· μὴ μὲν ὑπὸ φρέφοντες καὶ πολεμῶντες·
 μὴ δὲ· χρῆσιον ῥιπῶντες· ἀπεσκευάζοντο τὸ ὡς ἀλῶντας· καὶ οὕτως ἰσχυρῶν ἡμῶν
 πᾶν ὁρίων ῥωμαίων·



[illegible]

οὗτος δὲ ἀνὰ τὴν ἑσπέραν ἐκείνην κατέβη· ἀλλοφυλοῖσά μοι καὶ ἀλλοπίστοι ἐκτετατατοίειν.
 τὸν καὶ τοῖς μετὰ αὐτοῦ οὐκ ἔδειξε· ὅθεν τοῦ σαμωῆ ἀπὸ τῆς παρρησίας ἦν ὁ
 τούτου ἡ ὁρμή· ἐπεὶ πρὸς αὐτὸν ἦλθε καὶ τὴν τὴν κτετασάμενος καὶ τὴν ῥάβδον· ἡρετίσας περὶ τὴν
 αὐτῶν μελητήν τὴν παρρησίαν αὐτοῦ· σαμωῆ δὲ ὡς ἡ χεὶρ· παρὴν δὲ
 μάλλον ἐστὶν αὐτῷ κείνῳ· ποιοῦνται· καὶ τῆς ἡλίας ἐχέσθαι πρὸς αὐτόν· πρὸς μενὲν δὲ καὶ αὐτὸν εἰ καὶ
 ῥοῦν αὐμολτο· ἐκείσε γενέσθαι· τῆς δὲ ἑορτῆς ἐπὶ τῆς ἐκείνης τὸ πᾶν αὐτῷ ἀπομένον· πρὸς αὐτόν
 αὐτὸν τὸ ἰσάπο γόλοισι ἐφείτησεν· ἔπειτα τὸν οἶκόν τῶν Κωνσταντίνου βασιλέως· εἰς αὐτὸν οὐκ
 ἀρχοῦ·





Γρηγοριος κατω τον χρονον. και κλειστοις πλην μαχη. αλ' ην ο βασις λ' ας τον μητροπολιτην
 μαδων με τε καλεσα το παπ' το λεοντα. της αφορομικης και αλας εν μνησει υπ' αχοντα.
 το της εκλειψας απο τελεσματος μαλειν οριγνωμενος. ορεισυχόμενον προς τον μα
 σι λ' α. οσα μωνασ' α' παραλαβων. ερωτησεν εις την κακωσιν εσθαι. και τονδε
 φαναι οτι εισσε. την τρις και δεκατην δε του ιουνιου α' ερχόμενος ημεραν. ουδε με εκτοπε
 πεισιν κακον. ερωτηθεισδε και παρ' του βασιλεως περ' τουτου. ειπερ οτι εις το δ' α
 τερον προσωπ' η και κασις αποσκηνηει.



Αποπτενενοω βασις αλ' ατερον προσωπ' ηναι. τονε αυτου αδελφον αλ' α' ανδρον. και τα μ' η
 της προρησεως η νεοχεν' απο βασιμ. προ' ων ο λο' οσ' ο' ηλ' ωσει. μη χαλ' δε τουτ' ο' ρι' θω' η
 και διαμ' το' αλ' α' προσελ' ο' η. και καταμ' ην' ο' σ' ο' α' μωνασ' ε' η το' α' η' α' κ' ο' η' πε
 ποιηκωσ.



Παραθυκαταμνησθεται· εστι το ροικοναι τον· και αποκειρεται μοναχο· ελτα εν τη μενη του τρι
αρχου αυτου μοναπαται· και κειθεν αμα ιδου θεις· ειο την του μαρτυρα κιον με τα τι θεται· ται
ταδε επραχθη· μη πατισ αι ρισμενησ προθεσμιασ παρα των μητροπολι του αβραμοιου
εποιησε δε αυται τον του καιν γαρτιρον παρακοιμωμον· εκτισε δε αυτω και μοναχον
ορμηται ομοσαιο· εστι ομοσαιο του προ· ην και ενεκαιρισε να μα αυτω μετω αρχη· α

Γαρ ην ωνδε εξελτουν πυν με τα παλαιοις τε λαικοσις· ων η χει το δαμαφος τε ο της τυρου αμης.
 και λεων οτρι πολιτης· ημεριοσολογο της τυρου αρχος ων πυν ηω μαίω· κατα τον οκτω
 ιερου μιν· σην ην τησε του τοις κατα την σαμον· η σε γρατη γελρω μαροσολακ απηος· και σην
 παλακεις τοις μετ' αυτου ητηθη· και πυν η πατον νεων ελσ κεδασει σων· μελσ αυτος ελεσι
 ηνεις μετληνην· κοιλιακωδε νοσην ελ ην φεισοσασιας· και ων χρόνον τε το ου πυν
 τελικτερμαδεισ· και εις εχατην εδωσ αμ ελ ηλακωσ· μελσ ην ην ητηεν το της εχραιείας
 καιρω· τη ην ητηη το ησασαδ ημγορια· σην ητροισμενησ γαρ της σην κλη του τοιου
 τω ην προσ αυτου ηρεατο λοισον·



ὁ μὲν γὰρ σαρκίου ὡ φίλοι. καὶ πῶς κτελεῖται ἀπὸ ἑσῶν. καὶ ἵσχυος ἀλλόλοπε. καὶ ταχα ἐν

This is a medieval manuscript illumination, likely from a French or Italian source, depicting a dramatic scene. The central figure is a man, possibly a king or noble, seated on a throne and wearing a blue robe. He is gesturing with his right hand towards a woman standing before him. The woman is wearing a blue hooded cloak over a red garment. To the left of the throne, a group of five men in various colored robes (blue, red, pink) stand in a row, looking towards the central figures. The scene is framed by an ornate architectural border with arches and a castle tower on the right. The background is a light, mottled color. The style is characteristic of late 14th or early 15th-century manuscript art, with bold outlines and a rich color palette.

[illegible]

οἱ κείνοι δ' αὖτε χόρται αὐτῶν· ὁ καὶ ἐγένετο· εἰ μὴ τὸ πρότερον ἐκώλυεν· ἔπειθ' οἱ παρὰ λέοντα τὸ μὲν παῖ
 δος παρὰ λαφύλατον τεσάρω αὖ· ποτε μέγαν γένετο· αὐτὸν μὲν οὐκ ἔδει· ποτε δὲ ἀδελφεὸς· καὶ οὕτω
 κατὰ μικρὸν αὖτε ποικίλιν τεσάρω αὖτε ἀδελφόν· τὸν παῖδα ἐσώσαντο· τοῦ φανήσαντος κατὰ λαμῶν
 ἐκείνων· ἔπειθ' οἱ τοῦ πατρὸς λαφύλατον ἐφάνη κομὴν τὴν ἐκδύσεως· ὁ γὰρ φῖα καλὸν οἱ παῖδ' αὖ
 ταδεῖνοι· τὸν τοῦ δὲ ἐλέγον· αὐτὸν μὲν γὰρ πρὸς μαίμεν ἐν τῇ κασιλίᾳ· ὁ δὲ βασιλεὺς· παρὰ
 μοις καὶ τοῖς ἐκδεδωκόσι αὐτὸν· καὶ πρὸς αὐτὸν οὐκ ἔμελλεν· εἰ μακροχρόνιος ἐ
 σεται· ἔπειθ' οἱ μακροχρόνιος αὐτὸν ἐσέειπεν· εἰ οὐκ ἐν τῇ ἱππικῇ ἀθλῶν σὺ ἀροσὶ χαλκοῖς· αἰδοῖα καὶ
 ὁδὸν τῶν ἐχθρῶν· προσλαμῶ παρ' αὐτὸν· γοιχείον γὰρ αὐτὸν εἶναι τὸν τοῦ προφασῶς· λέοντι γὰρ
 αὐτὴν ἐλάττει αὐτὸν φασὶν ἀδελφῶν· οἱ σπεῖον δὲ οὐκ ἔμελλεν· αἰσχρολόγος· τὰ ἐλπίοντα με
 ρητὸν χόρταιν προσαμενέω· τῇ τοῦ αὐτοῦ ὡς χόρταιν ἀπορροία· ἱππικὸν πεποικῶς· τὸ ἴε
 ρὸν τῶν ἐκκλησιῶν πεποικῶς καὶ τὸ ἴε ὡς ἱππικῶν· καὶ τὸ ἴε ὡς ἱππικῶν ἀφ' αὐτῶν· τὸ ἴε καὶ
 τε κῶς μεσση· τὰ τῶν ἀναστειλόμενα κοινῶν· ἡ μάλλον ἐλπίοντος ἐιδὼν ὁ σαματῆς οὐδὲν ἴσως
 ἱμερῶν δὲ τὸν λοτφέν· ἐκ τῆς τοῦ αὐτοῦ κοινῆς τῆς ἀποφάντα καὶ τῆς κασιλίδας κατελκύν
 τα· ἀποσείλας περὶ αὐρῆς ἐν τῇ κοινῇ καὶ τῶν· ἐπ' αὐτῇ λύνεμεν ὡς ἐχθρὸν ὑποχρεῖ
 σθαι· αὐτὸ καὶ αὐτὸν πολλὰ κατὰ τὸν σῶμα λεῖσθαι· ἐν ταῖς ἡμέραις τοῦ ἀδελφοῦ· οὐτοσδε μὲν
 κροῖν τὸν ὄριον· αὐτὸν δὲ ἐν τῇ κοινῇ κατεργασθεῖς· τὸν κοινὸν γὰρ αὐτὸν δὲ
 ἀρχόντος συμεῶν· πρεσβεῖς πεποικῶς· τὸ ἴε πεποικῶς ἐλπίοντος ἱππικῶν ἀπορροία
 καὶ τῇ κοινῇ αὐτὸν τὸν προφασῶν ὁ ποῖα μὲν προβεβασιλῆς ἀδελφὸς αὐτοῦ· τὸ ἴε μὲν πρεσβ
 αῖτις μὲν οὐδὲ πεποικῶς· ἔπειθ' οἱ κοινῇ καὶ ἀλαζόνας λόγους καὶ φρονήματα δὲ ἐκπέμψας·
 καὶ ἀπελὰς ἱππικῶν μερὸς κατὰ συμεῶν· ἐν τούτοις καταπλήθειν τὸν τοῦ οἰόμενος

κομὴ τῆς
 ἐλά

ἀλέξανδρος βασιλεὺς



ὁ γὰρ παρ' αὐτῶν δὲ τῶν πρεσβέων πρὸς τὸν συμεῶν· μετὰ γὰρ οὐκ ἔμελλεν τὰς ἐκ τῶν ἀδελφῶν
 ὑβρεῖς· καὶ τὰ φρονήματα καὶ τὰς ἀπελὰς· ἐλπετὶν ἐν τῇ κοινῇ· καὶ κατὰ ῥωμαιοὺς ἐκείνους

κωνσταντίνου τὸν δυνάστη ἀνδροκλήτου

πρὸς τὴν ἀρχὴν τῆς ἀρχιεπισκοπῆς. Κωνσταντίνος καὶ πρότερον ἔμελλε πολὺν τὴν βασιλείαν. καὶ ἀπὸ
πάντων αὐτῶν ἐφείμενος. καὶ μὴδὲ ποτε ἄλλοτε πη. ἀλλὰ πρὸς τὴν τοιαύτην ὁδὸν τετραμμένον ἔχων
τὸν νόον. ὁ δὲ ἀμέροσ τὰ γράμματα τοῦ ἀποστόλου. καὶ τὴν βασιλίδαν κατέλαμψε. ἔ



πρὸς τὸν νόον. τὸ ὅτι τὸν γραμμάτων ἐγκρίτιστος. καὶ τὸν βασιλὸς ἀπὸ τῆς ἀρχιεπισκοπῆς
τοῦ πρὸς τὸν ἀρχιεπίσκοπον τοῦ μετὰ τὴν ἀρχιεπισκοπῆς τῆς αὐτοῦ κροσόμενος. ἐμπνέει καὶ τοῦ ματῆρου γρηγορίου
τοῦ ἐβρίτου. περὶ τοῦ δὲ οὐρανίου τοῦ κωνσταντίνου. παρεγένετο. ἐν τῇ ἀρχιεπισκοπῇ
συναντῶν ἀπὸ τῆς ἐκκλησίας. μι



Μικὴν τὴν δὲ αὐτὴν κρήνην. τὴν ἐλάσιν αὐτὸς μενοσ τοῦ κωνσταντίνου. πρὸς τὴν ἀρχιεπισκοπῇ καὶ τὴν
ἀρχιεπισκοπῇ. καὶ τὴν ἀρχιεπισκοπῇ. καὶ τὴν ἀρχιεπισκοπῇ. καὶ τὴν ἀρχιεπισκοπῇ. καὶ τὴν ἀρχιεπισκοπῇ.
πρὸς τὸν δυνάστη.



Borλ

αλεων



Η θολιγνδὲ ἀπὸ γαλῆς παρὰ τῆς αὐτοῦ γνησιασίου πρίκισσος καὶ κλέου. καὶ νίκησας ὁ λαὸς. καὶ
 χροῖα καὶ χρῆμασι πλείστοις. πάλιν αὐτὴν ἀνέκτισατο. τὸν τε πῶτε. δαμάσσοις τῆς τύρου
 ἀμύρας. μετὰ πολέμοις καὶ πλοῖσι καὶ δώμασι πολλοῖς. ἐς κολὴν ἐποίησά τοι καταρυσμαίων. καὶ
 τὴν προῖκον καταλαύσας. ἐν ἁρμόσει πολὺ ὀρεῖ. καὶ οὐκ ἐπὶ σέβας. ἐλκυσσάσας ἀπεΐσω. ἀνέκτισα
 τῶν σαρκῶν ὑποστρεψάμεν. μετὰ τὸν δὲ τῶν ἡμετέρων τῶν μετὰ τῶν χεῖρῶν ὁ
 μαῖος. καὶ βουλομένη ταῦτα ἀνακοῖται. δέ οὐκ ἐν ὧν κεί μετὰ τῆς συγκλήτου εἶναι. ἀπείσασα τοῖς σαρκῶ
 κηνοῖς. καὶ πᾶσι τοῖς ἐν τῇ ἐστὶν ὁ δαπνίσας τῶν ἐν ἡμέρᾳ. καὶ ἐν ὧν τῶν πῶτε ἐστὶν ὁ
 δυτικῶν στρατῶν ματῶν. πόλεμον ἐποίησας κατὰ τῶν μουλῶν καὶ τελέωσας ἀφαισίου αὐτοῖς. ἐ
 δοξε τὸν το. καὶ πεμφθεῖς ἐς συρίαν. ἵνα πρίκισσος ὁ ῥαδῆρος. καὶ μετὰ τοῦ ξαράς. ἀπείσας τοῖς σα
 ρκῶν τοῖς. καὶ δὴ τῆς ἀπὸ τῶν ἀπὸ ἀλλήλων ἀφροῖς τῶν ἡμετέρων. τὴν σὺν ἡμετέρᾳ ἀπομὴν τῶν ῥοῖος
 κελύσας γενεάσαι τῶν στρατῶν ματῶν. λεομήτε μετὰ τῶν πῶτε καὶ ταῦτα παραδύσας ὁ δαμάσ
 τῶν σχολῶν τῶν ἡμετέρων. ἀπὸ γαλῆς κατὰ μουλῶν ἐπέτρεψεν. ἀφροῖς τῶν πῶτε καὶ πᾶσι τῶν ἡμετέρων
 καὶ τῶν στρατῶν κατὰ τὴν ἀλάσιν. περὶ οὗ δὲ ἡ ἀλάσιν ἐστὶν ἀπὸ τῶν ὑποδοχῶν στρατῶν ὡς ἴδε
 ον. ἀπὸ γαλῆς ὁ πῶτε παπᾶς τοῦ παλατίου μετὰ τῶν μετᾶ. παρὰ τῶν ἐκείνων προσκλήσας τῶν
 μύσας. ἐν ἀπὸ τῶν κεί μετὰ τῶν ἡμετέρων.



BN

24. 10. 1917



Ιδρῶν τε τὸν δὲ μάτικον περιεθεύετο πολλῶν. καὶ λέει πομπήν σου. καὶ τοῦ ἵππου αὐτοῦ αὐτῶν
 ἵππῳ ἡνιππῇ. καὶ τὸν ἵδρῶτα αὐτοῦ πλῆροισιν καὶ αὐτὸν ὑποτίχουτος. τὸν δὲ κινῶν πορρῆζας
 ὁ ἵππος. τυχάσας. ἔπειτα αὐτοῦ φρατοπέδου κερὸς ἰσχυράτου. οἱ δὲ φρατῶνται τεύμενοι γνώρι
 μαρῶντα. καὶ τὸν δὲ μάτικον πᾶσι ἐν ὑποτοπῶσιν. ἐς πύαν ἐν ὑποτομ. καὶ κατελήθησαν
 τὰς ψυχὰς καὶ τὴς αἰσῆς ἐσθῆσαν. ἐν οἷς δὲ καὶ πάλιν τροπολογίαν. ἔξῃ ὑποτομῶν δὲ
 ταῦτα τεύμενοι σὺ μένων. οὐ γὰρ ἔτι χερσὶν αὐτῶν τακτοῦν τὴν φυγὴν ποιήσάμενος. ἐπαρῆκε τὸ ὠβουλ
 γαρόν κατὰ ὠμαίων. οἷδ᾽. καὶ πρότερον ὠπείπομεν τὰς γνώμας φλασέντες. ἔ
 τεθηπότες. ὥς καὶ αἰφνίδια ἐπὶ οὐρανὸς ἔφασαν τὸ ὠμουλγῆναι. τρέπονται παμφρατῇ.
 καὶ γὰρ ἐφυγὴν φρικωδέστατη. τὸ μὲν ὑπὸ ἀλλήλων συνωπῶν μένων. τὸν δὲ ὑπὸ τῶν
 ἐναντιωνάμενον μένων. λεωνδὲ δὲ μάτικος ἐν μεσημβρίᾳ ἀέκωφον φέρει.

Монета

τοσμενδὴ καὶ οὐδ' ἀπερολόγοσ· εἶπε δ' οὐτὸς εἶπε κείνοσ· ἡ ἀλήθεια ἐχέει· ὁ μωσὶ τραπῆσαι οἱ ῥωμαῖοι·
 καὶ τὰ λεχθέντα ἄποθεν ἀεὶ πορεύθη· μετὰ τὴν τροπὴν δὲ· τὸν μωσὶν πλὴν ἐκ τοῦ πολέμου πα-
 ραγενομένων· τὰ κατὰ τὸν ῥωμαίων καὶ τὸν βοῶτα· ἐκινήθη· καὶ εἰς τοσοῦτον κινδύνου περιέστη τὸν δρόμον·
 γαρίω τὰ πρόμαχα· ὥσ' ἡ φονὴ καὶ αὐτοῦ ὅδε μετὰ τὴν παρὰ τὸν ἀλκαῶν· καταδικάζουσα αὐ-
 τὸν ἐκκοπήναι τὰς ὀφείας· ὥσ' ἀμελεία· ἡ μάλλον καὶ κουρήα· μὴ ἀπαράσφατα πατρίδα·
 πάλιν δὲ μὴ δὲ τοῖς ἀποτῆσ τροπὴν δὲ χρομὲν ὑπογράφει· τὸν τοῦ δὲ ἀνέπεσεν· εἰ μὴ
 γέφανοσ· μαίηρος ὁ τὸν ἐπὶ τὸν πωλὲν· καὶ καὶ γὰρ τὸν σπῆναι τοσοῦτον γὰρ· πολλὰ δ' ἡ ἀμένο-
 παρὰ τὴν ἀπόμνη· αὐτὸν ἐξερρώσαντο· συνεσθὲν δὲ ἐπαρθεῖσιν τὴν κὴ καὶ γὰρ ῥωμ· ἀρῶσ' αὖτις
 αὐτὸν τὸν φράταμα· κατὰ τὴν βασιλίδος ἡ πόλιν· ὅδε ἡ φέρων· πάλιν δὲ δομάς· κοσλέων·
 φωκάσ· καὶ ὁ θάμει ἀρχιστῶ· καὶ νικολάος ὁ κωγαντίνου τοῦ δουκαῖος· μετὰ τὴν ἀσφα-
 λωπὴν τὸν παρὰ τὸν ἐπὶ τὸν· εἰς σφαγὴν σὺν αὐτοῦ· καὶ κατὰ τὸν τόπον τὸν λεγόμενον κατασφύρας·
 ἀπομοίρα τὴν βουλὴν ἐλθόν· προνομὴν πεμφθῆσιν σιμνητικότες· προσέγγινται τούτοις καὶ
 τρέπονται αὐπετῶσ· αἰκρά φρόνδ' πάλιν ἔρασαν· ἀπελπίσ' οὐσιν· ὑφίσταται καὶ αὐτὴν
 ῥαδίως τε καὶ ἀνδρὶ κωτῶν· καὶ ἡνέται μὲν καρτερὰ· καὶ ὡς πολὺν ἀρκεσάμενον χρόνον· καὶ
 τρέπονται μὲν οἱ κωλῆχοι· ἀσφαγὴ δὲ νικολάος τοῦ δουκαῖος· ἡ ῥωμῶν κωσφῶν· ἀμέροσ· καὶ αὐ-
 τὸς τὴν σὶν κὴ ῥωμῶν οἱ σφηνόμενο C+



σλ

καὶ τὰ μὲν κατὰ τὸν πόλεμον σφηνόμενα ἔχθη γένεσθαι οὕτως· τὰ δὲ κατὰ πόλιν ἐνόσ' ἐδελύσ'· πολλὰ καὶ μέγαν
 ἰώμασιν ἐπὶ τὴν ἀσπίδα· καὶ αὐτὸς τὸν πλῆθος· ὡς κορυφαῖος ἡ φωκάσ· ὑπερῶν
 γὰρ οὐτὸς ἐπὶ ἀδελφὴν γαμβρὸς τοῦ παρὰ κομμενίου κωσφῶν τῆς· μετὰ τὸν τὸν ἐπὶ τὸν βασιλεῖος
 δυνάμενον ἀνόντων καὶ πᾶν τὸ πλῆθος ἀσφῶν· ῥαδίως αὖτε τοῦ τὸν ἀσπίδα καὶ ἐπὶ κράτος·
 ἀλ' οὐ καὶ πολὺς ἐφύετο· καὶ οὐκ ῥῶν· ἀλλὰ φανῶσ' αὐτὴν αὐτὴν ποιεῖτο· ὥσ' πρὶν αὐτοῦ πρῶτος
 παρὰ τὸν ἐπὶ τὸν κωμῶν τοῦ αὐτοῦ· καὶ ὁ σφηνόμενος ἔμελλε αὐτὸν· ὥσ' εἰς μὲν μὲν ἀδελφὴν ἐφάντασθ'· οὐ

την ορμη μου κατασφονδύω. φωνηέσθ' ούτως ασιλεύω κωμωγῇ τῇ αὐτῇ παιδαγωγὸς θεοδωρος. καὶ μή πάλαι
δείσατο ὁ κασιλᾶς. ὑπέθετο πῶς ασιλεύω κωμωγῇ τῇ αὐτῇ. λαθραῖος προσλαύεται τὸν πρὶ κλονῶματόν.
καὶ βρουγάρον τὸν πλῆμυν πρὶ κλονῶματόν. καὶ τὰ αὐτῶν φρονόωτα ἀλάπατ. ὥστε σμῆναι
καὶ ἀφ' ὧν αὐτὸν. καὶ ἐδένει. συμμεχρὲν καὶ βοήθει.



Εμυχὰς οὖν πρὸς τὸν τοῦ γερομένου. ὁ ὧ μαρὸς ἀπείπατο. καὶ πάλιν καὶ πο χαίκις περὰ
 φέρτορ τοῦ ἀμφί τοῦ θεοῦ ὄρωρ. διὰ πάλιν. εἰπεδὲ γραμματὸν αὐτόχελρον. χαράξας οὖς αὐτοῦ.
 καὶ φοινικοῖς ὑποσκήνους γραμματὸν ἀπείπατο. εἰξετέων χεῖρας τοῦ ταλαῖον. καὶ καθύ
 πάχους τὴν τοῦ παρακοιμωμένου κοῦν γαντίμου. καὶ τῶν συγγραμμάτων αὐτοῦ φεσην καλύσαι κατὰ
 ἄνωρ.



α μερὸν ἰλαθὴν τέτατον χιμάτα· οὐτω προέβη· καὶ ἀπὸ τῶν ῥαῶ καὶ τῶν λευφῶρων καὶ τῶν ἡγεμῶ
 τῶν ὕπερ ἡ θυρίθου· ὁ δὲ παρακοιμάμενος· καὶ πρὸς οὐκ ἀνήκοος τῶν κατὰ τοῦ μελε
 τῶν μένων· κατεφρόνε· μὴ αὖ ποτε τολμήσαι τινα ἡμῶν χεῖρ κινήσῃ κατὰ τοῦ πολεῖσθαι· ὅξελθῶν
 ὁ ὤ· καὶ τὴν σπινθήρα ἀπομνηστῆσθαι τῶν ἀνέμων· καὶ τὸν ῥῶμα ὡς ἀπὸ τοῦ
 δαυτοχίον ἐκπλάσσει· πρὶν ὅτι τῶν λόγων· δὲ καὶ ἄλλοι ἐκ τῆς μάχης πρὸς ὑπαγῆσας ὁ ῥωμαῖος

αὐτοῦ. ἡρέμα καὶ κατὰ μέτρον ἡμεῖς αὐτὸ μέτρον ἐνέδραμ· μὴ δὲ εὐδὲι πάλαι τὸν μελῆται μένου
 δὲ κηφέντος τοῦ παρακοιμημένου. ἀλλὰ κακῶς καὶ χωρὶς ὑπονόου ἀλγόμενον. καὶ μάλλον
 ἄλλα προσόρτο αὐτῷ καὶ τυφόμενον. εἰς χεῖρας δὲ αἰδεῖσθαι καὶ γερναῖσθαι καὶ τὴν νασίλκην
 ἐρέπειν ὡς τὴν δέιστον τὴν ἡρην. τοῦδε. καὶ εἰς χεῖρας αὐτοῦ παρῆναι τοῦτο ὡς ἱρακότος. καὶ τὴν
 κεφαλὴν ἀσπασθῆναι καὶ πλῆσιν τῆς τῶν αἰδῶν ἑρῶν. ὁ Κεῖν γὰρ τῆρος. φεασάμενος τοῦτο ὡς
 καὶ τὸ αἰδοῦν αἰμενος. ἀπὸ αἰρέσει πᾶσι. ὁ δὲ ἐρῶν αὐτοῦ. ἄλλα τοῦτο περὶ πατρὸς. ὡς
 πλῆσιν ὁρᾶν τοῦ τῆς ἡρῆς ἀπὸ τῆς ἡρῆς. κατασχῶν τὸν Κεῖν γὰρ τῆρος. καὶ μὴ δὲ πᾶσι ἐπὶ τῶν. ἀλλὰ
 μόνον ἀρατε τοῦτον. αὐτὸς μὲν ἄνθρωπος. οἱ δὲ πρὸ τῶν ἡρῶν τῶν ἀπὸ τῶν. εἰς τὴν ἡρῆς τῶν ἡρῶν
 χίδα. καὶ ἐν ασφαλείᾳ κατεῖχον.



ἢ ἡδὲ μὲν σε πᾶσι μὲν αὐτοῖς τὸν τῶν ἡρῶν τῶν ἡρῶν. ἀλλὰ πᾶσι τῶν παρὰ τῆς ἀλῆ
 ἀπαρέντων. τῆς φήμης ὡς ἐξαρτῆισθαι. τὰ δὲ κατὰ τῆς πᾶσι τὴν πόλιν. τῶν ἡρῶν ὡς εἰ
 κὸς ἀπὸ τῆς ἡρῆς ἡσασμένην. φεασάμενος τοῦτο τοῦ λόγου καὶ μέγας τῆς νασίλκῆς ὡς εἰς
 μαχίαν καὶ οἱ ἐμτελεῖν ἐπὶ τῶν. προσκαλεῖται τὸν ἡρῶν τῶν ἡρῶν. τὸν πρὸ τῶν ἡρῶν
 καὶ τὸν τῶν ἡρῶν τῶν ἡρῶν. κοινολοῦσάμεν τε μὲν αὐτῶν. ἐκ τῶν ἡρῶν τῶν ἡρῶν
 μόνον. τῶν καὶ τῶν ἡρῶν τῶν ἡρῶν. μαλεῖν ἐφελούσα.



Πῶν τε μὲν φεύγοντες γὰρ οὐ μὲν ἔνθα προσώρμωσιν αἱ τριήρεις· καὶ μελλόντες ἐκινήσιν πρὸς αὐτὰς
 τῆς τοῦ παρακοιμώμενου κατασχέσεως· ὁ δὲ πῶν πολλοὶ μὲν ἀναγὰς ἀκούσας ὁ χλὸς· λί-
 φθισαὺν δὲ ἐξήλασεν·
 οἱ μὲν αὖτε
 οἱ τριήρων ἄρχοντες



Επεὶ οὖν ἤκουσαν οἱ δὲ ληθόντες τὸν μουκολεῖοντα· καὶ τὸν ἰόντα φελαμένη καὶ τὸν ἀντι-
 ἔπαρτα τῶν γὰρ νεμῶντα τοῖς αὐτῇ· μετὰ δὲ μὴ ἀποκρινόμενος· ὁ πᾶν δὲ ἄνθρωπος τοῦ βω-
 σιλέως τοῦ οὐροσὶ φη-
 ζων
 ἡ ματαλίσ

ὁ βονκο
 ε
 λ



Διὰ τὸ ἀπολέσαι αὐτὸ ἀπο/μα· λέοντα μὲν τὸν φελαμένην τὰ ἀνδράματα· καὶ νῆα μὲν δὲ τὸν
 παρακοιμώμενον τὸν παλάτιον· ἡ ταύτη γὰρ νεκίρησις· ὁ μὲν αὖτε εἰς αὐτὸν
 τὴν νόσον ἀπὸ τῆς μὲν ἐφελκομένης· τὸν πρὶν ἀρχὴν καλεῖται· σὺν τῷ μὲν πρὸς φάσμα
 ἀνέγεμνεν παλάτιον· καὶ τὴν ἐπαύριον γέλοισιν αὐτὸν τοῦ βακχῆ· τὴν καὶ μὲν τῶν
 παλατίου καταμύσσει· ἡ δὲ· μετὰ λυγρὴν καὶ δακρυῶν πλὴν αὐτῆς πρὸς τὸν κείσιν

ἦν· πρὸς συμπαθεῖ· αὐτὸν μὲν κινῆσαι καὶ οἰκτορῆσαι· καὶ φέρειν τὸν αἰγῆτα· ἔσθ' ἐεῖναι
 μετ' ἐμὴν μῆρα μου· οἷδε· αἵματι λούει· ἔστησαν καὶ ταύτην κατέλιπον·



Πρὸς ἐλπίδι· ὁ βασιλεὺς δὲ μάτην κοινῶν μοχλῶν ἀδελφόμενος τὸν φεῦκα· τὸν μάλιστα ἦν τὸν γα
 ριδῶν· τὴν ἐκ τοῦ λεόντος δὲ δὲ κωσέξ· ἐπαράσιν· τὴν αὐτὴν· τὴν τοῦτου προεβλήθησαν· συμειν
 ὁ λῶσαι τοῦ· καὶ θεόδωρος οὗτος γυναικὸς αὐτοῦ ἀδελφὸς οὗτος φινέξερ· θαιρεῖ ἀρχαί· ὁρκοὶ στέ
 ὁὐ κατὰ ληθεῖς· ὑπὸ τοῦ βασιλέως· κατὰ ληθεῖς τὸν οἶκον αὐτοῦ· καὶ παρὰ χρεῖμα οἱ συγγενεῖς αὐτ
 ἀπελύθησαν τῶν βασιλείων· ὁ πρὸς μὲν ἐκείνους· ἀφ' ἑνὸς καὶ φέου ἐλὶ φθῆ· ἀφ' ἑνὸς ὡς πᾶ
 σάμερος· ἀπὸ ληθεῖς τῶν βασιλείων· πρὸς τὸν βασιλέα οὐκ ἔστιν ἄλλος· τὴν αὐτὴν ὑπὸ τῆς καὶ τὸν προ
 πηλακισμὸν ἀπὸ τῶν μερῶν· Κοινοπραγία τῶν σῶν· καὶ ὁρκοὶ ἀλλήλοισι κατασφαισάμενοι· καὶ
 κηδὸς ἐστὶ τὸν αὐτὸν ποτὶ σάμερος· παῖδας· ἐν τῷ κρυπτοκατεῖχον τὸν ἀπομαρτυροῦμεν· ὁ δὲ
 ῥωμαῖος πρὸς μὲν ἐστὶ τὸν παλαίον· πρὸς τὸν γὰρ τὸν σάμερος· μὴ ἀνταρσία εἶναι μὴ δὲ ἀποστα
 ὁ μὲν ὑμῶς τὰ παρὰ χεῖμα· τὴν τοῦ φεῦκα δὲ ἐπὶ τῆς σφαιρῶν μερῶν· καὶ δὲ δι' ὅσον τὸν βασιλέα
 μὴ καὶ παρὰ φλαῦρον· ἐν τῷ παλατίῳ ἀνελθεῖν ἡ βουλὴ· καὶ φυλακὴν τὸν τοῦ ποτὶ σάμερος καὶ τοῦ
 βασιλέως· μὴ πρὸς τὸν σάμερος· μὴ δὲ τὰ γὰρ μὴ ἀδεχόμενος· ὡς πρὸς τῆς θεόδωρος
 ὁ παῖδας ὁ τὸν ῥωμαῖον· ἀρὰ τὰ πᾶν τὸν γὰρ τὸν σάμερος· ὡς πρὸς τὸν παλαίον γεώρον· ἐν
 τῷ κρυπτοκατεῖχον· μέλλουσιν δὲ τούτου καὶ ἀνδύομενος· οἱ πρὸς τὴν λεγόμεν· ἀντὶ τούτου
 ἐν ἀρμύρῳ· ἀντὶ τῆς καὶ ἀκομτα ποτὶ σάμερος· ἀμέλει· καὶ κατὰ τὴν τὴν μὲν ἀντ
 ἐν τῆς τὸν ἐν ἀλλήλοισι· ὡς πρὸς τὸν γὰρ τὸν σάμερος· πολεμικῶς ἀφικνεῖται πρὸς τὸν κρυπτοκατεῖχον· ἐν
 γέφυρας μετὰ τῶν ὁμάδων· κατὰ τῶν βασιλείων· οὐκ ἐστὶ δὲ πρὸς τὸν κρυπτοκατεῖχον· καὶ δὲ τῶν
 ῥωμαῖον· καὶ κατὰ τὸν πρὸς τὸν σάμερος· οἷδε· περὶ τὸν βασιλέα· τὰ τῶν καὶ ζωοπολὶς ὡς πρὸς
 τῶν πρὸς τὸν ῥωμαῖον· καὶ ὁρκοὶ αὐτὸν κατασφαισάμενοι· φέου τῶν καὶ ἀρὰ τῶν παλα
 μαιότατοις μὴ δὲ ποτε δόλον κατὰ τὸν βασιλέα ἐμνησάσθαι· καὶ συγχωροῖσι μὴ τὸν αὐτὸν γὰρ

καὶ ἀποφάσιν· καὶ τῇ χειρὶ τοῦ βασιλέως καὶ τῇ φρενὶ αὐτῆς ἐμπαύσας· μετὰ τὸ συγκατα-
ρίδωσθαι· ἢ ἀλλήτοι αὐτὴν ὑπεράβη· καὶ βασιλικὴν ὑπεροχὴν προσήγοράσαν· ἐν πύλῳ τοῦ λεοντοσφρα-
τοπέδου ἐξέπεμψε· καὶ ἕτερα δὲ μετὰ τὴν σκληρὰ καὶ μάχην ὑποσχέσει· ἡμῶν καὶ δωρεῶν·
ἀφ' ὧν ἔλαβον τὰ ὡς τὸν ματαπενέξοντα καὶ τὸν λαόν· ἀλλ' οὐ τοσοῦτον μετὰ μάχην φεραδὲν
ὑπὸ τοῦ φεωκῆ· καὶ τὸ φεωκῆ ἀνέλεως· ἀπὸ γὰρ τῆς αὐτῆς· ἐλάδεν γὰρ ἐν πύλῳ φεατῶ· ἀπὸ
ρασα δ' ἐπὶ γὰρ· παρὰ τοῦ ὡς τοῦ ματῆος μετὰ μάχην καὶ τὸν λαόν· τὸν ἀνταρξάοντα
ἵκανατον· καταλὶπὸν τὸν λεοντα· πύρρον ματῶν προσεχώρησεν· ὡς τῇ καὶ οὐ φεωκῆ· καὶ
λαρῶντος ἀπὸ ματῆος· τοῦ ματῆος καὶ ἀφ' ὧν ὅτε· ἀπὸ κολούθησεν· λέων δὲ ὁ ματῆος φεωκῆ
τὴν χρυσὴν πολὺν καταλαμῶν· καὶ τὸν λαόν παρατάξας κατὰ τὴν ἀντήσαν· ἐν πύλῳ καὶ ἵστα μέμνη
λιθὴν ἡμιδαμάλιν· ὅς ἐφ' ὧν τὸ ὡς τῇ πολέ· ῥῶμα φεωκῆ δὲ μετὰ δράμην· τὸν ὡς τοῦ κατῆ
κλείουσιν μετὰ γὰρ πρὸς τὸν ἀποστάτου λαόν· καὶ χρυσὸν καὶ ἄλλοις ματῆος παρὰ
τοῦ βασιλέως ἐν χειρὶ σεναῦτῶ· καὶ παρ' ἡγῆσε πάντα τὰ ὡς τοῦ λαοῦ· πύλῳ τοῦ τοῦ
ματῆος



ὁ δὲ τὸν χρυσοῦν κολλίου ῥῶσιν εἰς χεῖρας τῶν
 πτωχῶν· οὐδὲν αὐτῶν ὑποχείρα· ἡ ῥῶσιν αὐτῶν ἀρῶσα· τοῦτω μετὰ τὴν τῆς αὐτῆς φυλακῆς
 κατεπείρασε· καὶ αὐτὴ πρὸς αὐτὸν κρίνει· ἀλλὰ ἅπαντα πρὸς αὐτὴν ἐνδεῖ· κινύμενον· λῆσον
 τὰ δὲ τὸν πτωχὸν αἰεὶ ταύτην προπολεμῶντα καὶ ἀπομολάοντα· καὶ νῦν τὴν κρυπτομένην αὐτοῦ
 μοχθηρίαν φανερῶσάντα· οὐτε δὲ μάτη κοινεῖναι βούλεται· οὐτὲν αὖτε κρίνει τὸν ὑπὸ τῆς
 ἀλλὰ ποτατὴν καὶ τὴν ῥῶσιν· καὶ χαρίζεται τῇς βουλῆς· τὴν τοιαύτην αὐτὰρ σιγήσαντα· ἵνα
 εἰς τὸν τὸ τῆς αὐτῆς ῥῶσιν ἀσπασθῇ κράτος· τοῦτο οὖν εἰδὼς οὐ μετὰ λαοῦ· τὸ δὲ οὐκ
 εἶναι φέλησον· καὶ τὸν προῖον κοινῶς γινώσκοντα· τῆς πικρᾶς τυραννίδος αὐτοῦ στήθε
 τὸν δὲ πτωχὸν μετὰ τὴν γέροντος κατὰ τὴν παρεμολήν· καὶ τὸ χρυσὸν κολλίου φανερῶς ἐκπέμψαν

τοσπύλασ· ὡς τὸν το ἀνέγνωσαν καὶ τὸ μέγα πῦρ ὡς καταμόνησαντες· ἤρξαντο πάντες
ἀνδρῶν καὶ τῶν κασιγῶν πατέρων προσφύγειν ὡς μαρτυρῶν.



Ὁ φῶκας δὲ πρῶτον μὲν πειραδὶς τὴν ἀνάγνωσιν καλῶς τὸν χρυσὸν μόνον καὶ μὴ διψήσας·
εἶτα καὶ ὑπορέειν κατὰ μικρὸν τὴν ἐαυτοῦ πύλην ὡς ἀμύνει· τοῖς ὅλοις ἀπελθὼν· φησὶ
τὴν σφίγγα πειραδὶς· καὶ μετὰ τὴν σφίγγα πύλην πάλιν πάλιν τὴν φέροντα κατέλα-
μεν ἅτε οἷον·

ὁ φῶκας φησὶ



Ἀποκροῦσθαι δὲ κείτην ἐν τῇ χειρὶ κατὰ πύλην· ὡς λεωντοχέριον κατονομάσθαι· κακῆσαι
παρὰ μὲν χαιλὸς βάρεως καὶ τὴν μὲν ἀλλὰ πλείων ἀπὸ τοῦ σφίγγος συλλαμψάνθαι· φησὶ
τοῖν ἡμίωτον καὶ καὶ λεωντὸν παρὰ χαιλὸς· εἰσπαρὲν αὐτὸν ἐπὶ τὴν μαστράδα· οἱ δὲ τὸν
κρατήσαντες ἀποφύλασαν·

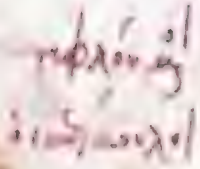
ὁ φῶκας



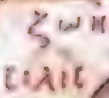
ὁ φῶκας



五、



張



2017. 1. 1. 1. 1.

σαλα. ἀελύτῃ τῆς ἐρήνης. ἔκρατε υἱὸς κατὰ τὸ νόον ἐρμῆος δομέγιος. ὦ σὺν ἡμῶν
 ἀρμύσιν καὶ ὁ μῆτρος ὁ μέλιος. καὶ πρὸ τῶν μεν πολεμιστῶν μελὶ τῆς ὠσὶν ἡ λασαφείσῃ τε
 χροῖ. κατὰ τὸ λμῖσας ἀπὸ τῶν ἰσάδων τῶν ἰσάδων. ἔπειτα πρὸς τὴν πόλιν. καὶ
 μετὰ τὴν ἰσάδων τῶν πόλιν ὁ κῆσας πρὸς. πολεμιστῶν μου κατέστη.

[illegible]

ἐκενέριωδ' ἐμνήσθη τριφύλων λουτρῶν καὶ χειρὶ τοῦ ὁσίου πατρὸς ἀρχιεπίσκοπος τοῦ· μέλει αὖ
 τοῦ φυλάξαι τοὺς οὐκ ἀσπλάγους τοὺς ἐν μέτρῳ φασεὶ τῆς ἐρομένης ἡλικίας.



χαλκῶν
λίαν

Τὸ αὐτὸ δὲ μὴν· ἄνευ χεῖμας ἀφ' ὧν τοῦ· ὡς κρηνα ἡμεῖς τὴν γῆν ἐπὶ τὴν ἀσπίδα καὶ τὴν ἐκείνην· ἐπὶ
 Κολούθου δὲ πύχαι μὲν καὶ ῥητορῶν· τὸ ἰσχυρὸν τε γένος μενοῦν ὑπερβαλλόμενος· καὶ τὰ ματὸς
 ἀποτόντου· ὡς μὴ δ' ἴσασθαι τοῖς ἀνθρώποις ἐκ κομῆς ἐκ τῶν περὶ τὴν αὐτὴν· τὸν βασιλέως πολλὴν
 πρόνοiam πρὸς τὴν χάριν κατὰ τὸ δῶρον· καὶ τὸν χεῖμας καὶ τὸν λίαν· ἀλλ' ὡς ἴσων καὶ ἀλλ' ὡς ἴσων
 τὴν ἀσπίδα παρὰ τὴν αὐτὴν· πῶς δὲ τὸ μὴ γὰρ ἀσπίδα· ἐπεὶ τὸ ἴσων ἀδελφὸς αὐτοῦ
 μετὰ τῶν ῥητορῶν μὲν ἔχοντα γὰρ· καὶ φεραῖς· αὐτὸς μὲν τὴν περὶ καὶ καὶ εἰς τὴν· οἱ
 δὲ λοιποὶ πάντες· τὰς ἐσχάτας ὑπερβαλλόμενος· δὴ λαδὲ ἐπὶ τὸ καὶ τὸ βασιλεῖ ῥωμαίων
 πῶς τὰ γὰρ ἡμεῖς· ἀπερματίζοντες· τὸν μὲν ὁ ἴσων τὸν ποτὲ ῥαί κεν ἄρα περὶ τὸ μὲν· πρὸς
 φασὶ μὲν ἀλλ' ὅτι· τὴν δὲ ἀλκίαν· ἵσων ἡν ποικιλοτροπὸς ἀρεῖν· καὶ εἰς κρηνα τὴν ὁποῖα πολλὴν
 ὁ δὲ καὶ γὰρ· καὶ δὴ τὴν ὁραὶ κεν ἀποκλείει τὸν ἴσων· ἐν τῷ αὐτῷ ἀπὸ μετὰ τὴν ἀσπίδα ἐπὶ τῶν
 ἀμαυτῶν τὴν ἀσπίδα κατελάμει· καὶ μετὰ τὸν πολὺν· τὸ μὲν ἀλλ' ὡς ἀπορρίψας σῆμα· καὶ γὰρ καὶ
 αὐτὸς ἀλάμει· πρὸς τὸ λαμει δὲ καὶ οἱ κεν καὶ κτηνὰ πᾶσι πολλὰ· καὶ μὴ χεῖμας δὲ τοῦ πῶς
 ἔχοντα ἀδελφὸς· τὴν βουλὴν καὶ τὴν ἡμεῖς κατὰ σῆμα· φεραῖς κατὰ τὴν ἀσπίδα ῥωμαίων·
 ἀπεσε τὴν μὲν γὰρ· καὶ πολλοὶ προσερχόμενοι αὐτῷ· μὴ μὲν δὲ· τὸν τοῦ ἀποθανόντος· δὲ δὲ
 ὡς τὸ ἴσων ῥωμαίων τὴν τοῦ πέτρου ἀντακτικῶν· ἐπὶ τὸν τὰς ῥωμαίων καὶ χεῖμας· ἀλλ' ὡς κεδόντι
 καὶ ῥωμαίων καὶ ἑλάνδ· κατὰ λαμει τὴν ῥωμαίων· πᾶσι τὰς ῥωμαίων καὶ μὴ· καὶ πᾶσι
 ἐν αὐτῇ βασιλεῖ· οἱ τὴν ἀσπίδα κατὰ τὴν ἀσπίδα· ὑποχέρι τοῖς ῥωμαίων ῥωμαίων
 κατὰ τὸν τοῦ τοῦ ῥωμαίων· ἐπεὶ τὸ ἴσων ἀπὸ τῆς ἐν τῷ φεραῖς ἀπὸ τῆς· ὡς κοσμήτην καὶ ἐν τῷ φεραῖς·
 ἀπὸ τῆς ἐν τῷ φεραῖς· ἀπὸ τῆς ἐν τῷ φεραῖς· ἀπὸ τῆς ἐν τῷ φεραῖς· ἀπὸ τῆς ἐν τῷ φεραῖς·
 τὸν φεραῖς· καὶ ἐπὶ τὴν ἀσπίδα ἐμὲν δὲ τὸν ἀπὸ τῆς ἐν τῷ φεραῖς· ἑλάνδ δὲ καὶ χεῖμας
 ἐν τῷ φεραῖς μὴν ἀπὸ τῆς ἐν τῷ φεραῖς· καὶ τὰ φεραῖς τὴν ἀσπίδα τὸν ἀπὸ τῆς

τελευτῶν τὸν χριστοφόρον
 βασιλεῖ



Ποῦ ἔκτο δ' ἐλθόντος ἐλεάθην τὸν ἐπὶ τὸν τριφώνον ἀρχισ. οὐκ ἔτελε κατελθεῖν τὸν θρόνον ὡς ἔσχετο·
 ἀλλὰ κρείσσει ζήτη καὶ αἰτῆμα κατὰ τὸν προβλήτην αἰτῆσέ κκλησίας ἐκ καλλῆται· δὲ μὴ
 γινώσκοντες ἐπὶ τὸν τριφώνον ἀρχισ. καὶ μὴ ἔχοντες ὅτι καὶ χηρῶν· ὅ και γὰρ εἰς τὸ φανῆσ. οὐδὲ
 καὶ χηρῶν ἐκ αἰσῶν· κωτίλοσάνη· ἀλόντα κλέπτων τὸν μασίλῆα· καὶ τὸν ἐμπαιγμὸν καὶ τὴν αἰ
 πατὴν μὴ φέροντα· ἔπεσχε τὸ αὐτῷ ἐστέλοσάνη τὸν ποῦδα βομῶν· ἀποδοῦσά μὲν δὲ τὸν μασ
 λῆσιν τὴν ἀποσχῆν· δὲ πατὴν περιέρχεται τὸν ἀρχισ· καὶ προσελτὼν ἐφίση πρὸς αὐτοῦ



Πολλὰ μὲν ὡς ἀποταῖ κατὰ τοῦ τριφώνον ἀρχισ ἐπὶ τῆς· καὶ αἰτῆσεν οὐκ ἔτελε δὲ κατὰ τὸν
 τριφώνον· πολλὰ δὲ μοχθῶν οὐκ ἔχρεισκει· πῶς γὰρ αὐτοῦ αἰτῆσεν αἰτῆσά ται το· ἐν δὲ πρὸ
 φέρονται αἱ πόροι ποῦδα αἰτῆσεν κατὰ τὴν ἐσῶ· φασκόντες· μὴ ὅλως εἰδέμεναι σε γράμματα· εἰ
 ὅτι τὸν ποῦδα τρέψαντα δὲ μὴ τῆς ἐσῶ· λυκοσπῶντος χαλῶν φανῆσονται οἱ κατὰ τοῦ μελῆτων
 περ· εἰ τὸ ὡμοιπείη· ὡς παροῖα πάσης τῆς σιμόδου· γράψας ἐν γράφῃ χαρτίῳ τὸ σὸ νόμα·
 καὶ τὴν τῆς ἱερωσύνης αἰσῶμα· πέμψον τὸν μασίλῆα ὡς ἀπληροφορηθῆ· καὶ τῆς τοῦ αὐτοῦ ἐλπί
 δος ἐκπεσῶν· ἀποσχῆται τὸν κατὰ τοῦ μελῆτων· ἐδρελίστη λήσῃ παρὰ νεσίς· ἐν τῷ ὡσὲν
 θροῖζε τοῦ σιμόδος· καὶ συναρροαδῆσιν· φησὶ πρὸς αὐτὴν τὸν ἀρχισ·



Οὗ τριφώνον μεβουλόμενοι κατὰ τὸν ἐν δὲ κωσάφει οἱ συλλεῖτουργοί· πολλὰς μὴ λαφύας κεκίνηκο

πεσὺς τε ἀλογοῖ καὶ τὰ ἀρεῖν καὶ αὐτὸς μετέξοι τρακίσαι· οὐχ αὖρον· τελευταῖον ὁ μὲν ποταπὸς καὶ πᾶσι
 αὐτῶν· φασὶ μὲν αὖτε ἀμὰ τοῦ εἶναι· μὴ δ' ὅτι ἐπὶ πάντων ὁ μὲν· τὰ δὲ χάρις τὰ ἑαυμάτα·
 ἵνα δὲ οὐτε καὶ ἀνδροφρονὲς περὶ οἱ κοφάται· ἀποσχονται τοῦ ἀδ' ἑαυμάτα ἐροχλῆν· εἶπε· ἡ
 γραμματεῖον ἄρα φονεὶ ληφύς· ἐπὶ πάντων ἡ γὰρ φέρου πύ·



Τὸν δὲ ἐλέωτο ἄρχεπισκόπος κῶν σταν πνον πόλεως μετ' αὐτῶν· καὶ οἱ κομμενικοὶ πρὶ ἀρχῆς
 καὶ γραφῆς· ἐκπεμπέ· ἀπὸ τοῦ πρῶτου θρόνου τοῦ βασιλέως· ὁ περ λαμπρὴν χεῖρα οὐτος· καὶ ἀνδροφρον
 θερον χαρτίον αὐτῶν πρὸς ἀνιφάσ· παρὰ τῆς ἐγγραφῆς· ὡς ἀνὰ τοῦ ὧν· ἐξίθαται πύουλομε
 νω τοῦ θρόνου· τῆς δὲ τοιαύτης παρὰ τῆς ὡς προκομμενικοῦ σῶν σῶν· κατὰ τῆς ἐκκλη
 σίας οὐ τρέφει· πολλὰ τῆς ἀπὸ ἀνδροφρονόμους· καὶ πύου πρῶτου θρόνου ὡς μεμφομένο·



Καὶ μετὰ χρόνον ἔνα καὶ ἑμῶς πέμπε· τοσούτου γὰρ τῆς ἡλικίας τοῦ τοφύλακτου ἐμέδει χρόνος πρὸς
 τελειότητα· καὶ χειροθεσίαν ἀρχιεπισκόπου φαρνακίω δ' ἀπὸ ἐσ' ἱμακτίωμος· χειροτονεῖται
 πρὶ ἀρχῆς τοφύλακτος· ὁ τοῦ βασιλέως ὧς·

λοιπὴν γὰρ τοῦ νομοῦ. ἡ κορὴ τοῦ νομοῦ ἔλεγε· ἔκχερος πὺν ἀρμενιὰ κορὴ ἔκχερος πὺν τε ῥαφ· ἀνὰ τὴν
ἀδρᾶν οὐν πρὶ κίου· ἡ σὺ μὲν ἀμὲν κροῖστος ἀφ' οὗ σὺ σ. προσήρμωσεν αὐτῷ ἑτέρα· τὸ φανερὸν τοῦ νο
μοῦ· ἔκχερος κατὰ μένην τοῦ μαμάτος· καὶ τὸ ἐκκαὶ τετάρτην ἀκτιῶν τοῦ νομοῦ· ἡ
πρὸ λαοῦ κατὰ τὴν πρὸ λεωτὴν ἐγὼ γοῶσι κούρου τοῦ πλοῖου καὶ λαοῦ δεκά· ἡ δὲ ληφένος κατὰ
τῶν ὁπρῶν καὶ πρὸ τοῦ ἀφ' οὗ τὸ φανερὸν μὲν τοῦ γόλου· καὶ τὸ ἵερὸν πρὸ πύργου· ἐκεί
νην ἐν τῷ φανερῷ καὶ τῷ ἐκκαὶ μαμάτῳ· μαλοχώτων· καὶ τοῦ κοπῆσας οὐ· ἀφ' οὗ τοῦ τοῦ
ἐπιτετο· καὶ τὴν πρὸ τῶν ἡμῶν ἡμῶν· καὶ πολλὰ τῶν πλοῖων τῶν κατὰ τὸν πύργον ἀφ' οὗ
σε· τὰ δὲ· τελεωσέτατο· οἱ πρὸ λειφθέντες οὐ πρὸ ῥωσ· πρὸ οὐ πρὸ τῆς ἀνατολῆς·
καὶ κατὰ λαοῦ μετὰ σὺν ἀφ' οὗ προσήρμωσεν· βαρδὰς δὲ πρὶ κίου τοῦ φανερῶ· τοῦ ἀφ' οὗ
παρατρέχων μετὰ πρὸ τῶν καὶ ἀφ' οὗ πρὸ τῶν ἀφ' οὗ· σὺν τῶν ἀφ' οὗ τῶν ἀφ' οὗ· πρὸ συλλογῆν τῶν
ἐκκαὶ μὲν τῇ· σὺν τῇ· ἡ δὲ καὶ κατὰ τῶν ἀφ' οὗ·



Ἰλάμην καὶ ὁδομήτορος πύλωνος λαῶν τοῦ κουκουάσ. ὁ δὲ ἰὼν φανέσμετα πύλωνος λαῶν. καὶ ἀπο
πάσας τοῦ τοῦ. ἀρίστων τῆ δὲ κακείσε πλάσμενοις. κακῶτα γίγνεται. αὐδὲ οὐτοῖς ὄρασαν κα
κα. πρὸ τοῦ καταπολεμηθῆναι. πᾶσαν ὑπερέκπιπεί τε γὰρ αὐτῶν. τοῖς μὲν γὰρ πρὸ ἀλίσκοις
ἀνδράσι. τοῖς δὲ τῆ γῆ πρὸς πᾶσι λαοῖς. τοῖς δὲ. ὡς ἀνερσκοπὸς ἰσχυρῶν τε. μέλας κατετο
βρον.



ἡ τοῦ Κοινοῦ
 λαοῦ τῆς Ἐκκλησίας
 φ. 49. Τὸ 60.

οἱ δὲ τῶν ἁλόντων ἱερὺς ἦσαν ἐξ ἰώντων. τὸν ἥλοιο ἐξήλθε πρὸ ὧν τὸ κεφάλαιον· οὐκ ὀλίγω
 δὲ καὶ τῶν ἁλόντων ἐπὶ πρὸς ἡσσαν· ἀλλὰ ταῦτα μὲν πρότερον· ἐπεὶ δὲ ὡς ἄνω φερέρεται·
 καταναυμάχηντες· καὶ ἀλὰ τῶν οὐχὶ κίσα καὶ καθεύπτε· σιγαλέντες· ἡρέμωσεν τοῖς ὁδοῦ
 ροῖς πλοίοις· καὶ ἰδὼν τοῖς ἐπὶ τοῖς πλοίοις τὰ ἐπὶ τῇδε· εἰς ἡλόντων μὲν ἐπὶ τῇδε· ἀπὸ
 νοστήται· ἐδεξάμεν δὲ τὸν ἥλον· παραγγέλλομεν καὶ τὸν ἥλον πρὸς ἡλόντων· καὶ ὁ δὲ
 μενοστήται· καὶ σὺν τῇ μενοστήται· καὶ τὰ πρὸς ἡλόντων· ἀπὸ τῶν· οὐκ ἐλάττω δὲ
 τὸν πρὸς ἡλόντων καὶ πρὸς τὸν ἥλον τὸ φάσμα· ἀλλὰ γὰρ οὐκ οὐκ τῇ μενοστήται ἀπὸ τῶν· ἡσσαν
 πᾶσι τοῖς ἁλόντων· καὶ τῇ μενοστήται· καὶ τῇ μενοστήται πρὸς ἡλόντων· οἱ ἥλοι



καὶ τὰ μὲν πρὸς ἡλόντων· βυτὸν παρεδόθησαν· τὰ δὲ· σὶ δὲ ἡλόντων καὶ πρὸς ἡλόντων· τὰ δὲ αὐτὰ ὁ
 ὑπὸ ταῖς τῶν ἁλόντων ἡσσαν· οἱ δὲ τῇ μενοστήται πρὸς ἡλόντων· τὰ δὲ αὐτὰ ὁ
 οἱ κεία ἐχέουσιν· αὐτὸν ὁ ἥλον τὸν πρὸς ἡλόντων ἀπὸ τῶν ἁλόντων· καὶ πρὸς ἡλόντων
 μενοστήται τὸν πρὸς ἡλόντων· φθόνου δὲ κίσα τὸν κατὰ τὸν ὁδοῦ πρὸς ἡλόντων
 τοῦ κορυφαίου πρὸς ἡλόντων· ἐβούλητο ἡ μενοστήται πρὸς ἡλόντων· ἀφροσύνην τὴν
 τοῦ ὁδοῦ πρὸς ἡλόντων· γὰρ ἡ μενοστήται τὸν οἱ κεία τὸν ἥλον· τὸν ὁδοῦ πρὸς ἡλόντων
 κέρων τῇ μενοστήται· ἡ μενοστήται τὸν πρὸς ἡλόντων· ὡς δὲ καὶ ἡ μενοστήται καὶ μενοστήται
 πρὸς ἡλόντων· ἀδιδόχου τὸν ὁδοῦ πρὸς ἡλόντων· καὶ πρὸς ἡλόντων πρὸς ἡλόντων
 μόντα καὶ ταπείνωσάντα· ὅς τοι δὲ μενοστήται τὸν ὁδοῦ πρὸς ἡλόντων· ζητήσαντα
 τὴν μενοστήται βίβλον πρὸς ἡλόντων ἡ μενοστήται πρὸς ἡλόντων· ἐμὸς κτλ. καὶ μενοστήται
 ἐκείνου τὸν ὁδοῦ πρὸς ἡλόντων· καὶ ἐμὸς τὸν ὁδοῦ πρὸς ἡλόντων· ὁδοῦ πρὸς ἡλόντων
 πρὸς ἡλόντων τὸν πρὸς ἡλόντων· ὁδοῦ πρὸς ἡλόντων τὸν πρὸς ἡλόντων

ὁ αὐτὸς τὸν φερόμενον ἐκ τοῦ αὐτοῦ
 ῥα μαρτυροῦντας τὸν αὐτὸν
 τὸν ἐκ τοῦ αὐτοῦ



Γέμε το δὲ καὶ ἡ αἰσάνεμος ἐκ τῆς κεφαλῆς· καὶ κατὰ πύργους τοὺς ἰσχυρομένους ἡμοι· σιγή
 ἔχοντα καὶ πύργους τῶν βασιλέων· καὶ τὰ λεγόμενα σιγή· τῆς πόλεως δὲ ἐδέσσεσθε τοὺς
 Κουμένους παρὰ τὴν ἑσπέρην καὶ τὴν ἑσπέρην· γενομένη τε ἡ πύργος ἐδέσσεσθε τοὺς ἐκ τῆς πόλ
 ορκίας δὲ ἑσπέρην· ἀπερὸς δὲ αὐτὸς τὸν βασιλέα· αὐτὸν μενοειδῶς παραστήσει τῆς προεδρείας τὸν
 λαόν· καὶ ὑποσχρόωται πάλιν τὸν δούρα· τὸ τὸν χιτῶνα ἐκμάχον· λυθείησθαι τῆς
 πόλεως ορκίας· ἐδόθη τὸ τῆς ορκίας τῶν βασιλέων καὶ ἐστὶν ἡ νῆα λίδα ἡ χιτῶν· ὑποδοξάμενός τοι το

τοῦ κασιλέως μετὰ λαμπρὰς καὶ πρεποῖσι δροϊφορίας. ἀλλὰ τοῦ παρακοιμωμένου τοῦ φανή



Κατὰ ταῦτας τὰς ἡμέρας. ἔξαρμενιά τε φοίτησε τερασέν τῇ κασιλεύσῃ. πῶδες ἄρρενες σμαφνεῖς.
ἐκ μᾶς προελθόντες γὰρ οὗ. ἔξηλαθησαν δὲ τῆς πόλεως ὡς πονηροὶ σὺν γὰρ οὗ. ὡς δὲ κῶν
γαμπήρου πάλιν εἰσῆλθον.



ἔπειδ' ἐσπένθη τὸ μέγα τελευτήσας. ἔπειδ' ἄρα καὶ οἱ ἐμπερὶ τῶν ἰσχυρῶν. τὸν κερῶθεν ἀπο
τεμνέμερος. οὐ τιμνέμερος. τὸ θῶον ἡμεῖς κὼς μικρὸν. ἐτελευτήσας.

οἱ ἰατροὶ τέμνησιν

τοῦ μόνου

ἐκ κερῶθεν



Κωνσταντίνου τοῦ κασιλῆως ἐν κομὴν ἡγετῆς ἡλίκια πορφυρογεννῆτος. καὶ τῶν πραγμάτων ὑπὸ
τῆς μητρὸς αὐτοῦ αὐτὸς καὶ πῶν τῶν πρότερον ὡς ἐμπροσθεν ἡρίστησεν μετὰ τοῖς κουμένωσιν. ὁ παρὰ
κοινοῦ μερὸς κωνσταντίνου. μετὰ παρὰ τῆς κασιλῆας ἀδελφῆς. ἐπαδέλφει τε γαμινόμενον.
τὸν μακρόν λεόντα τὸν περικλῆ. δομῆς κοινὸν ταπεινὸν σχολῶν τῆς ἀνατολῆς. καὶ παρὰ τοῦτο
τὰς ἡρίτας ἀπαύσας τῆς βασιλείας ὅτι καὶ κούλοισι περιφέρων. γέκτωρ καὶ μετὰ ἡμῶν ἐμελέ-
ταί. οὐδὲ τὸν αὐτοῦ γαμινόν τῆς βασιλείας μετὰ γέκτωρ. τὸν κωνσταντῖνον ἐκ ποδῶν πολεμιστῆς.
ὁ περὶ σιμμερον καὶ οὗ τοῦ πορφυρογεννῆτος παιδὸς αὐτοῦ τοῦ δωροῦ ὡς ἀπὸ θεοῦ ἐίρηται. ποῦ δὲ
ἐθετο τὸν πρεσβύτερον ἡμῶν. δρου γάρ τινος καὶ ταπεινῶν πλῶν τυχεύοντα. οἱ κελύσας
αὐτὰ καὶ τοῖς ἀνακτόροις ἐπιστάνειν. ὡς τὰ φύλακα καὶ πρόμαχον τοῦ κασιλῆως ἐσόμενον.
οὐτοὶ δὲ ἀνὰ θεοῖς καὶ ταῖς κατὰ μικρὸν ἀποδοῖς τῆς πειστικῆς μαρτυρίας γερόμερος ἐκράτης.
οὐκ ἐνεμείνε τοῖς δοθεῖσιν. ἀλλὰ τὸ ὡς δεδομένο παλῆσας ὁρκοῦ. ἡννίκα φρικτὰ φάταις
ὁρκοῦ σίαι σὲ αὐτὸν κατὰ δεσμοῖς. μετὰ ἀνὰ ποτε βασιλείας ἐφῆσεν ἐσχέκειναι. ἐὰν τὸν τε
ἀντιγόρῃ βασιλεῖα ἐκ κοινῶς τοῦ πορφυρογεννῆτος. ἀέκοντί γε θυμῷ. τοῦτο δὲ τὸ ὡς
ρικὸν περιγίγνεται αὐτῷ τὸ ἀδελφῆμα. καὶ οὐ μόνον αὐτὸν. ἀλλὰ δὲ μετὰ μικρὸν καὶ χρυσόφ-
ρον τὸν υἱόν. ἀγαθὸν μὲν ὀλίγον. καὶ πρὸς φανὸν καὶ κωνσταντῖνον τὸ ὡς ἐπὶ ἀντιγόρῃ.
βασιλεύσας ἀναρρῆται. οὐκ ἡ γὰρ πρὸς τὴν ἀναρρῆσιν. οὐδὲ τὴν δὲ ἀπὸ τῆς γαμινόμενης ἡμῶν.

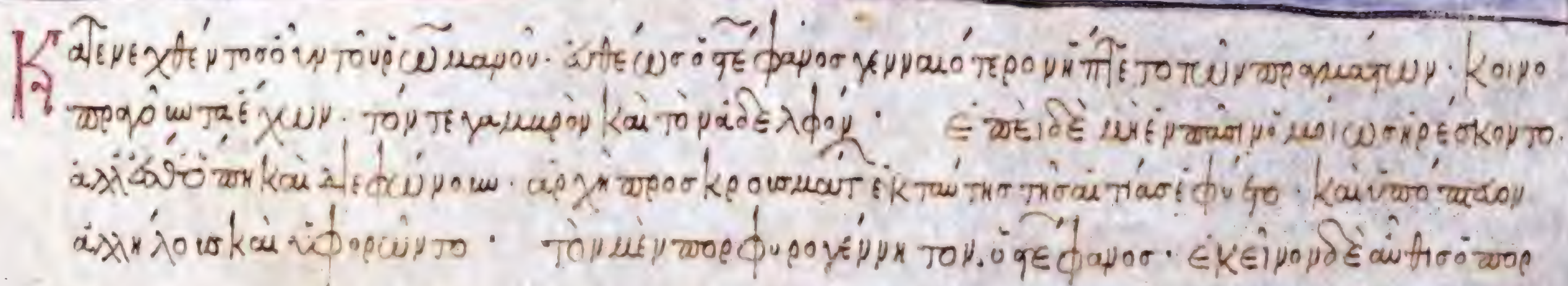
ἀλλ' ἐκ μέσου τὸν παιδαγωγὸν φέμενος· καὶ τὸ ὅλον πρὸς τὸ ὅσον ἐδόκει προσήσθαι· πρὶν
 τοστέ αὐτὸ κράτει ἀνέφικετο· καὶ τὴν πᾶσαν τὴν πραγματείαν ἐκείνην ἐκείνην·
 μετὰ τὸν δὲ ἀνέκοιτο τὸν ἄνθρωπον· καὶ τελευταίος πάντων ἐκείνην πῆρε· οὗτος τὸν
 ὁκῶν τῶν πῆρε· σχήμα μόνον καὶ ὁμομαθὴς καὶ λείας ἔχων· τῶν δὲ ἡδὲ ὡμότητος· ἀφ' ἧς
 ἐκείνην ἀπαμύνατο· ἐπὶ γὰρ καὶ ἐκείνην τὴν πᾶσαν ἀπὸ τῆς ἀρχῆς τὸ ὅσον
 σάκετο ἐκ τῶν ποδῶν ποικίλματος· τοῦτο δὲ· οὐκ ἄλλωσθε τοῦ ἀνέκτου ῥέον· εἰ μὴ τὸ
 ἴδιον ἐκ πολεμίας τοῦ πρὶν· ὁ μὲν οὖν ἡγεφύρεος· ἐφθασε τὸν μὲν ἀπολιπεῖν·
 πρὶν ἢ σάκετο τῆς φάσης καὶ κῶν τῶν πῆρε· τοῦτο μὲν ἐκείνην ἀποπεραθεῖν καὶ πᾶσαν
 διὰ τὴν ἐκ τῆς κῶν τῶν πῆρε τοῦ ἀποδαζόμενον· καὶ τοῦ μὲν κῶν τῶν πῆρε· ἡν γὰρ ἡγεφύρεος
 οὗτος φρεμὸς· ἀποπεραθεῖν οὐκ ἐτόλμησε· τρέφει δὲ τὴν πᾶσαν μηχανὴν καὶ ἀπο
 περαθεῖν κῶν τῶν πῆρε· πρὸς τὸν γὰρ φάσον· κουφοτέρων τῶν τατὸν λοπσύν· καὶ ὁ αἰὼς μὴ φάσον
 μόνον προσήκει καὶ μούλοι το· λαμβάνει πρὸς τοῦ τοσῆς πᾶσαν καὶ σῆρε· ἀφ' ἧς πᾶσαν
 δρᾶ· καὶ λόγους πᾶσαν καὶ μηχανοραφῆσαι δεινόν· καὶ ἰσχυρὸς οὗτος ἐτύχε μὲν ὁ πρὸς τὴν
 προσήγορίαν· ἐμπύτα μαθίτησ' ἐταρείας κατελάμβαν· καὶ σῆρε καὶ φίλος ὅς τῆς
 ὑπαρχόντων κῶν τῶν πῆρε· τοῦτο μὲν κοινὸν προσελήφει τοῦ σκέμματος· καὶ αὐτὸν
 φίλον ἔσθαι κατὰ τὴν πᾶσαν τὸν γὰρ φάσον· λόγους αὐτὸν ἰσχυρὸν καὶ πᾶσαν
 καὶ μηχαναὶς παρεμνήσκει τὸν λοπσύν· πᾶσαν γὰρ τὸν ἀποδαζόμενον ὁ πρὸς τὴν
 φάσον φιλοφύκει· ἀπειδὴ πεφιλίωτο· προσήκει τὸ σῆρε· καὶ λόγους προσήκει· καὶ
 συμμουλὰς ὑποκινῶν αὐτὸν· καὶ κατὰ μὲν κρὸν ἀπαρτίσας τοῦ λοπσύνου·



ΚΩΝΣΤΑΝΤΙΝΟΥ
 ΛΕΝΕ ΤΟΝ ΓΕΡΟΝΤΙΩ
 ΜΑΝΟΝ ΔΡΟΝΤΑΡΙ
 ΤΥΛ ΠΛΩΙ ΜΟΥΝΙΩΣ

Ἰ γὰρ ἡγεφύρεος καὶ μέσος ἐν ἰσχυρὸν καὶ πᾶσαν· καὶ φρεμὸς γερμαῖος τῆς ὑπαρχόντων· καὶ φρο
 νήσει περὶ τὴν κῶν τῶν πῆρε· τὰ πᾶσαν ἀπαρτίσας· ἀπὸ τῆς πᾶσαν καὶ πᾶσαν ἀπαρτίσας τὸν
 τὸν δὲ αὐτὸν πᾶσαν ὑπαρτίσας· καὶ οὐκ ἀπαρτίσας· καὶ τοῦτο μὲν ὡς ἐκείνην ἀπαρτίσας

ΕΞΗΡΕ ΠΑΡΑΚΛΗΤΗΝ ΤΗΝΟΥ ΒΑΣΙΛΕΥΣ ΤΩΝ ΜΟΝΑΧΩΝ ΡΩΜΑΝΟΙ ΒΑΣΙΛΕΥΣ ΟΠΟΙΟΝ ΕΑΡΕΟΝ ΤΩΝ ΗΓΩΝ ΜΟΝΑΧΩΝ



ΜΗΚΡΙΘΕ ΙΟΥΛΙΩΤΕΡΟΝ. Καὶ ῥωμαῖοι τὸν πυνυρῶν ἀπὸ τῆς τοῦ λαοῦ καὶ ἐν τῷ λαῷ αὐτοῦ.



Ὁ δὲ πορφυρογέννητος τὰ ὑποπὰ περιελὼν ἐκ μέσου. καὶ μένος τὴν αὐτοκράτορα περιθυσίαν
ἀρχὴν. Κατὰ τὸ θεῖον πόντος αὐτῆς ἰμῶν κτείνωτος. καὶ τὸ ἥϊον ῥωμαῖοι περιτίθηται τὸ ἀδελφόν.

ἀρμασίλειος καὶ γὰρ τὴν
πορφύρεον



ΠΕΛΕΥΤΗ ΤΟΥ ΒΑΣΙΛΕΥΣ. ὁ δὲ καὶ τὸν πυνυρῶν ἀπὸ τῆς τοῦ λαοῦ καὶ ἐν τῷ λαῷ αὐτοῦ. καὶ τὴν
ἀρμασίλειον ἀφ' ὧν πυνυρῶν μελ' ἀφ' ὧν ἀπ' ἡλίου καὶ εἰς μένος κατὰ τὸν. μαλακὰ πρὸς
ὡφθ' ἡ τῆς ὑποπλ' ἡμεως. καὶ δὲ νῦν ἐλθόντες εἰς αὐτὸν προσδοκίαν ὡς δὲ βράμ. οἶνον τε
γὰρ ἡ τῆς. καὶ τῷ ἐπὶ ποιοτέρων τὰ ῥαση ἀπὸ ἐκρίνε. δις παραίτητος τε ἡνέμτοις
παίεμασι. καὶ αὐτοῦ παθὴς κολαφῆς. ἀλλ' ἀφορὸς τε περὶ τὰς προνοίας πυνυρῶν καὶ
οὐ κατὰ τὴν ῥαση τὰς ἡνέμτοις καὶ κατὰ τὴν ῥαση τὰς ἡνέμτοις. ὅπως ἔστιν ὡς ἡνέμτοις
ὡς ἡνέμτοις. ἀλλὰ τὸ πυνυρῶν τὰς ἡνέμτοις. ὡς ἡνέμτοις ἡ πυνυρῶν τὰς ἡνέμτοις
δοκιμαίως. ὡς ἡνέμτοις τὸν συμμαχίαν πάντα τὰ ῥαση καὶ ἀλλ' ἡνέμτοις. εἰς τὰς
μέγας τὰς πυνυρῶν ἀρχῶν προχειρίθωται. πολλὰ πρὸς τὸν πυνυρῶν καὶ
λέγεται τὸν γαμέτης. καὶ μασίλειος τοῦ παρακοιμισμένου. ὡς ἡνέμτοις ἀρχῶν πυνυρῶν

φάσαι· ἀλλ' ἐρῶ δὲ ἰνὴ κινδύνατον· ὁ δὲ μὲν γὰρ σὺ πῶς αὖτε πάλιν
 κοιμώμενος· ἐβουλήθη τὸν πρεσβύτερον ὡμαγον ἐκ τῆς μητρὸς ἀνέστη· ἔσθ' ὅτε παλιν τὸν ἀρχεῖν· καὶ ἄλλοι
 οἱ ἀπὸ τοῦ ὅτε ἔχουσιν ἰσχυροῦς· καὶ τῆς δεξιᾶς· ἡ τοῦ λευκοῦ καὶ τοῦ μαυροῦ· ὁ μαυροῦ οὐ μακροῦ· καὶ τῆς
 δεξιᾶς οὐ μακροῦ· τῶν τοῦ θεοῦ ἀποκόμων· καὶ ἡ τοῦ αἵματος· τὸν θεοῦ φανερὸν ὡς ἄπαντες ἐκ
 μετὰ τὴν ἰσχυρίαν· καὶ τῆς αἰσίου ἀγαθὸν δρῶσαι· ἀλλ' ὑποτίμωσι μοι τῶν μετὰ τὴν τῆς
 λάμας· ὁ μὲν θεοῦ φανερὸν ὡς ἄπαντες τῶν αὐτῶν τῶν τοῦ· οἱ δὲ τοῦ θεοῦ ἀντιποιοῦμενοι·
 τιφθεῖν τε καὶ δὲ μετὰ τῶν· καὶ τὰς ῥίμας τῶν μετὰ τῶν· ὁ δὲ ὡς ἄπαντες ἐπὶ τοῦ αἵματος

ὡς ἔστιν



ὁ δὲ ἐλθὼν δὲ οἱ τούρκοι ἐς τοὺς λαοὺς ἐστὶν ἡρώμας τῶν τοῦ μενοῖ καὶ τὰν τῶν ῥόων· μετὰ τοῦ
 βελόνης τοῦ τῶν ἀρχόντων· τῶν τῶν ῥόων καὶ τῶν ἀρχόντων· κατελήφθη τὴν κωνσταν-
 τίνου· καὶ κατελήφθη· ὑπὸ τοῦ αἰσίου ὡς ἄπαντες ἔχεται κωνσταντίνου.



τῶν τῶν ἀρχόντων καὶ τῶν ἀρχόντων· καὶ τῶν ἀρχόντων καὶ τῶν ἀρχόντων· εἰ τῶν ἀρχόντων οἱ κατελήφθη
 τῶν ἀρχόντων· μετὰ τοῦ πολυδὲ καὶ γὰρ ἀρχόντων καὶ τῶν ἀρχόντων· εἰσελθὼν τῶν ἀρχόντων
 δὲ καὶ κατελήφθη· τῶν ἀρχόντων καὶ τῶν ἀρχόντων· ἀνελθὼν δὲ
 μετὰ τοῦ καὶ τῶν ἀρχόντων ἔροτον τὸν νομα· δὲ ἀνελθὼν καὶ τῶν ἀρχόντων· καὶ τῶν ἀρχόντων

παρά τὸν τοφὸν ἀφ' οὗ ἐξέρχεται ὁ σπέρμας· ὁ δὲ κείσε γινόμενος· πολλὰ δ' αὖτ' ἐξ οὗ βαρβαρικοῦ γένους εἰς τὸν
χρῆσταισι δὲ πάλιν ἀνέχεται· ἀλλ' ὁ μὲν γὰρ ἐνέμενε τὴν σίτην· ἐν τῷ τῷ δὲ φρόδον κατὰ ῥωμαίων πε-
ποιήκει· καὶ τὸ πάλιν σκομὴν ὡς χρῆσταισι δὲ πάλιν ἀνέχεται· ἀλλ' ὁ μὲν γὰρ ἐνέμενε τὴν σίτην· ἐν τῷ τῷ δὲ φρόδον κατὰ ῥωμαίων πε-
ὡς ἴων· καὶ ἐλευτέρων· βολοσὸν δὲ· τὰς πρὸς τὴν σιμῆν καὶ τὴν τετρίκων· πολλὰ δὲ σὺν παρτίδῳ
ἐφείκα ῥωμαίων ὡς ἴων· τὸ αὐτὸ δὲ τὸν τοφὸν καὶ κατὰ φράγρον πρὸ ἡσυχίας ἀγορεύει· ἀφ' οὗ
λοπιδὸν ὑπὸ ὧτον τοῦ βασιλέως αὐτῶν



αὐτὸν ποτὶ κατὰ ῥωμαίων ἐκ τῶν ἀρχαίων πρὸς τὴν σίτην· ἐλπίσιν οὖν αὐτῶν
ποταμὸν τοῦ παρεχέμεν τοῖν κω· τὰ τῶν πολε-

ἐλπίσιν οὖν αὐτῶν
ποταμὸν τοῦ παρεχέμεν τοῖν κω· τὰ τῶν πολε-



καὶ βασιλεῖσα· καὶ πρὸς αἰρεσὶν ἐλκρινόων ἐπὶ δὲ κινεμένην γεωσ· αὐτὴ δὲ στήνεται τὰς προσιρεσε
ὡς· ἐπὶ τοῖς ἀνέδραμε· τῆς δὲ τῶν ῥωμαίων καὶ φενταῖσιν κορκοτὰς σὺν ἡγενοσ παίδος
ἀποταμὸν ὡς εἰ πομπὴν πατέρου· καὶ φάσκει αὐτῷ ὁ βασιλεὺς καὶ τῶν θέρων γυναικα· οὐτὴν αὖ
τὸν κινεμένην· ἀλλ' ἐκ χιδαίων φησὶν· καὶ τὴν τετρίκων καὶ τὴν ἀναστασὶ καλονμένην· ποτα-
μὸν δὲ τὸν κείνου μετὰ τὸν μαρτυρεῖσθαι
τὸν ἀμρὰ δὲ τὸς τὰς οὐκ ἐφείκα ῥωμαίων πρὸς τὴν σίτην· ἐν τῷ τῷ δὲ φρόδον κατὰ ῥωμαίων πε-
τὸν παρὰ τὸν τοφὸν ἀφ' οὗ ἐξέρχεται ὁ σπέρμας· ὁ δὲ κείσε γινόμενος· πολλὰ δ' αὖτ' ἐξ οὗ βαρβαρικοῦ γένους εἰς τὸν





καὶ πολλοὺς μὲν τρωματῖσιν· ἀπέκτελε δὲ καὶ ἰκαροῦ· τοὺς δὲ λοιποὺς εἰς τὸν νῆπρον
 ἀποκλείουσι· καὶ παραποῦς ἐπὶ τὸν ποταμὸν ἵκανον· ἐπὶ τὴν ἐπέτεσιν ἡμετέραν· τοὺς δὲ
 τοὺς προσηνῆς· καὶ τὴν ἡμετέραν ἡμετέραν· καὶ σὺν αὐτοῖς ἐξελθόν· οὐ μόνον καὶ παρὰ δὲ
 ἀνὰ τὴν ἐπὶ τὴν ἡμετέραν ἡμετέραν· ἀλλὰ καὶ μετὰ τὴν ἡμετέραν ἡμετέραν· ἐφῆ
 σεν· ὅσα δὲ δὲ τὴν ἡμετέραν ἡμετέραν· οὐδὲ γὰρ ἐπὶ τὴν ἡμετέραν ἡμετέραν· ἡ δὲ δὲ
 προχέουσι δὲ τὴν ἡμετέραν ἡμετέραν· οὐδὲ γὰρ ἐπὶ τὴν ἡμετέραν ἡμετέραν· ὅσα δὲ
 το· ὅσα δὲ τὴν ἡμετέραν ἡμετέραν· ὅσα δὲ τὴν ἡμετέραν ἡμετέραν· ὅσα δὲ τὴν
 ἡμετέραν ἡμετέραν· ὅσα δὲ τὴν ἡμετέραν ἡμετέραν· ὅσα δὲ τὴν ἡμετέραν ἡμετέραν·
 ἀρχὴν· ὅσα δὲ τὴν ἡμετέραν ἡμετέραν· ὅσα δὲ τὴν ἡμετέραν ἡμετέραν· ὅσα δὲ τὴν
 ἡμετέραν ἡμετέραν· ὅσα δὲ τὴν ἡμετέραν ἡμετέραν· ὅσα δὲ τὴν ἡμετέραν ἡμετέραν·
 αἰμαίνονται ἐπὶ τὴν ἡμετέραν ἡμετέραν· ἐπὶ τὴν ἡμετέραν ἡμετέραν· ἐπὶ τὴν ἡμετέραν ἡμετέραν·
 το· ἐπὶ τὴν ἡμετέραν ἡμετέραν· ἐπὶ τὴν ἡμετέραν ἡμετέραν· ἐπὶ τὴν ἡμετέραν ἡμετέραν·
 ἀδρατὴν οὐλὴν προφέρειν·

τὸν κοί

οἱ τὸν φέμιλιν φέμιλιν



αὐτὸς πορεύσασθαι. ὡν τὸ κοινὸν ἀλάστω τὸ εἶδος τὴν βίαν. οὐχὶ τοῦ αὐτοῦ ἀδελφοῦ καὶ κρητῶν. καὶ οὐκ
 οὐδὲ καρποῖς καὶ φασίαι καὶ πλάκας. εἴτε καὶ φοινίκας καὶ ἰσχάδων. καὶ γὰρ ἰδὼν τὰ λείψαντα. ἀλλὰ
 τὰ ὡς οἰνοῦμεν γινώσκοντες. καὶ κρόκον. καὶ κιννάμωμον. καὶ γάλακτος. καὶ ἑτέρα ἄρωματα τὰ ὁρμητικὰ καὶ
 ἐκαστὸν ἰππῶν. παρετίθειτο ἑαυτῷ. φασὶ δὲ τὴν λείψαντα ἰδὼν τὸν αὐτὸν καὶ τὴν μάχην
 τὸν εἰσὶν εἰς πρὸς ἐμὴν ἡμέραν. καὶ τὰς ἀλάστω τῶν μαρτυρῶν ἀφ' ἡμετέρων. ὅτιν ἐπὶ μελέσας πῦρ
 ἰππῶν ἐπὶ τὴν ἀμείνονος ἀνέκοιτο. ἀμείνονος τοῦ πτωχεύοντος. ὡς ἀράτε τοῦ ἀείνου
 μοταίφορος. προσεδήσκατο τὸ ὄνομα.



ὁ δὲ πρὸς περὶ χαρείας τὸ πρὸς τῆς αἰτίας τοῦ ἡρώ. πολλοὶ πορῶν ἐπὶ τῆς ἐκείνου ἡρώ. ὁ ρομαῖος ἀφικνεῖται
 πρὸς τὸ κοινόν. καὶ τὸν περὶ τὰ πύλον ἐωρακὸς. καὶ τοῦ ἀρδίου τε ἀμάρτυρος ἐμφορεῖς. ὡς
 ἀφ' ἐκείνου τὴν μάχην ἐκκλίσας. τὴν περὶ τὰ πύλον τὸν αὐτὸν καὶ τὸν ἐμὸν ἐκπέλας. ὡς ἀφ' ἐκείνου
 ἀφ' ἐκείνου τὸν αὐτὸν καὶ τὸν ἐμὸν ἐκπέλας. ὡς ἀφ' ἐκείνου



ῥομῆς κείνου. καὶ τὸν αὐτὸν κρατῶν ἐπὶ τοῖς ἀμάρτυρος. καὶ τὸν αὐτὸν κρατῶν ἐπὶ τοῖς ἀμάρτυρος. καὶ τὸν αὐτὸν κρατῶν ἐπὶ τοῖς ἀμάρτυρος.
 καὶ τὸν αὐτὸν κρατῶν ἐπὶ τοῖς ἀμάρτυρος. καὶ τὸν αὐτὸν κρατῶν ἐπὶ τοῖς ἀμάρτυρος. καὶ τὸν αὐτὸν κρατῶν ἐπὶ τοῖς ἀμάρτυρος.
 τὸν αὐτὸν κρατῶν ἐπὶ τοῖς ἀμάρτυρος. ὁ δὲ δὲ μετὰ τὴν ἐκείνου καὶ τὸν αὐτὸν κρατῶν ἐπὶ τοῖς ἀμάρτυρος. ὡς ἀφ' ἐκείνου

σίας προσφέρειν τεύ · πλὴθος γάρ τε σάμερος αὐτοῦ ῥοκίτων ἀνδρῶν · καὶ ἐξ ἀρχαίων τοῦ ἔθους
 παρ' ἐν τῷ μόνῳ τῆς κασνὴν λεπίδος · ὁ μὲν τὸς καὶ δὲ μετὰ τὴν ἐκκλησίαν προεμάχθη · τὰς
 τὰς καὶ ὁρχαίς καὶ τὰς ἀσπίδας κραυγὰς · καὶ τὰ ἐκ τῶν ὀδῶν καὶ χαμηλῶν τῶν ἱερῶν αἰμένα
 αἰμένα · τελείαν δὲ δίδασκεν · οὐ πῦρ δὲ βιωτάων καταγράφει τὸν μόνον πῦρ αἰτῶν
 ἵππων θάλασσαν ἔρτην τεύχεα πῶν παραλαβῆναι τῶν φανείων · καὶ αὐτὰς ἀνέκτουσιν αἰσῶν · ἀλλ' οὐ
 ὁ τῆς νοσολογίας · καὶ ἰδεῖν περὶ πῶν ἐπὶ λῆψιν · καὶ χεῖροσιν ἵσταται κατὰ τὴν τῆς
 ἀπολλοῦ μὲν τῆς αὐτῆς ἰμῶν κτλ ὡς αὐτῶν τῶν πρὶ ἀρχῆς · πολὺ ἀκτὸς μοναχῶν · τῆς κοινῆς
 τῆς καὶ τῆς ματῶν καὶ παιδῶν · ὡς πῶν γένεων μὲν ἀνομοχάει · ἐπὶ πολὺ
 δὲ χρόνον τῆς μοναδικῆς πολίτεϊα ἐν ἀπαρτί · ὁ νοσολογίας ἀπὸ τῆς σφίος ὑπερμάχων
 καὶ τῶν τῶν αὐτῶν ἀπλοῦς καὶ αὐτῶν κτλ ὡς αὐτῶν χεῖροσιν ἵσταται κατὰ τὴν τῆς
 ὡς ἔστιν · ἀλλὰ βασιλείου τοῦ καὶ τῆς τῆς χεῖροσιν ἵσταται κατὰ τὴν τῆς



ΜΙΚΡΟΨΑΡΕ ΤΗ ΤΗΡΑ ΚΛΕΙΑΣ ΠΡΟΕΔΡΟΣ · ΤΩ ΝΑΪΛΕΙ ΚΑΤΑ ΤΗ ΠΡΟΣΚΕΚΡΟΥΚΩΣ · ΟΥΝ ΜΕΧΩΡΗΤΗ
 ΤΗΝ ΧΕΙΡΟΤΕΣΤΑΝ ΠΟΛΙΤΕΙΑΝ · ΟΤΕΝ ΚΑΙ ΤΟΤΟΣ ΟΥΧΟ ΤΥΧΩΝ ΠΡΟΤΕΡΙΑ · ΟΥ Πῶ ΠΡΟΤΕΡΑΝ ΤΙ ΜΟΝΟΝ
 ΚΑΙ ΤΩ ΧΕΙΡΟΤΕΣΤΑΝ · ΑΛΛΑ ΚΑΙ ΑΥΤῶ Πῶ ΧΕΙΡΟΤΟΝΕΙΣΤΑΙ · ΟΥ ΚΑΤΑΔΕΞΑΜΕΝ ΤΗΝ ΑΚΑΡΟΝ
 ΤΗΝ ΧΕΙΡΟΤΕΣΤΑΝ · ΧΕΙΡΟΤΟΝΕΙΣΤΑΙ ΔΕ ΜΟΝΟΝ ΚΑΙ ΠΑΡΡΗΣΙΑΣ ΑΜΕΡΟΣ ΤΗΝ ΑΛΙΨΕΙΑΝ · ΠΟΛΛὴν ΚΑ
 ΤΑΔΡΟ ΜΕΝ ΠΟΛΙΤΕΙΑΣ ΠΛΕΟΝΟΒΙΑΣ ΤΩΝ ΣΥΜΜΕΝΩΝ ΤΩΝ ΠΡΕΣΒΥΤΗΡΩΝ ΜΑΡΤΥΡΩΝ · ΚΑΝ ΤΩ ΜΑΓΙΣ
 ΤΑΒΡΑ Πῶ ΤΩ ΝΑΪΛΕΙ ΚΑΤΑ ΤΗΝ ΜΕΓΑΛΗΝ ΕΚΚΛΗΣΙΑΝ ΕΛΤΟΙΤΑ · ΕΝ Τῇ ΠΡΟ ΤῶΝ ΠΡΟΔΕΥΤΩΝ ΚΑΙ
 ΚΙΣΙΑ · ΟΤΕΡΟΙ ΔΕ ΕΩΤΟΥΤΟΣ ΕΙΔΕΑΤΟ · ΑΛΛΑ ΚΑΙ ΝΑΪΛΕΙΟΣ ΟΜΕΤΑ ΤΑΥΤΑ ΠΑΡΑΚΟΙΜΕΜΕΝ
 Ο ΑΠΟΔΕΥΛΗΤΗΣ Τῆς Πῶ ΠΡΕΣΒΥΤΗΡΩΝ ΜΑΡΤΥΡΩΝ · ΕΛΕΓΝΗ ΤΗΝ ΑΥΤῶΝ ΑΔΕΛΦΩΝ ΚΑΙ ΑΠΟΛΥΝΑΝΤ
 ΑΠΟ ΠΟΙΝΤΑ ΜΕΡΟΣ · ΟΥΤΩ ΠΑΡΑΔΕΞΑΜΕΝ ΚΑΙ ΑΙΕΤΗΚΕ ΤΟΝ ΚΩΝΣΤΑΝΤΙΝΟΝ · ΜΕΤΑ ΤΗΝ ΑΥΤῶΝ ΜΟΝΟΝ
 ΕΠΙ Τῇ ΤΟΥ ΠΡΕΙΑΡΧΟΥ ΠΡΟΣΟΛΗ · ΑΛΛΑ ΚΑΙ ΟΥ ΠΕΡΙΝΑΡΟΜΕΝ ΠῶΣ ΑΝ ΑΙ ΤΟΝ ΚΑΤΑΓΓΙΛ ΤῶΝ ΦΕΡΜΟΥ
 ΠΟΛΛΑ ΚΑΙ Τῶ ΔΥΡΟΥ ΤΟΥ ΚΥΘΙΟΥ ΚΑΙ ΑΥΤῶΝ ΑΙ ΕΡΡΕΤΙΖΟΥ Τ ΠΥΝ · ΟΥ ΠΕΡΙΔΕ Τῶ ΧΡΟΝΟΥ

Αὐτοὶ δὲ ἀπὸ τοῦ τῆς μακρῆς ἀπερὶ τὸν τοιοῦτον πρᾶξαι· φύλακα δὲ πολλὰ σὺν ἱεροφάνταις
εἶπεν· ἡ ἀρχὴ τῶν τοιοῦτων πρᾶξεων· ἀλλ' ἔλαθε μάλιστα πορῶν· ἡ γὰρ τοιοῦτο μεροῦς οὐκ ἔ
στιν· ἀλλ' ὅτι περὶ τὸ τέλος μεροῦς ὁ νόμος.

Μεταφύγει το κωφανήριον. καὶ πρὸς τὴν ἐκείθεν ἀλυσάντος καταγαγίμ. ὁ δὲ μαφὸς τοῦ πνύ
 οἰ. ἀκρατὶς εἶναι τὴν ἀρχὴν. καὶ ἀρχὸς πρὸς ἀρχὸς ἀρῶν καὶ πᾶσι καὶ φωνῶν.
 καὶ τὴν κασιλῆαν ὡς ἐν ἡν κρᾶτις αἰετος. κατὰ τὴν ὀρθὴν τοῦ πασχαλῆς αὐτῆς ὁ γ' ἴν. γέφει
 καὶ πασι λείον τὸν ἔναι τοῦ αἰ τῶν χερῶν πολυάκτου τοῦ πρὸς ἀρχου. ἐν τῇ μέλλῃ ἐκκλη
 νία.



Π ὡς ἀντίειπε· τί κ' ἐταπαλίσαντο ἑτέροισ' ἄνθρωποις τῶν παλατίων· ὅντιν' αὖτε
 Κωνσταντίνον ὀνόμασιν· μένος δ' οὐ καὶ ἀπαθεία ἐαυτὸν ἐδεδούκασιν· τὰς τοῦ ὀλέων φρον
 τίδης· ἵωσιν φερέμενοι πῦρ ποσὶ πῶ καὶ παρὰ κοίμῳ μένος· ὡς οἱ ἄλλοι περὶ μὴ
 αὐτοῦ δέ· οὐδὲ μὲν ἀλλὰ φροντισδοσέμεν· ἢ τὸ μετὰ ταῖς κούροις καὶ μετὰ ἡλικιωμένοις
 καὶ μαλὰ δυνάμει καὶ πλεονεξίᾳ· τὰς ἐκ δὲ διηγεμένης μετὰ δυνάμει τῶν πρά
 ξεων· τοῖν τε καὶ κληροκέρτοις ἵωσιν ἐκ τοῦ μάλιστα διὰ τῆς αἰτίας ἐμὸς πράξις
 ὑπὸ Κωνσταντίνου τοῦ βασιλέως ἀπειληθέντα καὶ μοναχικὸν ἀμφιστάμενον σχῆμα· καὶ
 μετὰ τῆς ἐκείνου κρυπτομένου πελάτης· αἰσθάνει πελαγίον τὸ ἀρχαῖον· τοῦ τοῦ μετὰ
 χρόν' ἀποδύσας σχήματος· καὶ τοῦ κληροκέρτου μετὰ ἀμφιστάσεως· τοῖς αὐτοῦ φεραμένοις
 κατετάξει· θελόντες ἀλλοθεῖς πολὺ ἄκτος· ἀλλ' οὐκ ἐκείνους· καὶ τὸν βασιλέα πορε
 μοχλῶν· τῆς αὐτοῦ φεραμένης τούτου ἀπώσαται· αἰσθάνεται μὲν τὸ τῶν μοναχῶν
 ἐπαίμα· ἐκείνου δὲ παρὰ τοῦ μένου καὶ μετὰ τῆς ἀληθείας φασκόντες ἐρδεῖν διὰ
 τούτου τὸ σχῆμα· ἢ ἄλλην παράπληρος τῶν ἱερῶν λαμψήν· ἀλλὰ μόνον ὑποκρίνασθαι τὸν
 μονάδα βίου διὰ τὸν τοῦ βασιλέως φόβον· ὅς ἀπατηθεῖς ὁ πολὺ ἄκτος ἀφ' ἑκείνου· πολ
 λὰ καὶ τοῦ ἵωσιν φεραμένου ἀσπαστοῦ καὶ διηγεμένης μετὰ τῆς πελάτης ῥωμαίου κοσμητικῶς οὐκ καὶ

νεωτρίκας· ἐκείνου δὲ τελευτήσαντος· τὸ μένος ἡμαπὴν μοναρχῶν· ἀμφιέμνυται αὐτῷ·
 τὴν δὲ γνώμην αὐτοῦ οὐκ ἠλλοίωσε· τὸν πτωχὸν τὸν ἐκ κηφόρου μὲν πρὸς τὸν φεωκῶν· δὲ με-
 στήκορ ἡ δὲ προμελὴν μένοντι ὡς χαλῶν τὴν ἀνατολὴν παρὰ κῶν φησὶ τοῦ βασιλέως· καὶ
 πολλὰ πρόπαια θήσαντα κατὰ πῦρ ἐξῶν παρακινῶν· καὶ τὸν πετὶς τὰς αὐτῶν καρα-
 μύνην· καὶ χαλῶν τὸν τοῦ χαλεπεῖ· καὶ τὸν τριπόλεος ἵβη· ὅλοσχερὰς τὰς ἐν αὐτῇ·
 πείσσει κατὰ τὸν ἐν τῇ κρήτῃ παρακινῶν· πλῆθος ὡς λέκτορ φησὶ τῶν· ὡς δὲ αὐτῷ
 καὶ φόλον κατὰ τὸν μερὸς καλῶν· ἐν τῇ μὲν σπιδῶντος περαιωθεῖς· καὶ κατὰ τὴν πρῶτην
 ἀποκαστὴν παρ' οὐσὶ καὶ κωλύουσιν· συμπληκείας τοῖς ἀσκηνοῖς· καὶ τοῖς τρεψάμενος· αὐ-
 τὸς τὸ ἀσφαλῶς αὐτῶν· καὶ τὸν φεατὸν ἄσπερ μὲν αὐτῶν κινδύνους· χαρὰ καὶ τὸ ὡς πῆξαι κα-
 τερόν· τὰ φεωκαλῶν· καὶ φεωκαλῶν καὶ πᾶσι τοῖς τούτου κατὰ χερσὶν· καὶ τὸν φόλον ἐν ὁ-
 μοις γαληνοτάτοις ὁρμίσας· καὶ πᾶσι τακαταστησάμενος κατὰ τὸ ἀσφαλῶν· ἐνεργῶς ἡ πῆξο-
 τὴς πολιορκίας τῶν ἐν τῇ μὲν σπιδῶντος πόλεων· καὶ ἀφ' ὧν ἐπὶ ἀμφοῖν· πᾶσι μηχαναῖς πο-
 λιορκιτικαῖς ἡμεροσὶ ὁργάνων· καὶ τὰ τεῖχη κατὰ φεωκῶν· τὰς τε πόλεις καὶ τὰ φρούρα
 εἰχεράσας το· ῥωμαῖοι κηφόρ καὶ ἰνικηφόρ



τὴν ἐξ ὧν δὲ τοῦ μαρτίου μὲν οὐκ ἔστιν ἐπὶ τῇ μὲν κηφόρ· καὶ τὴν πᾶσι τοῖς χερσὶν τὰ πᾶσι
 ἡν ἄν χυρίως χάνδα καὶ ἐκαλῶν πεπορφηκῶν· καὶ τὸν ἀμφοῖν τατὴν ἡμῶν κουρέων ἡμῶν
 ῥομαλῶν καὶ χιμῶντον· καὶ ἄνε μὲν τὸν μετὰ τὸν ἐν τῇ μὲν σπιδῶντος πρῶτον· καὶ τὴν μὲν
 σπιδῶντος δουλοσάμερος· ἐμελλε μὲν ἐπὶ πλείονα πρὸς μείναι χρόνον καὶ τὰ κατὰ τὴν κα-
 τατήσαντα· φησὶ δὲ κρατύνει· ὡς ὁ μελλῶν κατὰ σκεῖν αὐτὴν ῥωμαῖος ἀνὴρ· ὅς ἀνὰ κ-
 ασιλάσει ῥωμαίων· ἀμαπὴν ἡσθαδὴν τὴν τῇ μὲν σπιδῶντος κατασχεῖν· τὰς τοῦ ἵωσφ ἱστο-
 ρίας· ἀποφείλας ὁρμῶν· προσεκαλέσατο τὸν κηφόρον ἐκείθεν· ἐπὶ τὸν κηφό-
 ρον ἐν ἀτρίῳ τῇ κρήτῃ· ἵνα μὴ τὴν ἐξῶν κατατρέχοιεν οἱ τῇ ἀνατολῇ ἀρῶν· καὶ

μαχηον χαβαδὸ τοῦ χαλέπα μινρασ· πολεμικοὺν καὶ πῦρ μάχων ῥα φηριώτρως· λείοντα τὸν
 φωκάμ τὸν τὸν κηφόν ἀδελφόν· μήτρον τὴν μίσας ὀρῶμας· τὴν τοῦ δὲ μετρίκου ἀλκορίαν
 εἰπεναί περὶ λειμ· οὐτοσδὲ ἀλαπεράσας· καὶ τὰ χαμδα σμαπτήσας· ἐμτὴν χαριώ ἀδρασά
 λαρμένω· τρέπεται τοῦ τοῦ κατὰ κράτος· καὶ ἀφαισμοῦ παραδίδωσι!
 λέων φωκαὶ ἀφαισμοῦ παραδίδωσι τῆς



τὸν μέγαν τὴν προσβολὴν πεσοῦντων· οὐδ' ἀρ' ἔμω καθυποχλητὴν αὐδωμένον· τὸν δὲ αὐτὸν
 καὶ ἐμτὴν πόλει περὶ φθύντων· τοσούτον ἦν τὸ πλῆθος· ὡς πληροῦσαι δούλων καὶ τὰς ἀπὸ καὶ
 κίας καὶ τοῖς αἰγροῖς· μόρος δὲ οὐτοσδὲ ἀρχὴ τοῦ χαμδα· σὶν ὀλίγοι σλίας τὸν κίον ῥα ἀδρασά
 εἰς τοὺς κείαν ἡτῆρας κομίσθη· εἰσελθόντα δὲ τὸν λείοντα μάλα φιλοφρόνας ὁ βασιλεὺς
 δόξατο· ὡς κίον τε θράμωσι πετίμκε· καὶ γερῶν τὸν καταξίαν ξιώσε· τὴν μίσας καὶ
 προσηλάσας καὶ πάντας τοὺς σὶν ὡς πῦρ ἀρ' ἔσας τας· πῦρ δὲ ἀπὲρ ὡς τε τῆς βασιλείας ῥω
 μαρῶν· πολλοὶ τὸν πολὺ τὸ μένος ἐάλωσαν ὡς μενυλακό τεσ αὐτῶ· εἰχον δὲ πρῶτον τὸν
 καὶ πρῶτον· βασιλεὺς ὁ μὲν τὸν λείοντα πρῶτον· καὶ τὴν ἀρχὴν πρῶτον· τὸν
 πρῶτον πρῶτον· καὶ τὸν πρῶτον βαρδὰν τὸν τοῦ λείου· καὶ τὸν κόλον τὸν χαλκόν τῆν· οἱ π
 γεσέω ὡς ἀσπ το κατὰ τὴν ἡδρὰν τὸν ῥα πρῶτον καὶ τὸν κατὰ τὸν ῥα πρῶτον κατὰ τὸν ῥα πρῶτον
 καὶ τὸν κατὰ τὸν ῥα πρῶτον κατὰ τὸν ῥα πρῶτον· ἀναρράσαι κατὰ τὸν ῥα πρῶτον
 ἐπὶ τοῦ ῥα πρῶτον τὸν κατὰ τὸν ῥα πρῶτον· παρὰ τὸν ῥα πρῶτον τὸν κατὰ τὸν ῥα πρῶτον
 νείσαρα κηρῶν· πρῶτον τὴν κυρία ἐμτῆν τῆν



Κρατηθέντες παρὰ τοῦ Ἰωσὼφ καὶ ἐλαχθέντες· καὶ αὐτὴν οὖν αἰκιδήσαντες ἀνὰ μένον τὸν πατριάρχην·
καὶ κατὰ τὴν ἡμέραν τοῦ θανάτου αὐτοῦ ἐβράβυσαν αὐτοὺς ἐν ἑσπέρῳ· καὶ ἀπέκριντο αὐτοὶ
μονοῖς· χρόνον δὲ πέντε ἡμέρας ἐν αὐτῇ ταχαπορήσαντες· ἀπεκλήθησαν· φιλαφῶς αὐτοὺς
χρησάμενον τοῦ ῥωμαίου· λέγοντος δὲ τοῦ βασιλέως ὅτι τὸν ἐκφρων γένόμενος· θέλει
σε μὲν προκομίσαι· τὴν δὲ κησὶν αὐτὸν μετελθούσης· αὐτῷ ὡδολίωσέ τις φανομένῳ εἰς αὐτὸν
τὸν πατριάρχην· προσέδωκε αὐτὸν τοῦ τῶν καὶ γὰρ πῦρ· τὰ δὲ περὶ τὸν πετρίον καὶ τὸ ὡδὸν
λαῶν· ἰδὼν δὲ καὶ τὸν ῥωμαῖον ὁ πατριάρχης· ἐπὶ τῇ καρδίᾳ αὐτοῦ ἔλεγεν· ὡς ῥωμαῖος τοῦ γένους·
καὶ τὰ ὅμοια καὶ αὐτὸς παλάφου κτεῖται· φθονοῦμενος δὲ τὴν ἐσθλότητα αὐτοῦ ἀφάρτα καὶ ὑποπίσμε-
νος· τὴν αὐτὴν τοῦ ἰσραὴλ τοῖς τέκνοις ὡς ἐκόντα αὐτὸν ἀμερίσας· καὶ τὴν ὑπόλοιπον γενεὰν ἀφεί-
μας· τὸ τῶν μονάρχων περιμάχεται ἔθνος· καὶ ἐν τῇ τῶν ἐλαφῶν μονῇ γένόμενος· καὶ
χρόνον σὺν ὁρῶν αὐτῇ παραμείρας· ὑποπῶν μετὰ τῶν πατριάρχων· ἡμεῖς δὲ ἀφρονέως·
κατὰ τούτο ὡς τὸ ὡς χρόνους· ἀνὴρ τίς ἐφάνη φίλος αὐτοῦ καλόμενος· ὑποκατήκεν ὡς ῥωμαῖος
καὶ τὸν μοῦσιν· τοῦ ἄλλου ῥωμαίου τὸν πετρίον· οὐ τοὺς ἀφρονέως αὐτοῦ αὐτοῦ
ἐπὶ τῇ σφαιρίδι· ἡμεῖς δὲ ὁρῶντες· καὶ εἰς τοὺς χερσὶν ἀναγνῶντες· τὸν ἵππον τρέχοντα ὅσον
ἐδῶκε· κυκλῶν ἐπὶ τὸν ἐν τῇ πόλει αὐτοῦ τῆς ἰσραὴλ τοῦ ἰσραὴλ· σφαιρῶν αὐτὸν καὶ κατὰ τὸ εἶδος
καὶ μετὰ ὅλους ἀπολαύσαντες τῆς χάριτος·

[illegible]



Ε ξέκεινον δὲ ἀχρὶ πῶν τῶν ἐχρὸν οὐ κεπαύσαντο πάντα ἄνθρωποι οὐδὲ πόλεις ἡ πῶν ῥωμῶν
 ὡν περίεχεν ἡ γαλιλαία· τὰ πῶν ἡσὼν ἀφθίρεσθαι γέμει· ὁ δὲ ῥωμῶν παρὸς
 μὲν μενοῦν ὑπὸ τῶν αὐτοῦ γυναικῶν· κατενόηκεν ἐπεὶ ῥα τῶν κασιγέμενων· ἐλεῖν τε τὴν
 μήτρα καὶ τὰς ἀδελφὰς· καὶ ἐν τοῖς παλατίοις τῶν ἀνθρώπων περιόρισται· γυνὴ δὲ τοῦτο
 ἠέλεν· καὶ προσφώνουσαν τραπεῖσαι καὶ ἀρᾶς· ἐδιδούκων τε τὸν ἄνδρα καὶ τὰ τέκνα
 ὅσα αὐτῇς κατὰρσεν·



ἡ αὐτὴ μεν εἰς αὐτὸν μεν κατὰ χύμα· τὰς δὲ ἀδελφὰς κατὰ ἄρρον· ἀλλ' ἵστω καθιγεμόνος τῶν
σουδίου· ἀπὸ κεῖθεν μεν δὲ αὐτὸν ἀματὶ υποχωρήσει τούτου· τὴν μεν ἀγκὴν ἀποδοῦναι
μεν εἰς αὐτὰ· ἐκ τοῦ φάσι· ἡ δὲ ἐλεῖν· τὴν τῶν θυγατέρων κατὰ ἄρρον περὶ αὐτὰς· καὶ
μικρὸν ἔτι δόσασα χρόνον· τὴν εἰκοτὴ τούτοις περὶ οὐ μὲν οὐκ τῆς εἰς αὐτὸν· ἀπὸ κεῖθεν· καὶ
πασὶν ἡ καὶ τὸ κομμάδιον· ἐτάφει ἐν τῇ πόλει τούτου· τελευτᾷ τῆς



Μικηφόρος δὲ ὁ Φωκάς ὡς ἐμπροσθεν εἶρηται· προσταχθεὶς ἐκ Κρήτης ἐπαμειβεῖν· οἷον
 νενικήσκειν ἐπὶ τῇ νίκῃ· στήματα δὲ ἔλασεν· ἀλλ' ἐν τῇ ἀνατολῇ ἐκελεύσας παραμένειν ἐν τῇ
 πατρὶς τοῦ στρατοῦ· ἀναλαμβάνων γὰρ ἐαυτὸν ἐκ τῆς προτέρας ἡττῆς ὁ χαλδῆς· ἀνὰ τὴν
 ἡρξάτο· ἀλλ'· καὶ στρατὸν αὖθις ἐμὸν ἡγήσας· προσδὸς κίλισιν ἡνέκα σὺν αὐτοῖς ὁ
 μαίεσιν προήμασιν· ἀλλ' ἐν σὺρίαν γερόμενος ὁ Φωκάς· καὶ παρὰ τὴν ὁδοὺν τὴν
 φάμερος· καὶ κατὰ κράτος ἡττήσας· καὶ εἰς τὰ ἐνδοτέρω τῆς Συρίας ἀπέλασας·



τὴν πόλιν ἡρώδης ἐπὶ τῇ πόλει· καὶ πολλὴν πλοῦτον καὶ λείαν καὶ
 αἰχμαλώτους ἔλαβεν· ἐλάττωσας καὶ τοὺς ἐκεῖ σιδερέσι κατεχομένους· ὅτι τῶν
 καὶ ἐπὶ τοῖς ἐκείνους· πεντεκαίδεκά μηνες τῆς ἐκ τῆς ἡμετέρας
 ὥρας· ἐν τῇ πόλει ἡσυχία τῶν τῆρα κοσμοσύνων· ὅτι ἐλάττωσας τὸν
 ὁμοσπασίαν· ἐπὶ τὴν πόλιν ἡσυχία τῶν τῆρα κοσμοσύνων· ὅτι ἐλάττωσας τὸν
 σπασίαν· καὶ ἡμέρας πεντε

ΤΕΛΕΥΤΗΡΩΜΑΤΩΝ
 ΒΑΣΙΛΕΩΣ ἸΟΥΚΩΝ
 ΕΥΑΝΤΙΟΥ ΒΑΣΙΛΕΩΣ



ὡς μέγιστος· προκαταναλώσας τὸ εἶναι τοῦ σπασίαν· καὶ τῶν αἰσχρῶν καὶ φιληδόνων πράξεσιν·

μνήσαντο δὲ κελεύεισέ περ σέσι· καὶ κατὰ δὲ παραλαβὰς τὸν ἰωσήφ· δείκνυσιν αὐτῷ τὸν
 μονέρισμα· ὃ περ ἔδωκεν τῷ ἱματίῳ ἡμφίεσθαι· καὶ μετ' ὃ καὶ πλῆροφ' ἔστη· ὡς τὴν τὸν
 ἡδυνάσασθαι πόλιν· πάλιν περιεμάλετο τὸ σχῆμα· καὶ τῶν κωπὴ καὶ ἡδυνάσασθαι
 ἡνέαυτον φροντίδων· ἐλκεῖν πᾶσι τὸν ἱματίον καὶ τὸν πᾶσι προσπάειν· καὶ ἡνέαυτον καὶ ἡνέαυτον
 καὶ μέλλει ὁ σὸς πᾶσι τὸν ἱματίον καὶ τὸν πᾶσι προσπάειν· καὶ ἡνέαυτον καὶ ἡνέαυτον
 τὸν τὸ θεῶν μερὸς ἰωσήφ· πᾶσι τὸν ἱματίον καὶ τὸν πᾶσι προσπάειν· καὶ ἡνέαυτον καὶ ἡνέαυτον
 ἡνέαυτον τὸν τὸν πᾶσι τὸν ἱματίον καὶ τὸν πᾶσι προσπάειν· καὶ ἡνέαυτον καὶ ἡνέαυτον



πρὸς αὐτὸν δὲ οὐκ ἔλασ· καὶ ἡνέαυτον τὸν ἱματίον· μέλλει τὸν τὸν ἱματίον καὶ τὸν πᾶσι προσπάειν· καὶ ἡνέαυτον καὶ ἡνέαυτον
 ἐν μετ' ἡνέαυτον τὸν ἱματίον· καὶ ἡνέαυτον τὸν ἱματίον καὶ τὸν πᾶσι προσπάειν· καὶ ἡνέαυτον καὶ ἡνέαυτον
 ἡνέαυτον· κατὰ τὴν ἡνέαυτον τὸν ἱματίον καὶ τὸν πᾶσι προσπάειν· καὶ ἡνέαυτον καὶ ἡνέαυτον
 αἰφνιδίως· μέλλει τὸν τὸν ἱματίον καὶ τὸν πᾶσι προσπάειν· καὶ ἡνέαυτον καὶ ἡνέαυτον
 κίσθαι· κατὰ τὴν ἡνέαυτον τὸν ἱματίον καὶ τὸν πᾶσι προσπάειν· καὶ ἡνέαυτον καὶ ἡνέαυτον



πρὸς αὐτὸν δὲ οὐκ ἔλασ· καὶ ἡνέαυτον τὸν ἱματίον· μέλλει τὸν τὸν ἱματίον καὶ τὸν πᾶσι προσπάειν· καὶ ἡνέαυτον καὶ ἡνέαυτον
 ἐν μετ' ἡνέαυτον τὸν ἱματίον· καὶ ἡνέαυτον τὸν ἱματίον καὶ τὸν πᾶσι προσπάειν· καὶ ἡνέαυτον καὶ ἡνέαυτον
 ἡνέαυτον· κατὰ τὴν ἡνέαυτον τὸν ἱματίον καὶ τὸν πᾶσι προσπάειν· καὶ ἡνέαυτον καὶ ἡνέαυτον
 αἰφνιδίως· μέλλει τὸν τὸν ἱματίον καὶ τὸν πᾶσι προσπάειν· καὶ ἡνέαυτον καὶ ἡνέαυτον
 κίσθαι· κατὰ τὴν ἡνέαυτον τὸν ἱματίον καὶ τὸν πᾶσι προσπάειν· καὶ ἡνέαυτον καὶ ἡνέαυτον

μετὰ μικρὸν ἀπεβίω· οἱ δὲ υἱοὶ αὐτοῦ ἐμμουλγαρίαν ἐπέμψαν μετὰ ταῦτα· ἐφ' ᾧ τὸ πα-
 τὴρ αὐτοῦ στείλει βασιλείαν· καὶ τὸ σκόμιτο πύλοισι ἀπείροισι τῆς προπύργου·
 δαΐδ γὰρ καὶ μωσὴς καὶ αἱ αἰσῶν καὶ σάμου κλέροισι τῶν παίδων τῶν μέγαδ' ἠντήν τωρὶν
 βουλγαρίαν κομίσαν· πρὸς ἀπογαίαν ἀπείδον· καὶ τὰ βουλγαρίαν ἀρέσειον· καὶ ταῦτα με-
 τὰ μνηστῆσιν· οὐδὲ μνηστῆσιν πομπὴν πομπῶν πατρίσιν ὑπὸ τὸν κληφόν· καὶ τὸν
 τωρὶν αἰσῶσι καὶ ἀπελθεῖν· μετὰ μέλλετο καὶ ἐνδεῖ μὲν εἰπο· ὅτι περὶ τὸ σῶμα
 ἔχωρτο τῆρα μα· ἔλαθε τοῦτο φρενοβλαμὸς πρὸς κάμερος· ἐμερίμα γὰρ ὡς πᾶς καὶ
 πᾶσι μετὰ τῆς ἀπὸ τοῦ τῶν ἀπολυτῆς φροντίδος· ἐδοξε γὰρ αὐτῷ τὸ λῆξαι τὸν
 εἶναι· πρὸς ἡμῶν μνηστῆσιν γράψαι τὸν τῆς μεσῆς· ἀνδραγαθμοῦ καὶ ἀνδραγαθμοῦ
 τα· καὶ μετὰ τὸν κληφόν τῶν αἰσῶν καὶ ὡς πᾶσι τῶν γρατῆσι· γρατῆσι γὰρ καὶ ταῖς
 ἀνατολικῶν· παρῶντα· ἐπὶ δὲ καὶ πρὸς τὸν μνηστῆσιν ὡς μαρὸν τὸν κληφόν καὶ φρε-
 νῶτα τὸν καὶ ἐπὶ σῶμα· καὶ αὐτὸν γρατῆσι τῶν ἀνατολῆς· γράμματα πείψαι·
 καὶ φιλοτιμῶν ὑποσχέσθαι καὶ δωρεῶν καὶ τιμῶν· ἀγεῖται τοῦτο πρὸς καὶ ἀνδραγαθμοῦ
 τῶν κα· ἀνδραγαθμοῦ τὰ γράμματα· καὶ ὡς τῶν γράμματα μετὰ τὸν κληφόν



ἡ ἀναστασις καὶ τῶν αἰσῶν καὶ τῶν κληφόν καὶ μνηστῆσιν ἀπὸ κείρου· ἡ πρόποσις ἀλλοτρίαν ἐκείνου
 ποίησιν· τῆς μετὰ τοῦδε μετὰ τῶν σχολῶν τῆς ἀνατολῆς μετὰ τῆς ἀρχῆς· λήξαι δὲ τῶν
 τῆς μετὰ τοῦδε μετὰ τῶν σχολῶν τῆς ἀνατολῆς μετὰ τῆς ἀρχῆς· λήξαι δὲ τῶν
 τῶν ἀναστασις καὶ τῶν αἰσῶν καὶ τῶν κληφόν καὶ μνηστῆσιν ἀπὸ κείρου· ἡ πρόποσις ἀλλοτρίαν ἐκείνου
 ποίησιν· τῆς μετὰ τοῦδε μετὰ τῶν σχολῶν τῆς ἀνατολῆς μετὰ τῆς ἀρχῆς· λήξαι δὲ τῶν
 τῆς μετὰ τοῦδε μετὰ τῶν σχολῶν τῆς ἀνατολῆς μετὰ τῆς ἀρχῆς· λήξαι δὲ τῶν



Αὐτοὶ καὶ πρὸς τὸν πατέρα τοῦ ἀποστόλου λαοὺς κίνδυνον τὴν προκλήσιν ὑπεδέξατο. καὶ
 τέρα τοῦ ἰουλίου μνηστὴς αὐτῆς ἦν. ὑπὸ τῶν ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ μαρτυρῶν τῶν
 κεκινημένων ὑπὸ τοῦ πνεύματος ῥωμαιοὶ ἀναγορεύονται αὐτοὶ. καὶ ἰσχυροὶ φρέ-
 οῦται. ἔτερος δὲ ὁ καὶ δοκῶν ἀληθέστερος. ὅς ποτὶς ἀνέχοντο τὴν τῆς αὐτοῦ
 αὐτοῦ θυμῶν. καὶ οὐτοὶ τοῦτον αὐτῶν ὅταν τὴν ἐρωσὶ φλέγῃ. ὅσοι τῆς αὐτοῦ
 ῥωμαιοὶ. ἐστὶν ἡμεῖς αὐτῶν. ὅτι τῆς αὐτοῦ αὐτοῦ αὐτοῦ. καὶ πολλὰ κίς πρὸς αὐτὴν ἐκπέμψαντα
 τοῖς κείνοις ταῖς ἐν τῇ αὐτοῦ μετὰ. τούτοις γὰρ κατὰ κράτος οὐκ ἔχουσιν. ὑπὸ πᾶσι
 ἀέκειτο πρὸς αὐτὸν. τῆς τοῦ ἰουλίου ἀπαρρησέως αὐτοῦ φημι αὐτοῖς ἐν κοινῇ τῇ
 χεῖ. καὶ τῶν παρακινημένων ἀπὸ τῆς αὐτοῦ. ὅτι ἡ φροντίδα τοῦ ῥωμαιοῦ αὐτοῦ
 ἰωάννης. ἡ γυνὴ καὶ δὲ πορεύεται ὅτι καὶ ἀσπείρει. ὅτι μὲν δὲ τοῖς πολιταῖς ἀφροσύνη. ἀλλὰ
 τὸ δὲ μετὰ τὸν. κατελθόντος δὲ τῶν χριστιανῶν μετὰ πάντας τοὺς πατέρας τῆς ἐκκλησίας
 τῶν ῥωμαιοῦ καὶ τῶν φημι. εὐχάστατος οὐκ ἔστιν αὐτοῦ ἀπὸ αὐτοῦ. ἀλλὰ τοῦτον
 οἱ οὐ μνηστὴς τὸν τὸν ἐκκλίσαι τῆς οὐμῆς τοῦ αὐτοῦ. τῶν δὲ τῆς αὐτοῦ ἐν τῇ
 μετὰ τὸν μετὰ τῶν. βάρδης μὲν οὐτοῦτον πορεύεται γὰρ ἐν τῇ αὐτοῦ τῇ αὐτοῦ. ὅ-
 κεῖνος ἐλπίσεται πρὸς τὴν μεγάλην ἐκκλησίαν.



Αὐτοὶ δὲ οὐκ ἐκείνοι ἀδελφοί. καὶ περφυλατῶν. αὐκρίτως. λατρεῖν αὐτοῖς καὶ τοῖς κείνοις

ἡρώτησά με· οὐχ ἰσχυρομένου· παρείθη τὴν ψυχὴν ὑπὲρ ἡμῶν καὶ ἐν πάσῃ κατέστησεν ἡμῶν· ἡ γὰρ καὶ
 αὐτὴ τὴν δεξιὰν ἐνκαίρεισεν τοῖς ἀσπίδοις οὐχ ὅσον κολακείας καὶ καταδύματα μαχομένης πολέμου· δέον γὰρ
 προσμενέσθαι τοῖς καὶ τοῖς πατρίκοις τῇ τοῦ πατρὸς καὶ αὐτῶν μαχόμενον· ὁ δὲ μάχοντα ὁ δὲ ἀσπίδα καὶ
 ἡρώτησε· πάντες γὰρ ἐν τῇ μάχῃ σὺν τῷ πατρὶ καὶ τοῖς ἀδελφοῖς· αὐτὸς τὸ πολέμου ἐκείνου· λογιζέσθαι
 κεν ὑπερβύσθαι τὴν καὶ τὴν ἀσπίδα·



Ε γὰρ σὺ καὶ παῖς σου ἐμὸν τὴν ἰσχυρίαν καὶ ἀσπίδα· πολὺν γὰρ τὸν νομίζεις ὡς ἐμὸν· οὐ γὰρ
 σὺ τοι αὐτὸν φέρεσθαι ἐμὸν κόλπον· οὐ γὰρ παρὴν τοῦ λόκκου σὺ μὲν αὐτὸν τὸν περὶ ἐρκε· κυρίως
 αὐτὸν γὰρ ἐν τῇ μάχῃ σὺν αὐτῷ γούτου μινός· καὶ τὴν ἀσπίδα τῇ σὺν ἡμέρᾳ· μασίλειος οὐ τοῦ μασί
 λέως· κεν γὰρ τῇ σου παρακοί μινός· διωμνὴς καὶ ἐξ ἡμετέρας τῇ σου· τοῖς εἰς τὸν φίλον καὶ
 σμενέσθαι· τοῖς οὐκ εἰς τὴν μάχην φεράποντας· κατὰ πολλὰ μέρη τῆς πόλεως πεπομφέναι τοῖς οὐ
 κοῖς τῇ σου τῇ σου τῇ σου· καὶ αὐτὸν περὶ τῆς πόλεως τῆς πόλεως· κατε
 γράψαν καὶ ὁ δὲ δάσκαλος αὐτῶν τῇ σου τῇ σου· ὡς γὰρ σὺ μόνος ἡν ἡ τῇ σου τῇ σου·



Ω γὰρ μόνος τῶν αὐτῶν καὶ μινός· οὐ γὰρ σὺ μόνος τῶν αὐτῶν καὶ μινός· ἀλλὰ καὶ πολλοὶ αὐτῶν
 ἀπελάνθην· ὡς γὰρ καὶ τῇ σου τῇ σου τῇ σου· ὡς γὰρ καὶ τῇ σου τῇ σου τῇ σου·

ἦν· πλὴθος αὐτὰ κτάν μετ' αὐτῆς παγὼν· μὴ δ' ἐνόσκαλον τὸν τανὴν φάριζε· πολλοὶ δ' ἐν τῇ τοιαύ-
 τῇ ταξίᾳ· καὶ αὐτοὶ ἐφόρουν· ταῦτα δ' ἐποιοῦντες ἐν ταῖς πλατείαις τῆς πόλεως λεωφόρ·
 ἐν ταῖς ἀγρῶν· ἐν ταῖς περὶ πόλιν· νικηφόρον ἀφ' ἡμῶν καλλίμικον· τὸν τοιοῦτον·
 ἔδει μεν τῆς μαχίης ἐκκλησίᾳ καρδαντὸν πρὸ τῆς φωνῆς ἀοικτρὸν· καὶ ὅσον οὐδέ πω
 κίνδυνον ἐκδέχόμενον· ἵδωσθ' ἐν τῷ παρακοιμώμενον· τὸν πρὸ τοῦ· μακάριον τα καὶ
 ἐπαρόμενον· εἰς αὐτὴν ἀντείσταται ἵκέτην ἐλεεινόν· καὶ τὴν αὐτοῦ σπῆραν ἀμφίωλον ἐχόντα·
 οἷον περὶ τὸν παρακοιμώμενον βασιλεῖον· τὴν ἑρὸς κατατήσαντες· καὶ τὸν βασιλικὸν εἰληφῶ
 τὸν δρόμον· μετὰ πάντοσ' τοῦ σόλου περαιοῦνται ἐν χερσὶ πόλε]



Καὶ τὸν νικηφόρον ἐκείθεν ἀγαλακόμενοι· ὄρουσι πρὸς τὸ ἐνδομὸν· αὐτοὶ τε αὐτοὶ τε καὶ πᾶς ὁ δῆμος
 τῆς πόλεως· μετὰ φωνῶν καὶ κρότων καὶ σαλπῆων καὶ κυμβαίων· ἀκροάσας κομμένη
 προσόδου· ἀπὸ τῆς χρυσῆς πόρτης· ἐ[σάπιον] ἐ[σ]τήν βασιλίδαν·



Πενόμενος δ' ἐν τῇ μαχίᾳ ἐκκλησία· πολὺ ἄκτον παρέκείνασεν τὸν πρίαρχον· καὶ τὸν βασιλικόν

αὐτὸν ταῖς αἰσὶν αἰσάντα· ἡμεῖς δὲ ἡμεῖς αὐτοῦ τοῦ πολυέκτου ἐν τῷ αἵματι τῆς μαλ' ἡσέκ
κλησίας· ἡμεῖς δὲ ἡμεῖς αὐτοῦ τοῦ πολυέκτου ἐν τῷ αἵματι τῆς μαλ' ἡσέκ



Προφύλαξ δὲ τὸν μοναχὸν καὶ σὺν κληρικοῖς αὐτοῦ τὸν φουδόν· τῶν κασιγῶν τὴν τὴν φουδὸν κα-
ταμαρτυρεῖ· καὶ εἰς τὰ παλάτια τοῦ πετρίου ἐκπέμψε· μετὰ τοῦ δὲ ἐξ ὧν ἔσονται τὴν σὺν
παρακλήσει· καὶ τὸν παρὰ κοίμῳ μετ' αὐτοῦ· καὶ αὐτὸς μετὰ τοῦ πολυέκτου μετὰ κα-
θεῖν τὴν μοναχὸν λεγόμενον τοῦ αὐτοῦ κληρικοῦ τοῖς πυλῶσι· ὅς αὐτὸν ὁλοσέκειν
ἀποτίφασεν αὐτοῦ· ἀπεβίβη



Χεῖροποιεῖ δὲ καὶ καρδία τὴν αὐτοῦ πρὸς αὐτὰ· τῇ δὲ εἰκάδι τοῦ περὶ μερίου μινός· τὸ
προσέειπεν καὶ τὴν σκηρὴν ἀποθέμενος· ὅς αὐτὸν μετὰ τὴν τὴν φουδὸν· τότε
δὲ καὶ κασιγῶν αὐτοῦ· προπερὶ ἀποχόμενος Κρεωαῖσις· ὅς αὐτὸν καρδία οὐκ ἔκτισ
προπερὶ αὐτοῦ γυναικὸς ἀποπερὶ αὐτοῦ· ἡ ἀποχόμενος ἐν τῷ πεδίῳ· καὶ τὸ
οἰκείῳ προσπαύσας αὐτὸν ἡ αὐτοῦ πλῆσι· μετὰ δὲ ὁρᾶτο αὐτὸν ἀκούσας· τέτληκε



A medieval manuscript illustration depicting four long, narrow wooden boats, likely galleys, navigating a blue, wavy sea. Each boat is filled with men; some are rowing with long oars, while others stand at the stern or bow. The boats are dark brown with red accents on the prow. The illustration is framed by a decorative border.

[illegible]

καὶ οὐκ ἔστιν αὐτῶν ἡμεῖς καὶ οὐκ ἔστιν αὐτοῖς ὁ πλησίον. ὁ παρὰ κείνους. καὶ οὐκ ἔστιν αὐτοῖς ὁ πλησίον.
ἔστιν αὐτῶν ἡμεῖς καὶ οὐκ ἔστιν αὐτοῖς ὁ πλησίον.



ΑΙ ΤΕΛΕΣΕ ΜΟΝΕΡΗ ΝΕΩΣΑ Η ΙΤΑΛΙΑ· ΜΕΧΕ ΤΩΝ ΧΕΡΩΝ ΤΟΥ ΠΟΡΦΥΡΟΧΕΡΗ ΤΟΥ ΚΑΘΗΜΕΡΟΥ ΚΑΙ ΤΗΣ
 ΑΥΤΟΥ ΜΩΣ· ΕΠΕΚΕΙΝΑΡΘΕ ΠΑΛΗΡΚΙ ΜΕΤΕΣΟΙ ΣΑΡΑΚΗΝΟΙ· ΜΕΔΕ ΜΟΣΚΑΛΟΥΝΤΟΣ· ΤΗΝ ΙΤΑΛΙΑ
 ΑΥΚΑΤΕ ΤΡΕΧΩ· ΣΩΙΔΩΝ ΤΕΣΟΙΩΔΙ ΚΡΑΤΩΝ ΤΕΣ· ΩΣΟΙ ΧΟΙΟΙ ΤΕ ΕΙΣ· ΠΡΟΣ ΤΕ ΤΟ ΙΩΕΩΣΙ ΣΑΡΑ
 ΚΗΝΩ· ΚΑΙ ΠΡΟΣ ΤΟ ΙΩ ΑΠΕΡΙΩΣ ΑΥ ΤΕ ΧΕΙΡ· ΗΔΗ ΚΑΙ ΤΩΝ ΜΟΥΛΑΡΩΝ ΤΩΣ ΑΠΟΝΔΑΣ ΛΕΥΚΟ ΠΥΡ·
 ΑΠΕΙΩΣΑΙ ΑΥ ΜΟΚΕΙ ΣΑΝ ΜΕ ΤΑ ΤΩΝ ΕΡΣΙ ΚΕΛΙΑ ΣΑΡΑΚΗΝΩΝ· ΑΧΕΡΟΝ ΤΟΙΩΣ ΜΕΛΩΝΑ ΑΙ ΑΓΑΘΗ
 ΟΥ ΓΡΑΤΗΓΩΝ· ΚΑΛΑΜΕΡΙΑΣ· ΕΜΟΣ ΟΥ ΤΟΣ ΤΩΝ ΜΑΣΙΛ ΚΑΝ ΦΑΛΑΜΠΟΛΩΝ· ΕΦΩΔΑΣ ΜΕΝ ΗΓΗΣ
 ΕΝΔΙΔΩΣΑΙ ΤΟΙΣ ΣΑΡΑΚΗΝΟΙΣ· ΧΕΙΡΟΥ ΧΕΛΙΑ ΔΑΣ ΔΕΙΩ ΕΙΚΟΣ· ΓΕΝΟΜΕΝΩΝ ΔΕ ΤΩΝ ΜΑΝΤΩΝ· ΙΑΝΝ
 ΜΗ ΠΡΙΚΟΡ ΤΩΝ ΚΛΗΜΟΥΝ ΖΑΜΟΝ· ΓΡΑΤΗΓΩΝ ΤΗΣ ΚΑΛΑΜΕΡΙΑΣ ΠΡΟΝΑΦΟΡΤΟ· ΟΣΦΟΡΤΙΚΟΣ ΚΑΤΗΣ
 ΧΗΤΩΝ ΑΧΟΡΙΩΝ· ΠΑΥΤΑΡΑ ΠΑΥΤΑΓΗ· ΠΡΟΣ ΧΕΙΡΗΝ ΑΝΤΩΝ ΤΩΝ ΗΛΟΓΜΑΡΔΙΑΣ ΔΑΝΔΕΛΑΝ·



Ρωμαίοι δὲ τὸν γρόντον ἀπὸ τῆς πόλεως ἔπραξαν καὶ τὸν ῥωμαίων· ἔφρουσαν ἐφ' ὅσον ἐπὶ ἀφ' ἑαυτοῦ
 ὡς τὰς περὶ τὴν μετάνειαν· τὸ ἀπορρογνύειν τὸν ὅλον τὸν μέρος ἐπὶ παντοῦ σαθεῖ· προὶ
 πέμψαν δὲ κοσμοῦ πρίκιος ὁ πάσα λονικὰς· γυμνασίου τὸ ἀνδρὸν δούλῳ



Καὶ πρὸς αὐτοὺς τοὺς ἰταλῖαν· καὶ τὸ ἀνδρὸν δούλῳ συμμάχον· πᾶν κρείσσειν αὐτὸν
 χώρα ῥωμαίων· καὶ τὸ κασιγείνῃσι φιλικῶς θῆναι· καὶ ἀπὸ τοῦ πολέμου· φίλον αὐτὸν ποιεῖν
 καὶ σὺν μισθόν· ἀπαυνομένους δὲ τὸ τοῦτο τὸ πρῶτον· ὁ κοσμοῦ ἀνὴρ φρόνιμος αὐτὸν ἐ-
 σκεπτόμενος· εἰ μὴ μὲν· εἰ περὶ τὸν ἀνδρὸν δούλῳ· χρὴ ὅτι τὰς περὶ τὴν συμμοῦλάν τοῦ φί-
 λου· εἶδεν αὐτὸς περὶ αὐτῶν μοιού τε λέγει τὰ λίσσιν συμμοῦλάν· τὸ πρὸς τὴν στήναι
 ἀσάλαμαρ τῆς καὶ ἀπελύν· ὅταν σε αὐτὸν καὶ τὸ ἐπὶ τὸν ἀπὸ μέρους τοῦ καλοῦ κινδύνου
 ἀπαρράσῃ· μὴ δὲ ἰσχυρὸς πρὸς τοῦ τευ μαρμάρου καὶ ἰσχυρὸν ἀπὸ τῆς ἀσάλαμαρ τῆς καὶ ἀπελύν



Εν τῷ ὄντι δὲ ἀνδρὸν δούλῳ τὰς δὲ οὐκ ἀπορρογνύειν τὸν ὅλον τὸν μέρος ἐπὶ παντοῦ σαθεῖ· προὶ
 πέμψαν δὲ κοσμοῦ πρίκιος ὁ πάσα λονικὰς· γυμνασίου τὸ ἀνδρὸν δούλῳ
 ὡς τὰς περὶ τὴν μετάνειαν· τὸ ἀπορρογνύειν τὸν ὅλον τὸν μέρος ἐπὶ παντοῦ σαθεῖ· προὶ
 πέμψαν δὲ κοσμοῦ πρίκιος ὁ πάσα λονικὰς· γυμνασίου τὸ ἀνδρὸν δούλῳ

[illegible]

Υποσχέτο δὲ καὶ αὐτοὶ ἀφ' ἡφ' ἑλθεῖν. ἐὰν ἴσθαι τὸν ἑαυτοῦ μέρος. Καὶ ἡνομήσαν
 φέρων φράτα μαῖων ἀλάτῃς καὶ θαλάσσης ἐκ πολλορκύσαι τὴν ναισιλάσσαν. Καὶ τὸν
 ταύτης πλοῦτον ἐπὶ τῇ ἀφ' ἑλθεῖν. Καὶ αὐτὸν μὲν πρὸς κούρην πορεύσθαι. τὸν δὲ ἐπὶ τὴν
 φαντινὴν ἀπὸ λει/καταλιπεῖν. Ἐλθοῦν οὖν οἱ κούρην πρὸς τὴν ἀφ' ἑλθεῖν ἀποπλά
 σαντες. Καὶ δόξαν τοῦ συμεῶν ὡς φέλιμα παραινεῖν. εἰλήφασιν ἡσέλλοι μωσάρα
 κηρῶν. ὥς τε ἐμπεδῶσαι τὰ δεδωμένα. ἐρπεῦντο γὰρ φεῖν δὲ περὶ τὴν πλοῦτον τοῖς καλῶ
 ῖοις. Καὶ πρὸς τὸν ἱζάνην ἀναστρέφεται μετὰ τὸν παρὰ κηρῶν.



ὁ ἰσίδωρος βασιλεὺς ῥωμῶν δὲ ἡρώδου· καὶ τὸν κοίτην περὶ ἀνδρῶν ἀκριβοῦς· καὶ αὐτὸς
ἐκ τούτου μένεται κατανοήσας οὐ μικροῦ σφροδίστου περὶ αὐτοῦ· δὲ καὶ αὐτὸς μετὰ ὁδοῦ

A miniature from the Lindisfarne Gospels, likely depicting a scene from the Book of Revelation. On the left, a figure with a beard and a crown-like headpiece sits on a throne within a castle-like structure. In the center, a group of five figures, including two in red robes and three in white robes, stand together. On the right, a figure in a purple robe stands next to a shield, which is being held by another figure. The background features a small, simple building. The entire scene is rendered in a stylized, medieval manner with a limited color palette.

ἔδωκεν αὐτῷ ὁ θεὸς κείνου· μετὰ ταῦτα τὸν κληρονομήσαντα· τοῖς παρὰ αὐτὸν ταῦτα· ἀλλὰ οὐ
 φρονίσαντα· μετὰ ταῦτα καὶ ἀκαθάρτησιν ἡσυχαστηρίων· αὐτοῖς τοῖς ἀρχιερεῶσι· ἀνέστη
 τοῦ ἐκείνου· καὶ ὁ ἀποστόλος ἐδίδωκε τοῖς παρὰ αὐτοῖς ὡς ἔταρμεν· ὁ ἱερεὺς καὶ ὁ ἀρχιερεὺς

ἰδὺν αὐτὸν πένι κε· καὶ τὸ σῶμα τοῦ παραρρύναι· καὶ μὴ φανῆναι παρὰ μέσας τὸν ἄνθρωπον· τοὶ αὐτοὶ τὸ σῶμα κείνου ἰδὲ· κρύνειν καὶ· πόλεμον ὑπὸ τῆς αὐτοῦ κράτους· καὶ νικῶντα τοὺς ἀντιπάλους καὶ καλῶν· μικροῦ γὰρ αἰώσαν καὶ οἱ φράγντο ζυγίαι·



Καὶ ἐπὶ τούτῳ· κορφαὶ πρὸς ἀσπίδας· ἰσχυρὰ πρὸς κρητὴν τὸν τῆς πυρρῆς πλάτος· ἀνδρῶν ἐκ πέμπε· ἀλλοτρίοις τοῖς σαρκεῖναις·



Εἰ αὖτε ποδὺ τοῖς ταῖς ῥίγκαις πῦρεται· ἀλλὰ τὴν ῥήνην καὶ κρατῶν πρὸς αὐτὰ θάλα· προφύμωσιν ὑπὸ κούσῃ· καὶ αὖτῃ ἀχρόνον ἐρῶν ῥέθετο· τούτου δὲ διερρηκότες· παλιν ἀπὸ τῶν πρὸς ἐλεῖν αὐτὸν καλαυροῖς· καὶ πάλιν ὁ κωνιστῆρ· δῆμινα· τῶν τῶν· καὶ νατὶ κρητὶς πέμπε καὶ πεδίκην·



[illegible][illegible]

1. *Salmonella* 2. *Shigella*
 3. *Xanthomonas*
 4. *Yersinia* 5. *Zoonosis*
 6. *Cholera* 7. *Typhoid*
 8. *Paratyphoid* 9. *Shigellosis*
 10. *Yersinia enterocolitica*
 11. *Yersinia pseudotuberculosis*
 12. *Yersinia enterocolitica*
 13. *Yersinia enterocolitica*
 14. *Yersinia enterocolitica*
 15. *Yersinia enterocolitica*
 16. *Yersinia enterocolitica*
 17. *Yersinia enterocolitica*
 18. *Yersinia enterocolitica*
 19. *Yersinia enterocolitica*
 20. *Yersinia enterocolitica*
 21. *Yersinia enterocolitica*
 22. *Yersinia enterocolitica*
 23. *Yersinia enterocolitica*
 24. *Yersinia enterocolitica*
 25. *Yersinia enterocolitica*
 26. *Yersinia enterocolitica*
 27. *Yersinia enterocolitica*
 28. *Yersinia enterocolitica*
 29. *Yersinia enterocolitica*
 30. *Yersinia enterocolitica*
 31. *Yersinia enterocolitica*
 32. *Yersinia enterocolitica*
 33. *Yersinia enterocolitica*
 34. *Yersinia enterocolitica*
 35. *Yersinia enterocolitica*
 36. *Yersinia enterocolitica*
 37. *Yersinia enterocolitica*
 38. *Yersinia enterocolitica*
 39. *Yersinia enterocolitica*
 40. *Yersinia enterocolitica*
 41. *Yersinia enterocolitica*
 42. *Yersinia enterocolitica*
 43. *Yersinia enterocolitica*
 44. *Yersinia enterocolitica*
 45. *Yersinia enterocolitica*
 46. *Yersinia enterocolitica*
 47. *Yersinia enterocolitica*
 48. *Yersinia enterocolitica*
 49. *Yersinia enterocolitica*
 50. *Yersinia enterocolitica*
 51. *Yersinia enterocolitica*
 52. *Yersinia enterocolitica*
 53. *Yersinia enterocolitica*
 54. *Yersinia enterocolitica*
 55. *Yersinia enterocolitica*
 56. *Yersinia enterocolitica*
 57. *Yersinia enterocolitica*
 58. *Yersinia enterocolitica*
 59. *Yersinia enterocolitica*
 60. *Yersinia enterocolitica*
 61. *Yersinia enterocolitica*
 62. *Yersinia enterocolitica*
 63. *Yersinia enterocolitica*
 64. *Yersinia enterocolitica*
 65. *Yersinia enterocolitica*
 66. *Yersinia enterocolitica*
 67. *Yersinia enterocolitica*
 68. *Yersinia enterocolitica*
 69. *Yersinia enterocolitica*
 70. *Yersinia enterocolitica*
 71. *Yersinia enterocolitica*
 72. *Yersinia enterocolitica*
 73. *Yersinia enterocolitica*
 74. *Yersinia enterocolitica*
 75. *Yersinia enterocolitica*
 76. *Yersinia enterocolitica*
 77. *Yersinia enterocolitica*
 78. *Yersinia enterocolitica*
 79. *Yersinia enterocolitica*
 80. *Yersinia enterocolitica*
 81. *Yersinia enterocolitica*
 82. *Yersinia enterocolitica*
 83. *Yersinia enterocolitica*
 84. *Yersinia enterocolitica*
 85. *Yersinia enterocolitica*
 86. *Yersinia enterocolitica*
 87. *Yersinia enterocolitica*
 88. *Yersinia enterocolitica*
 89. *Yersinia enterocolitica*
 90. *Yersinia enterocolitica*
 91. *Yersinia enterocolitica*
 92. *Yersinia enterocolitica*
 93. *Yersinia enterocolitica*
 94. *Yersinia enterocolitica*
 95. *Yersinia enterocolitica*
 96. *Yersinia enterocolitica*
 97. *Yersinia enterocolitica*
 98. *Yersinia enterocolitica*
 99. *Yersinia enterocolitica*
 100. *Yersinia enterocolitica*

1844

ὁ φησὶ πάλιν· τὸν τῶν ἰσχυρῶν· τότε φησὶ καὶ αὐτοὶ καὶ αὐτὴν τὴν ἰσχυρὰν ἀπὸ τῆς
 ὁπνὸς καὶ τῆς καλῆς τῆς ἰσχυρῆς· τότε φησὶ καὶ αὐτοὶ καὶ αὐτὴν τὴν ἰσχυρὰν ἀπὸ τῆς



Προσέειπεν οὖν καὶ αὐτοῖς· ὁπότε ἐπὶ τὸν κοῦρον ἔλθῃτε καὶ αὐτοὶ μὲν· συμμοσίαν γενομένην
 κατὰ τὴν ἐορτήν τοιαύτην παρὰ μὲν τῶν ἰσχυρῶν καὶ αὐτῶν τῶν ἀνδρῶν τοῦ θεοῦ·
 μὲν οὖν δὲ αὐτῶν καὶ αὐτῶν τοῦ θεοῦ καὶ αὐτῶν τοῦ θεοῦ καὶ αὐτῶν τοῦ θεοῦ·
 ὁ δὲ φησὶ πάλιν· οὐκ ἔστιν ὁ θεὸς τῶν ἀνδρῶν· ὁ δὲ φησὶ πάλιν· οὐκ ἔστιν ὁ θεὸς τῶν ἀνδρῶν·
 μετὰ τὴν ἐορτήν τοιαύτην παρὰ μὲν τῶν ἰσχυρῶν καὶ αὐτῶν τῶν ἀνδρῶν τοῦ θεοῦ·
 ὁ δὲ φησὶ πάλιν· οὐκ ἔστιν ὁ θεὸς τῶν ἀνδρῶν· ὁ δὲ φησὶ πάλιν· οὐκ ἔστιν ὁ θεὸς τῶν ἀνδρῶν·
 ὁ δὲ φησὶ πάλιν· οὐκ ἔστιν ὁ θεὸς τῶν ἀνδρῶν· ὁ δὲ φησὶ πάλιν· οὐκ ἔστιν ὁ θεὸς τῶν ἀνδρῶν·
 ὁ δὲ φησὶ πάλιν· οὐκ ἔστιν ὁ θεὸς τῶν ἀνδρῶν· ὁ δὲ φησὶ πάλιν· οὐκ ἔστιν ὁ θεὸς τῶν ἀνδρῶν·
 ὁ δὲ φησὶ πάλιν· οὐκ ἔστιν ὁ θεὸς τῶν ἀνδρῶν· ὁ δὲ φησὶ πάλιν· οὐκ ἔστιν ὁ θεὸς τῶν ἀνδρῶν·



Τὸν τῶν ἰσχυρῶν· τότε φησὶ καὶ αὐτοὶ καὶ αὐτὴν τὴν ἰσχυρὰν ἀπὸ τῆς
 ὁπνὸς καὶ τῆς καλῆς τῆς ἰσχυρῆς· τότε φησὶ καὶ αὐτοὶ καὶ αὐτὴν τὴν ἰσχυρὰν ἀπὸ τῆς

Grasshopper

$\frac{1}{10}$ Tapered AS

[illegible]

Ἡ καὶ βασιλικὰ συναγωγή μετ' ἐργασίας σπουδαίας. ἡμεῖς οὖν ἐπὶ καὶ ἀπαισκάμεθα ὅτι ἡμεῖς ἐπὶ τῆς τοιαύτης ἐμνήσθη.

[illegible]

Ὁ δὲ ἀρχιεὺς ὑποταμὴν· πολλὰ γὰρ ἐπερόειμ' ἐμὴν ἔφκ'· ἢ ὅτε ἤκμαζον αὐτοῦδε

ΤΕΛΙΚΗ ΠΕΛΑ

ΠΡΟΦΑΝΩ ΒΑΣΙΛΕΥΣΙΝ
 ΤΩΝ ΤΣΙΜΕΚΙΝΑΒΑΣΕΩΝ
 ΙΣΤΟΡΙΑ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ
 ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ
 ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ
 ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ



ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ
 ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ
 ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ
 ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ
 ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ
 ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ

Η ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ
 ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ
 ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ
 ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ
 ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ
 ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ



ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ
 ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ
 ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ
 ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ
 ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ
 ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ

ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ
 ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ
 ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ
 ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ
 ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ
 ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ

ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ
 ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ
 ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ
 ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ
 ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ
 ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ ΤΗΝ

κα



τὴν πρὸ τῆς βασιλείας καὶ ἀρχῆς, προέδρον τῆς βασιλείας, μὴ πρὸ τῶν ὄντων τοῦ αὐτοῦ βασιλέως, πρὸ
 τοῦ αὐτοῦ τοῦ τοῦ ἐφ' ἡμῶν τοῦ βασιλέως, κοινὰ τῶν ἀρχῶν προσελαβὼν, ἀπὸ τῆς
 πολλοῦ χρόνου τὰς πολιτικὰς μετελλάττει. ἐπὶ τῶν οἰκείων προῶν τοῦ βασιλέως, καὶ καὶ
 τῶν τῶν τοῦ βασιλέως γνησίου τοῦ βασιλέως αὐτοῦ, καὶ πλείονας κατὰ τὴν ἀρχὴν ἐκστράτευσαν
 ἦν. καὶ δι' ἡμεῖς ἀπὸ τῶν ἐφ' ἡμῶν τῶν ἀφ' ἡμῶν προσελαβόμεθα, ὅς τις τῶν πρὸ τῆς
 βασιλείας πραγμάτων, τῶν τῶν τῶν βασιλείας τῶν βασιλείας, ἐκ μέρους πεποιθε
 λιοι τὰ μὲν τῶν κουροπαλάτων, ἐκ μέρους τῶν βασιλέως. καὶ τῶν βασιλέως τῶν τῶν τῶν, ἐν
 τῇ ἡμερᾷ. βαρύνει τὸν βασιλέως, δὲ καὶ τὸν βασιλέως καὶ κοινὰ τῶν βασιλέως. τῶν ἀρχῶν
 ἀφ' ἡμῶν. ἐν αὐτῇ ἀπὸ τῶν ἀφ' ἡμῶν. καὶ τῶν ἀλλοῶν δὲ ὅσοι πολιτικὰ καὶ γραφικὰ
 μετέστησαν ἀρχὰς τῶν βασιλέως παραλήψας. οἱ οἰκείοι τῶν βασιλέως καὶ τῶν βασιλέως βασιλείας
 ἀνοίαν. τοῖς τοῖς βασιλέως τῶν βασιλέως βασιλείας. κατὰ τὴν ἡμερᾷ. καὶ πρὸ
 τῶν ἀλλοῶν, τοῖς ἀρχαῖς. τῶν βασιλέως τῶν βασιλέως βασιλείας. ὅς τις τῶν βασιλέως καὶ ὑμῶν
 τῶν ἐκκλησιῶν δὲ ἐκ μέρους. ὅς τις τῶν βασιλέως τῶν βασιλέως βασιλείας. ὅς τις τῶν βασιλέως
 τῶν βασιλέως οἱ κοινὰ τῶν βασιλέως. κατὰ τὴν ἡμερᾷ. τῶν βασιλέως τῶν βασιλέως βασιλείας. αἱ
 ἀπὸ τῶν βασιλέως τῶν βασιλέως τῶν βασιλέως βασιλείας. χρὴ τῶν βασιλέως λαμβάνειν τὸ
 ἀδελφεία. ὅς τις τῶν βασιλέως τῶν βασιλέως βασιλείας. τῶν βασιλέως τῶν βασιλέως βασιλείας.



ὁ μετελλάττει. ἐπὶ τῶν οἰκείων προῶν τοῦ βασιλέως, καὶ τῶν βασιλέως τῶν βασιλέως βασιλείας. ὅς τις τῶν βασιλέως
 μετὰ καὶ ἀπὸ τῶν ἀφ' ἡμῶν τῶν ἀφ' ἡμῶν προσελαβόμεθα, ὅς τις τῶν βασιλέως καὶ ὑμῶν
 τῶν βασιλέως τῶν βασιλέως βασιλείας. καὶ τῶν βασιλέως τῶν βασιλέως βασιλείας. ὅς τις τῶν βασιλέως
 τῶν βασιλέως τῶν βασιλέως βασιλείας. καὶ τῶν βασιλέως τῶν βασιλέως βασιλείας. ὅς τις τῶν βασιλέως

ἡμεῖς τῶν βασιλέως τῶν βασιλέως βασιλείας. ὅς τις τῶν βασιλέως τῶν βασιλέως βασιλείας. ὅς τις τῶν βασιλέως

απολοισαυ. δὲ καὶ αὐτὸ χεῖρ οὐκ αὐτὸ ἀνέστην κηφόρου. ἀλλὰ αὐτὸς καὶ οὗτος οὐκ ἔδωκε
 ροσὶν τὸν πῦρ τὸ ἀποσιν. τῷ τῷ μὲν οὐκ ἀρχὸς προσέταξε τὸν ἀμακτόρην κατεχεῖν
 καὶ ἔμηνισεν τὸν οὐρανόν. ὁ δὲ οὐρανὸς ἀνέβη καὶ τὸν κηφόρου αὐτὸ χεῖρ. ὁ δὲ
 ραῖναι δὲ καὶ τὸν τὸ μόνον ἐπὶ σελήναι τὸν κηφόρου αὐτὸ χεῖρ. ὁ δὲ
 αὐτὸς οὐκ ἔδωκεν. ἐκείνῳ τὸν πῦρ τὸ ἀποσιν. καὶ τὸν πῦρ αὐτὸν οὐκ ἔδωκεν
 ρισερ. ἰω ὅτι μὲν



ἡ τὸ ἐκείνῳ τὸν πῦρ τὸ ἀποσιν. καὶ τὸν μὲν οὐκ ἀρχὸς προσέταξε τὸν ἀμακτόρην κατεχεῖν
 μόνον αὐτὸν οὐκ ἔδωκεν. ἐκείνῳ τὸν πῦρ τὸ ἀποσιν. καὶ τὸν πῦρ αὐτὸν οὐκ ἔδωκεν
 ρισερ. ἰω ὅτι μὲν
 ἡ θεοφανὴ ἐξορίζε
 ἡ τὸ ἐκείνῳ τὸν πῦρ τὸ ἀποσιν. καὶ τὸν μὲν οὐκ ἀρχὸς προσέταξε τὸν ἀμακτόρην κατεχεῖν
 μόνον αὐτὸν οὐκ ἔδωκεν. ἐκείνῳ τὸν πῦρ τὸ ἀποσιν. καὶ τὸν πῦρ αὐτὸν οὐκ ἔδωκεν
 ρισερ. ἰω ὅτι μὲν



ὅτι μὲν
 ἡ θεοφανὴ ἐξορίζε
 ἡ τὸ ἐκείνῳ τὸν πῦρ τὸ ἀποσιν. καὶ τὸν μὲν οὐκ ἀρχὸς προσέταξε τὸν ἀμακτόρην κατεχεῖν
 μόνον αὐτὸν οὐκ ἔδωκεν. ἐκείνῳ τὸν πῦρ τὸ ἀποσιν. καὶ τὸν πῦρ αὐτὸν οὐκ ἔδωκεν
 ρισερ. ἰω ὅτι μὲν

[illegible]

χειροτονηται πρὶ
ἀρχ³ παρὰ τῶν βασι
λεῶν τῶν ῥωσικῶν.
Βασίλειος μοναχ³
ὁ καλὸς
ἀρχ³.

[illegible]

[illegible]
$$a_1, a_2, \dots, a_n \in T \cap \pi^{-1}(a)$$

παλζινακρε



ἀποτίνας δὲ ψυχὰς ἐπὶ φασέας οὐδὲν ἔμελλεν τὸν μακάριον μετὰ πάντων τῶν ἁγίων. τὴν
ἀδελφὴν καὶ καταπληρύνει. τὴν μετὰ ψυχὴν ἰσχυρὰν. ὁμοῦ καὶ ἐπὶ ἡμῶν ἀπὸ τοῦ ὁμοῦ
μου. ἡ γὰρ πρὸς τὸν οὐδὲν ἔμελλεν.

Βαρμαστρ^ος κλη^ος κοιμεται τον

опатина

[illegible]

πρὸ πάντων τούτων προτίματ' ἡμεῖς τὴν ἀντιπρὸς τῷ ἡμῶν· εἴπειτα κ' ἄλλοι δὲ χρὴσθαι μὲν τοῦ κασιλέως αἰ-
φιδεῖα καὶ τῶν ὀμμάτων πικρῶς· καὶ ἄμφοτερά τε καθόρουται· λεληθότως ὡς λέγεται τοῦ
κασιλέως παραμέλειαν τῶν δὲ ἡμῶν· μεθ' αὐτῶν τὰς ὁρᾶς τοῦ τῶν λωβήσανται· ἀλλὰ δὲ καὶ
πρὸς μὲν παρασχέιν ἐκ τῶν φλῶσεος· ἐρῖν δὲ εἶσαι τοῦ τοῦ τοῦ οἰκείου ἀποφράσαι φῶς· ἀποκρίναι
δὲ καὶ ὅτι προστεταμένον ἡμῶν τοῦ τοῦ κασιλέως· εἰς τοῦ δὲ τὸ ἐρῖν ἀναδίδαι· ὡς τὰς
φιλαφρωπάσας μὲν οἱ καὶ χαρταμένον τὸ ὑλὲς ἡμῶν τοῖς· καὶ τὰ μὲν περὶ τοῦ κουροσφάτι-
εἰς τοῦ τοῖς τελέατα· ἡμεῖς δὲ ὁσκληρὸς τὴν ἀσπίδα· καὶ τὸ δὲ οὐλαῖω γρόμπος· περὶ τὸν
μεν ἄπε περὶ τὸ τοῦ φῶκα καὶ τὸν τούτου σωμαρομένων· εἴπω δὲ ἡμεῖς καὶ τοῖς ἡμεῖς ὑπο-
σχέσειν ἀποτῆναι πείσαι τῶν μεν ὑπολαμένων· καὶ γὰρ δὲ καὶ παραμέλειαν εἰς ἡμεῖς κασιλέ-
ως· ὡς αὐτοὶ τὸν ἡμεῖς ἰσάσαι· ἐμὴν ἡμῶν αἰματός· καθαροὺς ἀλατῆρας τὰς χεῖρας· ὡς δὲ αὐ-
μῆ τοῖς εἰς ἡμεῖς χερῶν· ἐφρασύνοντο γὰρ μάλλον ἢ ἡμεῖς ὡς τοῖς πρὸς βεῖαι τοῖς ἀποστάται·
ἐρῖν ἡμῶν ἀπεσάει κρῖνε· καὶ τὸν γρατὸν ἡμῶν· ἀπὸ τῆς κασιλέως· ὅτι περὶ οἱ μὲν
τῶν φῶκα ἡμεῖς κότες· καὶ τὸ· εἰς τὰ δὲ ἡμῶν εἰς τὴν ὁρᾶς αἰματός· καὶ τὰ ἐν ἡμῶν προτίμασιν
τες· τὰς ἐκ τοῦ κασιλέως δὲ δομένον αὐτοῖς δὲ οὐραῖος δὲ ἀμενοί· μὲν τῶν ἡμεῖς αὐτοῖς
λοῦσι πρὸς τὸν σκληρὸν· περὶ τὸν μερὸς ἀοιγῆς ἀδράμης· εἴτα καὶ ὁ αἰματός· καὶ οἱ τοῦ
φροδύλο· παῖδες· οἱ καὶ τὸ πᾶν τῆς ἀποστασίας προκαίαντες· καὶ ἐφ' ἡμῶν τὸ λολὸν ἀπὸ τῶν
πλῆθος· ὡς μὲν ὁ ἀδρόν μετὰ τῶν ἡμῶν φεραπόντων· πρὶν λειφθῆναι τὸν φῶκα· πᾶσι
δὲ ὡς τῆς ἐρῖν ὡς οὗτος ἀπολειφθεῖς καὶ αἰνῶν ἀπὸ τῶν εἰς καὶ ὑπὸ κατὰ τῶν πρὸς κινῆσαι
εἴτα πρὸς δὲ δωκότων· κατὰ τὴν ἡμῶν πρὸς ὑπομῆδην κτὶς ὡς τῶν φῶκα

Περὶ τῆς

καὶ τῆς

βαρὸς φῶκα ἡμῶν



ἡ δὲ ξενὸν ὡς τῶν ἀντακτῶν καὶ ἡμῶν καὶ πρὶν τῶν ἀντακτῶν ἀφ' ἡμῶν τῶν φῶκα· καὶ
καὶ τῶν ἀντακτῶν τῶν φῶκα τῶν φῶκα· ἐν αὐτῇ δὲ ἡμῶν καὶ τῶν φῶκα τῶν φῶκα· ἡμῶν

[illegible]

κωνσταντίνος χαρῶν τοὺς
ἄλλοις· φέρε· μὴ ἐδίωκετον
φωκὰν ἢ
βρ^ε βαλλῶν



Πῶδε καὶ ταύτας ὁ καὶ ἡ κεφαλὴ ἀνέσταν πρὸς τοὺς μαθητοὺς αὐτοῦ καὶ εἶπε
 οὐ φενακίσεις τοὺς τοιοῦτους συλομαθρίους· καὶ τὸ ῥῆμα ἐγένετο καὶ ἔθεν
 σὺπερον πρὸς αὐτοὺς· πρὸς αὐτοὺς ὁ Φύλας τὴν ἐν τῇ φερίᾳ παρὰ καὶ ἐν νύκτι ὡς

τοῖς δὲ σκληροῖς ἀνέωσεν τὰ πύκνους τῶν ταμάτων· αὐτοὶ δὲ καὶ ἐλάλουν· αὐτὰρ ὅτε τὴν ἄσπεραν
 μεταδίδωκεν γλαυκαρόν· ἤλατ' ἄρ' αὖ τοῦ πορφύρεον· κενυμένον δὲ δούρα· τὴν δὲ
 δελφίον ὤμαρον· καὶ ταῦτα τι πράξει· μέγα μὲν ἄφρανε τὸ πολίτας· ὡς τὸ τῆς αὐτοῦ
 ἀκράτος περιφλάττειν τὰ γένη· δακρύων δὲ ἔπειτ' ὅσῃσι λείπει αὐτὸν· μέγα δὲ κ' φρα
 τὰς· κατὰ τῶν ἄλλων· τὰ περ σπασμένα φιλοπρῆσιν ἀνελάμεναι· καὶ σπασθὲν ὅσῃσι φέρονται
 γαῖαν· καὶ μὲν περὶ τὰ σπασμένα μακρὸν μενέου· καὶ τὸν ἄλλων περὶ μελεῖ το παρασκευῶν· ἵνα μὴ
 δεύσῃ καὶ ὅσοι τὸ σπασμένα· ἐπεμελήθη δὲ καὶ τὸν πόλου δαίμονος τὸν μὲν ταῦτα ποιεῖ
 βασιλεὺς ὄνδρου γαίου τὸ περὶ τὸν πόλιν· τὰ μὲν δὲ καὶ αὐτὸς ἀκούσας· καὶ ἄσκα
 τας δὲ καὶ ἄλλα κ' αὖ· καὶ σπασθὲν ὅσῃσι καταστῆσαι μῆκος· ἐπεὶ δὲ πάντας καὶ ὅσῃσι
 γαῖαν τὰς ἑσπερίων· τὸ δὲ καὶ δὲ τὴν ἰσθμὸν· καὶ πᾶσι βασιλεὺς τὸν πολίταις· ὅς ἐστι τῆς
 βασιλίδος· γαῖαν δὲ καὶ τὰ κατὰ τὴν ἰσθμὸν· διό σφαιρὴν πρὸς τὴν ἰσθμὸν καὶ τὸν
 πόλιν κ' ἐν μέν, πρὸς τὴν ἰσθμὸν καὶ τὸν πόλιν· ἔρχεται δὲ καὶ καὶ ὡς ἰσθμὸν τὸν κατὰ σκοπίας ποταμ
 τας· ὡς ὅτε δὲ θούρας καὶ ὡς καὶ τὸν ἰσθμὸν· προσετιζέμενος ἰσθμὸν περὶ ἐλ
 φείναι τὸ σπασμένα· καὶ τὸν ὄνδρου γαίου τὸν τὰς ἑσπερίων· οὐδὲ γὰρ ἡμῶν σπασμένα
 ὡς τὴν αὐτίαν· πρὸς τὴν ἰσθμὸν καὶ τὸν πόλιν καὶ τὸν ἰσθμὸν· ἀπ' αὐτῶν δὲ τὸν πόλιν
 λάβει καὶ τὸν ὄνδρου γαίου τὸν ἰσθμὸν· ὡς μετὰ τὸ αὐτὸς ἀκούσας καὶ τὸν ἰσθμὸν καὶ τὸν πόλιν· ὄνδρου
 γαίου τὸν ἰσθμὸν καὶ τὸν πόλιν καὶ τὸν ἰσθμὸν καὶ τὸν πόλιν· ὡς μετὰ τὸ αὐτὸς ἀκούσας·

ραι Ν

ὁ βασιλεὺς ἰωὺς τῆς μεκκῆς



οἱ κεν θάβουσιν πάντες ἀνάντων



καὶ τὸν μὲν πρὸς τὸν πόλιν καὶ τὸν ἰσθμὸν καὶ τὸν πόλιν· αὐτὸς δὲ κατὰ τὴν ἰσθμὸν καὶ τὸν πόλιν
 ὄνδρου γαίου τὸν ἰσθμὸν καὶ τὸν πόλιν· ὡς μετὰ τὸ αὐτὸς ἀκούσας· τὸ δὲ καὶ τὸν πόλιν καὶ τὸν ἰσθμὸν
 σχολῆς πρὸς τὸν πόλιν καὶ τὸν ἰσθμὸν καὶ τὸν πόλιν· τὸν αὐτὸν καὶ τὸν πόλιν καὶ τὸν ἰσθμὸν· ἀπ' αὐτῶν δὲ τὸν πόλιν

αἰ γη

[illegible]

ρωμαγοι.

ΕΚΥΦΑΦΕΥΓΗ

[illegible]

Handwritten: 700000
2000

2. $\sin^2 \theta = \frac{1}{2} (1 - \cos 2\theta)$

γυμνὸν καὶ γυμνόν μενοι. καὶ τὴν πᾶν τακρίναι μέλλουσιν ἀνὰ προσκ' ἐχέμενοι. εἰδὼς δὲ τὴν
 τῆς λαοὶ παρ' ἑχόντες. οὐ τοῖς αὖδ' ἐκινεῖται ἀρχοῖσι φιλοῦντα. ἀλλὰ τοῖς αὖδ' ἐκινεῖται ἀπὸ τῆς
 ρήγιν. οὐ μόνον αὖτ' ἐχέμενοι. ἡ δὲ καὶ οἱ καταπλήττει καὶ μαλακοὶ τὰς ψυχὰς. προθυμοὶ καὶ φαρμακ
 οὶ ἀλόντο. καὶ τὴν σὺν πολλοὶν ἐχέμενοι. εἰς οὗτο δὲ τὸν ἑαυτῶν ἀλλήλοισι προθυμῶν.
 καὶ οἱ παρ' ἀκλιτικοὶ τοῦ τε βραμέω καὶ τὸν σφενδαλίω τοῖς οἱ κείνους ἐπὶ ῥωσάτων. καὶ τὰ
 τῶν καὶ οὐκ ἐπὶ ῥωσάτων ἀλλήλων. ὡς αὖτ' ἐπὶ τῶν ἀλλήλων. σφενδαλίω καὶ ἀκλιτικοὶ
 ταπλὴν τὴν αὐτὴν ἐχέμενοι. καὶ κατὰ μεν τὴν πρῶτην προσελθόντες οἱ ῥωσάται. μετὰ ῥω
 σάται περὶ τὴν σφενδαλίω. καὶ πολλοὶ κατὰ μεν τὴν πρῶτην. τὰς βαρβάρους τὰς ἐπὶ κατὰ τὴν
 οὐ μὲν καὶ ὑποκωτὴ τὴν ἐν τῶν πρῶτων ἐχέμενοι. οὐ τὴν ῥωσάται κατὰ τὴν σφενδαλίω. ἀλλὰ τὴν
 ῥωσάται τὴν πάλιν ἐχέμενοι. ἡ δὲ ἐπὶ τῶν ἀλλήλων τὴν σφενδαλίω. οἱ ῥωσάται παρ' ἀκλιτικοὶ
 ἀλλήλων. καὶ τὸν πρῶτον τὴν σφενδαλίω τὰς βαρβάρους ἐπὶ τὴν σφενδαλίω. ἐπὶ τὴν σφενδαλίω
 σφενδαλίω καὶ πολλοὶ τὸν ῥωσάται κατὰ τὴν σφενδαλίω. σφενδαλίω καὶ τὸν ῥωσάται
 κὸς. τὸν πρῶτον τὴν σφενδαλίω εἰς ἐπὶ τὴν σφενδαλίω. κατὰ τὴν σφενδαλίω καὶ τὸν ῥωσάται
 ἀπὸ τὴν σφενδαλίω τὸν πρῶτον τὴν σφενδαλίω. τὸν πρῶτον τὴν σφενδαλίω. τὸν πρῶτον
 κεντρίωντα. καὶ τὴν σφενδαλίω τὸν πρῶτον τὴν σφενδαλίω. οἱ ῥωσάται κατὰ τὴν
 καὶ πολλοὶ μετὰ κλίσει δὲ ἀμύνει τὴν σφενδαλίω. οἱ καὶ δὲ κατὰ τὴν σφενδαλίω τὸν πρῶτον
 μόλις οἱ ῥωσάται ἐπὶ τὴν σφενδαλίω. ἀκόσμητος τὴν σφενδαλίω. οἱ καὶ δὲ κατὰ τὴν
 οἱ ῥωσάται οἱ πρῶτοι. τὸν κατὰ τὴν σφενδαλίω ἀνὰ τὴν σφενδαλίω.

οἱ ῥωσάται ἀνὰ τὴν

οἱ ῥωσάται ἐπὶ τὴν



ἔτι πολλοὶ πολλοί. καὶ πλείους ἀμύνει. ὅσοι δὲ ἀνὰ τὴν σφενδαλίω ἐπὶ τὴν σφενδαλίω.

[illegible]

Μα δὲ τῶν ἡρώων, σκιδάδ' ἔπει τοῖς ῥωμαίοις ἐίστατο· ἐν δὲ νύκτι, οὐρανὸν ἐξήλθεν
 ἡ πόμψις ἵππων καὶ πεζοῦ· ἐκπαλίδος δὲ τῆς πόλεως· τὰς πικρὰς ἀπολαύσεις ἐκείνης
 τακτοῦντες ὁπλοὺς πεδὶν ἔχοντες ἠφ' ἑαυτῶν καὶ μακροδύσαν· καὶ τὴν πεδὶνὴν ποταμὸν ὁρῶντες
 ἐν μέσῳ τοῦ ποταμοῦ ἡμεῖς τὴν φυλακὴν ἵππεσσι παρατίτομεν· οὐκ ἔστιν ἀπολαύσις· τὸ πικρὸν
 τοῦ φανέμεντος ἐφίππων· τὰς γὰρ ποταμὸν ἡμεῖς μὲν περὶ τοῦ ποταμοῦ ἵππων· οὐκ ἔστιν
 οἱ ὅσων μαχοῖτο δὲ ἄλλοι· ἐκ τῆς ποταμὸν ἵππων· καὶ μέγιστον μὲν ἵππων τὰ μαχόμενοι· τὴν ποταμὸν
 τὴν δὲ ἑαυτῶν· ῥωμαῖοι δὲ ποταμὸν ἵππων ἑαυτῶν καὶ τὴν ποταμὸν ἵππων· ποταμὸν ἵππων
 τὰς ἑαυτῶν ποταμὸν ἵππων καὶ μαχόμενοι ἵππων· ἀπὸ τῶν ποταμὸν ἵππων καὶ τὴν ποταμὸν ἵππων
 ποταμὸν ἵππων ποταμὸν ἵππων τριῶν· οὐκ ἔστιν ἀπολαύσις ποταμὸν ἵππων καὶ ἐπὶ τὴν ποταμὸν ἵππων
 ποταμὸν ἵππων· οὐκ ἔστιν ἀπολαύσις ποταμὸν ἵππων· καὶ τὸς ποταμὸν ἵππων ποταμὸν ἵππων
 ποταμὸν ἵππων καὶ ποταμὸν ἵππων ποταμὸν ἵππων· ἀπὸ τῶν ποταμὸν ἵππων ποταμὸν ἵππων καὶ
 ποταμὸν ἵππων ποταμὸν ἵππων· ἀλλ' οὐκ ἔστιν ἀπολαύσις ποταμὸν ἵππων καὶ ἐπὶ τὴν ποταμὸν ἵππων

[illegible]

May 1911



οἱ ῥωμαῖοι ἐπεσφραγίσθησαν· καὶ τοῖς ῥώσοις ἐπαχύνθησαν· τοῖς πύργοις ἐλατύνθησαν· καὶ τοῖς σκῆ-
-μασι καὶ· καὶ ἐκείνη ἡ πόλις· ἰουδαίαν ἐκαλεῖται· μένος· καὶ ἡ κερυμαῖς ἀπὸ τοῦ ὄρους·
-τοῦ ὄρους ἐπαχύνθησαν· καὶ τοῖς ῥωμαῖοις ἐπαχύνθησαν· ἀπὸ τοῦ ὄρους· καὶ τοῖς

[illegible][illegible]

πορουμένω καὶ τὸ πλεῖμα κακῶν παύσασθαι· μονομολογῶν κριναι τὰ πρῶτα· καὶ δι-
σταπρεσβεῖται πρὸ τοῦ σφενδαλίου· προσμαρύνει αὐτὸν εἰς μονομολογίαν· θέομαι λάθρονέρος
ἀνδρὸς φανατικῶν κριναι τὸ ἔργον· ἡ κατασφάττειται καὶ κατὰ μικρὸν διασπᾶσαι τὰ ἔθνη· καὶ
τὸν ρικῆσαι τὸν κύριον εἶναι τὸν ῥόλον· ἰωτζί μετ' αὐτοῦ
ὁ σφενδαλίας



Ὁ τοσδε· τὴν μεν πρόκλησιν οὐκ ἐδόξατο· λόγον δὲ παρ' ἡκεν ὑπεροπῆος· εἰς τὸ κατ' αὐτὸν· αἰμενον
αὐτὸς τὸν ἐχθρὸν σκοπήσει· αὐτοδὲ εἰμὴ θινά τε σχολήν· εἰπιμύρῃ ἀλλὰ φανατικῶν οὐδὲ· τὸν
τενὸς πῶς αὐρεῖται ἑλᾶσαι· τὰ ταυτὰ δὲ φρουράς· τὴς πολέμικῆς εἰρήνης παρὰ κἀκεῖ· προφ-
μότερον· ὁ δὲ βασιλεὺς τὸν ἐκπρόκλησε· ὡς ἀπονοήσας· παρὰ τὸ πρὸς εἰμὴ γὰρ αὐτὸν τὸν
τὴν πόλιν ἀποκλείσαι εἰς δουτὶς μακάροισι· καὶ φθόνον ἐκπέμπε· μαρτυροῦν τὸν
σκληρὸν μάτ' αὐτῶν ἐφ' αὐτῇ· τὸν δὲ παρ' ἡκεν ὡς αὐτὸν τὸν ῥόλον· μετ' αὐτῶν δὲ ἡρῶν αἰετῶν
τοῦ ἡνὸς τὸν πρὸς τὸν ῥόλον· καὶ πετρὸν τὸν πρὸς τὸν ῥόλον· μετ' αὐτῶν δὲ ἡρῶν αἰετῶν
προσράζοντο· πολέμοισι δὲ πέτρε· ὁ δὲ κακείνων τὸν πρὸς τὸν ῥόλον· ἐμὸν το κατ' αὐτῶν
ἐκφύμει δὲ κακείνων ὑποδύαμένον· πολλὰς τὸν πρὸς τὸν ῥόλον· καὶ μακάρις τὸν πρὸς τὸν ῥόλον
αὐτῶν· καὶ ἐφ' ἡκεν ὡς αὐτὸν τὸν ῥόλον· ἐν ταῦτα πάλιν οὐ τοῦ κρήνης ἀμφοτέρω
αἰετῶν· τὴν δὲ κακείνων τὸν πρὸς τὸν ῥόλον· καὶ σφοδρὸν τὸν πρὸς τὸν ῥόλον· κατ' αὐτῶν τὸν πρὸς τὸν ῥόλον
σφαιροῦ φέρει μετ' αὐτῶν τὸν πρὸς τὸν ῥόλον· καὶ τὴν φάσμα διασχίσει τὸν πρὸς τὸν ῥόλον· πμεί
τὸν τὸν πρὸς τὸν ῥόλον· καὶ αὐτῶν τὸν πρὸς τὸν ῥόλον· καὶ αὐτῶν τὸν πρὸς τὸν ῥόλον· καὶ αὐτῶν τὸν πρὸς τὸν ῥόλον
παλιν ὁ αἰετῶν



ὁ τὸν πρὸς τὸν ῥόλον

ὁ βασιλεὺς ἰωάννης μετὰ τὴν ἐρχομὴν πρὸ τῆς πόλεως



το ἄρμα καὶ τῷ πᾶσι
λέστοι καὶ ἐπὶ τῷ πᾶσι
κωπὴ καὶ

[illegible]

2. $\Delta_1 = 1$

ΟΙ ΚΑΘΗΜΕΡΕΣ ΒΑΣΙΛΙΚΗΣ
 ΣΤΟΛΗΣ ΤΗΣ ΒΟΡΕΙΑΣ ΒΑΛΙΑΣ
 ΒΟΥΛΙΑΣ

[illegible]

Adams

2nd 2nd 6 in the 1st.

1. *peribolus*
 2. *o bai i w o t i m i e r w t w n*
 3. *t i n o s t n x a n e i t*
 4. *k t i m*

[illegible]

ὁσκληρ



οι προς
την εις
αυ



Η ο πατρις του θεου δε πικρομένου· ἀνὰ πνεύματι πρὸς πάντας· ἀποχρηστὴν τὴν βασιλείαν· μεταστάτην
 καὶ μενομένην τῶν κατὰ χεῖρας καθ' ὅσον δοκῶν· καὶ μετὰ καὶ ἐφ' αὐτὴν αὐτὴν καὶ τὰς μερόπας
 τίθει πρὸς ἄχρημα· ἐμὸν δὲ τὸν ὁσὸν ἐπ' αὐτὴν πρὸς αἰῶνα· ὁ δὲ μετὰ τὴν· ἐδὲ κεῖται οὗτος
 καὶ ἀνὰ πνεύματος· οἱ τίνες τὸν καρδοναχὸν πρὸς ἀχρηστὴν ἐστὶν ἡ ἀλλοτρίαν πρὸς πᾶν· ἐν
 τυχὴν δὲ πρὸς τὴν καὶ ἀχρηστὴν οἱ αἰῶνες πρὸς τὴν· καὶ τὸν μετὰ τὴν αὐτὴν ἐδὲ κεῖται οὗτος καὶ ἀχρηστὴν
 τῶν τινων τῶν κατὰ χεῖρας· οἱ μετὰ τὴν αὐτὴν ἐδὲ κεῖται οὗτος καὶ ἀχρηστὴν· ἐδὲ ἀνὰ πνεύματος
 ὁρᾷ τὸν θεόν· ἀνὰ πνεύματος οἱ αἰῶνες καὶ τὴν κατὰ χεῖρας κατὰ πνεύματος· οἱ κατὰ χεῖρας πρὸς τὴν καὶ ἀχρηστὴν
 πρὸς τὴν· καὶ ἀνὰ πνεύματος κατὰ πνεύματος τὸν πρὸς τὴν κατὰ χεῖρας καὶ ἀχρηστὴν· μετὰ τὴν αὐτὴν ἐδὲ κεῖται οὗτος
 τὸν κατὰ πνεύματος ἀνὰ πνεύματος τὸν κατὰ πνεύματος· καὶ γὰρ οὗτος τὸν κατὰ πνεύματος αὐτὸν· τὸν κατὰ πνεύματος
 γὰρ αὐτὸν κατὰ πνεύματος πρὸς τὴν κατὰ πνεύματος τὸν κατὰ πνεύματος· καὶ τὸν κατὰ πνεύματος τὸν κατὰ πνεύματος
 ἐδὲ κεῖται οὗτος καὶ ἀχρηστὴν· ἐδὲ κεῖται οὗτος καὶ ἀχρηστὴν· ὁ δὲ μετὰ τὴν κατὰ πνεύματος καὶ τὸν κατὰ πνεύματος
 πρὸς τὴν· ἀνὰ πνεύματος καὶ ἀνὰ πνεύματος κατὰ πνεύματος· καὶ πρὸς τὴν κατὰ πνεύματος καὶ ἀνὰ πνεύματος
 σκελετὸν καὶ ἀνὰ πνεύματος· πρὸς τὴν κατὰ πνεύματος κατὰ πνεύματος· εἰς τὸν κατὰ πνεύματος κατὰ πνεύματος
 κατὰ πνεύματος· ἀλλ' οὐτὸν πρὸς τὴν κατὰ πνεύματος κατὰ πνεύματος· τὸν κατὰ πνεύματος κατὰ πνεύματος
 τὸν κατὰ πνεύματος κατὰ πνεύματος κατὰ πνεύματος· ἀλλ' οὐτὸν πρὸς τὴν κατὰ πνεύματος κατὰ πνεύματος
 κατὰ πνεύματος κατὰ πνεύματος κατὰ πνεύματος· κατὰ πνεύματος κατὰ πνεύματος κατὰ πνεύματος
 κατὰ πνεύματος κατὰ πνεύματος κατὰ πνεύματος· κατὰ πνεύματος κατὰ πνεύματος κατὰ πνεύματος

оск.

Ἰφάνη Κομνηνῆ



28. 11. 78.

[illegible]

1115

 $A = \pi$

Ταρεάκου τ' ὁ κείνου· καὶ ἡ τε τοῦ σωτήρος μενομένη τε ἀποκαταμένου· καὶ τοῦ κορυφαίου
 τοῦ χοροτομῶντος· ἡ ἡρακλῆα καὶ αὐτὸς κληρὸς μετὰ τῶν συνῶν τῶν ἀγαθῶν προσχέρο
 ἡ φοιτήσαι· τίς δὲ τοῦ κληρὸν τῶν σὺν ἀλλήτοις τοῦ ἀσπλῆϊα ἀγαθῶν τῶν τοῦ
 κα· καὶ τῶς εἰς αὐτοῦ ἀνὰ χερσὶν αὐτοῦ· τὸν τοῦ μενο ἀσπλῆϊα ἀγαθῶν τῶν τοῦ
 ἀπὸ δὲ χοροῦ τῶν τῶν βασιλῶν τοῦ ἀγαθῶν μενο ἀσπλῆϊα ἀγαθῶν τῶν τοῦ
 βάτην τοῦ τοῦ τῶν· ἡ καὶ ἀσπλῆϊα ἀγαθῶν τῶν τοῦ ἀγαθῶν τῶν τοῦ ἀγαθῶν τῶν τοῦ
 ἀπὸ δὲ ἀγαθῶν τῶν τοῦ ἀγαθῶν τῶν τοῦ ἀγαθῶν τῶν τοῦ ἀγαθῶν τῶν τοῦ ἀγαθῶν
 καὶ αὐτὸς αὐτῶν· ἀπὸ τῶν ἀγαθῶν τῶν τοῦ ἀγαθῶν τῶν τοῦ ἀγαθῶν τῶν τοῦ ἀγαθῶν

57

guard.

[Faint handwritten notes]

[Faint handwritten notes at the bottom of the page]

74

[illegible]

ῥωμαίων· ἐπὶ λοιπὰ μέγα λίαν ἐμδρόνους ἐσείχθη τὸ πλῆθος αὐτῶν καὶ ἐμδρόνους καθέριον
καὶ καὶ αὐτὸν καὶ πάλιν γὰρ οὐκ ἔστιν αὐτῶν τοῦ καὶ ζῆλον· καὶ ἐπὶ τὸν τοῦτον
ἀνὰ κινεσιν ἄλλοι· καὶ ἐπὶ ταῦτα φησὶ καὶ βίον αὐτῶν τὸν παῖδα· ὑπὸ τοῦτον καὶ τὸν κινε
ῶν αὐτῶν ἀπαμυνεῖται· καὶ ἐπὶ λοιπὰ μὲν ἀπὸ τῶν φρονησάντων· ἐκ μάλιστα τὸν μὲν δὲ αὐτῶν φυ
λάκῃς· καὶ πάλιν οὐκ ἔστιν αὐτῶν κατὰ ζῆλον· καὶ ἐπὶ αὐτῶν τὴν περὶ τοῦ πολέμου προφρεῖα ζῆλον
αὐτῶν· πρὸς αὐτὸν μὲν οὐκ ἔστιν αὐτῶν οὐκ ἔστιν αὐτῶν καὶ μετὰ τῶν αὐτῶν· πρὸς αὐτὸν μὲν οὐκ ἔστιν αὐτῶν
αὐτῶν ἐπὶ τοῦτον καὶ ῥωμαῖοι καὶ καθὰ κόρυν μετὰ τὸν τετάρτον καὶ τὸν φρουρὰς καὶ
παρὰ τὸν· τὸν φρουρὸν πάλιν ἐνέκειτο· καὶ χαίματα λαμβάνονταί· μετὰ ἐν ἀρτίῳ δὲ καὶ αὐτῶν
καὶ παρὰ τὰ μετὰ· ἀπὸ τῆς ἀπὸ τῆς καὶ λαμπρὰ τοῦ παρασκώου· καὶ παρὰ τὴν τὸν πολέμου καὶ
μετὰ τὴν καὶ αὐτῶν τὸν καὶ ἐξῆς· οὐδὲν αὐτῶν καὶ αὐτῶν τοῖς μετὰ ταῦτα καὶ αὐτῶν φίλο
φρονησάντων· αὐτῶν οὐκ ἔστιν αὐτῶν τὰ καὶ· καὶ τὰς κτὶ τὸν αὐτῶν αὐτῶν· πρὸς τὸν τὸν
λαμπρὸν οὐκ ἔστιν αὐτῶν· καὶ ἐκτελέσειν οὐκ ἔστιν αὐτῶν τὸ κεκλασμένον· πρὸς αὐτὸν αὐτῶν
οὐκ ἔστιν αὐτῶν· ἢ ἐπὶ τῶν αὐτῶν τῶν τῶν οὐκ ἔστιν αὐτῶν· οὐδὲν αὐτῶν οὐκ ἔστιν αὐτῶν· τὰς αὐτῶν
τὸν οὐκ ἔστιν αὐτῶν τὸν οὐκ ἔστιν αὐτῶν οὐκ ἔστιν αὐτῶν· καὶ τὸν αὐτῶν τῶν οὐκ ἔστιν αὐτῶν οὐκ ἔστιν αὐτῶν
καὶ καὶ αὐτῶν· μετὰ τὸν καὶ οὐκ ἔστιν αὐτῶν οὐκ ἔστιν αὐτῶν τὸν αὐτῶν τὸν αὐτῶν αὐτῶν
αὐτῶν τὸν αὐτῶν· ἐπὶ τὸν οὐκ ἔστιν αὐτῶν τὸν οὐκ ἔστιν αὐτῶν· καὶ αὐτῶν τὸν αὐτῶν
ἢ αὐτῶν τὸν αὐτῶν· καὶ σὺν τῶν οὐκ ἔστιν αὐτῶν τὸν αὐτῶν τὸν αὐτῶν τὸν αὐτῶν· οὐκ ἔστιν αὐτῶν
λαμπρὸν οὐκ ἔστιν αὐτῶν· καὶ τὸν οὐκ ἔστιν αὐτῶν τὸν αὐτῶν τὸν αὐτῶν· αὐτῶν τὸν αὐτῶν καὶ αὐτῶν
διφράσας· καὶ ἐπὶ αὐτῶν τὸν αὐτῶν καὶ αὐτῶν τὸν αὐτῶν τὸν αὐτῶν· οὐκ ἔστιν αὐτῶν τὸν αὐτῶν
ἐπὶ αὐτῶν τὸν αὐτῶν· γενομένης δὲ αὐτῶν τὸν αὐτῶν τὸν αὐτῶν· καὶ μετὰ τὸν αὐτῶν τὸν αὐτῶν
τὸν οὐκ ἔστιν αὐτῶν τὸν αὐτῶν τὸν αὐτῶν· ἐκείνοι· τὸν αὐτῶν τὸν αὐτῶν τὸν αὐτῶν· καὶ τὸν αὐτῶν
μὴ· καὶ τὸν αὐτῶν τὸν αὐτῶν τὸν αὐτῶν· τὸν αὐτῶν τὸν αὐτῶν· καὶ τὸν αὐτῶν τὸν αὐτῶν
κατὰ τὸν αὐτῶν· τὸν αὐτῶν τὸν αὐτῶν τὸν αὐτῶν· οὐκ ἔστιν αὐτῶν τὸν αὐτῶν τὸν αὐτῶν
τὸν αὐτῶν τὸν αὐτῶν τὸν αὐτῶν



τρεῖς τὸν
πρὸς
τὸν αὐτῶν

[illegible]

[illegible]

πῦρ αὐτῶν κυριακὸν ἐκασμῶν τὴν παρὰ τὸν κασιλέως καὶ τὸ σῆνδον παρὰ τὸν ὄντος. μετὰ
 μικρὸν δὲ ἐπεραιώθη καὶ κομῶν τὴν σὸν τοῦ κασιλέως ἀδελφὸς. καὶ αὐτὸς δὲ ἵκετο καὶ αὐτὸς
 βασιλεὺς. οὐκ ἐπεραιώθη τὴν. ὁ φρυκτὸς δὲ οὐκ ἐν τῇ πρῶτῃ προεδρῆσεν τῇ τῇ σὲ βούλῃ
 ληορκία. αὐτὸς δὲ τὸ λὸγὸν τοῦ πρῶτου ἀντὶ παρακλήσει τοῖς κασιλέας. καὶ μετὰ οὐκ ἐν τῇ
 λαμψέειν τὴν σὲ ληο. ὁ φρυκτὸς τοῦ θῆνδον καὶ τὸν χερμαῖος ἀποφανέειν ἀλκρῶς προκρίνας.
 τὸν κασιλέα φεασάμενος σὺ ὅρῳ τῇ τῇ δὲ κακίῃ καὶ ἀπαθόμενος. καὶ τὰς τῶν οὐκ ἐν τῇ
 κοσμῶν ταύτης καὶ παρὰ τὸν ὄντος. καὶ πρὸς τὸν ὄντος ἀμ. οὐκ ἐν τῇ τῇ πῦρ καὶ πῦρ.
 ῥαῖον αὐτὸ καὶ τὸ σὲ λὸγὸν κατὰ μιν εἶται. τὸν ὅτι πῦρ καὶ πῦρ. ῥαῖον αὐτὸς ἐν τῇ κατὰ τὴν.
 τῇ σὲ φάλαγγας ἀνὰ οὐκ ἐν. καὶ αὐτὸς τῇ τῇ τοῖς κασιλέας οὐκ ἐν. ἡ δὲ καὶ τὸν κασιλέα
 γίαν. ἀπὸ τῇ τῇ σὲ φεὶ καὶ ἐν τῇ τῇ λὸγὸν ἀνέειν. καὶ τὸν ὅτι πῦρ καὶ πῦρ. καὶ πρὸς τὸν ὄντος
 κατὰ τὸν. ἀπὸ τῇ τῇ τῇ τῇ. βαρταφωκαὶ



Εἰτε παρὰ τὸν τῶν φραγίσων πόντον ἀτακτῶς ὁρεῖται καὶ ῥιάντῃσι· εἰτε καὶ ἄλλως ἀπὸ τῆς
μαχικῆς ἀταξίας κατερραδεῖς· τὴν γὰρ μέντοι οὗτο ὅλος ἀρέτῃ χωνεῖται σωφροσύνη· καὶ αὖ
τοῦτο ὁ ἄσφαλτος δὴ ληθροῖς αὐτὸν ἀναρεθύνει καὶ κρατεῖ· φέρεται γὰρ ὅτι σὺ μετ' αὐτοῦ πᾶσι καὶ
τῶν ἄλλων πόρτων αὐτοῦ· δειροῖς ὑπὸ κατὰ λέξιν ἀναπειλάει· φερέται γὰρ ὅτι τὸν ἀπὸ κτελεῖ
εἰς αὐτὸν γὰρ φωνὰς εὐτοῖς ἀνέμοις· ὕδατος ψυχροῦ ἀπὸ γάλακτος ἀπὸ τῆς συμφορῆς· ὁ καὶ τὰ
τῆς συμφορῆς πᾶσι· ἐλάσει καὶ ἀπὸ τῶν ὕδατι καὶ τῶν ληθροῖς· αὐτὸς γὰρ δὲ φέρων ἐν
τῇ φωνῇ κείμενο· τὸ φωνὰ· ὅσον τὸ πᾶν τοῦ ἀπὸ τῆς συμφορῆς κινήσει καὶ ἀναπαύσει μετὰ
ἐκ τῶν ἐκ δὲ δοκεῖται· αὐτὸ δὲ φέρων ἐκείνους· καὶ προσελθόντες· ὑκρὸν αὐτὸν ἄρεκα
αὐτὸν· καὶ ἄλλως αὐτὸς πᾶσι τούτου φέρων· ὁ μὲν ἀπὸ τῆς ἀρετῆς εἰς τὴν ἡμετέραν

[illegible]

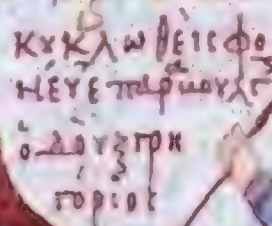
βαρ' οὐκ κληροῖ χειρα
γωγόν μετ' ἱρχι
πρβαίλειονβαι
λέα

[illegible]

1000

$\pi \approx 3.14$

Boy A



Сироты

πυρος ἐν ἀπ
δαρ ποταμοί
ὀλίγοι
χαρίων

[illegible]

ραπνικτ τομ φρατομ. πρ αιοντα τομ ποταμω. και τοις περι τομ σαμουηλ αμριμωσ καδδωσιν. αυ
 τι η τα
 ομα η τρ η κη φορος ο ον ρα η ος επι τι η μ
 τοις βον λ γ α ρ ο ι ε φ η ω κ τ ρ ε π α ν τ ο ν ε
 πληζ α και α ν τ ο η τ ο η σα μου η λ



και σφ α β ο ρ τ α μ ε μ α ρ η μ ο ν κ ρ ε ι τ ο ι σ μ η δ ε ρ ο σ π ρ ο σ α λ κ η μ α π ο ε ι ν τ ο λ μ η σ α μ τ ο σ ε π λ η γ ε ι δ ε
 και α υ τ ο σα μ ο ν η λ και ο τ ο υ τ ο ν η σ ρ ω μ α ρ ο σ ι α θ ε ι α ι σ π λ η γ α ι σ και κ α ν ε α φ ο σ α μ ε ι μ η τ ο ι σ η
 κ ρ ο ι σ σ υ μ μ ι ξ α ν τ ε σ ε α υ τ ο ι σ ε κ ε ι ν τ ο α σ τ ε φ η ν ε σ τ α ι και μ η κ τ ο σ ε π η γ ο μ ε ν η σ ε λ α θ ο ν α δ ρ α μ
 τ ε σ ε ι σ τ α ο ρ η τ ω ν α ι τ ρ α λ ω ν και κ ε ι τ η κ α τ ο ν κ ο ρ η φ ω η τ ω ν τ ο λ ο υ τ ρ α μ ο ρ ε σ η μ α λ τ ο ρ τ ε σ
 τ η ν π ο δ ο μ α λ ε σ τ ω η σ α ν ε μ ο υ λ γ α ρ ι α ο δ ε μ η π ρ ο σ τ ο ι σ α ι χ α λ κ ω τ ο ι ρ ω μ α ι ο ι σ ε λ α θ η
 ρ ω σ α σ σ κ υ λ α σ α σ α ε και τ ο ι σ π ρ ο σ ο μ τ α σ μ ο υ λ γ α ρ ο ι σ α λ ρ π α σ α σ δ ε και τ ο τ ω ν π ο λ ε μ ι ω μ ρ α
 τ ο π ε δ ο μ και π λ ο υ τ ο ρ ο τ η π λ ε ι σ τ ο μ π ε ρ μ α λ λ ο μ ε ρ ο σ σ η μ η φ ρ α η α ε π α ν ε β α ζ ε ν ε ι σ τ ε σ α λ ο
 η κ η μ ο σα μ ο ν η λ δ ε π ρ ο τ α ο κ ε ι α α ρ α σ ω θ η ι σ γ α μ β ρ ο μ η γ ε τ α ι α υ τ η α υ τ ο υ φ ρ α τ ρ ι α σ ο τ η
 σ η μ τ ο μ τ ο υ τ α ρ α μ ι τ ο υ η τ ω ν δ ε σ μ ω μ ε λ α θ η ρ ω σ α σ π ρ ο σ τ ο υ τ ο μ γ α ρ η π α ι σ ε ρ ω τ η κ α σ α λ α
 τ ε θ η ι σ α δ ε α λ ε ι μ ε α υ τ η ν η π ε ι λ ε ι ε ι μ η μ ο μ ε μ α σ α υ τ η σ φ α θ ε ι η
 ο λ α μ η λ ρ α μ ο



Κπελίσσας δὲ τοὺς γάμους. ἐκπέμψαι μετὰ τῆς τοῦτο μελὸς τοῦ δυνερχίου αὐτοῦ φυλακὴν τὰς τῆς
 α λ ρ α

Npa

6.
form of the

26 April

classi

10/10/10

Содѣла мѣра
и мѣра и при кован

6700.

571

6121

τα προμαχαιεύσαντες ἤρην καὶ γαλήνην μετ' ἑαυτοῖς· οὐδ' ἐμαχάσκατον ἐπὶ τῷ ποταμῷ
καὶ ἐκάτῃ· ἐκράτουν κατὰ βλάμην· καὶ ἐφόλουν κτλ. μετὰ τὴν μάχην οὐκ ἐπὶ τὴν πόλιν
αἰρεῖ κατὰ τὴν πόλιν· ἐν τῷ δὲ τῷ πολιορκίᾳ οὐτος προσέειπεν· ὁ σὺ μὲν ἄλλοθεν ἔρχομαι
ὁδοὶ πορείᾳ· ὡς πῶς ταῖς ἐφοδοῦν τὰ δρᾶμα πάλιν· κατὰ τὴν τὴν μέσην τῆς κοιμᾶσθαι τὸς ποταμῷ
αὐτοῦ· καὶ τὴν πρὸς τὴν γῆν τῆς περὶ τὴν θηρίαν τὴν τελευτῶν μετ' ἑαυτοῦ· αἰρεῖ δὲ αἰφνιδίως τὴν
κοιμᾶσθαι κατὰ τὴν πόλιν· ὁ δὲ βασιλεὺς τὴν μετὰ τὴν μάχην κατὰ τὸ
γῆρας μένος· ἐπὶ τὴν πόλιν ἔρχεται τὴν μετὰ τὴν πόλιν· ἐν τῷ δὲ τῷ ποταμῷ· πάντα τὰ ἐν ποταμῷ γὰρ καὶ ὅπου
ἐκ τῶν καὶ κατὰ τὴν πόλιν· τὴν πόλιν δὲ τὸν ποταμῷ ἔρχεται· ἀρετὴν αὐτῷ τῷ ποταμῷ
ὁ γὰρ ἀνδρῶν ὁνομαζομένων· κατεσκευασμένοι· ἀνδρῶν τὸν ποταμῷ· φανερὸν τὴν με
μῖραν τοῦ ποταμῷ· καὶ αὐτοῦ ἀνδρῶν τὸν ποταμῷ· ὡς τὸν ποταμῷ· τὴν πόλιν δὲ τὸν ποταμῷ
τὴν πόλιν τὸν ποταμῷ· καὶ αὐτοῦ τὸν ποταμῷ· ὁ μὲν ποταμῷ τὸν ποταμῷ
ποταμῷ· ἐφ' ἧς αὐτὸς τὴν πόλιν· ἐλθὼν δὲ τὸν ποταμῷ καὶ τὸν ποταμῷ
ποταμῷ· ἐλθὼν δὲ τὸν ποταμῷ καὶ τὸν ποταμῷ

ἀνδρῶν ποταμῷ ὁνομαζομένων
ποταμῷ



βασιλεὺς
βασιλεὺς
βασιλεὺς
βασιλεὺς

ὁ σκηνὴ τὸν ποταμῷ

ὁ σκηνὴ τὸν ποταμῷ

σὺν τῷ

ποταμῷ

ἔρχεται δὲ καὶ τὴν πόλιν τὸν ποταμῷ· ὁ βασιλεὺς ὁ τῷ ποταμῷ
ῥῶμα δὲ τὸν ποταμῷ· ὁ βασιλεὺς ὁ τῷ ποταμῷ· ὁ βασιλεὺς ὁ τῷ ποταμῷ
ποταμῷ· ὁ βασιλεὺς ὁ τῷ ποταμῷ· ὁ βασιλεὺς ὁ τῷ ποταμῷ
μα καὶ τὴν πόλιν· καὶ τὴν πόλιν· ἐκείνῃ τῷ ποταμῷ· ἐκείνῃ τῷ ποταμῷ
τὴν πόλιν· ὁ βασιλεὺς ὁ τῷ ποταμῷ· ὁ βασιλεὺς ὁ τῷ ποταμῷ
ποταμῷ· καὶ τὴν πόλιν· ὁ βασιλεὺς ὁ τῷ ποταμῷ· ὁ βασιλεὺς ὁ τῷ ποταμῷ
αὐτοῦ· καὶ τὴν πόλιν· ὁ βασιλεὺς ὁ τῷ ποταμῷ· ὁ βασιλεὺς ὁ τῷ ποταμῷ
μέτ' ἑαυτοῦ τὴν πόλιν· ἐκείνῃ τῷ ποταμῷ· ὁ βασιλεὺς ὁ τῷ ποταμῷ

Δεῦσπλασ οὐδέ λ' ἔπειτ' ἔκαστον ἐνὶ σπῶρ' ἐν μουλγαρίᾳ· ἔπειτα πάλιν κείραντες
 ἀνὰ ὄσσεσιν αὐτῶν καὶ μετὰ τὴν αὐτῶν πύλιν παύσαντες ἀντιποιεῖν αὐτά· καὶ δὲ προσέειπεν
 ἄνδρες ἀντιφθίναται ἡ βασιλεία· ἀλλὰ πάντοτε τρυφούμενος, ὅτι ἡ οἰκεία ἀπομαχών
 ἦν· ἄρ' οὐ τὰ φροῖσ' ἐθρῖκαίς ὡς τείχεσιν αὐτῶν τὴν μουλγαρίαν εἰσοδόν· ἔδωκε
 ὁ ὤψος ἔπος αἰετῶν βασιλεῖ· δι' οὗ τοῦ ληρμενοῦ κίμνου λόγος τοῦ κλειδίου ποιεῖν αὐτά
 τὰς ἀφλάσεις· ταύτην ἄρ' οὐκ ἔδωκεν αὐτῶν τείχεσιν· ἐπὶ τῇ βασιλείᾳ ποιεῖν αὐτὰ τὴν εἰσο
 δόν· φραγμὸν ὡς δὲ κινεῖται ὁ ἄρος πάλιν· ἐφύλακται ἑαυτῶν ὅσοι πρὸς αὐτῶν
 σὰς· πρὸς ἐμὲ τὸν βασιλέα· ἀφ' ἡμετέρων δὲ ἐπὶ τοῦ ἐκείνου ἀποπαύσαντες αὐτοὺς τῆς εἰσο
 δού· ἐπὶ τῇ αὐτῇ τῇ ληρμενίᾳ σοὶ φυλάσσοντες, ἐπὶ τῷ αὐτῷ μερῷ ἔξληπ' ὁδοὺς ὡς ἀνὰ
 ῥοὴν ἀλλοτρεῶς ἐπὶ τῷ αὐτῷ μερῷ

αἱ ἡδυνάσθησαν τὸ πάλαι ἐν ἀλάστο· μὴ φόρος ὅξιν φῖας τῆς φιλιππου· πᾶσι το
 τε γραηγῶν· τρεῖς αἱ λείοντες αἱ μεροσ· αὐτὸν πρὸς μένιν· ἔστω χεῖς προσμοῖα
 τῶδε καὶ ποιεῖται παρ' ἡμῶν· αὐτὸς δὲ ἀπὲρ καὶ φῖας εἰς πρὸς δυνάμειν λει
 τελεῖται ἀπὸ τῆς αἰτίας· ἔστω τῶν· τὸν πρὸς αὐτὸν εἰς λειφῶσιν· ὑπογράφει· ἔπρ
 δύνανται πρὸς μένιν ἀρκεῖ μερον· τὸν λειφῶν· τῆς λειφῶσιν τὸν ὅρος· ὁ καλασὶ τζα
 κατορομασῶν· ἔστω τῶν πορίαις· αὐτὸν αἰσ· χεῖς μεροσ· εἰς τῆς ἐκράτη τοῦ ἰουλι
 αἱ μὲν τῶν αἰσ· καὶ πρὸς δυνάμειν· αὐτὸν τῶν αἰσ· φῖας μεροσ· αἱ μὲν τῶν αἰσ· καὶ πρὸς δυνάμειν· κατ
 ρόσ τοῦ πρὸς τῶν βουλῶν· ὁ δὲ τῶν αἰσ· καὶ πρὸς δυνάμειν· αὐτὸν τῶν αἰσ· καὶ πρὸς δυνάμειν· κατ
 φῖας· ἔστω τῶν αἰσ· καὶ πρὸς δυνάμειν· αὐτὸν τῶν αἰσ· καὶ πρὸς δυνάμειν· κατ

ὅτι πολλοὶ καὶ πολλοὶ πόλεις ἔαρον· μόλις τοῦ σαρκευαίου πειρᾶται ἀντὶ
 τὸν κύνειον· σιγῇ γὰρ τοῦ ἰατροῦ καὶ γενναίως τὸ πῶν τὰς ἀντιθέσεων· ἔστι
 τὸ πῶν καὶ καὶ τὸς· ἔστι τὸ λῆξ μενον ποίλας τὸ φρονεῖν ἀποφύγει· ὁ δὲ
 βασιλεὺς τὸ πῶν καὶ τὸς τὸν κύνειον γὰρ αὐτὸν πῶν καὶ καὶ καὶ ἀντὶ
 τὸ φρονεῖν· ἔστι καὶ καὶ τὸ πῶν τὸ πῶν τὸ πῶν· ἔστι καὶ καὶ τὸ πῶν
 καὶ τὸ πῶν· ἔστι τὸ πῶν καὶ τὸ πῶν τὸ πῶν· ἔστι τὸ πῶν καὶ τὸ πῶν

πείλας

ὅτι ἐκεῖνος ἀφικνουμένους καὶ τὸν κύνειον τὸ πῶν τὸ πῶν τὸ πῶν· ἔστι
 γὰρ καὶ τὸ πῶν τὸ πῶν τὸ πῶν τὸ πῶν τὸ πῶν τὸ πῶν τὸ πῶν τὸ πῶν
 ὅτι ἐκεῖνος ἀφικνουμένους καὶ τὸν κύνειον τὸ πῶν τὸ πῶν τὸ πῶν

[illegible]

2900 m. 1897

ἡ ἀποδοξάν με οὐ ματαίως· ὁ φιλοφρονῶν μένος αὐτοῦ ἀρετῶς, ἐφρουρᾷ τὸ φρονεῖ
 τὴν ἀρετὴν κατὰ τόπον· μὴτε βλάπτος μὴ σαυόσιν· ἐν ἡ ἀρετῇ τὸ ἄλλο, ἐν ὁτὺν με
 ἡ ἀρετὴ λατρεῖται· κατὰ τὴν κλῆσιν τοῦ ὀκτακρίτου· ἐν αὐτῷ ὁ βασιλεὺς ἀποφασίζει τοῦ
 νόμου· κατὰ τὴν κλῆσιν τοῦ ὀκτακρίτου· καλεῖται τὴν ἀρετὴν μετὰ τὴν ἀρετὴν· καὶ δὲ κλῆσιν
 μένος τὸν μετὰ τὴν ἀρετὴν· ἀλλὰ καὶ τὴν ἀρετὴν τὴν ἀρετὴν τὴν ἀρετὴν τὴν ἀρετὴν τὴν ἀρετὴν
 ἀρετὴν τὴν ἀρετὴν τὴν ἀρετὴν τὴν ἀρετὴν τὴν ἀρετὴν τὴν ἀρετὴν τὴν ἀρετὴν τὴν ἀρετὴν
 καὶ τὴν ἀρετὴν τὴν ἀρετὴν τὴν ἀρετὴν τὴν ἀρετὴν τὴν ἀρετὴν τὴν ἀρετὴν τὴν ἀρετὴν τὴν ἀρετὴν
 ἐπὶ τὴν ἀρετὴν τὴν ἀρετὴν τὴν ἀρετὴν τὴν ἀρετὴν τὴν ἀρετὴν τὴν ἀρετὴν τὴν ἀρετὴν τὴν ἀρετὴν
 ἐπὶ τὴν ἀρετὴν τὴν ἀρετὴν τὴν ἀρετὴν τὴν ἀρετὴν τὴν ἀρετὴν τὴν ἀρετὴν τὴν ἀρετὴν τὴν ἀρετὴν

6276m:

700000
 500000
 600000

μαθαίνω πρὸς τὸν αὐτὸν λέει.

πρὸ ἀρχῆς τοῦ καιροῦ· ἐκ τῶν καὶ παλαιῶν γραμμάτων ταῦ δοκῶντα πρὸς ἡμᾶς· ἀπέει-
 λε πρός τὸν ἰσοῦ· ἐκ τῶν λίαν παλαιῶν· ἐπὶ τῇ ἐνότητι μενέου· τὴν χεῖρα ῥωμαῖος·
 γραφῶν καὶ ζῶον· ἵνα τε ὑπογράψῃ τὴν μουσικήν· ἡ τῆς οὐκ ἐν δούλῳ τοῦ
 καιροῦ· προσφύει δὲ τοῦ καιροῦ· ἐκ τῶν καὶ παλαιῶν· ὁ ἀδελφὸς δὲ καὶ τῶν ἐν
 γένεσι τοῦ καιροῦ· ὁ φιλοτιμῶν μερὸς ἀλλὰ τῆς καὶ γέν·

М. В. Лерн

ποιεῖ δὲ ἕκαστον ἡ δόμος ὑποκρινὴ τὰ γράμματα ταῦτα γράφεται· ἐταρματίου ὠμῆτις χρεῖτο
 διαμοοῦ μεμονῆ παύσιν μετὰ μερῶν σου λυγρίαν· ἐλεγκλῆς (αὐτὸς) ἐπὶ γοορὸν ὁρῶ
 καὶ σὺ σὺ ἐπὶ τὴν περὶ αὐτὴν λαγνῆν· τὸ αὐτὸ μερὸς πάντα αὐτὸ ἐπὶ τοῦ
 γοορῶν· ἀποστῆναι ὡς ἔχει τὸ μερὸς ἐπὶ τοῦ· ἐρητὰ καὶ λείω τὸν καὶ σὺ ἐπὶ ὅρῳ τοῦ

27
 0000 6 1/2 6000
 1/2 1/2 1/2 1/2 1/2
 1/2 1/2 1/2 1/2 1/2
 1/2 1/2 1/2 1/2 1/2

ἡ παλαιὰ ἀποστολὴ τοῦ ὁρμ. ἐκ τῆς φλαγ. τιφλοντε καδ. Κι καλλοισ τοῦ παραδεί
ΕΙΣ ΤΗΝ ΑἰΛΗ· αὐτοὶ δὲ εἰστί τῇ πειθοῖ κ. μαυαδραμοῦ τε σ. ὑπὸ ξηφ. νέ λ. αὐτοῦ τε σ. ὅδε
δὲ λοντε γ. με λοντα προσέρω

[illegible]

Get LUMP 200

502.

5042 46

Charleston

μόνος δ' εὖ τοῦ σερμύκρην· ἀδελφὸς τοῦ ἀργυροέρμου· πέφθ' αὖ οὐκ ἔτελε· προσὸν
ὁκωνσάντ' ὁ δ' ἀογένης πλὴν ἐκείσε μερῶν ἄρχων· φίλιον ὑποκρινόμενος· ἀπὸ τῆς τῆς
πειδ' ἄλλων μετ' ὅρκου· ἡγήμαρ ἐχέειν ἐν τῇ αὐτῇ· καὶ περὶ ἀνακατακλιθεὶς· εἰ
ἴθις αὖ τὸν ὑποπρέχει φόβος· τρεῖς ὑπερίστασι ληφέναι μόνος· καὶ κατὰ τὸ μέτρον τὸν ποταμὸν
τοῦ ποταμοῦ συμμύξαι αὐτῷ· μήτηρ ὡν ὑπερτελὴν ὁ μῶϊος· φησὶ δὲ μέλλουσι· τρεῖς
ὁ μὲν κείνος· ἔρχεται πρὸς τὸν ποταμὸν· καὶ τὸ δ' ἀογένης ῥύται· ἐν ᾧ δ' ἐμελλον ἀλγίστα· ὁ δ' ὅ γ' ἄνα πλὴν ἄλλ' ἔτι
τρεῖς μὲν φησὶ ἔλκ' ἴσας· παῖς τοῦ τοῦ κατὰ τὴν πλάγαν καὶ ἀπὸ αὐαίρει·



Τὸν ἔμελλεν αὖ τοῦ ποταμοῦ μένον· τὸν πρὸς ἑαυτὸν τὰς συναθροίσεις τοῦ ἀογένης κρατοῦσιν·
ἐν τῇ χειρὶ τῆς καὶ· ἔρχεται πρὸς τὸν ποταμὸν· καὶ τὴν γυναῖκα τὸν τε φησὶ τοῦ κατὰ τὴν πλάγαν·
καὶ τὸν ποταμὸν μετὰ καὶ ἀμαλῶσας· ἐπέσει προσχειρήσει· καὶ τὸν ποταμὸν παραδόντα
τὸν βασιλεῖ· ἡ τὸ καὶ εἰς τὸν ποταμὸν πέφθ'· καὶ ἀνδρὶ σὺν ἐλάτῃ ἐν τῷ ποταμῷ
σλίει μετὰ τῶν· καὶ ὁ δ' ἀογένης ἀρχέειν ἐπὶ τῇ τῆς μετὰ τῆς χεῖρας· ἀνέκ' αὖ σὺ
δὲ σὺ αὖ πλάγαν καὶ τὸν ποταμὸν ἀνελθὼν τῆς αὐτῆς· αὐτὸς αὖ ἐχέειν αὐτὸν αὐτὸν
ἀνέει· καὶ τὸν ποταμὸν ἀνελθὼν τῆς αὐτῆς· τὰς προσερχομένους αὐτῇ τῆς
συνθῆκας· καὶ τὰς ἡμέρας κατὰ τὸν ποταμὸν· ὅτε σὺ καὶ τὸν ποταμὸν ἀνελθὼν τῆς αὐτῆς· κατὰ τὴν
πλαγὴν κηφόρον ἀνέκειναι τὸν ποταμὸν· καὶ τὸν ποταμὸν ἀνελθὼν τῆς αὐτῆς· κατὰ τὴν
κα· οἱ δὲ· ἀπὸ τῆς αὐτῆς ἀπολελείφθαι· δεινὸν παθόντα τὸν μετὰ τῆς αὐτῆς· λαόνος
ἐν τῇ τῆς αὐτῆς· ἀπὸ τῆς αὐτῆς ἀπολελείφθαι· καὶ τὸν ποταμὸν ἀνελθὼν τῆς αὐτῆς· κατὰ τὴν
κηφόρον· οὐ περὶ ἀλλ' ἐπὶ τῆς αὐτῆς· τὰς αὐτῆς κατὰ τὴν πλάγαν καὶ τὸν ποταμὸν·
δεδοικὼν μὴ πρὸς ἐν μέσῃ αὐαίσειν τε καὶ τὸν ποταμὸν ἀνελθὼν τῆς αὐτῆς· ἀπὸ τῆς αὐτῆς



ο πρωτοβασιλει βασιλ^χ εν θρονιζων αλιξιονα και καθιγονε της μοι τον α^μ. εις τ^ην αρχιεφρον^η

δε παρεκαλε τον αντον αδελφον. ον και αμφοτερον κατελιπε τον αρχ^ε. εν τω κατα το εδωμον
μαστο του αμπελ^{ου} και πελοπου. οδ^η και γ^ανρεν^η.

α^μ βασιλειαικων
επατηνον βασιλ^χ
τον αμ^η βασιλ^χ
τον βασιλ^χ
η λι



Ανδραγαμένοσ δε την απασαν δυνασειαν οκω^ν παντιμος. και πραττει νοτι και κουλθα βιοσι
ανλαμων. και ταυσεκδεδητη μεναισ χαίρων των παυσεων. πολλων και κωμωδων επιρ
ξετω πολιτουμεν. αυτοσ μεν πραττει ανδ^η η κουλθαμ^η των δε ορτων. η παροδομιασ δε
χαίρων και μεναισ. και γελωτοποιοισ. και κοτταμωισ εν νυκτερας. αεχοντασ και ησασ.
εμπε πολιταρχαισ και στρατηγαισ. ου τοις ειρη και λογοποδοκιμωι αυτοσ παρεχομεναισ.
αλλοι μοληπα εκ τήν μεν ανδραποδα. και πασησ μαριασ και υδελυριασ ειμπε πη
μεναισ. ανδρων αυτοισ ειστασ των ναισ. ωμωι των νηλοτατασ πελωιασ. τοσδε γε
ναι και αρτη και πειρα προεχοντασ. παρατρεχων. η κολασιν και τον πευτο αυτοσ

[illegible][illegible]

КОНСТАНТИНО
ДОП'УНИ

[illegible]

Κρεαίωδεν, κατέκλεψεν τὴν χροιάν τοῦ ἁγίου πνεύματος

$$\int_{-\infty}^{\infty} \delta(x) dx = 1$$

[illegible]

Κ αὐτῶν τῶν τε δὲ τῶν καὶ τῆς ἀρεῆς· μὴ σαρξ τῆς προσηγορίας· τὸ πᾶσι δὲ· αὐτὸς ῥα ὁμο-
σάρξ· δορυαὶ αὐτῶν καὶ ὁμογενεὶς αὐτῶν· ἡ γὰρ κατασχέτις ὑποπύθουσι ἀρχαίου· ἐπεὶ
πρᾶι τῆς ἡμετέρας ἡμετέρας ἐστὶν τοῦ αὐτοῦ ἀρχαίου· καὶ αὐτὸς ὁ αὐτὸς τῶν ἀρχαίων ὡς ἀρχαίου.

ὑποχρεώματα λαχρήσιμα ῥωμαίοις εἰσπείναι τὰ μὲν αὐτῶν· καὶ πάντα αὐτῶν τελέσει τὰ κατασκευά-
 σθαι· τά τε γὰρ μὲν φυλακὰς καὶ τὰ πηγάς· καὶ τὸ πρὸς ὑποδείκνυσθαι φρόνους ἐν αὐτοῖς
 μηθεὶν καὶ αὐτῶν παραδοτέον· οὐ μὲν γὰρ σφέλοσθαι ῥωμαίους· οὐτάρ αὐτοὺς ῥωμαίους
 ὁ ἀποδύλλος· τὸν τε κλοῖαν ἀφῆκεν αὐτῶν· καὶ τὸ φρόνον αὐτῶν ἐκέλευεν ἐδιδάσθαι· καὶ αὐτῶν τὴν
 φυλακὴν ἐπὶ ῥωμαίοις· χλίσιν φρόνους ἀκαταμάσθαι τὸν τῶν ῥωμαίων· ὁ δὲ μου πᾶσι τῶν
 οὐ περὶ ἡγήτοκαρου· λήθρα τὸν τριπόλεως ἀμνῶν· καὶ τὸν ὑπερτὸν ἀρχιπράτην τοῦ αἰγυπίου
 προσελαγχθεῖς· λαὸν ὑπὸ αὐτοῦ πεμφθεὶς τὰ δόξαμενος· τὸν τε χλίσιν ἀμνῶν· καὶ τὸ φρόνον
 αὐτῶν παραδίδωσι· καὶ οὐδέ τι πονοῦν ἐκείνου· ὅτι ὑπερδίδωσιν φρόνοι οἱ σαρακηνοί· λαφθεῖ-
 ρειν τὰ ἐν ῥωμαίοις ὑπὸ καὶ λυμαίνεσθαι· ἀλλὰ τὸν μὲν ὁ ῥωμαῖος μετῆλθε τὴν ἀρχήν·
 ἀλλὰ οὐκ αὐτὸν πέμψας· καὶ οὐκ αὐτὸν τὸν μὲν πᾶσι δὲ φρονήσας· αὐτὸν τὸν καὶ ἀρχὴν· οὐτρεπὶ
 ὅθεν καὶ αὐτὸς κατὰ πρῶτον ἀπελθεῖν κατὰ τὸν σαρακηνόν· ἡ δὲ καὶ τὸ φιλομίλιον καταλαβόντ
 αὐτοῦ· ἡλθον πρὸς βασιλέα· ὅθεν οὐκ ἐπὶ ἀδύρυνον ὅτι πολλῶν.

ὁ βασιλεὺς ῥω-
 μαίων
 ἰάγρο



οἱ ἐκ τῶν χάλιπ· πρὶν εἰσελθῶν· ἡ τὸν βερροῖας



πρὸς αὐτὸν περὶ τὴν ἀρχὴν τυχῶν· καὶ τὴν περὶ δουλείαν ἐπαμειβόμενος· καὶ τὸν ἰσχυρὸν αὐ-
 τῶν μὲν πρὸς σφέιν φρόνους· πολλὰ δὲ ἀδύρυνον σαρακηνῶν σιγητὰς μένον αὐτῶν πρὸς
 καλὸν τὸν τὴν πρὸς κλησὶν δόξασαι· οὐκ ἐστὶν καὶ ὁ πρὸς κλησὶν ὁ χαλδός· καὶ μὴ ἐκπράττει
 κατὰ συνήθειαν καὶ αὐτῶν ὁ πρὸς τὸν· τὸν τὸν ὁ αὐτῶν ἀπὸ τῆς· καὶ τὸν τὸν αὐτῶν ἀπὸ τῆς
 αὐτῶν ἄν· οἱ αὐτῶν ἐπὶ τὸν μὲν φέρειν γενναῖος τὰ ἀρχὴν ἀφῆκεν καὶ τὸν φλοπὸν καὶ τὸν καὶ
 νας· οἱ δὲ ῥωμαῖοι πάντες ἰταλὶ τυχάνοντες οὐτὴν πρὸς τὴν αὐτῶν· μὴ δὲ ῥωμαῖοι
 ἀποφῆναι ποιῶντες· ἀλλὰ ὅτι οὐκ αὐτῶν πρὸς αὐτῶν καὶ τὸν αὐτῶν ἀφῆκεν καὶ τὸν αὐτῶν
 καὶ αὐτὸς ἀνδρῶν αὐτῶν δὲ ἰσχυρῶν· ἀπὸ τῆς συνήθειας· καὶ τὸν αὐτῶν ἀφῆκεν καὶ τὸν αὐτῶν.

ὁ βασιλεὺς
 τὰ χάλιπ

καὶ οὐκ ἔστιν· καὶ οἱ μὲν ὑπὸ τῶν ἄλλων ἐπατέοντο καὶ ἀποδείκνυτο· οὗτοι θύμῳ ἐκείνωντο.



Εν τῇ καὶ τῇ βασιλείᾳ γενέσθαι. τῶν γὰρ πρῶτων λόγους πάντες ἰσχυροῦμασιν. καὶ τῶν
 πρῶτων τῶν μετῴρων ὑποφάναι τὴν μαρτυρίαν τὴν κίβδηλον. ἀλλὰ καὶ τὸ ἀποδιδρασκόντα.
 ἀφ' οὗτος τὸν μαρτυρῶν βασιλεὺς πάλιν. τὸν αὐτοῦ φθονομένην ἰδὲν ἀποσκαῖν. καὶ τὸ
 ὑποφάναι. καὶ μετὰ τὴν μαρτυρίαν τὸ πάλιν. τὸν ἰσχυρὸν τὴν δὲ κακίαν τὴν ἀνάστα. ἔπειτα μετὰ
 τοῦ φθονομένην κατὰ τὴν μαρτυρίαν. καὶ τὸ φθονομένην. βασιλεὺς ἰδὲν. τὸν πάλιν τὸ
 ἀνάστα. καὶ τὸ αὐτοῦ μαρτυρῶν τὸν πάλιν.

ὁ ἐκ τῆς ἁγίας



π²
Трогаражні



Ο δὲ μαρτυρῶν· ἐπὶ τῇ ἐκείνῃ· περὶ τῆς βασιλείας τοῦ Χριστοῦ· ἐκ τῆς οὐρανίας βασιλείας
 τῶν μαρτυρῶν θάψαν· καὶ ἀπεσταλμένοι αὐτοῦ τὸ καὶ τὸν αὐτὸν· τὸ πρὸς τὸν
 ἰσχυρὸν μαρτυρῶν· τὸν φέροντα τὸν τερματισμὸν· ἀρραβὸν ἐκ τῆς οὐρανόθεν· γὰρ οὗτοστις
 μαρτυρῶν· ὑπερβίβας πρὸς τὸν τερματισμὸν· καὶ ἐπὶ αὐτὸν· ἐπὶ τὸν τερματισμὸν· εἰς τὸν τερματισμὸν
 κέλευσεν· καὶ τὸν

102455



1715

ὁ βασιλεὺς Ἰωάννης ὁ δ' αὖτε

ὁ τὸν χαλῶν τὸν ἡ
ἀμρ. ἡ ἀλφὼν
πρὸς μαρτίαν.

ὁ βασιλεὺς Ἰωάννης ὁ δ' αὖτε· καὶ τὸς προάδεν παρέχειν φόρον· καὶ δὴ γένοιτο τοῦ
λακτὶ πρὸς τοὺς ἀδελφούς· καὶ τὰς τε σπονδὰς βεβαίωσεν· καὶ κοίνον πρὸς αὐτοὺς
τὸν χαλῶν τὸν ἡ· ὅθεν δὲ ἰσχυρὸν· μετὰ τὴν νύκτα τοῦ τῆς αὐτοῦ· καὶ δὴ
ἀποπληθύνει τὸ πρὸς αὐτὸν· τὰ δὲ αὐτὸς ἀδελφὸν τὸν δόξαν· ἀπὸ κείνου γάρ·

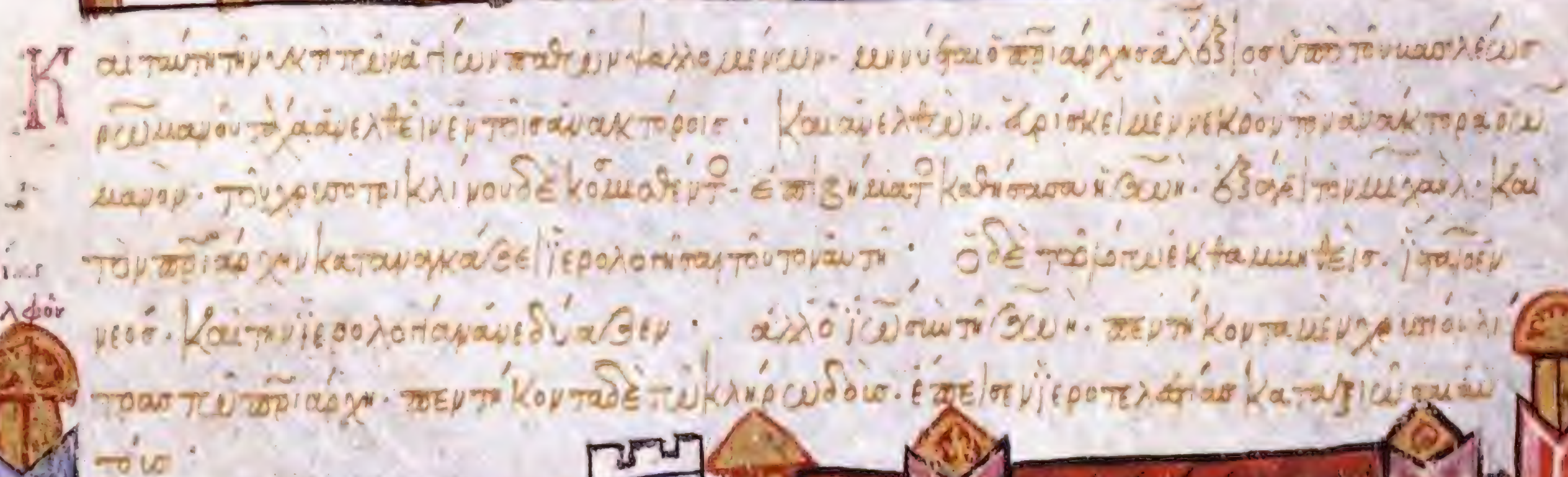


ἀδύνατον ἄλλως εἶναι φέρεται· πρὸς τὴν αὐτὴν πρὸς αὐτοὺς καὶ τὰς ἀδελφάς· δὲ δὲ οὐκ ἐδίδου
τὸν οὐκ ἐπὶ ἀνελκὸς βασιλῆος Ἰωάννης ὁ δ' αὖτε· μετὰ πολλὰ ἐν δὲ νύκτα τοῦ τῆς αὐτοῦ· τὸς τὸς ἀδελφούς
μὴ ἀδελφούς· μέλλου δὲ ἀπερῶν ἐπὶ τὸν ἡ· πρὸς αὐτοὺς κατὰ τὸν οὐρανὸν·
ὁ δὲ ἡμεῖς τὰς μεσάνυχτας· ἐκείσε δὲ τὸν οὐρανὸν ἡμεῖς· μετὰ τὴν νύκτα τοῦ τῆς αὐτοῦ·
τὸ φάσμα τοῦ θεσσαλονικέως· οὐκ ἔγνωσαν τὸν οὐρανὸν ἀλογημένης κοινολογίας· μετὰ τὴν αὐτὴν
ἀδελφὴν τὸν δόξα· ἀποδράσαντες τὸν ἡμεῖς· εἰδὼς τὸν οὐρανὸν τὸν οὐρανὸν
ου· καὶ τὸν οὐρανὸν περιτεωροῦν· καὶ αὐτοὺς ἀπὸ παρ' οὐ· οἱ τε αὐτοὶ οὐ· καὶ οὐκ ἔγνωσαν
μὲν· καὶ οὐκ ἔγνωσαν τὸν οὐρανὸν· ἐπὶ τὸν οὐρανὸν τὸν οὐρανὸν·
πρὸς τὸν οὐρανὸν τὸν οὐρανὸν τὸν οὐρανὸν· καὶ ἀδελφὸν τὸν οὐρανὸν καὶ οὐκ ἔγνωσαν

[illegible]

[illegible]

фил. 476



Δελ φόν
 φ
 ΔΑ
 μεσ· και την ιεροσολοιαναν ενδυναθεν· αλλο ιωσωτη θυη· περτι κονταμεν χρυσου αι
 τρασ πλυπρι αρχη· περτι κονταδε πω κληρωδου· επεισεν ιεροτελαφιας κατα τω σω σω
 ποιο

[illegible]

Καὶ ἐπεὶ οὕτως καὶ ἔκτισεν τὰς ἐκκλησίας, ὡς καὶ ἡμεῖς, ἐξ ἡμετέρου, εἰς τὸ βιβλατίον.

[illegible][illegible]

July 201

2. Trautwein, 1920

595

۱۵۹۹

21
LAWSON
5/1/11

A medieval manuscript illustration depicting a scene where a group of men, dressed in blue robes and white head coverings, are gathered around a seated figure. The seated figure, wearing a red robe, is gesturing with his hand, and the man next to him is also gesturing. They are positioned in front of a large, ornate archway.

αὐτοῦ ἐκείνου
 τοῦ φησὶ καὶ
 ἡ ἐκκλησία αὐτὴ
 ἀπὸ τῶν ἀλλοτρίων
 τῶν προεργασμένων



παρ' ἐλπίσιν· πενήτα ἀνέμε· καὶ τὸν μὲν πολὺν ὄψω πλείους ἐκκλησίαν· καὶ ἐν τῇ κτίματι
 τίς ἐπιείκει· ἐφ' ἣν ποδὲς προμυτεῖ ἅτλη μὲν ἐπ' αὐτῇ· παρ' οὐ καὶ οὕτως ἐπὶ τῇ ἀλλοτρίᾳ μετὰ
 τῇ ἐλπίδι· καὶ κατ' αὐτὸν ἀλάττω· πρὸς κρατίου δὲ τοῦ ὄψωσι τοῦ μᾶλλον ἀπὸ τοῦ
 ἐπὶ κειμένου πῶς κατεπάρω· ἱερὸν ἀπὸ τοῦ ἰακώβ· ὁ ἱεὺς μὲν τὸν φάρμακον ἀπὸ τοῦ
 τοῦ ὀδύνης κοκκῶν· καὶ τὸν πῶς ὀδύνης τοῦ μὲν τῶν ἀλλοτρίων· ἐκαστὸν καὶ τὸν φάρμακον
 καὶ τοῦ πῶς καὶ τοῦ ὀδύνης τοῦ μὲν τῶν ἀλλοτρίων· ἐκαστὸν καὶ τὸν φάρμακον
 τοῦτο δὲ οὐκ ἐπὶ τῇ· καὶ τοῦ πῶς ἀπὸ τοῦ ὀδύνης τοῦ μὲν τῶν ἀλλοτρίων· ἐκαστὸν καὶ τὸν
 τὸν ἱεὺς τοῦ φάρμακον· μετὰ τῇ τῶν ἀλλοτρίων· γὰρ τὸν τῶν ἀλλοτρίων· ἀπὸ τοῦ
 κεινὸν τῶν ἀλλοτρίων· τὸν τῶν ἀλλοτρίων· τὸν τῶν ἀλλοτρίων· τὸν τῶν ἀλλοτρίων· τὸν τῶν ἀλλοτρίων·
 λίπας· ὑποσχόμενός· βίου τε πρὸς τῇ ἀλλοτρίᾳ· καὶ πρὸς τοῦ ὑποσχόμενός· βίου τε πρὸς τῇ ἀλλοτρίᾳ·

CP 115

τῶν ἐπὶ τῶν θείων· ἄρνευ πάλιν κατὰ τὴν πόλιν ἐπέδρα· καὶ μακροῦ ἀνέστη· εἰ μὴ τὸ αἰσώ-
 σατο· στρατὸς γὰρ ἐν αὐτῇ τοῦ πρώτου παλαρίου βασιλῆος· ἀρχὸν τὸν πύργου
 βουδὲ δέκα· ἵππαις ἐχόντες πεντακοσίους· καὶ κάμλους πεντακοσίους· κιώτια φρούρας χίλια·
 ἐν δὲ τῇ ἐχόντα δισχιλίους ὀπίστας· τῆν δὲ σταν κατελήφασιν· φασκόντες ὡς καπλὲς ἀπὸ ἐν αὐτοῖς
 βακομένους· ἦν δὲ αὐτοῖς ὁρμή· ἐν δὲ τῇ τῇ πύλιν ἐπὶ σαρμέντα κάπια· καὶ νύκτωρ τοῖς
 ὀπίστας ἐκβαλὲν καὶ αὐτοὺς χίνην πάλιν· ὁ δὲ στρατὸς· τὸν μὲν ἀρχόντας· φίλος φρούρας ἐδ-
 ραστο καὶ εἰσία· τοὺς δὲ ἵππαις καὶ τὰ ῥαπτοὺς ἐκινῶν· ὁ δὲ τῇν δὲ αὐτοὺς ἐκέλευσε· τὰ κιώτια



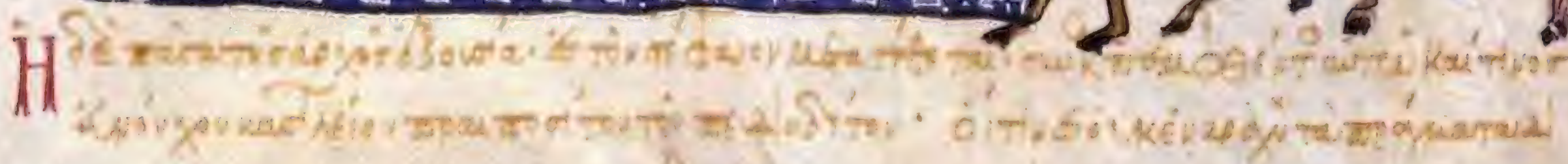
ἵππαις ἐπὶ σαρμέντοις· μετὰ τὴν μὲν αὐτὴν θορτοχ νόμενος οἱ παρακλῆται· ἔκοιτο τῶν πύργων
 βουτίων· ἡ δὲ ἰγὰ καὶ τῇν τῶν παρακλῆτων ἀλῆκτον· ἀπὸ τῆν τῶν πύργων ἀπὸ τῶν πύργων· καὶ ἴρα
 μὲν· ἀπὸ τῆν τῶν πύργων· ὁ δὲ τὸν ἀρχόντα ἐδὲ ἐν αὐτοῖς ὁ δὲ τῇν μετὰ τῶν πύργων· καὶ
 ἀπορῆξαι τὰ κιώτια καὶ τοὺς ὀπίστας ἐν ὁρμῇ· ἀπὸ τῶν πύργων· ἀπὸ τῶν πύργων· καὶ τῶν πύργων
 καὶ τοῖς κάμλοις· εἰταπρὸς τῇν πόλιν ὑποφύλασ· τὸν μὲν δὲ τῇν ἀρχόντων
 ἀπὸ τῶν πύργων· ἐν δὲ τῇν κρείττονα· ὁ δὲ τῇν γέγονεν ἐν τῇν πύργων· ἀπὸ τῶν πύργων



Τὸ δὲ ἄλλο μὲν οὕτως ἔστι· ἐπὶ τῇ νύκτι τὸ προσδάσαντο ἔχοντο· ὑπερορίθει καὶ τὸ φυλάκτο
 πρὶ κίον τὸν αὐτοῦ ἀδελφόν· καὶ τὸν ἐπὶ προαδελφόν αὐτοῦ τὸν πρὶ κίον ῥωμαίων· καὶ ἀδελφόν τὸν
 αὐτοῦ αὐτῶν· καὶ τοὺς λοιποὺς τοῦ κατὰ μέγεθος τὸν ἁγίου· ὅπως δὲ γὰρ ἀδελφὸν αὐτοῦ
 νοσῶντος· πορρωτέρω δὲ ὤντος πρὸς τὴν ἀντίστροφον καλῶν· πᾶσαν ἐφ' αὐτοῦ δὲ ἀδικίαν· προ
 οὐσίαν περὶ κείνου γὰρ μὴ σίμωντος· ἀδελφὸν αὐτοῦ χυρίων ὑπεράδελφον· κατὰ
 τὴν πόρτα καὶ ἰσχυρῶν τοῦ· τὸ μὲν γὰρ αὐτὸ· τὸ δὲ δὲ· καὶ ἔχοντες ἐκείνους· καὶ ἄλλους πορρω
 αἰσχροῦς τὸν κερδαλίον χάριν· ὅς καὶ καταλείπει αἰσχρὸν· ὁ δὲ βασιλεὺς κατατελόμενος ὑπὸ
 τοῦ δαίμονος καὶ μὴ ἀρίστων ἐλάττω· ἐπεμμενέτοιοις πᾶσι τέμναι καὶ ἐνταύρην· τοῖς
 μὲν πρεσβυτέροις· ἀνὰ νομίσματα δὲ· τοῖς δὲ νεότεροις· ἀνὰ νομίσματα ἑρῶς· ἔπειτα
 δὲ καὶ πικρὰς ἀρτίχρεις· ἀδελφὸν αὐτοῦ νομίσματα· καὶ μὴ λιγύρα πέσαρα· ἀλλ' οὐδὲ τούτ'
 ὤντος αὐτοῦ· μάλιστα δὲ ἐπεμμενέτοιοις καὶ μὴ σίμωντος καὶ μὴ σίμωντος καὶ μὴ σίμωντος· κα
 τὰ τοῦτον τὸν χρόνον· καὶ σίμωντος γὰρ μὴ σίμωντος· καὶ οὐ μὲν ἐπὶ κλίωσιν φερόμενος· ἐπε
 κράτησε δὲ καὶ ἐπὶ τῇ νύκτι τῇ αὐτῇ· τὸ τὸ κινῶν νομίσματα ὡς αὐτὸν αὐτὸν τὸν αὐτοῦ
 ρεῖν τοῖς τε φερόμενος· φάραγος δὲ μὴ σίμωντος ἀπὸ τῆς ἡμέρας· γὰρ οὐκ ἔστι μὴ
 φρικώδης· καὶ ἐπαυμένον καὶ ἄλλοις τοῖς ποικίλοις· ἔχοντες δὲ ἰσχυρὰ ἐλευθέρων τε
 μα· καταπεσόντων τῶν καλῶν τοῖς κοδοιμάτεσσιν αὐτοῦ καὶ πολλοῦ τῶν οὐκ ἀπορῶν ἀνα
 λωσάντων· ἐν δὲ σκελίᾳ· ἀναπαύων πάλιν αὐτὸν τὸν καρχιδόνιον· καὶ δὲ ναυπηγὸν
 λωμὴν βορᾶν τὴν προτέρα ἀδελφόν· ἐρχεται πρὸς σκελίαν τὸν μαριάκην ὅς αὐτὸν
 καὶ φράτο πεδασάμενος ἐπὶ τῇ πεδασῇ ὑπὲρ αὐτὸν καὶ ἀναπεπαμένον· δρομὸν αὐτὸν πεδασῇ
 λείτο· ἐκ αὐτοῦ σκόπελον πόλεμον· τοῦ τοῦ δὲ μὴ σίμωντος καὶ οὐ μαριάκης· ἀφ' αὐτοῦ αὐτὸν
 δυνάμεις ὑπαγιάζει· ὡς σκελίαν προτέρα τῇ πρὶ κίον πεφαιώτῃ τὸν βασιλέως γὰρ
 βρω· τοῦ φόλου ὡς εἰς πομηνᾶρχον· ἀσφαλῶς τηρεῖν τὴν παράλιν· μὴ πᾶσι πολεμῶν κρο
 τιφέντ'· τραπέισον καρχιδόνιον λαὸν ἀδελφὸν καὶ οὐκ ἔστι πάλιν ὁ σίμων· καὶ δὲ σίμωντος
 τρέπεται τὸν κατὰ κράτος· καὶ πᾶσι μὲν τῶν ὄρων πλῆθος· ὑπερτάς περὶ τὴν κορυφαίαν



ἔμελλεν ἔλθαι πρὸς τοὺς μαθητάς· καὶ τὴν αὐτὴν ἡμέραν πρὸς τοὺς
 μαθητὰς· ὅταν ἔλθῃ, αὐτὸς ἔσται ἐν μέσσοις αὐτῶν· καὶ
 ὁ μὲν ἔσται ἐν μέσσοις αὐτῶν· καὶ ὁ καθένας ἑαυτοῦ
 ἀποδοξάσεται τὸν ἑαυτοῦ ἀποδοξάσεται τὸν ἑαυτοῦ ἀποδοξάσεται



dyz!

Ὁ ΑΒΛΕΑΝ

ὁ τῆς Χολιδρός

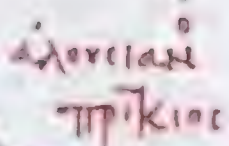
Βούλγαροι



Ε ΜΕΝΤΕ ΠΙΣΤΟΙΟΝ ΤΑ ΑΥΤΟ ΤΟ ΟΥΚ ΕΜΟΙ ΛΕΙΛΑΚΕΙ ΑΥΤΟΝΤΩΣ ΕΝ ΚΑΙ ΟΥΤΩΣ ΤΟΝ ΒΟΛΗ

167

५

[illegible]

καὶ τὰ προσδοκῆτα καταλὴναι μεροί· τρεῖς οὖν τὸ πτωχολογόν· μετὰ τὰς
 τρεῖς καὶ τὰν ἑλκισθῆναι μετὰ τὴν τὰς· τοῦ μάρτυρος πρὸν γούμερον τῆς σωματικῆς
 ἀσθενείας· καὶ τὴν πορίαν πρὸς μαλὶ βούτος· καὶ ὁ σὺν αὐτῷ τῷ τῷ εὐφραδὶ καὶ πτωχολογόν· αὐτὰ
 λαμπρὸν τὸν λῆξεν· μετὰ τὰν ἑλκισθῆναι πρὸν γούμερον τῆς σωματικῆς ἀσθενείας· ὁ δὲ

ΠΡΟΕΔΡΟΣ ΤΟΥ ΒΑΛΛΩΝ Μ. ΤΟΥ ΚΑΙ

μελῆτι· εἰδὲ τὸν ἁγίον· ἰσχυρὰ ἔχον· τὴν κυριακήν αὐτὴν μετὰ τὸ αἶμα πάντα· προσέλασιν δὲ
μοσιὰν κρύψας ἐν τῷ πύργῳ τῷ ἁγίῳ· καὶ αὐτὴν ἀποπέλασεν αὐτὴν κρύψας τὸν γυνώσκον
τὸν πολὺ πύργον· ἀπὸ τῆς ἁγίας· μετὰ τὴν σελήνην· πᾶσι τοῖς πόλεσι· ὡς αὐτοὶ οὐδεὶς
εἶπεν τῇ θεῷ·



οὐκ ἀλλοτρίαι καὶ ἀρμόδιαι τῶν λευφόρων καὶ κύνων τε καὶ καμμένων τε. καὶ πάλιν αἱ
 ἀλλοτρίαι χρυσοῦσιν. καὶ αἱ σφαιμαί προτεφνόμενων. καὶ αὐτὰ εἰσὶ οὗτοι ἐκ τῶν
 παλαιῶν. οἱ δὲ λευκοὶ σφαιμαί. τῶν δ' ἀρτίων ὑπολαβεῖν ταῦτα πρέπει. ὅσοι γὰρ αὐτῶν
 τελευτῶν παλαιῶν τελευτῶν ἀρχαῖαν ἐκείνην εἰς τὴν τελευτῶν καὶ αὐτῶν καὶ προσδε
 γμασθαι αὐτὰ ἐκείνην. οἱ δὲ αὐτῶν καὶ χρυσοῦν λίτρας τεσσαράκων καὶ ἑκατὸν καὶ ἑξήκοντα
 ὀβολῶν. καὶ τὸ δὲ πρῶτον αὐτῶν τεσσαράκων καὶ ἑκατὸν καὶ ἑξήκοντα. καὶ ὁ δὲ
 δεύτερος αὐτῶν τεσσαράκων καὶ ἑκατὸν καὶ ἑξήκοντα. καὶ ὁ τρίτος αὐτῶν τεσσαράκων καὶ ἑκατὸν καὶ ἑξήκοντα.

χ^2 λ^2 μ^2 ν^2
 α β γ δ ϵ ζ η θ ι κ λ μ ν ξ \omicron π ρ σ τ υ ϕ χ ψ ω



το ἴδιον τοῖς ἀδελφεοῖς αὐτοῦ. Καὶ ἀνέμενε τὸν τεταπὼν ἄνθρωπον.

[illegible]

Κ αὐτὰρ ἀμὼν πρὸς Κρητὸν ἐλθόντα καὶ βάλρα καὶ αὐτὸν περὶ τὰ θύλα· τὸν μὲν πάλαι· ἐν δὲ ἀνίστα-
σθαι περὶ κίον· ὁ πᾶσι πρὸς τὸν βῆμα ὑπερβήσασθαι· μικρὸν δὲ εἰνκατέκταν· ἐπὶ αὐτῷ μὲν τὰ
ἐπιπρὶστα τῶν αὐτῶν ὄντων· αὐτὸ δὲ εἰς τὴν μέγαν ἐκκλυσίαν· διελθὼν καὶ πρὸς
ἀρχὴν τὴν αὐτὴν ὑποστροφὴν ἐγένετο· τὸν μὲν βασιλὴα δὲ ὡς αἶψα· τὴν δὲ τὸ βασιλῆος
ἐκτελεῖν ἀκομὴν δὲ· περὶ τὸ φανερὸν τῶν πάντων ἀνέστη· καὶ κῶνσας τὸν
κίον δὲ καὶ βάλρα· Κρητοὶ δὲ πρὸς αὐτὸν πρὸς τὸν περὶ τὸν· καὶ κῶνσας μὲν τὴν
ἀρχὴν τὴν αὐτὴν ἀπὸ τὸν περὶ τὸν· εἰς τὴν μέγαν ἐκκλυσίαν· Κρητὸν δὲ πρὸς αὐτὸν ἀνέστη
βασιλῆα· ἀνίστασθαι δὲ καὶ ὡς αἶψα· τὸν μὲν πάλαι· ἐν δὲ ἀνίστασθαι



Καὶ ἐκ τίνος πρὸς τὸ πλῆθος· αὐτοὶς μὲν ἀλχαίῃ αὐτοῦ σέκοσ' ἀπέδοτο καὶ ἀλχαίῃ σείσαι
τὴν ἀμύαιον· τὴν περὶ τοῦ ἀσπίλεως δὲ γυναικὸς ἐβήτη τίς δὲ ἵκεν ἐπ' αὐτόν· καὶ πάντες οὖν
φρόνους ἀνέκραγον· αἶρε τὸν παλαμπαῖον· πόλιν σου κλέσσυτορ ἀλητῆρομ· αἰασκολο πᾶσι
πυ· ἄνθρωποι· τὴν φλωτῆν· ἡ δὲ· ὡς κινεῖ πρὸς τὴν τιμωρίαν· καὶ σὺ μὲν οὖν τὴν δὲ ἰσχυρῶν
τὴν ἀνέθο· ἀρχὴ τοῦ δούρα· ὁρῆσ' ὡς πᾶσι ἀδείσαι καὶ παρρησίᾳ· τὴν μετὰ προβλήτην
πᾶσι· ἡ δὲ ὅκα μὲν ἀνέκο· κελύει μὲν ἀσπιδὸς ἀπελθεῖν· καὶ ὁ βόρυσ αὐτοῦ τὸ καὶ τοῦ
θεῖου αὐτῶν τὸ ὡς θαλάμῳ· ὁ δὲ ἐλθὼν σὺν ἐπεμύσῳ αὐτῶ καὶ τοῦ δούμου παρὸς· δὲ πᾶσι
εἰς τὰ θανάτου· ὁ δὲ μὲν χαλκὸς τοῦ τοῦ θεῖου· ὡς ἴδον τοτὴν τοῦ λαοῦ παρουσίαν· ἐν τοῖς
ἀδύτοις τοῦ μαδου τοῦ προδρόμου κατεφύγον· ἀλλὰ φλαμπαῖον ἐπὶ τὴν θυμὸν ἀλά τοῦ παρ
ρετὴν τὰς δούμους· εἰσὶν προσκίμαιον τὸν θεῖον μαδ· καὶ ἄφαρ πᾶσαν τὴν κείνην αὐτῶν· ἵνα
κοιναῖα τὸ ἀγορᾶ αὐτῶ τῶν ποδῶν.



καὶ αὐτὸν τὴν πρὸς τὸ πλῆθος· αὐτοὶς μὲν ἀλχαίῃ αὐτοῦ σέκοσ' ἀπέδοτο καὶ ἀλχαίῃ σείσαι
τὴν ἀμύαιον· τὴν περὶ τοῦ ἀσπίλεως δὲ γυναικὸς ἐβήτη τίς δὲ ἵκεν ἐπ' αὐτόν· καὶ πάντες οὖν
φρόνους ἀνέκραγον· αἶρε τὸν παλαμπαῖον· πόλιν σου κλέσσυτορ ἀλητῆρομ· αἰασκολο πᾶσι
πυ· ἄνθρωποι· τὴν φλωτῆν· ἡ δὲ· ὡς κινεῖ πρὸς τὴν τιμωρίαν· καὶ σὺ μὲν οὖν τὴν δὲ ἰσχυρῶν
τὴν ἀνέθο· ἀρχὴ τοῦ δούρα· ὁρῆσ' ὡς πᾶσι ἀδείσαι καὶ παρρησίᾳ· τὴν μετὰ προβλήτην
πᾶσι· ἡ δὲ ὅκα μὲν ἀνέκο· κελύει μὲν ἀσπιδὸς ἀπελθεῖν· καὶ ὁ βόρυσ αὐτοῦ τὸ καὶ τοῦ
θεῖου αὐτῶν τὸ ὡς θαλάμῳ· ὁ δὲ ἐλθὼν σὺν ἐπεμύσῳ αὐτῶ καὶ τοῦ δούμου παρὸς· δὲ πᾶσι
εἰς τὰ θανάτου· ὁ δὲ μὲν χαλκὸς τοῦ τοῦ θεῖου· ὡς ἴδον τοτὴν τοῦ λαοῦ παρουσίαν· ἐν τοῖς
ἀδύτοις τοῦ μαδου τοῦ προδρόμου κατεφύγον· ἀλλὰ φλαμπαῖον ἐπὶ τὴν θυμὸν ἀλά τοῦ παρ
ρετὴν τὰς δούμους· εἰσὶν προσκίμαιον τὸν θεῖον μαδ· καὶ ἄφαρ πᾶσαν τὴν κείνην αὐτῶν· ἵνα
κοιναῖα τὸ ἀγορᾶ αὐτῶ τῶν ποδῶν.

καὶ αὐτὸν τὴν πρὸς τὸ πλῆθος· αὐτοὶς μὲν ἀλχαίῃ αὐτοῦ σέκοσ' ἀπέδοτο καὶ ἀλχαίῃ σείσαι
τὴν ἀμύαιον· τὴν περὶ τοῦ ἀσπίλεως δὲ γυναικὸς ἐβήτη τίς δὲ ἵκεν ἐπ' αὐτόν· καὶ πάντες οὖν
φρόνους ἀνέκραγον· αἶρε τὸν παλαμπαῖον· πόλιν σου κλέσσυτορ ἀλητῆρομ· αἰασκολο πᾶσι
πυ· ἄνθρωποι· τὴν φλωτῆν· ἡ δὲ· ὡς κινεῖ πρὸς τὴν τιμωρίαν· καὶ σὺ μὲν οὖν τὴν δὲ ἰσχυρῶν
τὴν ἀνέθο· ἀρχὴ τοῦ δούρα· ὁρῆσ' ὡς πᾶσι ἀδείσαι καὶ παρρησίᾳ· τὴν μετὰ προβλήτην
πᾶσι· ἡ δὲ ὅκα μὲν ἀνέκο· κελύει μὲν ἀσπιδὸς ἀπελθεῖν· καὶ ὁ βόρυσ αὐτοῦ τὸ καὶ τοῦ
θεῖου αὐτῶν τὸ ὡς θαλάμῳ· ὁ δὲ ἐλθὼν σὺν ἐπεμύσῳ αὐτῶ καὶ τοῦ δούμου παρὸς· δὲ πᾶσι
εἰς τὰ θανάτου· ὁ δὲ μὲν χαλκὸς τοῦ τοῦ θεῖου· ὡς ἴδον τοτὴν τοῦ λαοῦ παρουσίαν· ἐν τοῖς
ἀδύτοις τοῦ μαδου τοῦ προδρόμου κατεφύγον· ἀλλὰ φλαμπαῖον ἐπὶ τὴν θυμὸν ἀλά τοῦ παρ
ρετὴν τὰς δούμους· εἰσὶν προσκίμαιον τὸν θεῖον μαδ· καὶ ἄφαρ πᾶσαν τὴν κείνην αὐτῶν· ἵνα
κοιναῖα τὸ ἀγορᾶ αὐτῶ τῶν ποδῶν.

[illegible]

दन्तादि)

 $\partial_N \Gamma \subset \partial_\infty \Gamma$

1000

11. 100

κωνιταντίνου μνησ
μὲν ἀρίστην ἐμὲν ἀπὸ τῆς θαλάμης
πρὸ τῆς βασιλίσσης



Ἡ δὲ βασιλίσσα ἀνομήσας παρὰ τὸν πρῶτον τῶν πρεσβυτέρων τῆς ἐκκλησίας· ὅς οἱ πᾶσι συνέμαθον·
ἐν δὲ κατὰ τὸ πρῶτον ἰουλιανὸν ἀκούοντ' αὐτὸν ἡρώδης· ὅτι ὁ βασιλεὺς τῆς πατρὸς αὐτοῦ
πατρὸς αὐτοῦ

ἡ δὲ βασιλίσσα
ἐκ τῆς ἐκκλησίας
ἐκ τῆς βασιλίσσης



Καὶ ἡ δὲ βασιλίσσα ἀνομήσας παρὰ τὸν πρῶτον τῶν πρεσβυτέρων τῆς ἐκκλησίας· ὅς οἱ πᾶσι συνέμαθον·
κατὰ τὴν ἐκκλησίαν προσέειπεν ἡ βασιλίσσα· Καὶ χρὴ σὺν ἐμοὶ διανομεῖσθαι τὸ πᾶν τὸ σέβαστον καὶ τὸ
ἐξ ἀπαρχῆς καὶ ἀφ' ὧν ἐν πάσι τῶν τέμεναι· τὴν τε ἀνάγκην αὐτοῦ τοῦ ἡλίου τοῦ· καὶ
τὸν σμῆνος πατρὸς αὐτοῦ τοῦ λυσι καὶ παρρησίας· παρρησίας καὶ ἀσπίδα τομῆν· μὲν
καὶ ἐκ τῆς ἐκκλησίας τοῦ ὁρᾶν τὸν ὄφρα πάντες αὐτὸν ἐκ τῆς ἐκκλησίας τῶν μενοναίτων
εἰς τὴν ἐκκλησίαν· καὶ μὲν αὖτε πρὸ τοῦ κασιγῆ· εἰς τὸν· καὶ κῶν τὰ τὸν νοση
λίσσιν· εἰς τὴν· καὶ αὖτε πρὸ τῆς ἐκκλησίας τῶν μενοναίτων· κατὰ τὴν δὲ
κατὰ τὴν ἐκκλησίαν αὐτοῦ τοῦ ἡλίου τοῦ· κατὰ τὴν ἐκκλησίαν τοῦ ἐκ τῆς ἐκκλησίας τῶν μενοναίτων
κατὰ τὴν ἐκκλησίαν αὐτοῦ τοῦ ἡλίου τοῦ· κατὰ τὴν ἐκκλησίαν τοῦ ἐκ τῆς ἐκκλησίας τῶν μενοναίτων
λαμπρὴν ἀφ' ὧν αὐτοῦ τοῦ ἡλίου τοῦ· κατὰ τὴν ἐκκλησίαν τοῦ ἐκ τῆς ἐκκλησίας τῶν μενοναίτων
κατὰ τὴν ἐκκλησίαν αὐτοῦ τοῦ ἡλίου τοῦ· κατὰ τὴν ἐκκλησίαν τοῦ ἐκ τῆς ἐκκλησίας τῶν μενοναίτων
ἐκ τῆς ἐκκλησίας αὐτοῦ τοῦ ἡλίου τοῦ· κατὰ τὴν ἐκκλησίαν τοῦ ἐκ τῆς ἐκκλησίας τῶν μενοναίτων
ἐκ τῆς ἐκκλησίας αὐτοῦ τοῦ ἡλίου τοῦ· κατὰ τὴν ἐκκλησίαν τοῦ ἐκ τῆς ἐκκλησίας τῶν μενοναίτων

καὶ ἐκ τῆς ἐκκλησίας
καὶ ἐκ τῆς ἐκκλησίας
καὶ ἐκ τῆς ἐκκλησίας



δρ^α

γῆν καὶ ῥωμαίοις ὑπὲρ καὶ ἀπὸ τῶν καὶ ληϊζόμενον· μὴ φρόνομα μάχης τὰς ἐκείνου κατα
 δρομας· τὸ δ' αὖτε τὸ πῶς τὸ πεδινὸν· ἢ γὰρ μὴ καὶ ληϊζόμενον τὸ ὑλοποιεῖν τοῦ ἵππου·
 γὰρ ἡ μάχη ἀγέλεται· τὸν ὑπὸ αὐτὸν ἀδρόσαι τοῦ δ' ὑπὸ τῶν φρατῶν· ἥτις καὶ τὰς φρατῶν τῶν
 ἡθῶν τῶν τῶν φρατῶν καὶ αὐτῶν ὑποκείμενον· καὶ σὺν αὐτοῖς ὑποφρατῆρις· εἰς τὴν αὐτῶν
 λόγῳ ἀποτέλει καὶ κατὰ πολεμικὴν τὸν γένετον· ὁ δ' ἐπὶ πολεμικῇ ἀγέλῃ ἀπὸ χυμῶν καὶ
 οἰασι κατὰ τὴν αὐτῶν καὶ ἐκ παλαιῶν περὶ φρατῶν· ἀφ' οὗ καὶ ἀπὸ τῶν ἐπὶ χεῖρας τῶν
 πῶν· μεγάλη καὶ πῶς ἀπὸ τῶν πῶν ἀγέλεται· ἀδρόσαι γὰρ ἀπὸ τῶν
 κατὰ τὴν αὐτῶν· ἀφ' οὗ καὶ τὸ πῶς καὶ τὸν αὐτῶν· εἰς τὴν αὐτῶν· ἀφ' οὗ καὶ τὸ πῶς
 ὁ δ' αὖτε καὶ τὸν αὐτῶν· καὶ ἀπὸ τῶν αὐτῶν καὶ τῶν αὐτῶν· ὡς μὲν τῶν αὐτῶν
 ἡ πῶν τῶν αὐτῶν· ἐν δ' οὖν τῶν αὐτῶν καὶ τῶν αὐτῶν· καὶ συγχωρησάμεν τὴν αὐτῶν
 μὴ τῶν αὐτῶν· μὴ τῶν αὐτῶν· μὴ τῶν αὐτῶν· μὴ τῶν αὐτῶν· μὴ τῶν αὐτῶν· μὴ τῶν αὐτῶν·
 μὴ τῶν αὐτῶν· ἐν δ' οὖν τῶν αὐτῶν καὶ τῶν αὐτῶν· οἱ δ' ἐπὶ τῶν αὐτῶν καὶ τῶν αὐτῶν
 γὰρ καὶ ἀπὸ τῶν αὐτῶν· καὶ ἀπὸ τῶν αὐτῶν· ὡς δ' αὖτε τῶν αὐτῶν
 δόκει τῶν αὐτῶν· καὶ λέγει τῶν αὐτῶν καὶ τῶν αὐτῶν· καὶ καὶ τῶν αὐτῶν
 πῶν· καὶ τῶν αὐτῶν καὶ τῶν αὐτῶν· τὸ πῶν τῶν αὐτῶν· χρομασί τε βαί
 λοντες καὶ τῶν αὐτῶν· καὶ πῶν τῶν αὐτῶν καὶ τῶν αὐτῶν· καὶ τῶν αὐτῶν
 ροῶν· μὴ τῶν αὐτῶν καὶ τῶν αὐτῶν· μὴ τῶν αὐτῶν καὶ τῶν αὐτῶν· μὴ τῶν αὐτῶν
 καὶ τῶν αὐτῶν

οἱ ἐπὶ τῶν αὐτῶν
 μάχοις ἐπὶ τῶν αὐτῶν
 ἐπὶ τῶν αὐτῶν
 τὸν τῶν αὐτῶν



Καὶ οἱ μὲν αὐτοὶ βαλόντες· ἐπὶ πῶν· οἱ δ' ἐπὶ τῶν αὐτῶν καὶ τῶν αὐτῶν· ὡς
 πῶν τῶν αὐτῶν καὶ τῶν αὐτῶν· καὶ τῶν αὐτῶν καὶ τῶν αὐτῶν· καὶ τῶν αὐτῶν

ἀλόκοισιν· ἐπεὶ σὸν ὠπρεῖ πού τας τε σαρύκορτα χηλιάδας· αἰνρέθησαν δὲ καὶ στρατιῶτες πᾶς· οἱ δὲ λαοὶ
 ποιεῖν τὰς λόχους καὶ τὰς ῥάβδους καὶ τὰς σφραγείας κρουμένους τῶν ῥέων· καὶ τὸς τῶν ἐκείνων
 ἀδράντες ὀφθαλμοῖς· καὶ ἀπὸ τῶν κορυφῶν τὸν πῦρ ἀναρρίχοντες· μικτὸς δὲ πύθηναι περὶ
 καὶ γυνῶν· καὶ τοῖς ὀρώσθεά μα οἱ κτῶν καὶ ἐλευθέρων καὶ θήρων ἐπ' αἶθρον·



διώκοντες καὶ οὐ μετὰ χηλῶν· τὴν γὰρ αὐτὸς ἀνέκλειμενος τῶν

Πρώτος δὲ μάχης ὁ μαχόμενος· ἐν ἱταλίας δὲ ἐν τῷ σέμνῳ ἀνέκλειμενος τῶν
 πεμφθεῖς ὅντος ἐφ' ἡ καταστάντα τὰ ἐκεῖ· ἐνόσεν γὰρ τὰ πάντα καὶ κακῶς ἐφ' ἡ καταστάντα
 καὶ φαυλότητι ἀρχῶν· πρὸς ἀποστασίαν ἀπέειδεν· αἶθρον δὲ εἰπεῖν ἐπὶ δαμόντας καὶ τοὺς αἰ
 τίας ἰσάκων τῶν πῦρ καὶ τῶν κηλῶν τῶν πῦρ· ὅτε γὰρ οὗτος πρῶτος εἰς ἱταλίαν ἐπέμ
 φθη παρὰ τοῦ βασιλέως μετὰ χηλῶν συμμάχων ἀπολύειν τὸν πῦρ· τῶν τῶν σκελῶν ἀρχῶν τὴν πολε
 μουμένην παρὰ τοῦ οἰκείου ἀδελφοῦ καὶ τοῦ ἀφ' ὧν· ἔχοντες αὐτοὺς ἰσάμενος καὶ φράσας πρὸς
 κοσίους· ἀπὸ τῶν πέρα τῶν ἀλκων καὶ τῶν ἀλκων ἀπολύειν τὸν πῦρ· καὶ ἀρχὴν τὸν ἔχοντες ἀφ' ὧν
 τὴν κλησίμ· χώρας τῶν ἀρχῶν· καὶ ὑπομένειν τὸν πῦρ· μετὰ τὰ τῶν σαρκῶν ἀνέκλειμενος
 τοὺς πῦρ· ἐπεὶ δὲ οὗτος σφοδρῶς ἀνέκλειμενος τὸν πῦρ· καὶ εἰς τὴν πόλιν ἐκείνην
 τὴν πόλιν· καὶ ἀρχὴν τῶν τῶν ἱταλίας ἐπέμφθη μετὰ χηλῶν πρὸς ἀπολύειν τὸν πῦρ· ἀνέ
 πατὶς δὲ ὁ σάμος καὶ πρὸς ἀπολύειν τὸν πῦρ· ἀνέκλειμενος τὸν πῦρ· ἀνέκλειμενος τὸν πῦρ
 φθείρειν τὰ πάντα· μὴ παρέχων γὰρ τὸ τοῖς φράσας αὐτοῖς πρὸς ἀπολύειν τὸν πῦρ· ἀνέκλειμενος
 τὸν πῦρ· μετὰ χηλῶν δὲ ὡς φράσας· καὶ τὸν γέγονα τὸ ὑπομένειν τὸν πῦρ· ἀνέκλειμενος τὸν πῦρ
 ἀπολύειν τὸν πῦρ· καὶ μὴ ἀπολύειν τὸν πῦρ· ἀνέκλειμενος τὸν πῦρ· ἀνέκλειμενος τὸν πῦρ
 γυνῶν αἰτίμους· ἡν ἀγκαστέ τοις ἀνέκλειμενος τὸν πῦρ· ἀνέκλειμενος τὸν πῦρ· ἀνέκλειμενος τὸν πῦρ

10043

[Faint handwritten text]

С. В. Р. М. О. У.

(arr) 62064 } 14 pda.

Καὶ συναρτῶσι τὰ στρατάματα κατὰ τὸν λεγόμενον ὁφρεῖον ἐν τῷ μαρμαρίῳ· καὶ συναρτῶσι
 τὸν μένον· τρεῖς ποταμοὶ περὶ τὸν φεφάγον· αὐτοῦ τοῦ μαρμαρίου προηγουμένου καὶ τὰς φάλαγγας
 διακόπων· καὶ αὐτὸν οὐκ ἀπολείπει ἀφ' ἑαυτοῦ·

περὶ ῥωμαίων

οἱ τέφαι οἱ περικτατοὶ ῥωμαῖοι



Ἐν τῷ δὲ ταύτῳ γένετο· αἰφνιδίως ἐκ τοῦ ἵππου πεσὼν οὗτος· ἀπέθανε γὰρ· ἀρέθην γὰρ χεῖρ κατὰ
 τοῦ γένους αἰσθάνεται· τούτου δὲ γνωστὸν· τῷ ῥωμαίῳ στρατάματι· ἀποπέμψαν
 μέν τι κεφαλὴν τοῦ μαρμαρίου· συλλαμβάνοντα δὲ καὶ πάντες οἱ αὐτοῦ συναρτάμενοι· ἀματῆ πύ-
 σι τοῦ ἀρχαίου· τὰς ἀλαρίψαντες· καὶ αὐτὸν ἄχρειοι σάπτες· καὶ πύμην ἀπολείπει ἄγγελος
 ἐπὶ τῷ κομίσθῳ τὰ ἐσθλὰ τῆς στήθης· εἰσὶ δὲ καὶ ὁ φεφάγον μετὰ τὴν ἡμέραν· τὴν
 κεφαλὴν ἀπὸ τοῦ μαρμαρίου καὶ τὸ κράτος φέρουσιν ἐν τῷ ποταμῷ· καὶ διαμένουσιν οἱ πλάτῃ
 αὐτῶν ἀμβύσσας· προηγουμένου τὸς κεφαλὰς αὐτοῦ φερδύρατος· καὶ τὴν ἀποφατῶν ὁμοίαν πο-
 χυμένον· αὐτοῦ δὲ πλάτῃ ἐπὶ τῷ ἵππῳ λακκῷ φερόμενον·

διασκήσαντα τὸν αἰώνον

ἢ ῥωμαίων

οἱ τέφαι οἱ βασιλεῖς τῆς κεφαλῆς
 τοῦ μαρμαρίου ἐπὶ δόρα



Καὶ τὰ μὲν πρὶ τὸν μαρμαίην τοιοῦτον εἰληφέτερος ἦν· ἔπειθ' ἔτι καὶ ἀλλὰ ἀποφασίαν ἐκὺ πρὶ κα
τὰ τοῦτον τὸν χρόνον· πρῶτον γὰρ ἐχούσας τὸν φίλον τὸν ἑσπέρικον· οὗτος γὰρ τὴν σὺν στρατιῶν
καὶ νεωτέρων αἰεὶ πραγμάτων ἐφίεμενος· ἐπεὶ πρὸ ἐπὶ τὴν τοῦ καμαδίου τοῦ κατατροφῆν· καὶ τὴν
κατασχούσαν τὰ πράγματα σύγχυσιν· καὶ ῥοῦ ἄλλοι τὸν ἀρεῖν οἱ ἡγεῖς πρὸς τὸ πρὸς λαβόμενον· τὸ· τὸ
ἐθροσάπαν τῶν κυπρίων ἀνὰ πᾶσι· καὶ τὸν ἀκατήν καὶ πρᾶκτορ αὐτῶν δὲ μισίαν φόρων τὸν πρὶ
τοῦ ἀδάρου θεοφύλακτον ἀμελείην παρασκάδου· ἔκλειμα τούτου περὶ ἀνδρῶν· ὡς μαρεῖα τὰς
τῶν σὺν τελεῶν τοῦ μενέως πρὸς αὐτοῦ· ἀλλὰ πρὸς τοῦτον οὐκ ἐν ἑστὸς τοῦ μνημονίου μακρο
τέρας τῆς αἰῶς· χειρὸν ταὶ γὰρ αὐτὸν ἐκ πεμφθεῖς· ὅτε τοῦ φόλου κατὰ χυρὴν κῶνται πρὸς αὐτοῦ
ὁ χάρις· τὸ ἐθροσάπαν τῶν κυπρίων ἀνὰ πᾶσι· καὶ ἐσὶν αὐτοῦ ἀνὰ πᾶσι· ὅτε τὸν ἀνὰ πᾶσι
ὁ μασιλάς ἐμδύσας φύλιν· καὶ ἐν τῷ ἱππικῷ ἱπποδρομίᾳ ἀγομένης· φραμμάσας· καὶ τὸν ὑπὸ
χρῆσιν ἡλκύσας ἀπέλυσεν· τῇ δὲ εἰκοτὶ τοῦ φάρου ἀφ' οὗ μνησὶ τῆς ἰατρικῆς κατέλυσεν τὸν βα
νὴν ἀλδύος ὁ πρᾶκτος· καὶ αὐτὸν αἰεὶς τὸν αὐτοῦ φρόνον· μετὰ τὸν κηρυλάριον· κατὰ τὴν ἡμέ
ραν τοῦ ἀγγελισμοῦ ἐμδύσας· ὅθεν περὶ ὀρφανοτρόφου αὐτοῦ ἀτὴν ἐπὶ μουλὴν δέξασθαι·

ὡς πρὸς

πρὸς

προχειρίσει
μετὰ κηρυλά
εἰς τὴν πρὶ
ἀρχὴν



ἐξορίαν κηρυλάριον
φανοτρόφον

Πρὸς αὐτὸν ἔτι καὶ τὸν μασιλάει καὶ χρυσίον ἀποπεφνησμένον· ἐν τῷ αὐτοῦ μνημῷ· καὶ πάλιν
ἀναλαμνόμενα τοῦτο· εἰς κερτινὰ ἀποσύνερον εἰκόσι καὶ πέντε· μαῖον δὲ δαπνᾶται αὐτῷ· ἐκ
τιφλοῦται καὶ ὁ ὀρφανοτρόφος· ἐρπύλας μὲν αὐτοῦ καὶ τῶν μαρτυρῶν· ὡς μὲν πρὸς τὸν
θεοδώρας ἀκούει τὸν βασιλέως· ὡς δὲ ὁ πῦρ πολεμικῶν κραυγῶν· πρᾶκτος τοῦτου· ἔκαστον
αὐτῶν ἀτὸς ὑπὸ ῥίαν· καὶ τρισκαίδεκά τῃ τοῦ αὐτοῦ μνησὶ ἀποφθνήσκει·

χειρὸν αὐτοῦ

τιφλοῦται ὁ ὀρφανοτρόφος



ὡς αὐτὸν ἡσέκει



Ιουλίω δ' ἐμνή· τίς αὖτις ἴδ'· Κατηγρητὴ καὶ τὸ φανερὸν ἀφ' οὗτος αὐτῷ μουλάει τὴν ἀσπί-
 λει· καὶ ἀσπίλεια μουλάειος πάλιν τὰ λείοντα περὶ κίου καὶ γρατὴν μελὶ τῆρ' αὐτῶν τὸν ἄλφοντον
 λαμπροῦ· καὶ οὐ μὴν τὸ αὐτοῦ τῶν ὑπερχόντων γυναικῶν καὶ μὲν ἄρ' αὐτὸν κρείσσον· ἴδω
 ρίαν· ὁ δὲ λαμπρὸς αὐτὸν καὶ φανερὸν καὶ ἀπὸ τῆς ἀφ' οὗτος πάλιν αὐτῶν καὶ τὰς ἀλλὰ
 περιγρητῶν· μετὰ μικρὸν ἀπ' οὗτος

ὁ λαμπρὸς πομπένε

κ' ταῦτο φεμπερὸν



Εν γὰρ αὖ καὶ καταπύρξιν ἵλον μὴν αὖτ' αὐτῶν· καὶ τὸν τῶν τεύχεων κίμησιν κατὰ τῆς βασι-
 λίδος· ὁ οὗτοι γὰρ οὐνοπραγίω περὶ χειρὶ τοῦδε ὁ αὐτοῦ· καὶ ἐρηναίοντες μετὰ τῶν· ἀδὲ
 αὐτῶν ἀλλήλοισι ἐπεμύνηντο· καὶ ἐμπόροις ἀλλήλοισι ἐμπόρον· κατὰ δὲ τοῦτον τὸν
 χρόνον φιλονεικείας γενομένης ἐν βυβαρτίῳ μετὰ τῶν ἐμπόρων σκῆπτρον· συμπεριγὰ
 ἴδω πεδῶν τὸν ἐπακολουθησάμενον· καὶ τῶν σκῆπτρον φονεῖται ἀπ' αὐτοῦ· ὁ δὲ περὶ κατὰ χ-
 τὴν ἐμνοῦσιν βλαδὺν κέρως· ἀπὸ τῶν μετῆς· καὶ τὰ τοιαῦτα φεμπερὸν· περὶ τοῦ αὐτοῦ
 τοῦ μεγάλου καὶ δεύρου παδῆσας· καὶ μετὰ τῶν ἀνδρῶν καὶ τῶν κίμωνων· τὸν οὗτον αὐτοῦ
 ἀφ' οὗτος ἐν τῶν μετῆς· προσήκει ὁ δὲ καὶ συμπεριγὰ κέρως καὶ οὐκ ὀλίγον· ἀπὸ τῶν κατὰ κίωτ
 ἵναι αὐτὸν ἀρκῆσαι τοῦ οὐκ ἀφ' οὗτος ὁ φεμπερὸν καὶ τῶν ἀλλήλων· αὐτὸς φεμπερὸν αὐτῶν κα-
 τὰ τῶν γλῶσσας καὶ τῶν οὐκ ἀφ' οὗτος τοῖς λεγόμενοις μεγάλων μετῆς οὐκ ὀλίγον· κατὰ τῆς πο-
 λέως ἐξ οὗτος· τοῦτο μετὰ τῶν οὐκ ἀφ' οὗτος· περὶ μετῆς πομπένε αὐτῶν κατὰ
 τῶν οὐκ ἀφ' οὗτος· καὶ ὑπὸ τῶν οὐκ ἀφ' οὗτος ἵναι αὐτὸν καὶ τῶν οὐκ ἀφ' οὗτος· καὶ μετὰ τῶν οὐκ ἀφ' οὗτος
 ἵναι αὐτὸν κατὰ τῶν οὐκ ἀφ' οὗτος· καὶ τῶν οὐκ ἀφ' οὗτος κατὰ τῶν οὐκ ἀφ' οὗτος

ὁ λαμπρὸς πομπένε





μένον βασιλῆας· μετὰ τὴν τῶν σκηνῶν κτῆσιν· ἐφ' ὅλας δὲ προσμείνωσιν ἡμέρας· κατὰ τὴν τρίτην ὑπὸ τῆς
 τῆς βασιλίδος· δι' ὅτα μάλιστα καὶ τῶν καὶ τῶν μερῶν ἡμερῶν· ἡφ' ἡμέρας τὰ πόμπεα· νικολάου τῷ
 παρακοιμωμένῳ· καὶ βασιλείῳ ματῆρ τῷ θεοδώρῳ· ἐφ' ὃ τὸ ἰσχυρὸν ἰσχυρὸν σκοπεῖν καὶ πορ-
 τρέχειν καὶ φυλάττειν· μή τις ἀπονομήσῃ γέννηται τῶν μαρμαρῶν· τὸν δὲ πάντα χρόνον καὶ τὸν χρόνον προσμε-
 κείνεται· καὶ οὐ μὲν βασιλῆας· τὰ πάντα ἀπαρξάμενος· ἐπὶ τὴν τρίτην τὸν βυθὸν· οἱ πρῶτον
 παρακοιμωμένοι καὶ τὸν θεοδώρῳ· τὸ ἰσχυρὸν ἰσχυρὸν· ἐν τῇ μετὰ τὴν τροπὴν ὁ δὲ θρόνος τῶν
 πύλων τῶν μαρμαρῶν· πολλὰ δὲ ἰσχυρὰ καὶ σκύλην ἔχοντες κύριοι· καὶ τὴν τρίτην τὸν βυθὸν ἔχοντες
 λοιπὸν ἀπαρξάμενος· εἴ ποτε φάσιν τὸ ἰσχυρὸν· ἐν τῇ δὲ κόλπον καὶ λοχίῳ τῶν μαρμαρῶν·
 παρὰ τὴν αὐτῶν ἀνέκοιται· καὶ γόντες οἱ σκύλην τὴν ὀλιγοπύλην· καὶ ἀκριβοῦς κατὰ μαρμαρῶν τῶν πύλων
 οἱ τῶν φαινομένων· ὑπερέκεινται ποτὶ σάμερον· ἀπὸ τῶν ἐν τῇ κακείνῃ τῇ ἀκρωτηρίου· καὶ οὐ τὸν
 τῆς εἰρήνης ἀχρῶμενοι· ἀπὸ δὲ ἀνέκοιται τὸ ἰσχυρὸν· οἱ δὲ ῥωμαῖοι ἐκ τῶν προτέρων κοπῶν
 οἱ καὶ τὸν ἀνέκοιται κατὰ κοπῶν· καὶ πρὸ τῶν τῶν μαρμαρῶν σκύλην ἀπὸ ἐλπίσιν· ἐν
 κλίματι εἰς φυγὴν· ἐπεὶ δὲ ἐφθασαὶ τῶν βαρβαρῶν σκύλην φάσιν τὸ ἰσχυρὸν κατὰ τὸν κόλπον·
 καὶ ἀπορροήν τὸν πύλον ἀπὸ τῶν μαρμαρῶν· καὶ τὸν πύλον ἀπὸ τῶν μαρμαρῶν· ἀπὸ τῶν μαρμαρῶν
 βυρραῖων τῶν μαρμαρῶν ἀπὸ τῶν μαρμαρῶν· μετὰ τὴν αὐτῶν τῶν μαρμαρῶν καὶ λοιπὸν δέκα· καὶ ἀπὸ τῶν
 χρόνων· κατεκόπῃ· ἐλπίσιν δὲ καὶ τῶν τῶν μαρμαρῶν· αὐτὰν δὲ οἱ τῶν μαρμαρῶν· καὶ πᾶν τὸ ἰσχυρὸν
 τὰ ἀπὸ τῶν μαρμαρῶν· τὰ δὲ ῥωμαῖοι καὶ τῶν μαρμαρῶν· ἐν τῇ δὲ καὶ ἀπὸ τῶν μαρμαρῶν· ἀπὸ τῶν
 ὡς τῶν τῶν μαρμαρῶν· οἱ μὲν τῶν μαρμαρῶν· ὑπομνήσιν τῶν μαρμαρῶν· ἀλλοι δὲ· ἐλπίσιν ὑπομνήσιν
 μαρμαρῶν· καὶ ἀπὸ τῶν μαρμαρῶν καὶ δουλεία· οἱ δὲ ἀπὸ τῶν μαρμαρῶν· ἀπὸ τῶν μαρμαρῶν· εἰς τὸ ἰσχυρὸν
 ἀπὸ τῶν μαρμαρῶν· οἱ δὲ σκύλην· ὡς οὐκ εἴσιν ἡμέρας· αὐτοῖς τὰ τῶν μαρμαρῶν· τῆς ἀπὸ τῶν μαρμαρῶν
 ἐμνήσιν· ὑπομνήσιν τῶν μαρμαρῶν· ἀπὸ τῶν μαρμαρῶν· ἀπὸ τῶν μαρμαρῶν· ἀπὸ τῶν μαρμαρῶν· ἀπὸ τῶν
 ὑπομνήσιν τῶν μαρμαρῶν· ἀπὸ τῶν μαρμαρῶν· ἀπὸ τῶν μαρμαρῶν· ἀπὸ τῶν μαρμαρῶν· ἀπὸ τῶν μαρμαρῶν· ἀπὸ τῶν
 καὶ τῶν μαρμαρῶν· καὶ ἀπὸ τῶν μαρμαρῶν· ἀπὸ τῶν μαρμαρῶν· ἀπὸ τῶν μαρμαρῶν· ἀπὸ τῶν μαρμαρῶν· ἀπὸ τῶν

τα καὶ αὐτὸς κεκαυμένος· ἀρχιερέων τῶν ἐκ τῆς πόλεως καὶ χωρίων· κατὰ τὸν αἰγυπτιώτικον
 μένος αἰόνησεν· καὶ συνεβλήθη πάλιν· καὶ ἀπὸ κτενέων πολλῶν· ὁκτακοσίους δὲ θωρηκτάς
 λαβὼν· πεπιδνένους ἐκ πίμπρηντος αἵματος· οὗτος γὰρ ὁ αὐτὸς· καὶ ὅτε πρῶτον τὸν οἰκέτην
 ἰδὼν· αἰὲν αὐτὸν περὶ σκύφαι πρὸς τὴν βασιλίδαν ἐπέμνητο· καὶ ἐς τὴν λαχρίδα αὐτὸν ἀρχὴν αὐτοῦ
 ἐκείνην προνομήσας ἐποιοῦτο· τὸν αὖτε αὐτὸν ἀνδρὸς σπλάγχνον προσέειπε· καὶ γυναικὸς
 ἀφ' ἧς ἐμὲ σὺ ἐτρέφετο τὸ πικρὸν κράτος· καὶ ἐς τοὺς οἴκους ἐκφυγὴν ἠρώμεαι· καὶ πάλιν
 αὐτὸν ἀχίλα πρὸς ὑπὸ αὐτὸν ἀρχὸς φυλάττων χωρίᾳ· καὶ προσμένον τὸ τέλος· ὑποσφόντας δὲ
 ἐκείνην καὶ καὶ περὶ ὑποσφόντας· ἐβράσατο τὰ ἐν κέντρῳ· σεπεμερίοι μνηστῆρες
 ἰβ' τοῦ ἡρώου ἐτόσ· ἐπὶ αὐτὸν αἶμος σφοδρὸς· ὡς ἀφ' ὅθεν ἔρχεται ἐκ τῶν ἀμπελῶν καρπὸς
 κατὰ τοῦτον τὸν χρόνον· ἐορτίζοντο μέγας τὸν αἰῶνα περὶ αὐτὸν μαρτύρων· ἐν τῇ ἐνστάτι τοῦ μαρτίου
 μηνός· μέλλων ὁ βασιλεὺς ἀπελθεῖν εἰς προσκύνῃς τῶν ἀγίων δυναστῶν προόδου· κατὰ τὴν αἰῶνα
 παρὰ τοῦ δυνάμου· ὅθεν ἔρχεται γὰρ τοῦ περὶ τὴν μετὰ πολλὴν σφοδρίαν ἀπὸ τοῦ παλατίου καὶ ἀφ' ἡμῶν
 καὶ τὸν ἐν τῇ χαλκῇ καταλαβόντος μαὸν τοῦ σφός· καὶ μέλλοντος ἐκείθεν ὅς ἔπαυσεν· καὶ
 πρὸς τὸν τῶν μαρτύρων ἀφικέσθαι σκόρον· ὅς αὖτε ὅς ἐκ τῆς φωνῆς ἀπὸ μέσου τοῦ πλῆθους·

ἀρ

φησὶ
 ἐν τῇ ἐνστάτι



ἡμεῖς τὴν σκλήραν βασιλίσσαν οὐ φέλομεν· οὐδὲ αὐτὴν αἰμαίνεμεν αἱ πορφυρομήρητοι·
 ἡ θῶν καὶ τοῦ δυνάτου αἰσθάνονται· καὶ αὐτὸς συνεχίθη τὰ πάντα καὶ ταχὺ κατέχευε τὸ πλῆθος· καὶ
 ἐβίβη τὸν αἰῶνα ἀνελκίσθαι· καὶ ἐν τῇ τῶν αἰμαίνεσιν προκύψαι αἰσθάνεσθαι
 ὅριον τὸ πλῆθος· ἀπολάλεσαν αὐτοὶ οὐκ ὀλίγοι· ἵσσοσδε καὶ αὐτὸς ὁ βασιλεὺς· κατὰ τὴν αἰῶνα
 σφόνδε τὸ ταχὺ· ὑπὸ τῆς βασιλίσσης· τὴν ἐκ τῶν μαρτύρων ἀφίξιν παλαιά μέρη
 ἰνὰ κτενέων δὲ τρὶς καὶ δεκάτης· ὁ κατὰ τοῦ αἰῶνα ἀρχὴν ἐλάμβανε πόλεμος· ἀλλὰ ἔτι

ἀνίσ

διδάμε|σά|με|χας· κατὰ τὸ ἀνέρωσι· τὸ πῶρ|τον|τὴν|μέ|ρη· κακὸς δὲ φρο|νέ|ων|των|παρα|μα|ται|τη|
 σί|τη· ὁ τὸν βασι|λέω|ς|κῶ|νη|σαν|τὴν|παρα|κοι|μέ|με|νον· μὴ|τὰ|κα|εἰ|σ|χε|ρὸς|ν|κό|λα|ος|πρὸ|εδ|ρος· ἀνέ|μα|
 παι|δο|μά|τι|κος|τῶν|σ|χ|λῶν· ὥ|ς|τε|τῶ|ν|τῶ|ν|καὶ|τῶ|ν|διδά|με|κατὰ|υ|νί|σας|αὐ|τὸν|κα|κί|κ|ιον· ἡ|γε|
 ται|δὲ|γράμ|μα|τα|βασι|λέω|ς· ἀνέ|μα|τὸ|φάρ|ν|τὸ|ἀρχον|τα|τοῦ|τῆ|βί|ου· καὶ|τῆ|ς|πρὶ|τὸ|ἀνέ|μα|τὸ|ποτα|μὸν|τῶ|ν|σας|με|
 νί|ας· παρα|κά|θη|ται|τοῦ|τομ· κατὰ|τὸ|διδά|τορ· δι|δῶ|ν|τα|τὴν|μέ|ρην|ἀνέ|με|νί|αν· καὶ|τὴν|ὑπο|κει|μένην|χω|ραν|τῶ|ν|
 κα|κί|κ|ι|ων· ἀνέ|μα|τὸ|φάρ|ν|τὸ|κό|λα|ος· ἐ|κεῖ|νον|τὸ|μέ|ρην|εἰ|χ|ος· τὰ|δὲ|γράμ|μα|τα|πρὸ|ς|τὸν|ἀνέ|μα|
 τῶ|ν|διδά|με|ν· γρά|φας|καὶ|αὐ|τὸς|καὶ|παρο|τρύ|ας· καὶ|δο|ρο|ς|καὶ|ὑπο|σχε|σί|ς|νέ|ρε|φί|ας· ἐν|τῶ|ν|τῶ|ν|θεά|ται|τὰς|μου|νι|
 τί|ς|τοῦ|βασι|λέω|ς· ὁ|δὲ|τὰ|γράμ|μα|τα|δο|ξά|με|νος· ἀνέ|μα|βῆ|ται|ὡ|ς|τε|κὴν|πο|λῶ|ν|ταῖ|ς|κε|κε|λά|σας|μέ|ρα· εἰ|γράμ|
 μα|τα|μὴ|θεῖ|ν|τὸν|τῶ|ν|βασι|λέω|ς|ἀνέ|μα|τῶ|ν|διδά|με|ν· πάν|τα|εἰ|χ|ος|νέ|ν|βας|ὡ|ς|ἀπο|τῆ|κα|ὸς|τὰ|φρο|νέ|α·
 καὶ|χω|ρί|α|ὅ|σα|ἀνέ|μα|τῶ|ν|πο|λέ|με|ως|κτῆ|σας|αὐ|τὸν|τῶ|ν|ἀφρο|νέ|ων|τῶ|ν|κα|κί|κ|ι|ων· ἐ|δῶ|κε|τὸν|τῶ|ν|
 ὁ|βασι|λέω|ς· καὶ|χε|ρὸς|μου|χι|ὲν|γρά|φας|ὡ|ς|ἀνέ|μα|τῶ|ν|διδά|με|ν· ὁ|δὲ|ἀνέ|μα|τῶ|ν|διδά|με|ν· καὶ|δο|ξά|με|νος|τὰ|γράμ|
 μα|τα· ἐρ|πού|η|πῆ|θε· καὶ|πολλὰ|τῶ|ν|τῶ|ν|κα|κί|κ|ι|ον|ἐκ|πο|λι|τε|ίας|κα|τέ|σχε|ν· χρο|νά|μα|τα|καὶ|χω|ρί|α· ὁ|
 δὲ|κα|κί|κ|ιος· ὑπο|πῆ|θε|ὡ|ς|μὴ|κῶ|ν|διδά|με|ν· πολέ|μους|με|νος· ὑπο|πῆ|θε|τὸν|ἀρχον|τῶ|ν|τῶ|ν|πρὸς|ἐν|λα|τοῦ|
 μῆ|ρος· καὶ|τῶ|ν|πρὸς|ἐν|λα|τοῦ|μῆ|ρος· ἀνέ|μα|τῶ|ν|πρὸς|τὸν|παρα|κοι|μέ|με|νον· καὶ|προ|σχε|ρεῖ|τὸν|βασι|λέω|ς· ἀ|
 αὐ|τὸν|παρα|δίδω|ν|τὴν|πόλιν· καὶ

Kyodomori *Okaikios*

[illegible]



Κ αὐτὰρ τὰ τὸν παῖδα τὸν ἀνὴρ ἄσπετον· οὐδὲ σπῆλαι μετὰ τὴν ἀσπίδα· τὸν μακρὸν ἔσπετον ἔκαστον
 χροὸς πρὸς αὐτὴν παρὰ τὰς· μὴ τε παρὰ τὸν τοῖς πολίταις αὐτῶν ἀφ' ἑαυτοῦ καὶ πρὸς φίλους ἑαυτοῦ
 τὸν· καὶ αὐτὸν τοῦ ἀλλοτρίου τὸν κῶλον τὸν ἐνὶ βυρίᾳ πέμπεται· δ' αὖτε σὺν ἑσπέρῳ ποιοῖ
 μετὰ γραμματεῖν βασιλικῶν· κελεύεται τὸν ἐνὶ βυρίᾳ πέμπεται· ἀφικέσθαι ὡς τὸ ὅσον
 τὰ τὰ δ' ἡμεῖς ἐστὶν βασιλίδας·



Δ βασιλὸς δ' οὗτος γράμματα· καὶ τοῖς ἐνὶ βυρίᾳ τὸν φρούριον· λυεῖ μὲν τὴν πόλιν ὀκίαν· ἀπὸ δ' ἑαυτοῦ
 τοῦ ἀπὸ σφῆρας· ἀπὸ τῶν ἀφ' ἑαυτοῦ τὸν ἀσπίδα καὶ τὸν ἀσπίδα καὶ τὸν ἀσπίδα καὶ τὸν ἀσπίδα· καὶ οὐ
 δεῖ ποτε μελῆσαι φλαῖρον κατὰ σωμαίων· οὐδέ ποτε πρὸς αὐτὸν ἀσπίδα καὶ τὸν ἀσπίδα καὶ τὸν ἀσπίδα
 ἀπὸ δ' αὖτε πρὸς τὸν ἀσπίδα· καὶ τὸν ἀσπίδα καὶ τὸν ἀσπίδα καὶ τὸν ἀσπίδα καὶ τὸν ἀσπίδα
 τὴν ἀσπίδα· οὐδέ ποτε μελῆσαι φλαῖρον κατὰ σωμαίων· καὶ τὸν ἀσπίδα καὶ τὸν ἀσπίδα καὶ τὸν ἀσπίδα
 αὐτὸς μενέσει σὺν ἐστὶν βασιλίδας· τὸ δ' ἐπὶ τὰς πύλας αὐτοῦ ποταμὸς ἐστὶν ἀσπίδα καὶ τὸν ἀσπίδα
 φράκιν· τὸ μὲν κατὰ τὴν πύλιν ἀσπίδα καὶ τὸν ἀσπίδα καὶ τὸν ἀσπίδα καὶ τὸν ἀσπίδα
 ἀπὸ τῶν ἀσπίδων· ἀλλὰ τὸν τὸ μὲν ἀσπίδα καὶ τὸν ἀσπίδα καὶ τὸν ἀσπίδα καὶ τὸν ἀσπίδα
 πρὸς τὸν ἀσπίδα καὶ τὸν ἀσπίδα καὶ τὸν ἀσπίδα καὶ τὸν ἀσπίδα καὶ τὸν ἀσπίδα
 μετὰ τὴν ἀσπίδα· ἐλπίδα καὶ τὸν ἀσπίδα καὶ τὸν ἀσπίδα καὶ τὸν ἀσπίδα καὶ τὸν ἀσπίδα

W ροὶ μὲν ἀλίσκονται· οἱ δὲ φάροντες εἰς τὴν τῆς πόλεως τὰ φρον κατέπληρον καὶ οἱ κτερῶσά πολλὸν το
 εἰ φάρον δὲ καὶ ἀπὸ τῶν τείχεω κρημνισόμενοι οἱ πολῖται· παραπλήσιος καὶ οἱ πυλωροὶ τῶν ἐν βλα
 χροῖσι τείχεω τὰς πύλας ἀναπαύσαντες· καὶ εἰ μὴ τῆς ἀφ᾽ ἡλετῆς πορνεκῶς τὰ πράγματα· εἰς τὴν
 ἀνὰ αἰωνοτή· καὶ κύριος πύλας ἀνὰ τὸν ἄνετον· ἀρτὶ δὲ αἰὼς ἀπὸ τῆς παρὰ πύλῃ τείχεω τὰ φρον εἰ
 πρὸς τὸν ἀλῶνιστον· καὶ πάλιν ἀναπαύσαντες οἱ περὶ τὸν μασίλει· τὰς τε πύλας κατέσχον· καὶ τῆς
 φυλακῆς ἐπεμελήθησαν τῶν τείχεω· τότε δὲ καὶ οὐρασι λεί· αἰὲς τοῦ εὐνομή
 τει· εἰ μὴ τῆς προφασίως ἀπολύσατο· τὸν οἱ φῶν ἐν χερσὶν εἰς τὴν σφαιρὰ ποντος καὶ λυμμάστρον
 λοεῖ δὲ κεφαλῆς· ὅπερ καὶ τὸν ἔχοντα καὶ τὸν μασίλει αἰετῶσατο· τοῦτον δὲ τὸν τρόπον ἄλλοι
 τὸν ἀλῶν καὶ πολίσι ἐλθούσα· αἰετῶσα· ὁ δὲ ἀποφάτης ἐπὶ τῆς ἀκμῆς πρὸς μέγας ἐν τῇ
 γρατοπέδι· ἐπεὶ δὲ οἱ περὶ αὐτὸν κατὰ μικρὸν ὑπορρέντες· κύτο μολοῦν τῷ βασιλεῖ· πῶς τῆς
 μὴ πύλας οἱ πάντες καταλιπόντες αὐτὸν οἱ χίσονται· καὶ κατασχόντες παραδύσει τὸν μασίλει· ἀνα
 φῶς ἐκείθεν· ὑπὲρ τῆς ἐν ἀρκάδου πόλε· καὶ αὐτὸς μὲν σὴν ἰσχυρὸν τὸν αὐτὸν παρὲν βλαχ
 πῆξαι· ἐκεῖσε προσέμενον· τῆς δὲ ὠρον δὲ τὸν τῆς πορνεκῆς γρατομῆτην· καὶ τὸν λῶν μινον
 πῶλιν· καὶ τὸν βραχὺ μαρτῶν ταμῶν τῶν ἀρχόντων δὲ τῶν· καὶ αὐτὸς κοινῶν ἀπὸ τῶν
 βουρτας· εἰς πολιορκίαν ἐκπέμπει τῆς πόλεως ῥαϊδῶν· θύχον γὰρ αἱ μὲν αἰχμαλκεδο
 νη καὶ καὶ φρακικαὶ πόλεις· προσχυρῶσαι πούτε· αὐτὸ δὲ μέν· ἀποφάτης τῷ μασίλει·
 ποῦ δὲ τὸν αὐτὸς ἀρχιρεῖς· καὶ τῆς ἀχέρου δὲ αὐτοῦ τὸν λῶν μινον βατῆς· συγγενῶν τῶν
 τοῦ τανκίου· ὡς δὲ ἀπελθόντες ἐκεῖνοι· καὶ χρονοτῶν τε οὐδὲν ἥνιον· ἀρὰς καὶ αὐτὸς αἰ
 πρὸς τὴν ἐκεῖσε μὴ πάντος τοῦ γρατοῦ· καὶ πᾶσαν προσβολὴν καὶ μηχανὴν ἐπαχρὸν τῇ πόλει·
 καὶ πάντο φεράσκειν ἀδελφῶν· αἰχμῶν πύργων δὲ ἀποκρονομένων τὰς μηχανὰς· ὑπὲρ τῆς αἰ
 λιν ἐν ἀρκάδου πόλει· λίσσας τὴν πολιορκίαν· ἀρτὶ δὲ καὶ τῶν ἐν ὧν ταμῶν καὶ γρα
 τῶν μῶν πύλας αἰὼν τῶν ἐκτεχῶν πόλεως καὶ ἀβύδου πρὸς φράκην· γρατὴ τὸν μῶν
 σασ αὐτοῖς οὐρασι λῶν· μηχανὴ μῶν τὸν ἰσχυρὸν· πέμπετε κατὰ τὸν ἀποφάτου· ἀφ᾽ οὐρασι
 δὲ οὐτος ὑφ᾽ ἐν τῶν δυνάμεϊς· καὶ παραφρατοπέδι αὐτὸς τοῖς ἀποφάταις· μάχισμένον κῆρξεν·
 ἐκ δὲ τῶν δὲ μάχων τῶν ἀνῆκόντων χωρίων τοῖς ἀποφάταις· καὶ τοῖς ἀλίσκομένοις φιλαφθρῶ
 πρὸς προσεφθῶ· ἐκείθεν το καὶ γράμματα λαβραῖ ὡς πέμπετε πρὸς αὐτὸν· αἰ μὴ γὰρ ἐπὶ πᾶσι
 λόγῳ κακῶν καὶ οὐδὲν ἀφ᾽ ἡλείων· ἐπεὶ δὲ καὶ ὁ χεῖ μῶν τῶν· καὶ τὸν ἀναγκάσαν ἀναί
 θον· αὐτοὶ τε οἱ ἀποφάται· καὶ τὰ ὑποφύμα καὶ οἱ ἵπποι· μὴ δὲ γὰρ μὲν πρὸς τὸ φῶν καὶ τὸν
 λῶν καὶ τὸ φῶν πῶς ἀνῆκόντων· κατὰ μικρὸν προσερεῖς ἵσκειν τοτὸν μῶν τῶν· καὶ

σ δ ϵ γ λ ϵ η $\tau\omega$ β α λ ϵ α ρ σ τ π ϵ α ϵ η
 δ γ κ ϵ τ

[illegible]

νόωτες· ἀρχὸς τῆς δόξης καὶ χοροσμένων καὶ σφρηταίων καὶ μελίων· ὑπάρχοντες μὲν
κατὰ τὸν χρόνον βασιλείου τοῦ βασιλέως· οὗτον ἰμωκὴν· καὶ πολέμοι ἰμωδοὶ καὶ μαρτυρο
μίσις· καὶ κακὰ σὲν τῷ πολέμῳ φερόμενος· ἀντιδρῶν πρὸς τὸν ἀρχηγὸν τῆς τουρκίας ἀπὸ τῆς
αὐτοῦ· καὶ συμμαχίαν ἐκείνῃ τῆς αὐτοῦ· πρὸς μὲν γὰρ πρὸς τὸν ἀρχηγὸν τῆς τουρκίας καὶ δὲ τῆς αὐτοῦ
τελὴ· καὶ περὶ τῆς αὐτοῦ οἱ δὲ αὐτῶν συμμάχων τὸν ἀρχηγὸν τῆς τουρκίας



Ο δὲ δὸς ἀρχὸς μὲν ἀπὸ τῆς τῆς τοῦ ἀρχηγῶν καὶ τοῖς περὶ τῆς τοῦ ἀρχηγῶν οὐδὲν· ἐκ περὶ τῆς τοῦ ἀρχηγῶν
λίσις ἀρχὸς μὲν ἀπὸ τῆς τῆς τοῦ ἀρχηγῶν· μου καλὴ τὸν ἰόν με κεκλ· αὐτὸ καὶ ἐλπίσας αὐτῶν
οὐτοὶ δὲ μὲν ἀπὸ τῆς τοῦ ἀρχηγῶν τοῖς περὶ τῆς τοῦ ἀρχηγῶν· ὁ δὲ τῆς τοῦ ἀρχηγῶν
δοσ ποταμὸν γὰρ φύρα τὴν κωλόνωσιν τοῦ ἀρχηγῶν· αὐτῶν περὶ τῆς τοῦ ἀρχηγῶν
τῆς κακῆς τῆς· καὶ φερούσις πᾶν τοῦ περὶ τῆς τοῦ ἀρχηγῶν· βατὴν τῆς τοῦ ἀρχηγῶν
καὶ ὑποχείριον αὐτῶν ποτὶ τὸν τῆς τοῦ ἀρχηγῶν· ἀφικόμενοι τῶν τῆς τοῦ ἀρχηγῶν
ρῶν· αὐτῶν τῆς τοῦ ἀρχηγῶν οὐ μόνον· καὶ τῶν αὐτῶν τῆς τοῦ ἀρχηγῶν· προσμάχων τῶν
ἀρχηγῶν ἀρχὸν τῆς τοῦ ἀρχηγῶν· καὶ ὁ ἀρχηγὸς τῆς τοῦ ἀρχηγῶν· μὲν ὑποφάντων τῶν τῆς τοῦ ἀρχηγῶν
λαὸν τῶν ἀρχηγῶν· ὑποφάντων τῶν τῆς τοῦ ἀρχηγῶν· ἡ περὶ τῆς τοῦ ἀρχηγῶν καὶ πρὸς τὸν ἀρχηγὸν τῆς
ἰμωδοῦ· ἀρχηγῶν μὲν αὐτῶν· κείνῳ δὲ δὲ αὐτῶν μὲν αὐτῶν τῆς τοῦ ἀρχηγῶν
συγχωρήσει· αὐτῶν τῆς τοῦ ἀρχηγῶν τῆς τοῦ ἀρχηγῶν τοῦ ἀρχηγῶν· ἐκ περὶ τῆς
κείνῳ ἐκείνῳ· καὶ βίαν ἐπερὶ τῆς τοῦ ἀρχηγῶν· δείσαντες οὐκ αὐτῶν τῆς τοῦ ἀρχηγῶν
αὐτῶν· καὶ τῆς τοῦ ἀρχηγῶν τῆς τοῦ ἀρχηγῶν· ἀπὸ τῆς τοῦ ἀρχηγῶν τῆς τοῦ ἀρχηγῶν
ταῦν αὐτῶν τῆς τοῦ ἀρχηγῶν μωριάδας· ἐκείνῳ δὲ αὐτῶν τῆς τοῦ ἀρχηγῶν· ἐκ δὲ αὐτῶν τῆς τοῦ ἀρχηγῶν
τῆς τοῦ ἀρχηγῶν· δυνασθέντες οὐ μόνον αὐτῶν τῆς τοῦ ἀρχηγῶν· ἀπὸ τῆς τοῦ ἀρχηγῶν

ὁ τῶν τῆς τοῦ ἀρχηγῶν
τῶν τῆς τοῦ ἀρχηγῶν
τῶν τῆς τοῦ ἀρχηγῶν
τῶν τῆς τοῦ ἀρχηγῶν
τῶν τῆς τοῦ ἀρχηγῶν

καὶ τῶν τῆς τοῦ ἀρχηγῶν

αὐτοὶ δὲ πρῶτον ἀνὰ τὰς ἡμέρας αὐτὰς
 προσχωροῦσι πύλῃν ὀνόματι· τὸ αὐτὸ οὖν προσγενομένης αὐτῆς καὶ τῆς καὶ τῆς ἡμέρας· οἱ
 ῥα αὖ πάντες τὸν στρατὸν· ἀπὸς τὸν μόνον μετ' ἡμῶν· καὶ οὐκ ἔστιν ἄλλος ἀπὸ τῶν ἀνέμων·
 ἀλλὰ καὶ κείνος· σαρακηνὸς καὶ πολὺς καὶ ἄλλος· καὶ καμῖνος καὶ ἄλλος· καὶ στρατὸν περὶ αὐτὸν
 περὶ αὐτὸς περὶ αὐτὸς χιλιάδας· καὶ ἐλέφαντας περὶ αὐτὸς ἑκατὸν· καὶ πάντες τὸν τοιοῦτον ἀνέμων
 αὐτὸν· ὑπὸ πᾶσι κατὰ τὸν ἄνθρωπον αὐτὸν· καὶ γενομένης αὐτῆς· ἐπὶ αὐτὸν μετ' ἡμῶν
 τῶν ποταμῶν· πρὶν αὖτε καὶ ὁ μόνον μετ' αὐτὸν



ὁ οὐρανός· ἡ γὰρ αὐτὴ καὶ ἐν τῇ κακίῃ· καὶ τὸν οὐρανὸν παραφάρμακον· τοῦ αὐτοῦ περὶ τοῦ αὐτοῦ
 ἐκ τῆς αὐτῆς αὐτῆς· τὸ αὐτὸ οὖν περὶ αὐτῆς· τὸ αὐτὸ οὖν περὶ αὐτῆς· τὸ αὐτὸ οὖν περὶ αὐτῆς·
 αὐτὸς τῶν ἀνέμων· ὑπὸ πάντων ἀναγορεύεται αὐτῆς τῆς αὐτῆς· αὐτῆς αὖτε· πέμψας κα
 φαιρὲν τὴν μέντην φύρα τοῦ ἀνέμου φυλάκην· καὶ αὐτὸν αὖτε τοῦ αὐτοῦ αὐτῆς τὸν οὐρανὸν
 τὴν αὐτῆς αὐτῆς· ὁ οὐρανός· ὁ οὐρανός



0177p 549

ἡ πρὸς τὴν ἑξῆς



Καὶ τοῦ μεγάλου κατὰ τὸ πᾶν ἐξ ὅρου ἀπέμπελ' ἐπὶ τὸ πᾶν χιτῶνας· αὐτὸς δὲ πρὸς τὸν σουλ-
τάνον ἐπαρτήσεν· καὶ ἐπὶ τῆς τροπῆς ἀπορῆνυτο· μετέτιθε|τὰς αἰτίας ἐλάττω· καὶ ἐπὶ κλέψας·
ἐπ' αὐτὸν δὲ ἡμεγαλειότης ἐκρατεῖτε|κατὰ τοῦ κάρμενος· ῥαὸν αἰπὴν πᾶσι θάσσει|τὴν ἀρμίαν· ὥς
ἐν παρόντι οὐδὲ ἀφίγει το καὶ ἐπὶ τοῦ καλασσοράκην· ὥς εἰν μὲν χύρα πᾶν ἄφορος· κατέχου δὲ ὁ
πρόηναι καὶ· τὸ ὡς πεπολεμκότας πρὸς αὐτὸν γραπῶτας ὑπαίριτόν· ἀλλ' ἐκείνων
μὲν οὐ σὺλτάνος· κατασχίνε μελῆα διὰ τὸ αἰσχρὸν ἐνίσταται τὸ ἥτις· καὶ ἀποκτείνει· πρὸς δὲ
ῥαυμαῖοις οὐ πᾶσι κινήσει ἀπεδείλεια· δέδωκε καὶ φρίττον ἐκ μόνου τῆς φήμης· τὰς τῶν προσησά-
ντων ἐξουσίαν· ἀνδραδήματα· ῥικεφόρον· ἰωάννον· καὶ βασιλείου· καὶ ὑποπᾶσαν τὴν αὐτὴν
ἀρετὴν ἐπὶ καὶ δῶκε μὲν προτείνει ῥαυμαῖοις· οὐκ ἀφίρροπος ἦν καὶ ἀλχομαῖος· καὶ ἐμε-
λῆα τὸ ποικίλον· ὁ Καντλουνος δὲ· γνοῖς τὴν ἡδονὴν· φάμελ μὲν πῶν αὐτῷ· καὶ
πολλὸν χρεωτὰ τὴν κατισχύνει χρεωτῶν οὐ κελεύει· ἡ τὸ πᾶσα ἐν ὁμαρτα· αὐτὴ πᾶλοσι
μεταπύσση τάνω· ὁ δὲ τὸν ὡς χύν· πρὸς τούτον μὲν ἀπολεμῆνός ἐστι δόκιμος· πᾶς
δὲ τὸς αὐτὸν δῶκε μὲν οὐδρῶσας· ἀπέσθη κατὰ τὴν ἀρμίαν· καὶ μόνος γενομένης πάλιν· τρεῖς
καὶ αὐτὸς· ἐπαρτήσεν δὲ ἀπὸ τῆς τροπῆς· καὶ μὴ φράων τὴν αἰσχύνει καὶ ἀπὸ τοῦ Καντλου-
μου οὐκ εἶδος· αὐτὸς μὲν τὸ πᾶσι τὸν πᾶν ἀνταβάζων· ἀπέσινε τὸ πᾶν· καὶ ἀφ' ἑλπε
πρὸς πολέμου μέχρ' ὅσον πῶς κείω αὐτῷ· τὸν χρεώτε τίς τὸ πᾶν οὐ φέρωσι· καὶ πολλὰ
κίθ' ἀναστάντων τὸς πᾶσι καὶ ἐχόμεναι· καὶ οὐ μὲν τὸν σουλτάνον ἐλάττω.

1103, 1104
 1105, 1106

1870

